गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार

वार्षिक विवरण

1997-98

ओ३म्

वार्षिक विवरण

1997 – 98

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार

विश्वविद्यालय के वर्तमान अधिकारी

कुलाधिपति	श्री सूर्यदेव
कुलपति	डॉ० धर्मपाल
आचार्य (उपकुलपति)	प्रो. वेद प्रकाश शास्त्री
कोषाध्यक्ष	श्री हरवंश लाल शर्मा
कुलसचिव	प्रो. श्याम नारायण सिंह
डीन, प्राच्य विद्या संकाय	प्रो. श्याम नारायण सिंह
डीन, मानविकी संकाय	प्रो. नारायण शर्मा
डीन, विज्ञान संकाय	प्रो. एस.एल. सिंह (डॉ० वीरेन्द्र अरोड़ा)
डीन, जीव विज्ञान संकाय	डा० बी.डी. जोशी
डीन, छात्र कल्याण	प्रो. डी.के. माहेश्वरी
वित्त अधिकारी	श्री जयसिंह गुप्ता
पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ० जगदीश प्रसाद विद्यालंकार

सम्पादक मण्डल

- डॉ० श्यामनारायण सिंह, कुलसचिव
- श्री जयसिंह गुप्ता, वित्तधिकारी
- डॉ० विष्णु दत्त राकेश, प्रोफेसर हिन्दी विभाग
- डॉ० प्रदीप कुमार जोशी, जनसम्पर्क अधिकारी

विषय–सूची

विषय–सूची

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के संस्थापक स्वामी श्रद्धानन्द जी

आमुख

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के ९८ वर्ष पूरे कर रहा है। भारत में पुनर्जागरण और निर्माण की मशाल जलाने वाले स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज ने पाश्चात्य शिक्षा प्रणाली के समानान्तर भारतीय जीवन मूल्यों और आदर्शों पर आधारित भारतीय शिक्षा प्रणाली का प्रवर्त्तन गुरुकुल शिक्षा पद्धति के रूप में किया। प्राचीन भारतीय विद्याओं और आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का हिन्दी माध्यम से उच्चतर अध्ययन और अध्यापन अनुसन्धान कराने वाली यह प्रथम राष्ट्रीय शिक्षा संस्था है, जिसकी प्रशंसा महात्मा गाँधी, दीनबन्धु एन्ड्रूज, पण्डित मदनमोहन मालवीय, मान्य गोखले, महाकवि रविन्द्रनाथ, नरेन्द्र देव, जवाहरलाल नेहरू, डॉ० राजेन्द्रप्रसाद तथा इन्दिरा गाँधी जैसे लोकनायक मनीषियों ने की है। विश्वविद्यालय का स्तर प्राप्त करने के बाद विज्ञान, वैदिक ज्ञान, प्राच्य विद्या और मानविकी के क्षेत्र में इस विश्वविद्यालय ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

विश्वविद्यालय में कुलपति जी के आमन्त्रण पर इस वर्ष संस्कृत विभाग में महर्षि दयानन्द सरस्वती वि०वि० अजमेर के कुलपति श्री चतुर्वेदी जी ने अपना विशिष्ट व्याख्यान दिया।

हिन्दी विभाग में डा० भवानी लाल भारतीय, डा० ओमप्रकाश सिंघल, डा० सर्वजीत राय श्री चन्द्र शेखर त्रिवेदी, डा० श्याम सुन्दर शुक्ल, डा० केशव प्रथम वीर, डा० नरेश मिश्र, डा० हरि मोहन आदि पधारे। हिन्दी विभाग में हुई सेमिनार के अवसर पर प्रो० विजयेन्द्र स्नातक का अभिनन्दन किया गया।

इस वर्ष के दीक्षान्तोत्सव पर विश्वविद्यालय में माननीय डा० सुमतीन्द्र नाडिग, अध्यक्ष, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने दीक्षांत भाषण पढ़ा।

इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के प्रौढ़ शिक्षा विभाग ने अपने प्रसार कार्यक्रम के अंतर्गत समीपस्थ ग्रामों में शिक्षा, घरेलू उपकरणों के प्रयोग, जनसंख्या पर रोक तथा स्वरोजगारों की सूचना आदि कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया।

विश्वविद्यालय के अनेक विद्वान प्राध्यापक विदेशों में विशिष्ट व्याख्यानों के लिये आमन्त्रित किये गये।

बी०एड० का पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने हेतु UGC की विजिटिंग कमेटी २४, २५ मई ९८ को पधारी, निर्णय अपेक्षित है।

विश्वविद्यालय के आचार्यो ने लेखन-प्रकाशन तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों में आयोजित संगोष्ठियों, सम्मेलनों, पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों तथा शोध समितियों में भाग लेकर अपने पद की गौरववृद्धि की। कुछ शिक्षकों को प्रोन्नति मिली। मैं सभी को बधाई देता हूँ। विभागों के प्रगति विवरण में अलग-अलग इन विद्वानों के निजी क्रिया-कलापों का विस्तृत ब्यौरा उपलब्ध है।

अन्त में, मैं केन्द्रीय सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली, हरियाणा एवं पंजाब आर्य प्रतिनिधि सभाओं के अधिकारियों, शिक्षा पटल, कार्य परिषद् तथा शिष्ट परिषद् के माननीय सदस्यों एवं स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों का अत्यन्त कृतज्ञ हूँ जिनके सहयोग से विश्वविद्यालय का कार्य सुचारू रूप से चलता रहा है और हम निरन्तर प्रगति के पथ पर आगे गढ़ रहे हैं।

प्रो० श्यामनारायण सिंह
कुलसचिव

❖❖❖

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय का संक्षिप्त इतिहास

बीसवीं सदी के प्रारम्भ में स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज ने पुण्यसलिला गंगा के पावन तट पर कांगड़ी नामक ग्राम में ४ मार्च १९०२ को राष्ट्र निर्माण की एक ऐसी सुदृढ़ आधारशिला रखी थी, जो गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति के भव्य प्रासाद की प्रथम सोपान बनी। कौन जानता था कि देश के स्वर्णिम भविष्य का स्वप्न लिए हुए एक कर्मयोगी द्वारा जो नन्हा-सा पौधा गुरुकुल के रूप में लगाया जा रहा है वह वटवृक्ष का रूप धारण कर सम्पूर्ण समाज को छाया प्रदान करेगा और जिसके मीठे, रसीले फलों का आस्वादन कर देशवासी कृतकृत्य होंगे।

पराधीनता के कालखण्डों में लार्ड मैकाले द्वारा भारत में चलाई गई शिक्षा पद्धति राष्ट्र के स्वाभिमान और गौरव को नष्ट कर रही थी। देशभक्त, चरित्रवान, विद्वान युवकों के स्थान पर केवल बाबू बनाने का अंग्रेजों का षडयन्त्र अपना प्रभाव दिखाने लगा था, ऐसे समय में महान शिक्षा शास्त्री स्वामी श्रद्धानन्द ने प्राचीन और अर्वाचीन विषयों की शिक्षा के साथ-साथ ब्रह्मचारियों में चरित्रबल और राष्ट्र प्रेम की भावना प्रसारित करने के लिए इस पवित्र संस्था का शुभारम्भ किया था। स्वामी जी के मन में इस प्रकार के उत्कृष्ट भाव को उत्पन्न करने में महर्षि दयानन्द सरस्वती के शिक्षा विषयक वैदिक विचार मूल मंत्र के रूप में कार्य कर रहे थे। स्वामी श्रद्धानन्द पुनः इस देश में ब्रह्मचर्य पर आधारित गुरु शिष्य परम्परा को पुनर्जीवित करना चाहते थे।

गुरुकुल की स्थापना के कुछ वर्ष बाद महाविद्यालय विभाग प्रारम्भ हुआ जिसमें सभी विषय मातृभाषा हिन्दी के माध्यम से पढ़ाये जाते थे। यहां तक की विज्ञान के विषय भी हिन्दी में पढ़ाये जाने लगे। इस संस्था में कार्यरत् सुयोग्य उपाध्यायों ने रसायन, भौतिकी, वनस्पति शास्त्र, अर्थशास्त्र आदि विषयों पर हिन्दी भाषा में उत्तमोत्तम पाठ्य पुस्तकों की रचना की।

प्रथम दीक्षान्त समारोह में ब्रह्मचारी हरिशचन्द्र एवं इन्द्र (दोनों स्वामी श्रद्धानन्द जी के सुपुत्र) शिक्षा पूर्ण कर स्नातक हुए थे। यह गुरुकुल अपने शैशवकाल से ही देश का आकर्षण केन्द्र बना रहा। इसकी लोकप्रियता निरन्तर बढ़ती रही। देश विदेश के शीर्षस्थ शिक्षा शास्त्री राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी, स्वातन्त्र्य योद्धा देशभक्त यहां बड़ी श्रद्धा भावना से आते रहे। विदेशी आगन्तुकों में सी.एफ.ए. एण्ड्रयूज ब्रिटिश ट्रेड यूनियन के नेता श्रीयुत् सिडनी वेव और ब्रिटेन के भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री रेज्मे मेकडानेल्ड आदि उल्लेखनीय हैं।

ब्रिटिश सरकार पहले गुरुकुल को राजद्रोही संस्था मानती थी। जब संयुक्त प्रान्त के गवर्नर सर जेम्स मेस्टन ने गुरुकुल को अपनी आंखों से देखा, तब उनका यह भ्रम दूर हुआ। वे गुरुकुल में चार बार पधारे। भारत के वायसराय लार्ड चैम्सफोर्ड भी गुरुकुल पधारे। यह गुरुकुल कभी राजद्रोही न था, किन्तु जब कभी धर्म जाति व देश के लिए सेवा की, त्याग

की एवं समर्पण की आवश्यकता हुई, तब गुरुकुल सब से आगे रहा। १९०० के व्यापक दुर्भिक्ष, १९०८ के दक्षिण हैदराबाद जल-विप्लव, १९११ के गुजरात के दुर्भिक्ष और दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी द्वारा प्रारम्भ किए गये सत्याग्रह संग्राम में गुरुकुल के ब्रह्मचारियों ने मजदूरी करके और अपने भोजन में कमी करके दान दिया। इस भावना को देखकर महात्मा गाँधी तीन बार गुरुकुल पधारे। गुरुकुल के ब्रह्मचारियों ने हैदराबाद सत्याग्रह और हिन्दी आन्दोलन में भी सक्रिय भाग लिया और जेल भी गये।

इस गुरुकुल से प्रेरणा पाकर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान आदि राज्यों में अनेक गुरुकुलों की स्थापना हुई।

सन् १९२४ में गंगा में भीषण बाढ़ आई और गुरुकुल के बहुत से भवन नष्ट हो गये। अतः निश्चय किया गया कि गुरुकुल ऐसे स्थान पर स्थापित किया जाये जहां इस प्रकार का पुनः भय न हो। इसके लिए हरिद्वार से ५ किलोमीटर की दूरी पर ज्वालापुर के समीप, गंगनहर के किनारे हरिद्वार बाईपास मार्ग पर वर्तमान स्थान का चयन किया गया।

सन् १९२६ में रजत जयन्ती समारोह में भारत के विभिन्न राज्यों से लगभग पचास हजार अतिथि पधारे। इनमें महात्मा गांधी, पंडित मदनमोहन मालवीय, बाबू राजेन्द्र प्रसाद, सेठ जमनालाल बजाज, डॉ० मुंजे, साधु वासवानी आदि उल्लेखनीय हैं।

१९३०-३२ में आचार्य रामदेव जी, जो उस समय गुरुकुल के मुख्याधिष्ठाता थे, ने अपने प्रयासों से नैरोबी से १० लाख रुपये लाकर गुरुकुल की वर्तमान स्वरूप में पुनः स्थापना की।

अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द जी के बाद पं० विश्वम्भर नाथ, आचार्य रामदेव जी, पं० चमूपति जी, पं० सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, पं० इन्द्र विद्यावाचस्पति आदि मुख्याधिष्ठाता के रूप में गुरुकुल का संचालन करते रहे।

मार्च १९५० में गुरुकुल का स्वर्ण जयन्ती महोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। दीक्षान्त भाषण भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ० राजेन्द्र प्रसाद ने दिया। भारत सरकार की ओर से राष्ट्रपति जी ने एक लाख रुपये का दान दिया। यह प्रथम अवसर था जब गुरुकुल ने सरकार से अनुदान लिया।

१ अगस्त १९५७ को पं० जवाहर लाल नेहरू गुरुकुल में पधारे। उन्होंने विज्ञान महाविद्यालय का उद्घाटन किया। १९६० में विश्वविद्यालय की हीरक जयन्ती मनाई गई। २० वर्ष से भी अधिक समय तक कुलपति एवं मुख्याधिष्ठाता रहने के पश्चात् पं० इन्द्र जी को गुरुकुल से विदाई दी गई। उनके पश्चात् पं० सत्यव्रत जी सिद्धांतालंकार गुरुकुल के कुलपति एवं मुख्याधिष्ठाता बनें। इन्हीं के समय १९६२ में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय को भारत सरकार से विश्वविद्यालय के समकक्ष होने की मान्यता मिली। गुरुकुल ने एक नये जीवन में पदार्पण किया। आचार्य प्रियव्रत जी, श्री रघुवीर सिंह, शास्त्री, डॉ० सत्यकेतू विद्यालंकार, श्री बलभद्र कुमार हूजा, श्री आर०सी० शर्मा, श्री सुभाष विद्यालंकार आदि शिक्षा शास्त्री क्रमशः कुलपति पद पर शोभायमान होकर इस विश्वविद्यालय का विकास करते रहे।

गुरुकुल को स्थापित हुए ९८ वर्ष हो गए हैं। १ जुलाई १९९३ से डॉ० धर्मपाल जी कुलपति एवं मुख्याधिष्ठाता के रूप में विश्वविद्यालय के बहुआयामी विकास में अहर्निश संलग्न हैं। इन चार वर्षों में भवनों के निर्माण को देखकर आश्चर्य होता है। हरिद्वार-रुड़की बाईपास मार्ग पर कन्या गुरुकुल महाविद्यालय का भव्य भवन माननीय कुलपति जी की भावनाओं का ज्वलन्त प्रतीक हैं चार वर्ष की अवधि में एक ओर भवन निर्माण का कीर्तिमान बना तो दूसरी ओर नए-नए आधुनिक पाठ्यक्रमों के साथ नारी शिक्षा के क्षेत्र में उच्चतम शिक्षा के द्वार भी खुले। वैदिक साहित्य, दर्शन, संस्कृत साहित्य, योग, प्राचीन भारतीय इतिहास, हिन्दी, अंग्रेजी, मनोविज्ञान के साथ-साथ गणित, रसायनशास्त्र, भौतिकी, वनस्पति शास्त्र, जन्तु विज्ञान पर्यावरण एवं कम्प्यूटर तथा प्रबन्धन की उच्च शिक्षा की उत्तम व्यवस्था इस विश्वविद्यालय की विकास यात्रा के साक्षी रहे।

डॉ० धर्मपाल जी, कुलपति के निर्देशन में इस समय विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों की संरचना इस प्रकार है-

विद्यालय विभाग- प्रथम कक्षा से १२वीं कक्षा तक यहां छात्र आवासीय व्यवस्था के अन्तर्गत शिक्षा के साथ-साथ उत्तम संस्कार ग्रहण करते हैं। १०वीं कक्षा उत्तीर्ण करने पर विद्याधिकारी तथा १२वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर विद्याविनोद का प्रमाण-पत्र दिया जाता है।

प्राच्य विद्या संकाय- इस संकाय में सुयोग्य उपाध्यायों के मार्ग दर्शन में वेद, संस्कृत, दर्शन, योग, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्त्व विषयों में एम०ए० और पी.एच. डी. हेतु अध्यापन एवं शोध कार्य की व्यवस्था है। त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर वेदालंकार की उपाधि दी जाती है।

मानविकी संकाय- इस संकाय में हिन्दी, अंग्रेजी, मनोविज्ञान विषयों में सुयोग्य उपाध्यायों के मार्गदर्शन में एम०ए० तथा पी.एच.डी. हेतु छात्र अध्ययन एवं अनुसंधान कार्य करते हैं। त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर विद्यालंकार की उपाधि दी जाती है। इसके साथ ही अलंकार (बी.ए.) का पाठ्यक्रम भी चल रहा है जिसमें इस वर्ष से संस्कृत एवं अंग्रेजी अनिवार्य कर दी गई है।

विज्ञान, जीव विज्ञान संकाय- इसमें त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर बी.एस. सी. की उपाधि प्रदान की जाती है। गणित, रसायनशास्त्र, भौतिकी, वनस्पति विज्ञान, जन्तु-विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान एवं कम्प्यूटर में एम.ए., एम.एस.सी., एम.सी.ए. एवं पी.एच. डी. हेतु अध्ययन अध्यापन की तथा शोधकार्य की उत्तम व्यवस्था कुशल उपाध्यायों के मार्ग दर्शन में चलती है। आधुनिक विज्ञान के क्षेत्र में वैदिक विज्ञान का समन्वय इस संकाय की विशेषता है।

प्रबन्धन संकाय- मान्य कुलपति जी के प्रयास से इस नवीन संकाय ने उत्तम स्वरूप प्राप्त कर लिया है। आधुनिक प्रबन्धन व्यवस्था के साथ-साथ वैदिक प्रबन्धन का पाठ्यक्रम में समावेश करना एक नई बात है।

प्रौद्योगिकी संकाय- सत्र ९७-९८ से विश्वविद्यालय में प्रौद्योगिकी संकाय की संरचना

कर दी गई है जिसके अन्तर्गत अभी कम्प्यूटर विभाग है। इस ओर प्रयास है कि इस संकाय के अंतर्गत इंजीनियरिंग कम्प्यूटर, इलैक्ट्रोनिक्स आदि विषय की व्यवस्था कर दी जाए।

कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, हरिद्वार- विश्वविद्यालय के मान्य अधिकारियों की प्रेरणा से बालिकाओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने हेतु कन्या गुरुकुल महाविद्यालय जो कि कुछ वर्ष किराये के भवन में चल रहा था, अब अपने भवन में आ गया है। प्रायः सभी विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के साथ पी.एच.डी. हेतु शोध कार्य की उत्तम व्यवस्था है। बालिकाओं की संख्या और उत्साह को देख कर यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यह कन्या गुरुकुल महाविद्यालय शीघ्र ही भव्य एवं प्रेरक रूप धारण करेगा।

कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, देहरादून- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, देहरादून को विश्वविद्यालय का एक अंगभूत महाविद्यालय स्वीकृत कर लेने के बाद इसका पर्याप्त विस्तार हुआ है। अलंकार (बी.ए.) के साथ-साथ अनेक विषयों में एम.ए. तथा एम.सी.ए., एम.बी.ए. पाठ्यक्रम सुचारू रूप से चल रहे हैं। छात्रावास का निर्माण हो चुका है। भवन निर्माण निरन्तर चल रहा है।

विशाल पुस्तकालय- किसी भी शिक्षण संस्था के प्राण पुस्तकालय में रहते हैं। इस दृष्टि से गुरुकुल कांगड़ी का बृहत पुस्तकालय उत्तर भारत के अध्येताओं का आकर्षण केन्द्र बना हुआ है। इसमें विविध विषयों की एक लाख पच्चीस हजार से अधिक पुस्तकें हैं। इनमें अनेक दुर्लभ ग्रन्थ हैं। भारत के कोने-कोने से शोधार्थी इस पुस्तकालय में आकर अपनी जिज्ञासा शान्त करते हैं।

गुरुकुल कांगड़ी फार्मेसी- यह आयुर्वेदिक औषधियों के निर्माण का बहुत बड़ा केन्द्र है। देश-विदेश में इस फार्मेसी की औषधियों की गुणवत्ता प्रसिद्ध है। फार्मेसी से प्राप्त आय को ब्रह्मचारियों और जल कल्याण पर खर्च किया जाता है।

यह विश्वविद्यालय सम्पूर्ण देश में अपनी अलग पहचान रखता है। विश्वविद्यालय कुलाधिपति माननीय श्री सूर्यदेव जी, कुलपति श्रीमान डॉ० धर्मपाल जी तथा शिष्ट परिषद्, कार्यपरिषद् एवं शिक्षा पटल के सदस्यों के सुयोग्य मार्गदर्शन में उत्तरोत्तर प्रगतिपथ पर अग्रसर है।

हमें पूर्ण विश्वास है कि तपः पूत स्वामी श्रद्धानन्द जी का यह संस्थान आगे भी निरन्तर प्रगति करता रहेगा।

प्रो० वेद प्रकाश शास्त्री
आचार्य (उप-कुलपति)

कुलपति-प्रतिवेदनम्

ओं यां मेधां देवगणाः पितरश्चोपासते।
तया मामद्य मेधयाग्ने मेधाविनं कुरु स्वाहा।।
(यजुर्वेदः ३२॥१४)

परमपूज्याः सन्यासिनः, मुख्यातिथयः श्री प्रो० सुमतीन्द्र नाडिग महोदयाः, कुलाधिपतिपदम् अलङ्कुर्वाणाः मान्याः श्री सूर्यदेव महाभागाः, सम्मान्याः आर्य्यनेतारः, मञ्चस्थाः विद्वांसः, विश्वविद्यालये विद्यादानरताः उपाध्यायाः, नवस्नातकाः, अस्मिन् दीक्षान्त समारोहे समागताः समुपस्थिताः शिष्टपरिषदः, कार्यपरिषदः, शिक्षापटलस्य, आर्यविद्यासभायाश्च सम्मान्याः सदस्याः, सुदूरस्थानेभ्यः अमुम् दीक्षान्त समारोहं द्रष्टुं समायाताः भ्रातरो भगिन्यश्च !

अद्य शुभदिवसे गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालयस्य अष्टनवतितमे दीक्षान्त समारोहे समागतानां सभ्यानां महानुभावानां हार्दं स्वागतम् अभिनन्दनञ्च व्याहरन्तो वयम् अमन्दम् आनन्दम् अनुभवामः।

हे प्रियस्नातकाः !

अमर हुतात्मना स्वनामधन्येन स्वामिश्रद्धानन्देन अष्टन- वति वर्षेभ्यः प्राग् भगवत्याः पुण्यसलिलायाः भागीरथ्याः पवित्रे तीरे गुरुकुलमिदं संस्थापितम्। अस्मादेव गुरुकुलाद् विद्यानां पारदृश्वानः, देशप्रेम परिपूरितान्तःकरणाः, वेदमूर्त्तयः, तपोमूर्त्तयः, क्रान्तदर्शिनः कवयः, मेधाविनो मनीषिणः, क्रान्तिकारिणः, दार्शनिकाः, लेखकाः, राजनेतारः, आर्य्यनेतारः, लब्धकीर्तयः पं० इन्द्र विद्यावाचस्पति - आचार्य रामदेव - स्वामि समर्पणानन्द - आचार्य अभयदेव - आचार्य प्रियव्रत - डॉ० सत्यकेतु - पं० चन्द्रगुप्त - स्वामि धर्मानन्द - पं० विश्वंनाथ - डा० रामनाथ वेदालंकार - अत्रिदेव - सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार - पं० चन्द्रमणि विद्यालंकार प्रभृतयः स्नातकाः गुरुकुलस्य यशोगाथां सर्वासु दिक्षु विश्वस्मिन् विश्वे प्रसारयामासुः। सम्प्रत्यपि नैके यशस्विनः स्नातका अपि इत उपाधिं गृहीत्वा राष्ट्रस्य विविधेषु क्षेत्रेषु दक्षतां प्रकटयन्तः अस्य विश्वविद्यालयस्य गौरवम् समेधयन्ति।

हे आर्यबान्धवाः !

अयं विश्वविद्यालयः प्रत्यहं भगवतोऽनुकम्पया प्रगतिपथम् आरोहति। गुरुकुलस्य प्राचीन परम्परानुसारम् प्रतिदिनं प्रातःकाले विश्वविद्यालये आचार्य वेदप्रकाश शास्त्रिणां निर्देशने यज्ञः प्रसरति। प्रगतेः संक्षिप्तं वृत्तं भवतां कर्णगोचरीभवतु इति विमृश्य समासेनैव उदीर्यते। साम्प्रतम् अस्मिन् विश्वविद्यालये षट्संकायाः प्रवर्धमानाः सन्ति। ते च प्राच्यविद्या - मानविकी - विज्ञान - जीवविज्ञान - प्रौद्योगिकी - प्रबन्धन संकाय रूपेण विद्यादीप

प्रज्वालने सततं क्रियाशीला: सन्ति। अपरौ द्वौ हरिद्वार देहरादून नगरस्थौ कन्या महाविद्यालयौ अपि प्रचलत:। एकैकस्य संकायस्य महाविद्यालयस्य च विभागानां विवरणं प्रस्तूयते।

प्राच्यविद्यासंकाय:

अस्मिन् संकाये वेद-संस्कृत-दर्शन-इतिहास-योग - शारीरिक शिक्षाविभागा: सन्ति। एकञ्च श्रद्धानन्द शोधसंस्थानमपि वर्तते। साम्प्रतं प्रो० श्यामनारायण सिंह महाभागा: संकायाध्यक्ष पदे कार्यरता: सन्ति।

वेद विभाग: - डॉ० मनुदेव बन्धुमहाभागस्य अध्यक्षतायाम् अयं विभाग: सततं प्रगतिपथमनुसरति। अस्मिन् विभागे डॉ० रूपकिशोर शास्त्री, डॉ० दिनेशचन्द्र शास्त्री, डॉ० सत्यदेव निगमालंकार:- एते चत्वार: उपाध्याया: सन्ति। प्राच्यविद्यासंकायस्य तत्त्वावधाने समायोजितायां प्राचीन भारते धर्मो राजनीतिश्च इत्यस्मिन् विषये राष्ट्रिय संगोष्ठ्यां सर्वे प्राध्यापका: भागं गृहीतवन्त:। डॉ० मनुदेवबन्धु - डॉ० दिनेशचन्द्र शास्त्रिणौ अस्यां संगोष्ठ्याम् शोध पत्रेऽपि अपठताम्। डॉ० मनुदेवेन आचार्य वेदप्रकाश शास्त्रि महोदयस्य निर्देशने 'छान्दोग्योपनिषद्'- नामके ग्रन्थे पी-एच.डी. उपाधिरधिगत:। डॉ० रुपकिशोर शास्त्रिण: बृहद् शोधपरियोजना पूर्त्तिमगात्। उ.प्र. संस्कृत संस्थाने सदस्य रूपे रुपकिशोरो राजते।

डॉ० दिनेशचन्द्रशास्त्रिण: 'वैदिक उपमा कोश' नामिका बृहद् शोधपरियोजना विश्वविद्यालय अनुदान आयोगेन स्वीकृता। डॉ० दिनेशचन्द्र: गुरुकुल विश्वविद्यालयस्य गुरुकुल पत्रिकाया उपसम्पादकत्वमपि भजते।

पंजाब प्रान्तस्य फाजिल्का नगरान्तर्गत डी.ए.वी. शिक्षण संस्थानस्य स्वर्णजयन्ती समारोहे विभागीया: सर्वे प्राध्यापका: भागं गृहीतवन्त:। वेदविभागे शोध कार्यमपि प्रचलति।

संस्कृत विभाग: - साम्प्रतम् अस्मिन् विभागे प्रो० वेदप्रकाश शास्त्रिण: प्रोफेसर पदे प्रतिष्ठिता: सन्ति। एते आचार्य- उपकुलपति पदस्य गौरव प्रख्यापने सफला: सन्ति। एते साम्प्रतं मानविकी संकायस्य अध्यक्ष भारमपि वहन्ति। पंजाब प्रान्तस्य डी.ए.वी. शिक्षणसंस्थान फाज़िल्कानगरस्य स्वर्णजयन्ती समारोहे विशिष्टातिथित्वेन भागम् गृहीतवन्त:। एभि: महानुभावै: नैकेषु विश्वविद्यालयेषु संस्कृत संस्थानेषु च विशिष्टानि व्याख्यानानि दत्तानि प्रतिष्ठितानि कार्याणि च सम्पादितानि।

अस्मिन् विभागे रीडर पदे डॉ० महावीर - डॉ० सोमदेव- डॉ० रामप्रकाश महाभागा: राराजन्ते। प्रवक्तृपदे डॉ० ब्रह्मदेव: सुशोभते। इदानीं विभागस्य अध्यक्षतां डॉ० रामप्रकाश शर्माण: कुर्वन्ति। डॉ० रामप्रकाश: विधिन्याय - सम्बन्धिग्रन्थानाम् संस्कृतानुवादं करोति। डॉ० महावीरेण प्राच्यविद्यासंकायस्य तत्वावधाने समायोजिताया: राष्ट्रिय संगोष्ठ्या: साफल्येन संयोजकत्वं वोढम्। अनेन उ०प्र० संस्कृत संस्थान द्वारा गुरुकुल विश्वविद्यालयस्य प्रांगणे

प्रायोजित सम्मेलनस्य संयोजनमपि कृतम्। डॉ० सोमदेवः प्रभात आश्रमे मेरठ मण्डले आयोजितायाम् शोध संगोष्ठ्यां भागं गृहीतवान्। डॉ० ब्रह्मदेवो अपि 'प्राचीन भारते धर्मो राजनीतिश्च' इत्यस्याः संगोष्ठ्याः कृते एकं शोधपत्रम् अलिखत्।

दर्शन विभाग :- विभागे डॉ० जयदेव वेदालंकार महाभागाः प्रोफेसर पदे विराजन्ते। डॉ० त्रिलोकचन्द्रः अध्यक्ष पदभारं वहति। डॉ० विजयपाल - डॉ० उमराव सिंह बिष्ट- डॉ० सोहनपालाः अन्ये उपाध्यायाः कार्यरताः सन्ति। डॉ० जयदेवस्य 'भारतीय दर्शन में प्रमाण' नामकं पुस्तकं मुद्रितम्। डॉ० बिष्टः 'इण्डियन फिलोसिफिकल कांग्रेस- नामिकायाः संस्थायाः कोषाध्यक्ष पदे निर्वाचितः।

विभागस्य सर्वे प्राध्यापकाः यथारुचि स्वविषयानुरूपे शोधकार्ये निरताः सन्ति।

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभागः-कुलसचिव पदे प्राच्यविद्या संकायाध्यक्षपदे च प्रतिष्ठिताः डॉ० श्यामनारायण सिंह महोदयाः अस्य विभागस्य अध्यक्षपदभार- मावहन्ति। अस्मिन् विभागे डॉ० काश्मीर सिंह- डॉ० राकेश शर्मा - डॉ० प्रभात कुमार - डॉ० देवेन्द्र कुमाराः कार्यरताः सन्ति। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालयस्य प्राक्तनाचार्याः संकायाध्यक्षाश्च डॉ० उदयवीर सिंह महाभागाः अस्मिन् विभागे अतिथि आचार्य 'विजिटिंग प्रोफेसर' पदमलंकुर्वन्ति। डॉ० राकेशः एकस्याम् लघु शोध प्रायोजनायाम् कार्यं करोति राष्ट्रिय छात्र सेनायाश्च सञ्चालनपि करोति। डॉ० देवेन्द्रः एन.एस.एस. कार्यम् निभालयति। डॉ० प्रभातकुमारः स्वतन्त्राता ज्योतिम् स्वामि श्रद्धानन्द बलिदान दिवसावसरे गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालयस्य कुलाधिपतये श्री सूर्यदेव महाभागाय दिल्ली नगर्यां समर्पितवान्।

प्रो० एस.एन. सिंह - डॉ० काश्मीर सिंह - डॉ० राकेश शर्मणाम् निर्देशने बहवः छात्राः शोध कार्यं कुर्वन्ति। अस्मिन् सत्रे प्रो० एस.एन. सिंह महाभागानां निर्देशने शोध कार्यं समाप्य अस्मिन्नेव विभागे कार्यरतः अनिल कुमारः शोधोपाधिं प्राप्नोति। शोधसमित्या अस्मिन् सत्रे चत्वारो विषया अपि अनुसन्धानार्थं स्वीकृताः सन्ति। विभागस्य छात्रैः दिल्ली मथुरा-आगरा प्रभृतीनां स्थानानामपि शैक्षणिकं भ्रमणं कृतम्। विभागीय प्राध्यापकाः डॉ० प्रभात कुमार- डॉ० देवेन्द्र कुमार गुप्ता एवं संग्रहालय सहायकः श्री अनिल कुमारः हिमाचल प्रदेशे भारतीय सर्वेक्षण विभागस्य उत्खनन कार्ये पुरातत्व सम्बन्धि प्रशिक्षणाय भागं गृहीतवन्तः

पुरातत्व संग्रहालयः -प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभागस्यैव अयम् अंगभूतो विभागः। अस्य निदेशकाः इतिहासमर्मज्ञाः प्रो० एस.एन. सिंहाः सन्ति। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग सहाय्येन संग्रहालय भवने निर्मितेषु चतुर्षु कक्षेषु अध्यापनकार्यम् प्रारब्धम्। मानवसंसाधनविकास मंत्रालयेन अस्मिन् सत्रे विभिन्नाभ्यः परियोजनाभ्यः पञ्चाशीतिसहस्राणां (८५०००) रुप्यकानाम् आर्थिक सहाय्यस्य स्वीकृतिर्मिलिता।

श्री पुरुषोत्तम सिंहः काशी हिन्दू विश्वविद्यालयः, प्रो० रामनाथ मिश्रः ग्वालियरः, प्रो० विजयबहादुर रावः गोरखपुर विश्वविद्यालयः, डॉ० धर्मपाल सिंहः सांसद बुलन्दशहरः, डॉ० दयानन्द मिश्र मानव संसाधान विकास मंत्रालयः, प्रो० हीरोनाका कुझिको, किन्की

विश्वविद्यालय जापान, प्रो० भूदेव शर्मा यू.एस.ए., प्रो० जौहरीलाल निदेशकः **ONGC** तथा चान्येऽनेके महानुभावाः संग्रहालयम् अमुम् प्रेक्ष्य प्राशंसन्।

योगविभागः - डॉ० ईश्वर भारद्वाजस्य आध्यक्ष्ये विभागः प्रगतिं करोति। अस्मिन् विभागे डॉ० सुरेन्द्र कुमार - योगेश्वर दत्त- सुरक्षित गोस्वामिनः कार्यनिरताः सन्ति। विभागीय छात्रेण जितेन्द्र कुमारेण अखिल भारतीय अन्तर्विश्वविद्यालय योगप्रतियोगितायां स्वर्णपदकं लब्धम्। ब्रह्मचारी आदित्यमहाभागस्य योगविषये विशिष्टं व्याख्यानम् जातम्। डॉ० ईश्वरभारद्वाजेन अनेकत्र योगविषयमधिकृत्य विशिष्टानि व्याख्यानानि प्रणिदत्तानि। आकाशवाणीतः समये-२ परिचर्चा अपि जाताः। कुम्भ महापर्वावसरे विभागेन "योग प्रशिक्षण, चिकित्सा शिविर एवं प्रदर्शनी" अपि आयोजिता।

श्रद्धानन्द शोधसंस्थानम् - डॉ० भारतभूषण विद्यालंकारस्य निदेशने संस्थानम् इदं शोधग्रन्थानां प्रकाशनं करोति। एकं बहुमूल्यं "पं० इन्द्रविद्यावाचस्पति- कृतित्व के आयाम" नामकं पुस्तकम् संस्थानेन प्रकाशितम्। अस्मिन् वर्षे संस्थाने शोधकार्यम् (पी-एच.डी.) आरब्धम्। गुरुकुल पत्रिकायाः प्रकाशनमपि इदं संस्थानं करोति। वेदविषयकम् आर्य समाज विषयकं श्रद्धानन्द विषयकं च कार्यं संस्थानमनुसन्दधाति

शारीरिक शिक्षा विभागः - छात्राणां शरीरिकी मानसिकी योग्यताविवृद्ध्यर्थम् विश्वविद्यालये शारीरिक शिक्षा विभागः डॉ० रामकुमार सिंह- डांगर महोदयस्य आध्यक्ष्ये प्रशंसनीयं कार्यं करोति। अत्रत्याः छात्राः अनेकासु कबड्डी - बाक्सिंग - योगक्रीडादि राष्ट्रिय प्रतियोगितासु भागं गृहीतवन्तः, विजयं चालभन्त। छात्रः जितेन्द्र कुमारः, सर्वश्रेष्ठ शारीरिक प्रदर्शन हेतोः अस्मिन् दीक्षान्त समारोहे मया (कुलपतिना) पञ्चशतरुप्यकैः ब्लेजरवस्त्रेण च पुरस्क्रियते।

मानविकी संकायः

मानविकी संकाये हिन्दी-अंग्रेजी - मनोविज्ञान- प्रौढ़ शिक्षाश्चत्वारो विभागाः चलन्ति। आचार्य वेदप्रकाश शास्त्रिणः संकायाध्यक्षपदे प्रतिष्ठिाः सन्ति।

हिन्दी विभागः - डॉ० विष्णुदत्त राकेशः प्रोफेसर पदे, डॉ० भगवानदेव पाण्डेयः विभागाध्यक्षपदे, डॉ० सन्तराम वैश्यः डॉ० ज्ञानचन्द्र रावलश्च रीडरपदे कार्यरतौ स्तः। श्री कमलकान्त बुधकरः प्रवक्तृपदम् अलंकरोति। अस्मिन् वर्षे डॉ० भवानीलाल भारतीयः (जोधपुर)- डॉ० ओमप्रकाश सिंहल (दिल्ली) - प्रो० चन्द्र शेखर त्रिवेदी (हरिद्वार) - डॉ० सर्वजित राय (काशी) - डॉ० श्यामसुन्दर शुक्ल (वाराणसी) - डॉ० केशव प्रथम वीर (पुणे) - डा० नरेश मिश्र (रोहतक) - डॉ० हरिमोहन (गढ़वाल) प्रभृतयो महानुभावाः विभागे दत्तव्याख्यानाः कृतकार्याश्च जाताः। सन्त कबीरस्य षटशततमजयन्त्यवसरे एका त्रिदिवसीयाः परिचर्चा मई मासे (१९९८) आयोजयिष्यते विभागः।

अंग्रेजी विभाग : - विभागाध्यक्षः श्री सदाशिवभगत महोदयः विभागस्य स्थापनाकालत

एव सेवारतोऽस्ति। अस्मिन् विभागे डा० श्रवणकुमार शर्मा - डॉ० अम्बुज शर्मा - डॉ० कृष्णावतार अग्रवाल महाभागाः कार्यरताः सन्ति। अस्मिन्नेव सत्रे प्रोफेसर पदभाक् श्री डॉ० नारायण शर्मा सेवा निवृत्तो जातः। विभागे अस्मिन् वर्षे व्यावहारिक आंग्लभाषा पाठ्यक्रमः (Vocational English) प्रारब्धः। विभागस्य सर्वे प्राध्यापकाः विभिन्न स्थानेषु गत्वा शैक्षणिकं कार्यम् सम्पादितवन्तः।

मनोविज्ञान विभागः - साम्प्रतम् विभागे प्रो० ओमप्रकाश मिश्र महाभागाः ज्येयांसः गरीयांसः प्राचीनतमाश्च सन्ति। डॉ० एस.के. श्रीवास्तवः विभागाध्यक्षपदम् अलंकरोति। अनेन विश्वविद्यालयेषु नैकानि विशिष्टानि व्याख्यानानि दत्तानि। साम्प्रतम् छात्रावासस्यापि अध्यक्षत्वं वहति।)

डॉ० सी.पी. खोखर - श्री लाल नरसिंह नारायण - श्री विपिन कुमार महोदयाः प्रवक्तृपदे कार्यं कुर्वन्ति। एते सर्वे विश्वविद्यालयस्य विभिन्नेष्वपि कार्यक्रमेषु सहभागित्वं निर्वहन्ति। प्रो० सागर शर्मा (शिमला) विशिष्ट व्याख्यानार्थमत्र आगतः।

प्रौढ़ शिक्षा विभागः - अस्मिन् विभागे डॉ० रामदत्त शर्मा अध्यक्ष पदभारं वहति। डॉ० जशवीर मलिकः परियोजना अधिकारी रूपेण कार्यं करोति। जने-२ साक्षरतायाः प्रचाराय प्रसाराय विभागोऽयं कृतसंकल्पो वर्तते। अस्मिन् वर्षे अखिल भारतीयं प्रौढ़ शिक्षा सम्मेलनं समायोजितम्। देशस्य विभिन्न भागेभ्यः समागत्य प्रतिनिधयः शिक्षाया बहुव्यापकत्वम् उपयोगित्वञ्च वर्णितवन्तः।

विभागीय कार्यकर्त्तारः ग्रामे-२ नगरे-२ गत्वा प्रौढान् पाठयन्ति प्रोत्साहयन्ति च।

विज्ञान संकायः

डॉ० श्यामलाल सिंहः विज्ञान संकायस्य अध्यक्षपद भारम् वहति। विज्ञान संकायस्य सर्वे छात्रा अनिवार्यरूपेण वेदम् पठन्ति। अयं पाठ्यक्रमः 'धर्म दर्शन संस्कृति' नाम्ना चलति।

गणित सांख्यिकी विभागः - साम्प्रतं विजयेन्द्र कुमार शर्मा अध्यक्ष पदभारं वहति। विभागे डॉ० वीरेन्द्र अरोड़ा - डॉ० महीपाल सिंह - डॉ० प्रभाकर प्रधान महाभागाः सत्यनिष्ठया विभागस्य कल्याणाय कृतसंकल्पाः सन्ति। श्री ओमप्रकाश - डॉ० देवेन्द्रदत्त शर्मा - श्री विवेक गोयल - श्री सुरेशपाल प्रभृतयः तदर्थप्रवक्तृपदे कार्यं कुर्वते। डॉ० श्यामलाल सिंहः 'आर्यभट्ट' शोधपत्रिकायाः सम्पादकोऽस्ति। विभागीय प्राध्यापकाः नैकेषु सम्मेलनेषु भागं गृहीतवन्तः।

रसायनविज्ञान विभागः - डा० रणधीर सिंहः सम्प्रति अध्यक्ष पदम् अधितिष्ठति। विभागे डॉ० रामकुमार पालीवाल - डॉ० इन्द्रायण- डॉ० कौशल कुमार - डॉ० रजनीशदत्त कौशिक - डॉ० श्रीकृष्णमहाभागाः कार्यरताः सन्ति। भारतमातुः स्वतन्त्रतायाः स्वर्णजयन्ती वर्षावसरे डॉ० इन्द्रायणस्य निर्देशने नैके कार्यक्रमाः समायोजिताः। विभागीयोपाध्यायानां निर्देशने अनेके छात्राः शोधकर्मणि निरताः सन्ति। डॉ० कौशिकः विश्वविद्यालयस्य कार्यपरिषदे

निर्वाचितः। डॉ० कौशल कुमारेण छात्रकल्याणपरिषदः निर्वाचनं शान्तिपूर्वकं सम्पादितम्।

भौतिकी विभागः – अद्यत्वे डॉ० राजेन्द्र कुमार महोदयस्याध्यक्ष्ये विभागोऽयं प्रगतिपथम् आरोहति। साम्प्रतं विभागे श्री हरीशचन्द्र ग्रोवर- डॉ० पी.पी. पाठकौ कार्यरतौ विद्येते। डॉ० बुद्धप्रकाश शुक्लः स्वकीयं समग्रं कार्यकालं समाप्य सेवानिवृत्तिं गतः। अतः असौ धन्यवादार्हः कृतज्ञश्चाहम्। विभागीयाः सर्वे प्राध्यापकाः विभागस्योन्नत्यै यथाशक्ति कार्यमकुर्वन्। डॉ० राजेन्द्र कुमारः वार्षिक परीक्षायाः साफल्येन सञ्चालनमपि करोति। डॉ० राजेन्द्र कुमारस्य एका वृहद् शोध परियोजना ब्ौण्ण्न्त्ण नाम्नी संस्थातः आर्थिकानुदान प्रदानार्थं स्वीकृता। एम-एस.सी. भौतिक्यां विषय विशेषज्ञतायै एको नवीनः पाठ्यक्रमोऽपि प्रारब्धः।

प्रौद्योगिकी संकायः

प्रौद्योगिकी संकायस्य स्थापना अस्मिन्नेव वर्षे जाता। साम्प्रतं डा० विनोद कुमार शर्मा संकायाध्यक्षस्य कार्यभारं वहति। वर्तमाने ऽस्मिन् संकाये कम्प्यूटर विज्ञान विभागः कम्प्यूटर केन्द्रञ्च सञ्चलतः।

कम्प्यूटर विभागः – डॉ० विनोद कुमार शर्मणो ऽध्यक्षतायां विभागः सुचारुतया प्रचलति। साम्प्रतं विभागे डॉ० कर्मजीत भाटिया- श्री सुनील कुमार- श्री वेदव्रत-श्री द्विजेन्द्र पन्त महानुभावाः कार्यरताः सन्ति। विभागे लक्षाधिकानां रुप्यकाणां कम्प्यूटर यन्त्राणि क्रीतानि। विभागे एका हिन्दी भाषा विषयमधिकृत्य शोधगोष्ठी अपि आयोजिता। भविष्यति काले अति उच्च शिक्षायाः अनुसंधानस्य च केन्द्रं भविता अयं विभागः।

कम्प्यूटर केन्द्रम् – विश्वविद्यालये सुसमृद्धं कम्प्यूटर केन्द्रम् अपि कार्यरतं विद्यते। डॉ० विनोद कुमारस्य आध्यक्ष्ये श्री अचल गोयल – श्री महेन्द्र सिंह – श्री मनोज कुमार – श्री शशिकान्त महानुभावाः कार्यरताः सन्ति। मुख्य कार्यालयस्य सुव्यवस्थार्थं पृथक्त्वेन एकः कम्प्यूटर अनुभागः संस्थापितः। विभागीयाः कर्मचारिणः दत्तावधानाः विविध कार्यक्रमेष्वपि भागं गृह्णन्ति।

जीव विज्ञान संकायः

साम्प्रतं जीव विज्ञानसंकायस्य अध्यक्षपदे डॉ० बी.डी. जोशी महाभागो विराजते। अस्य पुरुषार्थेन संकायः समुन्नति पथम् अनुसरति। अस्मिन् संकाये वनस्पति विज्ञान – जन्तु विज्ञान – पर्यावरण विज्ञान – सूक्ष्म वनस्पति विज्ञान – सूक्ष्मजन्तुविज्ञानविभागाः सन्ति।

जन्तु विज्ञान-पर्यावरण विज्ञान विभागः – अस्मिन् विभागे डॉ० बी.डी. जोशी – डॉ० टी. आर. सेठ – डॉ० ए.के. चोपड़ा – डॉ० दिनेश भट्ट – डॉ० देवराज खन्ना – डॉ० प्रकाश चन्द्र

जोशी महाभागाः कार्यरताः सन्ति। विभागे एका राष्ट्रिया पर्यावरण विषयिकी शोध संगोष्ठी फरवरी मासे आयोजिता। अस्या उद्घाटनम् प्रो० आर.आर. दासः (उपकुलपतिः, जीवाजी वि०वि०, ग्वालियरः) अकरोत्। डॉ० प्रणवपण्ड्या महाभागः (अधिष्ठाता शान्तिकुञ्जं, हरिद्वारम्) सारगर्भितं प्रेरणादायकं, चरित्रोन्नायकं च व्याख्यानं प्रादात्। विभागस्य प्राध्यापकैः **Himalayan Journal of Environment and Zoology** नाम्नी शोध पत्रिका साफल्येन प्रकाशिता। विभागे भारतीय वैदेशिक विदुषां व्याख्यानानि समायोजितानि। विभागीय प्राध्यापकाना संरक्षणे राष्ट्रिय सेवा योजनायाः कार्यक्रमाः प्रचालिताः।

वनस्पतिविज्ञान विभागः - साम्प्रतं डॉ. डी.के. माहेश्वरी महाभागस्य अध्यक्षतायां विभागः सञ्चलति। अयं छात्रकल्याण परिषदश्चापि अध्यक्षतां करोति। विभागे डॉ० पुरुषोत्तम कौशिक - डॉ० आर.सी. दूबे- डॉ० जी०पी० गुप्त- डॉ० नवनीत प्रभृतयो महानुभावाः अध्यापन्ति अनुसन्धानकार्यं कुर्वन्ति कारयन्ति च।

विभागे सूक्ष्मवनस्पतिविषयिण्यः विद्याः पाठ्यन्ते। विभागीयाः प्राध्यापकाः विश्वविद्यालयस्य विभिन्नेषु कार्यक्रमेष्वपि भागं गृहीतवन्तः। हर्षस्यायं विषयो यत् प्रो० डी.के. महेश्वरी महोदयेन एका वृहच्छोधपरियोजना समधिगता।

प्रबन्धन संकायः

विश्वविद्यालयोऽयं प्रबन्धनशिक्षाक्षेत्रे प्रतिदिनम् अग्रेसरति। डॉ० एस.सी. धमीजा संकाय प्रमुखो विभागाध्यक्षश्च वर्त्तते। साम्प्रतम् संकाये डॉ० वी.के. सिंह - डॉ० वी.के. साहनी - श्री एस.पी. सिंह - श्री अनुराग - श्री मदान - श्री भगत प्रभृतयः महानुभावा अध्यापनकर्मणि निरताः सन्ति। एकं नवीनं भवनमपि निर्मितम्। एका प्रबन्धन गोष्ठी ;प्छथ्।ड.९७द्ध अपि समायोजिता। प्रो० पूर्णिमा अग्रवाल - प्रो० आर० रघुवंशी - प्रो० पी.के. जैन - श्री आलोक शर्मा - श्री सुधांशु शर्मा - श्री रवीश धमीजा प्रभृतीनां विद्वत्तल्लजानां प्रबन्धनविषयेषु विशिष्टानि व्याख्यानानि जातानि। विभागीयाः प्राध्यापकाः भारतस्य विभिन्नेषु शिक्षासंस्थानेषु गत्वा विश्वविद्यालयस्य यशोगाथां प्राचीचरन्।

कन्या गुरुकुल महाविद्यालयः, हरिद्वारम्

नूतनोऽयं महाविद्यालयः डॉ० सूनृता विद्यालंकार महोदयायाः प्रभारीत्वे दिनानुदिनं प्रवर्धते। साम्प्रतं महाविद्यालये हिन्दी-अंग्रेजी-संस्कृत-इतिहास-मनोविज्ञान-रसायन - पर्यावरण- सूक्ष्मजीवविज्ञान-भौतिकी-गणित एवं सांख्यिकी विभागाः सन्ति। येषु छात्राः आगत्य स्वज्ञान पिपासाम् शमयन्ति। महाविद्यालये एको नूतनः पुस्तकालयोऽपि संस्थापितः। महाविद्यालयस्य कृते भवनानि निर्मापितानि निर्मापयिष्यन्ते च।

पुस्तकालयः

साम्प्रतं डॉ० जगदीश विद्यालंकारस्य अध्यक्षतायां पुस्तकालयः स्वकीयां समृद्धिं सन्धारयति। डॉ० गुलजार सिंह चौहानः सहायक पुस्तकालयाध्यक्षपदे कार्यं विदधाति। अयं पुस्तकालय दुर्लभः प्राच्य विद्याग्रन्थानां पावन कोषागारो वर्तते। इदानीम् विविध विषयाणां लक्षाधिकानि पुस्तकानि राराजन्ते। विश्वविद्यालयस्य श्रद्धानन्द प्रकाशन केन्द्रेन प्रतिवर्षं नूतन ग्रन्थाः प्रकाश्यन्ते। पुस्तकालयलाभार्थिनां संख्या सहस्राधिका जाता।

स्वतन्त्रतायाः स्वर्णजयन्ती समारोहावसरे स्वनामधन्य स्वातन्त्र्य सेनानी स्वामिश्रद्धानन्दमहाभागस्य क्रान्तिकारी लेख- टीप्पण्यादिषु आधारितम् एकम् अभिनवं ग्रन्थम् प्रकाशितम्। अस्य ग्रन्थस्य सम्पादकौ डॉ० विष्णुदत्त राकेश - डॉ० जगदीश विद्यालंकारौ स्तः।

अयं पुस्तकालयः भारतवर्षस्य विश्वस्य च अनेकेषाम् विदुषां नेतृणां चरणरजोभिः पूतः। येषु श्री सतीशचन्द्रगुप्त (दिल्ली)- श्री नरेशचन्द्र चतुर्वेदी (सांसद)- प्रो० जे.पी. गुप्त (दिल्ली)- प्रो० ओमप्रकाश सिंहल (चीन)- डॉ०उलत्सि फेरोव, डॉ. स्मेकल (रूस) - श्री साहिब सिंह वर्मा (मुख्यमंत्री-दिल्ली) प्रभृतयो महानुभावाः प्रमुखाः सन्ति।

समुपस्थिताः अतिथयः !

नारीशिक्षामुन्नेतुं विश्वविद्यालयेनानेन देहरादून नगरे सुदीर्घकालात् कन्या गुरुकुलं सञ्चाल्यते। तत्र संस्कृत, वेद, हिन्दी, आंग्लभाषा, संगीत, इतिहासादि विषयैः सह कम्प्यूटर विषयस्यापि उच्चशिक्षा प्रदीयते।

प्रेयांसः स्नातकाः!

स्वामिश्रद्धानन्देन येषां शाश्वतजीवनमूल्यानां परिरक्षणाय, राष्ट्रियैकतायाः अखण्डतायाः चरित्रस्य धार्मिकसद्भावस्य च विकासाय गुरुकुलशिक्षापद्धतिरियं समुद्भाविता, तानि जीवनमूल्यानि, ते च आदर्शाः भवतां जीवने स्थितिं विधाय प्रतिपदमुन्नतिं साफल्यञ्च प्रदास्यन्ति। यद्यपि वर्तमान समाजे विषमाः समस्याः प्रादुर्भवन्ति, परं गुरुजनानामाशीर्वादेन सह भवतामात्मविश्वासो निश्चितं जीवनमुन्नेष्यति। युष्माकं सर्वेषां कल्याणाय, सर्वविध माङ्गल्याय च परेशं प्रार्थये।

विश्वविद्यालयस्य सर्वाङ्गीणविकासे अधिकारिणां, शिक्षकानां, कर्मचारिणां, ब्रह्मचारिणाम् अभिभावकानाञ्च सहयोग एवं प्रशस्यते। कुलाधिपति श्री सूर्यदेव महोदयानां निर्देशने ऽसौ विश्वविद्यालयः प्रगतिपथमारोहति।

हे महाजनाः सज्जनाः!

सौभाग्यमिदमस्माकं यद् दीक्षान्त भाषणायात्र आंग्लभाषासाहित्य कोविदाः, राष्ट्रिय पुस्तक न्यास प्रमुखाः डॉ० सुमतीन्द्र राघवेन्द्र नाडिग महोदयाः विराजन्ते। भवता गुरुकुलमुपेत्य गुरुकुलीय शिक्षां प्रति निजानुरागः प्रकटितः। गुरुकुलमध्ये भवन्तमालोक्य सर्वेऽपि कुलवासिनो वयं धन्याः। भवतामाशीर्वचोभिः विश्वविद्यालयः नूनं प्रतिष्ठां प्राप्स्यतीति विश्वसीमः।

अन्ते चाहं समुपस्थितानां सर्वेषां महानुभावानां धन्यवादान् व्याहरन् सकल जगज्जेगीयमानं परमेशमभ्यर्थये-

भद्रं भद्रं न आभर इष्मूर्जं शतक्रतो।

१८ अप्रैल, १९९८ — **डॉ० धर्मपालः**

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वारम्। — कुलपतिः

दीक्षान्त अभिभाषण

श्रीयुत कुलाधिपति जी, कुलपति जी, कुलवासियों तथा नवस्नातकों,

गंगा के पावन तट पर पूज्य स्वामी श्रद्धानन्दजी महाराज द्वारा संस्थापित गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के ९८ वें वार्षिकोत्सव एवं दीक्षान्त समारोह के इस अवसर पर आपके सामने दो शब्द कहते हुए मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है।

आप अपने अध्ययन की महत्वपूर्ण अवस्था में पहुँच चुके हैं। आपने योग्यता प्राप्त कर ली है। अब स्वयं अपने-आप आगामी अध्ययन करने के लिए आप सक्षम बन चुके हैं। जो कुछ अब तक आपने सीखा है, वह अध्ययन का केवल एक अंश था।

आचार्यात् पादमादत्ते पादं शिष्यः स्वमेधया
पादं सब्रह्मचारिभ्यः पादं कालक्रमेणच।

जो कुछ आपने अब तक सीखा है उसका एक चौथाई अंश अपने अध्यापकों से सीखा, एक चौथाई अपनी बुद्धिमत्ता का प्रयोग करके अपने आप सीखा तथा एक चौथाई अपने संगी-साथियों से सीखा। बाकी बचा एक चौथाई भाग आप समय के साथ सीखेंगे। जो कुछ आप समय के साथ सीखेंगे, वही आपकी शिक्षा का सबसे प्रमुख और श्रेष्ठ अंश होगा।

आइये, मैं आपको अध्ययन के कुछ भेद (मर्म) बताता हूँ। यह मत सोचिए कि आप उन्हें जानते हैं, क्योंकि आप उन्हें केवल अभ्यास के द्वारा जानेंगे। सर्वप्रथम, मैं चाहूंगा कि आप "योगी" बनें। मैं "राजयोग" या "हठयोग" की सलाह नहीं देने जा रहा हूं। मैं जिस योग की सलाह देने जा रहा हूं, वह सबसे व्यावहारिक है, सबसे यथार्थ है, सबसे फलदायी है, लेकिन साथ ही सब योगों से कठिन है- अर्थात् "कर्मयोग" ।

श्रीकृष्ण कहते हैं- योगः कर्मसु कौशलम् । *कौशल दक्षता है,* शिल्पकारिता है, पूर्णता है, और वह सब है जो प्रत्येक को खुशहाल बनाता है।

कर्म में कौशल प्राप्त करने के लिए योग जरुरी है। कर्म वह कोई भी कार्य है, जो आप करते हैं। अब चाहे आप लिपिक बनें या अधिकारी, अध्यापक बनें या मैनेजर। यदि आप अपना कार्य उचित तरीके और लगन के साथ करते हैं तो आप योगी हैं। लेकिन किसी भी कार्य को उचित ढंग से करना तभी सम्भव है जब आपमें एकाग्रता हो। हमारा मन निष्क्रिय कभी नहीं रहता। वह एक चीज से दूसरी चीज, एक स्थान से दूसरे स्थान पर भ्रमण करता रहता है। वह हमेशा भटकता रहता है। बारहवीं सदी में कर्नाटक के संतकवि बासवन्ना ने कहा है- "मन बंदर की भांति एक डाली से दूसरी डाली पर कूदता रहता है"।

यदि आपमें कौशल है तो कार्य करते हुए आपका मन भी आपके कार्य में लीन होगा। और अब आप श्रेष्ठ अथवा सर्वश्रेष्ठ कार्य करते हैं तो आपको "आनन्द" की अनुभूति होती है। यदि आप अपना कार्य उत्तम ढंग से करते हैं तो इससे दूसरों को खुशी होगी, और वे

आपकी प्रशंसा किए बिना नहीं रह सकेंगे। यद्यपि गीता का सन्देश है कि कर्म करते रहिए और फल की इच्छा मत कीजिए। लेकिन विश्वास रखिए, उत्तम कर्म का पुरस्कार आपको अवश्य मिलेगा।

लेकिन हां, कर्म का फल मिलने में देरी हो सकती है। अतः धैर्य रखें। इस संदर्भ में मैं आपको एक और परामर्श देना चाहूंगा कि आप सादा जीवन व्यतीत करें। सादे जीवन का अर्थ है कि आपके पास रहने की जगह होनी चाहिए, भोजन होना चाहिए, नींद होनी चाहिए और साथी होना चाहिए। रहने की जगह जरूरी नहीं कि महल हो। भोजन का अर्थ पांच सितारा होटलों में मिलने वाला वरिष्ठ भोजन नहीं है। और नींद का अर्थ कदापि वह नहीं है जिसका आनन्द फ्रांस या इटली से आयातित गद्दों पर लिया जाए।

समय को आपके लिए कुछ करने का समय दीजिए। जब तक समय आपके लिए कुछ करने के लिए आये, तब तक कर्म के लिए हमेशा तत्पर रहिए। और निश्चय ही, बुरा समय आपके पास कभी नहीं आयेगा।

एक अन्य भेद अथवा रहस्य के बारे में मैं आपके साथ बात करना चाहूंगा। वह भेद उस शत्रु के बारे में है, जो आपके भीतर रहता है। उस शत्रु को आप स्वयं ही अपने से दूर रख सकते हैं। और वह शत्रु है- "आलस्य" ।

आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महा रिपुः।
नास्त्युद्यम समो बंधुः कुर्वाणी नाव सीदति।।

आलस्य नामक यह शत्रु राक्षस है, जो आपके पास कई रूपों में आता है। वह आपके पास नींद, थकान, मित्रों, प्रलोभन और बहानेबाजी के नाना रूपों में आता है। वह आपसे झूठ बोलने को कहेगा, वह आपसे काम में देरी करने को कहेगा, या फिर काम से बिल्कुल ही जी चुराने को कहेगा। इस शत्रु से हमेशा सावधान रहिए।

अब मैं आपको एक और मंत्र बताता हूं। भाषा वह शक्तिशाली हथियार है जिससे आप पूरे संसार पर विजय पा सकते हैं। आपको किसी भी भाषा के अधिक से अधिक शब्दों को जानने की कोशिश करनी चाहिए। "शब्द" को जानने का मतलब यह जानना है कि शब्द का प्रयोग कैसे होता है, उसके वाच्यार्थ और सूच्यार्थ क्या हैं, तथा उसकी व्युत्पत्ति कैसे हुई। आपको शब्द का उच्चारण इस प्रकार करना चाहिए कि आपके मस्तिष्क का अर्थ और वह शब्द दोनों सुनने वाले को साक्षात दिखाई देने लगें।

बहुत पहले मैंने एक बच्चे को "रोशनी" शब्द को दोहराते हुए सुना। वह बार-बार "रोशनी-रोशनी-रोशनी" कह रही थी, और एक अवस्था ऐसी आई कि शब्द स्वयं रोशनी बन गया। मैं शब्द की चमक को देख सकता था। किसी भी चीज को स्मरण करने की दक्षता आप भी अर्जित कर सकते हैं ताकि वह चीज सुनने वाले के बिल्कुल सामने प्रत्यक्ष हो जाये। यह अंधेरे में रखी किसी चीज पर रोशनी डालने के समान है। इस योग्यता को "काव्य मीमांसा" में "उद्दीपन" कहा जाता है। आप सबको ऐसी जादुई शक्ति प्राप्त करने का प्रयत्न करना चाहिए।

श्री सूर्यदेव, कुलाधिपति,
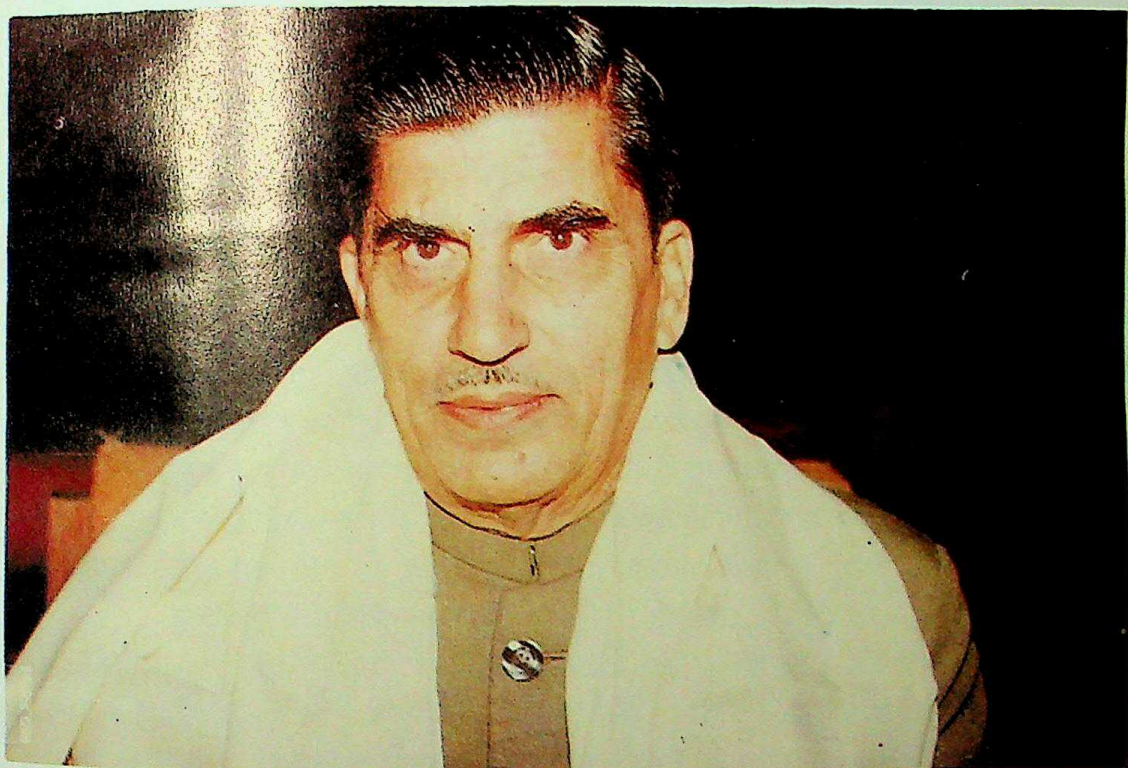
अब मैं आपसे शिक्षण माध्यम के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। मैं आपको बधाई देता हूं कि आप स्वामी श्रद्धानन्दजी के सपने का एक भाग बने, जो मातृभाषा को शिक्षण माध्यम बनाना चाहते थे। भारत में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद भी हमने बच्चों को अंग्रेजी के माध्यम से शिक्षा देनें की गलत शिक्षानीति को जारी रखा। हमने डाक्टरों, इंजीनियरों और वैज्ञानिकों को प्रशिक्षित करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर दिए। और ये विकसित मस्तिष्क अमेरिका, इंग्लैण्ड, कनाडा तथा दूसरे देशों में नौकरी करने चले गये। शिक्षा में लगाये हमारे पैसे का लाभ दूसरे देशों ने उठाया। यह राष्ट्रीय हानि है। यदि हमने बच्चों को उनकी मातृभाषा में शिक्षित करने में इस धन को लगाया होता तो हमारे देश में ऐसे डाक्टर और इंजीनियर बनते जो ग्रामीण भारत में काम करने को तैयार हों। लेकिन इसकी बजाय हमने अपने बच्चों को अंग्रेजी में शिक्षा दी और उन्हें अमेरिका या इंग्लैण्ड जाकर खूब पैसा कमाने के सपने दिखाये। मैं कहना चाहता हूं कि जो विदेशों में गये, उनमें से अधिकांश के पास आज पैसा तो खूब है, लेकिन खुशी नहीं है, क्योंकि अब उनके बच्चे भारत लौटना नहीं चाहते। उनके बच्चे न भारतीय रहे हैं, और न ही अमेरिकन या कनाडियन बन पाये हैं। क्या आप उस तरह का "त्रिशंकु-जीवन" चाहते हैं?

अंग्रेजी के माध्यम से शिक्षण का एक और खतरा है। सभी शिक्षित व्यक्ति तो विदेश नहीं जा सकेंगे। चूंकि अंग्रेजी भारतीय भाषा नहीं है, इसलिए यह हमें हमारी ही संस्कृति से बेगाना कर देती है। इस प्रकार भी हम "त्रिशंकुओं" की संख्या ही बढ़ा रहे हैं। मातृभाषा के साथ हमारा जीवन इतने अधिक भावात्मक रूप से जुड़ा होता है कि हमारी अभिव्यक्ति जितनी सशक्त मातृभाषा में होती है, उतनी अंग्रेजी में हो ही नहीं सकती। मातृभाषा बाह्य संसार के साथ ही आंतरिक संसार को भी समझने में हमारी सहायता करती है। यह न केवल हमें अपनी भावनाओं को जानने में मदद करती है, बल्कि अपने आपको जानने-समझने में भी सहायक सिद्ध होती है। यह हमारी संस्कृति है, हमारा जीवन है, हमारी माँ है।

दूसरी ओर, अंग्रेजी भारत में बनने वाले विभिन्न व्यंजनों का नाम तक नहीं बता सकती। और हमारे संबंध? हमारे सभी संबंधों को अभिव्यक्त करने में भी अंग्रेजी असमर्थ है। अंग्रेजी हमें आम बनाती है, विशिष्ट नहीं। इसीलिए अंग्रेजी में लिखने वाला कोई भी भारतीय लेखक उतना ऊँचा नहीं हो पाया, जितने कि भारतीय भाषाओं में लिखने वाले लेखक ऊँचे और विशिष्ट हो पाये। अंग्रेजी में लिखने वाला कोई भी भारतीय लेखक आज टैगोर, तकाषि शिवशंकर पिल्ले, प्रेमचन्द, अज्ञेय, बेंद्रे, मौणी, शिवराम कारंत, सच्चिदानन्द राउतराय (आदि) नहीं बन पाया।

अंग्रेजी शिक्षा ने हमें भारी नुकसान पहुंचाया है। फिर भी हम अंग्रेजी माध्यम वाले स्कूलों के प्रति अपना आकर्षण कम नहीं कर पाये हैं। स्वामी श्रद्धानन्द जी, गांधी जी और टैगोर जैसे महापुरुषों ने पश्चिमी जीवन की पद्धति के पर्याय के बारे में सोचा था, लेकिन भारत में आज भी पश्चिमी सोच का बोलबाला है। यदि हमें स्वयं को बचाना है, तो तुरन्त पूरे भारत में शिक्षण का माध्यम मातृभाषाओं को बना देना चाहिए। हमारी भाषाएं इस

चुनौती का सामना करने में पूर्णत: सक्षम हैं। इसलिए मैं अत्यधिक प्रसन्न हूं कि आपने अपनी शिक्षा हिन्दी के माध्यम से ग्रहण की।

अंग्रेजी से घृणा मत करें। जिस प्रकार विभिन्न भाषाओं के शब्दों को लेकर अंग्रेजी समृद्ध हुई है, उसे जानने की कोशिश करें। अंग्रेजी को पुस्तकालीय भाषा बना रहने दें। हमें पुस्तकालीय भाषाओं के रूप में चीनी, जापानी, रूसी, अरबी, फ्रांसीसी, जर्मन आदि भाषाओं को भी अपनाना चाहिए। उनके लिए हमारे शिक्षण का माध्यम बनना जरूरी नहीं है। उसी प्रकार अंग्रेजी के लिए भी नहीं।

मैं हमेशा सकारात्मक रूप से सोचता रहा हूं। अत: मेरा अनुरोध है कि आप भी सकारात्मक रूप से सोचिए। अपने पर विश्वास रखिए। ऐसा कुछ है जिसे दूसरों की अपेक्षा आप ही श्रेष्ठ ढंग से सम्पन्न कर सकते हैं। उस अनोखी प्रतिभा और उसके द्वारा दूसरों को दिए जा सकने वाले लाभों को जानने की कोशिश करें। हमारे इस संसार में अधिकांश लोग कुछ लेना ही चाहते हैं, और वे इस बात को जानने की कोशिश नहीं करते कि वे दूसरों को क्या दे सकते हैं। उन लोगों की तरफ मत देखिए जिनसे आप सहायता ले सकते हैं, बल्कि उन लोगों की तरफ देखिए जिनकी आप सहायता कर सकते हैं। अपने आपको कभी बेल की तरह कमजोर न समझें। कमजोर लोगों को दूसरों के सहारे की आवश्यकता होती है। बेल को भी पेड़ का सहारा लेना पड़ता है। लेकिन यदि आप अपने भीतर शक्ति का संचार करें तो आप सहारा खोजने की बजाय दूसरों का सहारा बनेंगे। अगर आप पेड़ की तरह हैं तो दूसरे लोग बेलों की तरह आपका सहारा पाने के लिए आपके पास आयेंगे।

दूसरों की सहायता करने के लिए किसी का धनी होना जरूरी नहीं हैं। स्वामी श्रद्धानन्द जी भले ही रूपयों से धनी व्यक्ति नहीं थे, लेकिन वे सपनों के संसार के धनाढ्य व्यक्ति थे। अपने एक सपने में (मेरे कुछ असिद्ध स्वप्न) उन्होंने एक गुरुकुल को देखा। वे शिक्षा का प्रचार-प्रसार ग्रामीणों में करना चाहते थे। उन्होंने कृषि संबंधी संकाय के बारे में सोचा जहां छात्र कृषि के सभी पहलुओं की जानकारी प्राप्त कर सकें। उन्होंने आयुर्वेद और वाणिज्य के संकायों के बारे में भी विचार किया। वे किताबी ज्ञान की अपेक्षा व्यावहारिक अनुभव को महत्व देते थे। वे चाहते थे कि छात्र परिश्रम का अर्थ समझें। जो परिश्रम से प्यार करता है, वह कभी जीवन की सुविधाओं में अपना समय नष्ट नहीं करता। उन्होंने गुरुकुल के लिए निजि सम्पत्ति कोठी, प्रैस, स्वत्व एवं परिवार अर्पित कर दिया।

जो भी व्यक्ति परिश्रम करता है, वह निश्चित रूप से समाज के कल्याणार्थ कार्य करता है। जो दूसरों का सहारा बनना चाहता है, वह समय नष्ट करने की सोच भी नहीं सकता। उसे अपना जीवन सार्थक लगता है, क्योंकि अनेकों लोग उससे मदद मांगने के लिए आते हैं। आप दूसरों की मदद तभी कर सकते हैं, अगर आप उन्हें प्यार करते हों या स्वयं को उनसे जुड़ा हुआ अनुभव करते हों। जब आप दूसरों से प्यार करते हैं और उनकी मदद करते हैं तो आप महसूस करेंगे कि वे लोग भी आपसे प्यार करते हैं। तब आपको

अनुभव होगा कि आपने बहुत कुछ ले लिया है। आपमें कुछ लेने की अपेक्षा कुछ देने की क्षमता अधिक होनी चाहिए।

आप पूछ सकते हैं कि एक निर्धन व्यक्ति क्या दे सकता है? मैं बताता हूं। वह आपके होंठों पर एक सुन्दर मुस्कान ला सकता है। यदि आप उदासी के अथाह सागर में डूबे हुए हैं, तो वह आपमें आनन्द का संचार कर सकता है। यदि आप किसी वाहन आदि से टकरा जाएं तो वह आपको उठने में सहायता कर सकता है, या आपको अस्पताल ले जा सकता है। किसी घर में चोर को घुसता देखकर वह लोगों को सचेत कर सकता है। संक्षेप में, ऐसी अनेकों चीजें हैं, जो वह कर सकता है। इसलिए यह मत सोचिए कि आपके पास दूसरों को देने के लिए कुछ नहीं है। अपने भीतर खोज कर देखिए कि आप कितना कुछ दे सकते हैं। आप आश्चर्यचकित रह जाएंगे।

जो कुछ दूसरे कहें, उसे तत्काल स्वीकार न करें। उस सब पर विचार करें। सत्य के परिप्रेक्ष्य में उनके कथन को नकारने के लिए प्रमाण अथवा तर्क तलाश करने की कोशिश करें। जब आप इन्हें तलाश करने में असफल हो जाएं तो जो कुछ वे कहते हैं, उसे स्वीकार कर लें- कम से कम तब तक के लिए, जब तक उनके कथन की पूर्ण सत्यता अथवा असत्यता को जानने का आपमें अनुभव न आ जाये।

ज्ञान अर्जित कीजिए। सर्वव्यापी ज्ञान। सितारों, ग्रहों तथा अन्य खगोलीय पिंडों के बारे में केवल पढ़ना काफी नहीं है। आकाश में देखिए। यात्राएं कीजिए। पशु-पक्षी व वनस्पति जगत पर ध्यान दीजिए। हर चीज को देखने -जानने के प्रति जिज्ञासु बनिए। छोटी से छोटी चीज में भी जानने के लिए बहुत कुछ होता है-- अब चाहे वह कीटाणु हो अथवा जीवाणु। यह संसार एक रहस्य है, तथा इसमें पाई जाने वाली प्रत्येक वस्तु भी उतनी ही रहस्यमय है। इस रहस्य के बारे में चिंतन करना सीखिए। अनुभव कीजिए। किसी भी चीज को समझने के लिए उसका अनुभव करना ही एकमात्र रास्ता है।

भारत एक महान देश है। संसार के किसी भी और देश में इतनी भिन्नता देखने को नहीं मिलती, जितनी कि इस देश में है। इतने वेद-पुराण, इतना समृद्ध लोक-साहित्य, इतने देवी-देवता, इतने रीति-रिवाज और तीज-त्योहार, इतने प्रकार का भोजन, इतनी अधिक भाषाएं, इतने भांति-भांति के लोग, इतने भिन्न प्रकार का प्राकृतिक सौंदर्य। क्या आप इस देश को एक निर्धन देश कहना चाहेंगे? क्या आपको इस देश में रहते हुए शर्म आती है? क्या आप समझते हैं कि किसी भी भारतीय को अमेरिका या इंग्लैण्ड या कनाडा में नौकरी मिलना एक महान उपलब्धि है? मैं स्वयं अमेरिका में फिलेडेल्फिया स्थित टैम्पल यूनीवर्सिटी में अंग्रेजी में पी-एच.डी. कर रहा था। तीन वर्ष पूरे होते-होते मैं वहां रहते हुए इतना अधिक अमेरिकन बन गया था कि मुझे अपनी भारतीय पहचान खो जाने का डर लगने लगा। अगर मैं तीन महीने और वहां रहता तो मेरी पी-एच.डी. पूरी हो जाती और मुझे वहां पक्की नौकरी मिल जाती। अमेरिकी डालर मुझे वहीं रहने के लिए ललचा रहे थे, लेकिन पी-एच.डी. पूरी करने से पहले ही मैंने निर्णय लिया और भारत लौट आया। मुझे मालूम था कि

लौटने पर मुझे कर्नाटक में प्राध्यापक की नौकरी नहीं मिलेगी। गुजारे के लिए मेरे पास न धन था और न जायदाद। मैं अपनी मातृभाषा का कवि रहना चाहता था। अत: मैंने कोई भी काम करने का निर्णय किया। मैंने सोचा कि किराने की दुकान या प्रिंटिंग प्रेस शुरु की जाए। और यदि यह संभव न हो पाये तो मुझे पटरी पर बैठकर पकौड़े या समोसे बेचने में भी संकोच नहीं था। तभी कुछ दोस्तों ने मुझे बंगलौर में पुस्तकों की दुकान खोलने के लिए प्रेरित किया। और मैं एक पुस्तक-विक्रेता बन गया।

यह सब मैं इसलिए बता रहा हूं क्योंकि मैं चाहता हूं कि आप आत्मनिर्भर बनें। सरकारी नौकरी पाने को महान उपलब्धि मत समझें। ध्यान से नलसाजी, बिजली का काम सीखें। किसान की तरह जीवन बिताने के विषय में भी आप सोच सकते हैं। या फिर सीधे गांव में जाकर समाज कल्याण संबंधी कार्य कीजिए। किसी न किसी प्रकार के स्वरोजगार के द्वारा आप निस्सन्देह जीवन यापन कर सकते हैं।

स्नातक बनने जा रहे प्रिय छात्रों! यदि भारत शक्तिहीन होगा तो कोई भी देश उसकी परवाह नहीं करेगा। २७ वर्ष पहले जब मैं अमेरिका में था तो किसी भी समाचार-पत्र ने भारत के संबंध में कभी कोई समाचार प्रकाशित नहीं किया। लेकिन जब भारत ने बम का परीक्षण किया तो एका-एक भारत समाचार-पत्रों की सुर्खियों में था। मुझे यह देखकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई कि भारत एक शक्तिशाली देश है। मैं यह नहीं कहता कि हमारे पास परमाणु बमों और हाइड्रोजन बमों का एक बड़ा भण्डार होना चाहिए। लेकिन हमारे पास क्षमता अवश्य होनी चाहिए। कुछ ही समय पहले की बात है, जब अमेरिका ने भारत को सुपर-कम्प्यूटर बेचने से इन्कार कर दिया। लेकिन उसके दस-पन्द्रह दिन बाद ही यह समाचार प्रकाशित हुआ कि हमारे वैज्ञानिकों ने स्वयं एक सुपर-कंप्यूटर विकसित कर लिया है। अब बमों का परीक्षण अनुरूपण प्रक्रिया द्वारा किया जा सकता है। अब वास्तव में अपने सामने बम का विस्फोट करने की आवश्यकता नहीं है। इससे क्या प्रकट होता है? इससे स्पष्टत: सिद्ध होता है कि ज्ञान शक्ति है। भारत में इतनी प्रतिभाएं हैं कि हमें किसी से भी डरने की आवश्यकता नहीं है। भारत पर विश्वास रखें। अपने पर विश्वास रखें। इस बात का पता लगाएं कि आपमें से प्रत्येक में कितनी ऊर्जा है। आपके पास शारीरिक ऊर्जा है, मानसिक ऊर्जा है, आध्यात्मिक ऊर्जा है, दैवी ऊर्जा है।

अत: इस ऊर्जा के अन्वेषक बनें।
ईश्वर आपके साथ है।

डॉ० धर्मपाल, कुलपति,
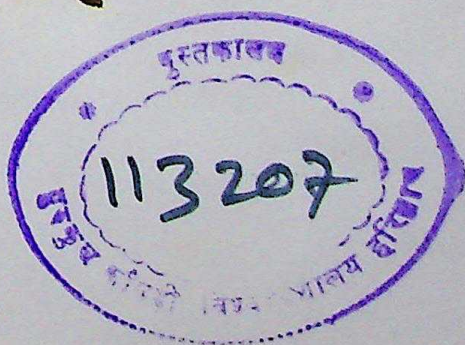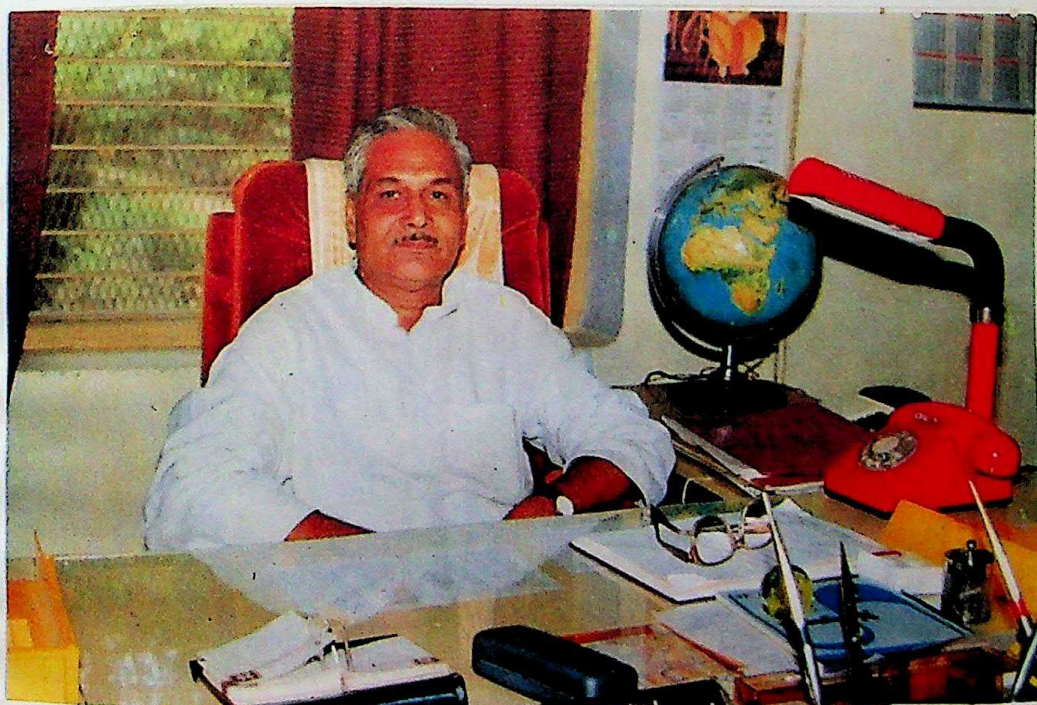
प्राच्य विद्या संकाय

विश्वविद्यालय में प्राच्य विद्याओं की उच्च शिक्षा के लिए प्राच्य विद्या संकाय स्थापित हैं। इस संकाय में वेद, संस्कृत, दर्शन, प्राचीन भारतीय इतिहास, योग और शारीरिक शिक्षा विभाग है। इसमें श्रद्धानन्द शोध संस्थान भी विविध प्रकाशनों में सक्रिय है। इतिहास मर्मज्ञ प्रो० एस०एन० सिंह संकाय प्रमुख के पद पर कार्यरत हैं।

६-८ मार्च ९८ प्राच्य विद्या संकाय में प्राचीन भारत में धर्म और राजनीति विषय पर शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

यह गौरव की बात है कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालयः के पूर्व संकायाध्यक्ष और प्रसिद्ध इतिहासवेता डॉ० उदयवीर सिंह संकाय के प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग में अतिथि आचार्य पद की शोभा बढ़ा रहे हैं। संकाय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की योग प्रोन्नति योजना में भी प्राध्यापक कार्यरत हैं।

संकाय ने इस सत्र में कई प्रतियोगिताओं और सम्मेलनों का भी आयोजन किया। अनेकों छात्रों ने कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया और विजय प्राप्त की।

अखिल भारतीय अन्तर्विश्वविद्यालय योग प्रतियोगिता बनारस में एम.ए. योग के छात्र जितेन्द्र कुमार ने भाग लिया तथा व्यक्तिगत रूप से स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

संकाय के कतिपय छात्र अनुसंधान कार्य के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा (आई.आर.एफ.) भी प्राप्त कर रहे हैं। इस संकाय के वेदालंकार प्रथम, द्वितीय, तृतीय खण्ड के छात्र जो पूर्ववर्ती परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होते हैं उनमें से पांच छात्रों को मेरिट के आधार पर ५०० रुपये मासिक छात्रवृत्ति भी विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाती है।

संकाय के कई विभागों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण छात्रों को स्वर्णपदक तथा विशेष योग्यता प्रमाण पत्र भी दिए जाते हैं।

वेद विभाग

वेद विभाग में दैनिक यज्ञ के साथ पूरा सत्र वेदमय रहा। वार्षिकोत्सव पर ५१ कुंडीय यज्ञ का आयोजन किया गया। वेद विभाग वेद मन्दिर में संस्थापित किया गया।

डा० मनुदेव बन्धु-विभागाध्यक्ष ने वेद सम्मेलन में भाग लिया। गुरुकुल महाविद्यालय में आयोजित वेद सम्मेलन में "वेदों में आयुष्य संवर्धन" विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ० रूप किशोर शास्त्री

१. वेदादि धर्मशास्त्रों तथा अन्य विषयों पर सम्प्रति देश विदेश के ५ शोध छात्रों को शोध निर्देशन।

२. वि०वि० अनुदान आयोग भारत सरकार द्वारा स्वीकृत एवं अनुदानित वृहद शोध योजना के अन्तर्गत "वैदिक वाङ्मय-निर्वचन कोष" तैयार।

डा० दिनेशचन्द्र शास्त्री

शोध निर्देशन - चार शोधार्थी पी-एच.डी. उपाधि हेतु अनुसन्धान कर रहे हैं।

वृहद शोध परियोजना - यू.जी.सी., नई दिल्ली से वैदिक संहिताओं में उपलब्ध समस्त उपमाओं का संकलनात्मक एवं व्याख्यात्मक कोश निर्माण करने के लिए लगभग एक लाख रुपयों का आर्थिक अनुदान देना स्वीकृत हुआ है।

सम्पादन कार्य - गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय से प्रकाशित होने वाली प्राच्य विद्या विषयक "गुरुकुल पत्रिका" नामक मासिक शोध पत्रिका का मार्च १९९७ से 'उपसम्पादक' के रूप में कार्यरत।

प्रकाशन कार्य - दो पुस्तकों का लेखन कार्य जारी है और दो अप्रकाशित हैं। इस सत्र में तीन लेख प्रकाशित हुए हैं। दो शोध लेख इस दौरान लिखे जो कि सम्बन्धित गोष्ठियों में भेजे गये।

कान्फ्रेन्स/सेमिनार - मार्च'९७ में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के प्राच्य संकाय में 'प्राचीन भारत में धर्म और राजनीति' विषय पर समायोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वैदिक परिप्रेक्ष्य में धर्म शब्द का अर्थ और अभिप्राय' शीर्षक शोध निबन्ध वाचन किया। अम्बाला के आर्य गर्ल्ज कालेज एवं अन्य शिक्षण संस्थानों में वैदिक धर्म, दर्शन एवं संस्कृति पर लगभग डेढ़ दर्जन विशिष्ट व्याख्यान दिये।

संस्कृत विभाग

विभाग में ६-८ मार्च ९८ तक प्राचीन भारत में धर्म एवं राजनीति विषय पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उ०प्र० संस्कृत संस्थान द्वारा 'स्वातन्त्र्य स्वर्ण जयन्ती समारोह' संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय में किया गया।

प्रो० वेदप्रकाश शास्त्री
आचार्य एवं उपकुलपति

विद्वद्गोष्ठी- उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित संस्कृत संगोष्ठी में शोध पत्र वाचन किया २०/२/९८ । राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान दिल्ली द्वारा आयोजित विद्वद्गोष्ठी में व्याख्यान दिया।

शोध लेख प्रकाशन - चार शोध लेख पत्रिकाओं में प्रकाशित किये गये।

प्रशासनिक कार्य - जनवरी ९६ से निरन्तर विश्वविद्यालय में आचार्य एवं उपकुलपति पद पर निष्ठा श्रद्धा तथा सतर्कता से कार्यरत ९७-९८ के सत्र में मानविकी संकाय के अध्यक्ष पद पर भी कार्यरत।

शोध निर्देशन - २० छात्र पी-एच.डी., उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। इस समय ७ शोध छात्र शोध कार्य कर रहे हैं।

डा० महावीर अग्रवाल
रीडर

शोध निर्देशन - इस वर्ष दो छात्रों ने शोध प्रबन्ध प्रस्तुत किये। पांच शोधार्थी शोध कार्य कर रहे हैं।

शोध संगोष्ठियां –

१. संस्कृत अकादमी दिल्ली द्वारा जनवरी १९९८ में आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में संस्कृत भाषायां स्वातन्त्र्यचिन्तनम् विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
२. उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, द्वारा २० फरवरी १९९८ को गुरुकुल कांगड़ी वि०वि० में आयोजित 'स्वातन्त्र्य स्वर्ण जयन्ती समारोह' संगोष्ठी में संस्कृत भाषा में राष्ट्रीयता विषय पर व्याख्यान दिया।
३. गुरुकुल कांगड़ी वि०वि० में ६-८ मार्च १९९८ तक आयोजित 'प्राचीन भारत में धर्म एवं राजनीति' विषयक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का सफलतापूर्वक संयोजन किया।

४. उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में २० मार्च ९८ को 'वैदिक पर्यावरण चिन्तनम्' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया।

डा० सोमदेव शतांशु

डा० शतांशु के निर्देशन में पांच छात्र विभिन्न विषयों में शोधकार्य कर रहे हैं। एतदतिरिक्त स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान द्वारा आयोजित शोध गोष्ठियों में वैदिक निर्वचन प्रक्रिया तथा वैदिक संहिताओं में वसुदेवता विषयक दो शोधपत्र प्रस्तुत किये।

डा० रामप्रकाश शर्मा
रीडर एवं अध्यक्ष

१. संप्रति पांच शोध छात्र-अनुसन्धान कार्यरत।
२. (क) भारतीय दण्ड संहिता
(ख) दण्ड प्रक्रिया संहिता
(ग) सिविल संहिता

तीनों का संस्कृत अनुवाद कार्य प्रारम्भ

डा० ब्रह्मदेव विद्यालंकार
प्रवक्ता

१. पञ्चबटी सन्देश नामक त्रैमासिकी पत्रिका पञ्जाबी विश्वविद्यालय, परिभाषा में अक्टुबर १९९७ में 'प्रार्थना एवं उसकी सिद्धि के मूलभूत तत्व' नामक लेख प्रकाशित हुआ।
२. प्राच्यविद्या संकाय द्वारा कृत शोध संगोष्ठी ६,७,८ मार्च १९९८ में 'भवभूतिरूपकेषु धर्मो राजनीतिश्च' विषयक शोध पत्र तैयार किया।

प्रो० वेद प्रकाश शास्त्री, उपकुलपति,

दर्शन विभाग

प्रो० जयदेव वेदालंकार

निम्न दो पुस्तकें प्रकाशित हुई।

१. वैदिक साहित्य का इतिहास-१६४ पृष्ठ, शोध ग्रन्थ

२. भारतीय दर्शन में प्रमाण-३०० पृष्ठ (प्रकाशक-भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली-७)

अन्य विश्वविद्यालयों में व्याख्यान एवं शोध प्रस्तुत किए-

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर, (म०प्र०)

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र, हरियाणा

डा० विजयपाल शास्त्री

रीडर, दर्शन विभाग

इस वर्ष पी-एच.डी. के दो छात्रों ने अपने शोध प्रबन्ध इनके निर्देशन में विश्वविद्यालय में मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत किये।

१. स्वामी दयानन्द, श्री अरविन्द और महात्मा गांधी के दार्शनिक विचारों का अध्ययन।

-शोध छात्रा-श्रीमती नीरा खेर

२. आचार्य शंकर और रजनीश - एक दार्शनिक विश्लेषण

-शोध छात्र - शिवनन्दन प्रसाद

डा० त्रिलोक चन्द

अध्यक्ष

१. नवम्बर ९७ में जबलपुर विश्वविद्यालय में इन्डियन फिलासफिकल कांग्रेस में भाग लिया।

२. मार्च ९८ में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में "हिन्दुओं और सिक्खों की जीवन पद्धति, साधना और धार्मिक अनुष्ठान" विषय पर अपना शोध लेख प्रस्तुत किया।

३. "आजीवन युवा रहने के उपाय" नामक पुस्तक लिखी।

डा० यू०एस० बिष्ट,
रीडर, दर्शनशास्त्र विभाग

१. डा० हरि सिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर द्वारा जनवरी १९९८ में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
२. रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा आयोजित इण्डियन फिलोसोफिकल कांग्रेस के ७२वें अधिवेशन में **"Life Beyond Death"** विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
३. नवम्बर १९९७ में, भारत के दार्शनिकों की सर्वोच्च संस्था "इण्डियन फिलोसोफिकल कांग्रेस" के सर्वसम्मति से "कोषाध्यक्ष" निर्वाचित हुये।
४. अखिल भारतीय दर्शन परिषद के अधिवेशन के लिये "स्थानीय सचिव" नियुक्त हुये।

डा० सोमपाल प्रवक्ता ने विभाग में यथा समय शैक्षिक योगदान दिया।

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के इस सत्र का अध्यापन कार्य पूर्व की भांति सुचारू रूप से चल रहा हैं। विभाग में इस वर्ष विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में डा० उदयवीर सिंह, पूर्व प्रोफेसर एवं डीन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कार्य कर रहे हैं। जो पुरातत्व के उच्च कोटि के विद्वानों में से एक हैं। इस वर्ष शोध समिति की बैठक में चार विषय स्वीकृत हुए। शोध समिति में डा० आर.एन. मिश्र, प्रोफेसर, ग्वालियर विश्वविद्यालय विशेषज्ञ के रूप में आये। वर्तमान में डा० श्याम नारायण सिंह के निर्देशन में ६ शोध छात्र, डा० काश्मीर सिंह के निर्देशन में ४ छात्र और डा० राकेश शर्मा के निर्देशन में ४ छात्र शोधकार्य कर रहे हैं। इस सत्र में डा० श्यामनारायण सिंह के निर्देशन में श्री अनिल कुमार ने शोध उपाधि प्राप्त की। डा० काश्मीर सिंह भिण्डर के निर्देशन में श्रीमती आभा भण्डारी तथा श्री नवनीत परमार ने अपना शोध प्रबन्ध पूर्ण कर उपाधि प्राप्त की। विभाग के वरिष्ठ प्रवक्ता डा० राकेश शर्मा के माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट का कार्य प्रगति पर है। इस वर्ष विभाग के छात्रों द्वारा दिल्ली, मथुरा, आगरा एवं फतेहपुर सिकरी आदि स्थानों का शैक्षणिक भ्रमण किया गया। विभाग के प्रोफेसर डा० श्यामनारायण सिंह अध्यक्ष एवं डीन के अतिरिक्त कुलसचिव पद पर भी कार्य कर रहे हैं। इसी प्रकार विभाग के वरिष्ठ प्रवक्ता डा० राकेश शर्मा विश्वविद्यालय के एन.सी.सी. के कम्पनी कमान्डर तथा डा० देवेन्द्र गुप्ता विश्वविद्यालय के एन.एस.एस. के प्रोग्राम ऑफिसर के रूप में कार्य कर रहे हैं। इसी सत्र में स्वतन्त्रता की पचासवीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में हरिद्वार से एक स्वतन्त्रता ज्योति स्वामी श्रद्धानन्द जी के बलिदान दिवस पर विभाग के डा० प्रभात कुमार, श्री अनिल सिंह एवं विश्वविद्यालय के अन्य कर्मियों द्वारा दिल्ली में कुलाधिपति श्री सूर्यदेव जी को प्रदान की गई।

पुरातत्व संग्रहालय

प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग का एक अंग है तथा इसका उपयोग छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान हेतु किया जाता है। पुरातत्व संग्रहालय अमूर्त इतिहास को मूर्त रूप में साकार करने की इतिहास की प्रयोगशाला के रूप में अपने अनुपम संग्रह की दृष्टि से तीर्थ नगरी हरिद्वार के पर्यटकों, शोधार्थियों एवं कला और इतिहास के मर्मज्ञों के आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।

इस वर्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सहायता से संग्रहालय के द्वितीय तल पर निर्मित चार कमरों में प्रा. भारतीय इतिहास विभाग का अध्यापन कार्य शुरू हो गया है। पाण्डुलिपि परिरक्षण योजना के अन्तर्गत ७२ पाण्डुलिपियों का परिरक्षण किया गया और संग्रहालय को अपनी विभिन्न परियोजनाओं के लिये ८५,०००/- रु० का अनुदान मानव संसाधन विकास मंत्रालय से स्वीकृत हो चुका है। इस वर्ष संग्रहालय में संग्रहीत सामग्री की सुरक्षा के लिये दीमक निरोधक उपचार भी कराया गया।

इसी वर्ष संग्रहालय आने वाले देश-विदेश के महानुभावों में प्रो० पुरुषोत्तम सिंह कला संकाय प्रमुख, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, प्रो० रमानाथ मिश्र ग्वालियर और प्रो० विजय बहादुर राव, गोरखपुर विश्वविद्यालय, डा० छत्रपाल सिंह सांसद बुलन्दशहर, डा० दयानन्द मिश्र - भारत संसाधन विकास मंत्रालय, प्रो० हीरोनाका कुझिको - किन्की वि०वि०, जापान, प्रो० भूदेव शर्मा - जेवियर वि०वि० यू०एस०ए०, प्रो० ओमप्रकाश सिंहल पूर्व अतिथि आचार्य पेइचिंग वि०वि० चीन और डा० जौहरी लाल-निदेशक ओ०एन०जी०सी० प्रमुख हैं।

डॉ० श्यामनारायण सिंह – कुलसचिव

योग विभाग

१. **योग विभाग में निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं–**

पाठ्यक्रम	-	छात्र संख्या			
पी-एच.डी.	-	६	एम.ए.	-	१५
अलंकार	-	२०	डिप्लोमा	-	७
प्रमाण पत्र	-	५			

२. **छात्रों की गतिविधियां –**

अखिल भारतीय अन्तर्विश्वविद्यालय योग प्रतियोगिता में छात्र जितेन्द्र कुमार को स्वर्णपदक प्राप्त हुआ।

३. **शिक्षकों की गतिविधियां**

(क) **डा० ईश्वर भारद्वाज**

१. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में आयोजित ओरिएंटेशन पाठ्यक्रम में भाग लिया।
२. केन्द्रीय योग अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय योग सम्मेलन में भाग लिया।
३. केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में योग के विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु नियमोपनियम बनाने के लिए आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
४. केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा विभिन्न केन्द्रों के निरीक्षण के लिए विशेषज्ञ समिति का सदस्य रहा।
५. गढ़वाल, सागर, हिमाचल, लखनऊ विश्वविद्यालय की शिक्षा-समिति (योग) में विशेषज्ञ नामित।
६. केन्द्रीय योग अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली द्वारा आयोजित रि-ओरिएंटेशन पाठ्यक्रम में अतिथि व्याख्यान दिए।
७. आकाशवाणी दिल्ली तथा नजीबाबाद से योग विषय पर वार्ता प्रसारित।
८. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की योग प्रोन्नति योजना के समन्वयक के रूप में कार्यरत

(ख) डा० सुरेन्द्र कुमार-के०यो० अनु० संस्थान द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन पाठ्यक्रम में गए हुए हैं।

४. **विभागीय क्रिया कलाप (अन्य)**

१. एम.ए. योग के पाठ्यक्रम में प्राकृतिक चिकित्सा के पाठ्यक्रम को सम्मिलित कर लिया गया है।
२. रोगियों को योग चिकित्सा उपलब्ध कराई जा रही है।
३. नए फर्नीचर का क्रय किया गया है।

हिन्दी विभाग

गुरुकुल अपने शैशवकाल से ही देश का आकर्षण का केन्द्र रहा है। देश विदेश के शीर्षस्थ शिक्षा शास्त्री, राजनेता, स्वातंत्र्य योद्धा, देशभक्त यहां बड़ी श्रद्धा भावना से आते रहे हैं। यहां का हिन्दी विभाग गुरुकुल की स्थापना काल से ही हिन्दी भाषा के प्रचार प्रसार में अपना योगदान देता रहा है। और हिन्दी आन्दोलन की अगुवाई करते हुए दक्षिण के अहिन्दी भाषी क्षेत्रों में भी हिन्दी भाषा की ज्योति प्रज्वलित की है। आचार्य पद्‌म सिंह शर्मा, आचार्य किशोरीदास वाजपेयी हिन्दी विभाग के गौरव स्तम्भ रहे हैं। गुरुकुल को विश्वविद्यालय की मान्यता मिलने पर इसके संस्थापक अध्यक्ष के रूप में डा० अम्बिका प्रसाद वाजपेयी का योगदान महत्वपूर्ण है। फीजी, मारीशस, गुयाना, सूरीनाम आदि देशों के छात्र यहां से अध्यापन कर हिन्दी भाषा और गुरुकुलीय विचार धारा का प्रचार प्रसार कर रहे हैं। हिन्दी तथा हिन्दी पत्रकारिता का अध्ययन करके निकले छात्र अपने-अपने संस्थानों में अपने उत्तरदायित्व का निर्वाह पूरी निष्ठा एवं लगन से कर रहे हैं। १९९७-९८ का सत्र सुचारू रूप से सम्पन्न हुआ। इस वर्ष विभाग में हिन्दी जगत के यशस्वी विद्वानों के व्याख्यान आयोजित किए गए। इनमें डा० भवानीलाल भारतीय (जोधपुर), डा० ओम प्रकाश सिंघल (दिल्ली), प्रो० चन्द्रशेखर त्रिवेदी (हरिद्वार), डा० सर्वजीत राय (काशी), डा० श्यामसुन्दर शुक्ल (वाराणसी), डा० केशव प्रथम वीर (पुणे) डा० नरेश मिश्र (रोहतक), डा० हरिमोहन (गढ़वाल), आदि विभिन्न कार्यो से हिन्दी विभाग में पधारे।

हिन्दी विभाग में कबीर के छः सौवें जन्म वर्ष के अवसर पर एक त्रिदिवसीय परिचर्चा मई ९८ में आयोजित की गई, जिसमें हिन्दी एवं सन्त साहित्य सम्बन्धित विद्वानों ने भाग लिया।

Department of English Studies

The department, besides its regular teaching programme, developed the functional English Course to facilitate the young graduates to meet the future challenges of employment. Regarding the Research Programme experts like Professor B.G. Tandon, Ujjain and Proffesor A.N. Dwivedi, Allahabad visited the department. For research this year two research scholars have been enrolled. About a hundred titles on English Literature and Language have been added to the departmental library.

Professor Bhagat, who initiated and started the Ph-D. Programme in the subject has produced successfully Ph-D. Candidates in the subject. At present three scholars for Ph-D. degree are working under Prof. S.S. Bhagat, Apart from guiding Ph-D. students in the department, he has also been acting as an external guide to the scholars in outside universities. Professor Bhagat has visited a number of universities in the country as an expert on the subject.

Dr. Shrawan K. Sharma, Reader, submitted his thesis to the Meerut University for the degree of D.Litt. in English. He contributed an article entitled "Vikram Seth's Art of Narration in Travel Literature" to a book edited by the Department of English, Kurukshetra University, Kurukshetra and reviewed. Dr. Susheel Kumar Sharma's book. The theme of Temptation in Milton. In the month of January, Dr. Sharma attended XIV International IACS conference organised by Pondicherry University where he presented a year paper. "National Image in the Poetry of F.R. Scott." This he also wrote lessons on Indian English Writing, R.K. Narayan, Ted Hughes and Shakespeare for the M.A. Candidates registered with the department of distance Education, Kurukshetra University, Kurukshetra. At present four research scholars are engaged in working under him.

Dr. Ambuj Sharma, Reader remained actively engaged both in academic and cultural activities. At present three research scholars are registered with him and one of them is about to submit his thesis. This year the student's Annual Function was organised under his able guidance.

Dr. K.A. Agarwal, Sr. lecture, has been engaged in academic programmes. He presented a research paper entitled "Srinivas as contemporary Poet" at the annual conference of IASCL at Allahabad University. He also presented a paper, Importance of Linguistics in Teaching at CIEFL Hyderabad. He got published four papers published in various magazines. Besides, he has two annotated bookes to his credit. At present, he is Editor of the Vedic Path.

मनोविज्ञान विभाग

सत्र १९९७-९८ में मनोविज्ञान में विस्तार व्याख्यान योजना (**Extension Lecture Scheme**) के अन्तर्गत प्रो० सागर शर्मा, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला को आमंत्रित किया गया था। जिन्होंने की **Stress and Coping** विषय पर **Jan. 98** में अपना व्याख्यान दिया।

विभाग के शिक्षकों की शैक्षणिक गतिविधियाँ इस प्रकार हैं :-

प्रो० ओ.पी. मिश्र :-

प्रो० ओ.पी. मिश्र, के निर्देशन में दस छात्र शोध का कार्य कर रहे हैं तथा श्री संदीप कपूर ने प्रो० मिश्र के निर्देशन में अपना शोध कार्य पूर्ण किया है। जिन्हें इस सत्र में **Ph.D.** उपाधि दी गई है। प्रो० मिश्र हेमवती नन्दन बहुगुणा विश्वविद्यालय श्रीनगर, गढ़वाल, काशी विद्या पीठ, वाराणसी तथा चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के **Research Degree Committees** में विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य कर रहे हैं, तथा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर के **Board of Studies** में भी विषय-विशेषज्ञ के रूप में कार्य कर रहे हैं।

डा० एस०के० श्रीवास्तव :-

डा० एस०के० श्रीवास्तव जुलाई, ९७ से मनोविज्ञान के अध्यक्ष पद पर कार्य कर रहे हैं। डा० श्रीवास्तव २९ से ३१ दिसम्बर १९९७ में आयोजित **3rd International & 34th IAAP Conference** में भाग लिया तथा **"An Empirical Study of Job Satisfaction and Work Adjustment in Public Sector Personnel"** विषय पर शोध पत्र भी पढ़ा। इस कान्फ्रेंस का आयोजन **Indian Academy of Applied Psychology Association** द्वारा मद्रास में आयोजित की गई थी। डा० श्रीवास्तव के निर्देशन में ४ छात्र शोध का कार्य कर रहे हैं तथा इस वर्ष इनके निर्देशन में दो छात्रों ने (श्री प्रकाश चन्द एवं कु० अंशिका गुप्ता) शोध कार्य पूरा किया एवं उन्हें इस वर्ष **Ph.D.** उपाधि दी गई। डा० श्रीवास्तव के ३ शोध पत्र प्रकाशित किए गए तथा एक शोध पत्र प्रकाशित होने के लिए स्वीकार किया गया। विभागीय कार्य एवं शिक्षण के अतिरिक्त डा० श्रीवास्तव वर्तमान में छात्रावास के अध्यक्ष का कार्यभार भी संभाले हुए हैं।

डा० सी०पी० खोखर :-

डा० सी०पी० खोखर के निर्देशन में ४ छात्र शोध का कार्य कर रहे हैं तथा एक छात्र स्नातकोत्तर स्तर पर लघु, शोध कार्य कर रहा है।

विभाग में श्री लाल नरसिंह नारायण प्रवक्ता पद पर कार्य कर रहे हैं।

❖ ❖ ❖

विश्वविद्यालय भवन

प्रौढ़ सतत् शिक्षा एवं प्रसार विभाग

प्रौढ़ सतत् शिक्षा एवं प्रसार विभाग द्वारा चयनित क्षेत्र में सतत् शिक्षा के अंतर्गत ग्रामीण अंचल में प्रशिक्षण कार्य आयोजित किया गया। विभाग द्वारा अखिल भारतीय प्रौढ़ शिक्षा सम्मेलन का आयोजन २७-३० नवम्बर, १९९७ को भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली के आयोजन से किया गया। सम्मेलन में देश के सभी भागों से २२५ प्रतिभागियों ने भाग लिया। डा० आर.डी. शर्मा ने नई दिल्ली द्वारा सतत् शिक्षा पर आयोजित गोल मेज क़ार्यशाला में भाग लिया। विभाग द्वारा जनसंख्या शिक्षा के अंतर्गत जनसंख्या एवं साक्षरता विषय पर पुस्तक का प्रकाशन भी किया।

प्रबन्धन संकाय का प्रगति विवरण

प्रबन्धन संकाय की स्थापना वर्ष १९९६ में हुई, जिसके अन्तर्गत प्रो० एस०सी० धमीजा, विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष के अतिरिक्त सात अन्य प्राध्यापक कार्यरत हैं। संकाय को समृद्ध करने के लिए चार अध्यापकों की नियुक्ति इस सत्र में की गयी। वर्तमान सत्र में १३ दिसम्बर १९९७ को इनफाम (INFAM-97) इन्डस्ट्री फैक्लटी मीट का आयोजन किया गया जिससे ONGC के कार्मिक महाप्रबन्धक श्री जोहारी लाल एवं अन्य औद्योगिक इकाईयों से गणमान्य प्रबन्धकों ने भाग लिया।

आमन्त्रित व्याख्यान :-

(क) प्रो० पूर्णिमा अग्रवाल, लखनऊ विश्वविद्यालय ने "मानसिक तनाव प्रबन्ध" पर अपना ओजस्वी व्याख्यान प्रस्तुत किया।

(ख) प्रो० आर० रघुवन्शी, रुड़की विश्वविद्यालय ने MIS के विभिन्न विशिष्ट पहलुओं पर आमन्त्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

(ग) प्रो० पी०के० जैन, उदयपुर विश्वविद्यालय, ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये

(घ) श्री रवीश धमीजा अध्यक्ष NIS ने **Services Marketing Past, Present, Future** विषय पर आमन्त्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

(ङ) श्री आलोक शर्मा, **ICWAI** ने **Security Analysis & Portfolio Management** विषय पर आमन्त्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

(च) श्री सुधांशु शर्मा सी०ए०, ने **Working Capital Management** एवं **Capital Investment & Financial Decisions** विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किये।

औद्योगिक भ्रमण :

एम०बी०ए० प्रथम सेमेस्टर एवं कार्मिक प्रबन्ध के छात्रों के व्यावहारिक ज्ञानवर्धन हेतु औद्योगिक सरस्वती यात्रा के दौरान बैंगलूर गोवा, मुम्बई, मैसूर, दिल्ली एवं नजीबावाद स्थानों की यात्रा समयानुसार आयोजित की गई। जिसके अन्तर्गत **Bharat Earth Movers Ltd., Mysore, Eicher Footwear Ltd., Bangalore, Hindustan Photo Films Manufacturing Co. Ltd., Dynamic Fashions (P) Ltd., Gurgaon (Haryana), Mansarovar Bottling Company Ltd., Najibabad, Nestle India Ltd., Goa, E. Meruc India Ltd., Goa,** आदि संस्थानों का अवलोकन किया गया।

शोध पत्र एवं संगोष्ठी :-

प्रो० एस०पी० सिंह ने एम०एल० सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर में प्रबन्ध संकाय

द्वारा आयोजित **Globalization & Management of Development Economics** विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी जो की १२-१३ सितम्बर १९९७ को हुई उसमें भाग लिया तथा अपना शोध **Globalization and the Challenges before the Managers of India Economicss** पर प्रस्तुत किया।

डा० विवेक साहनी ने एल०बी० एड एकेडमी प्रशासन मसूरी में तीन दिन का प्रशिक्षण जो कि आई०ए०एस० प्रोवेशनरी अधिकारी के लिए आयोजित किया गया था उसमें आमन्त्रित व्याख्यान प्रस्तुत किये।

भवन निर्माण :-

प्रबन्ध संकाय के अन्तर्गत दो कक्ष, एक संगोष्ठी भवन एवं प्राध्यापक हेतु एक संगोष्ठी भवन एवं प्राध्यापक हेतु चार कक्षों का निर्माण कराया गया।

पुस्तकालय एवं संगणक केन्द्र :-

विचाराधीन अवधि के अन्तर्गत संकाय पुस्तकालय ने प्रबन्धन के भिन्न विशिष्ट क्षेत्रों से सम्बन्धित पुस्तकें क्रय की गयी तथा कम्प्यूटर आदि क्रय किये गये।

गणित एवम् सांख्यिकी विभाग

पिछले सत्र से विभाग में बी०एस-सी० स्तर पर सांख्यिकी विषय प्रारम्भ किया गया था। इस वर्ष प्रथम वर्ष तथा द्वितीय वर्ष की कक्षाएं संचालित हुयीं।

इस सत्र में डा० प्रभाकर प्रधान की विभाग में विधिवत रूप से प्राध्यापक पद पर नियुक्ति हुई।

अमर शहीद स्वामी श्रद्धानन्द सप्ताह के अवसर पर विभाग के छात्रों द्वारा एक झांकी प्रस्तुत की गयी। इसके लिए विभाग के समस्त शिक्षकों ने भी सहयोग दिया।

व्यक्तिगत विवरण

प्रो० श्याम लाल सिंह

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "इन्टरनेशनल कान्फ्रेन्स आन रिसेन्ट डेवेलपमेन्ट्स इन मैथेमेटिकल एनलिसिस विद एप्लिकेशन्स टू इन्डस्ट्रियल प्राबलम्स" (मार्च २-५, १९९८) सेमिनार में प्रो० एस.एल.सिंह ने भाग लिया। शोध पत्रिका आर्यभट के प्रधान सम्पादक हैं। निर्देशन में चार (४) शोध ग्रन्थ पी-एच.डी. उपाधि हेतु जमा हुए हैं तथा दो की मौखिक परीक्षा भी हो चुकी है। तीन शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं। पांच (५) शोधपत्र प्रकाशन की प्रक्रिया में हैं। एक रिसर्च मोनोग्राफ "२-दूरीक एवं २-मानकित समष्टियों में संपात एवं स्थिर बिन्दु समीकरण के साधन (डा० देवेन्द्र शर्मा के साथ संयुक्त) शिक्षा विभाग, मानव संसाधन मन्त्रालय द्वारा अगस्त १९९७ में प्रकाशन हेतु स्वीकृत किया गया है।

डा० वीरेन्द्र अरोड़ा

इनके निर्देशन में पी-एच०डी० हेतु एक शोध छात्र की मौखिक परीक्षा हो चुकी है। एक शोध छात्रा निर्देशन में शोधरत है। तीन शोधपत्र (श्री विवेक गोयल के साथ संयुक्त) विभिन्न शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। कुछ शोध पत्र प्रकाशन की प्रक्रिया में हैं। आर्यभट शोध पत्रिका के सम्पादक-मंडल में सम्मिलित हैं।

डा० विजयेन्द्र कुमार गर्ग (विभागाध्यक्ष)

विभाग के सदस्यों के सहयोग से विभागीय कार्य सम्पन्न करा रहे हैं। दो शोध-छात्र निर्देशन में शोधरत हैं। कुछ शोधपत्र भी प्रकाशन की प्रक्रिया में हैं।

डॉ० महिपाल सिंह

एक शोध-पत्र प्रकाशित हुआ एवम् एक कान्फ्रेन्स में भाग लिया व शोध-पत्र प्रस्तुत किया। एक शोध-ग्रन्थ पी-एच०डी० उपाधि हेतु पूर्ण है।

डॉ० प्रभाकर प्रधान

विभाग के अन्य कार्यो में सहयोग के अतिरिक्त आर्यभट शोध-पत्रिका के सम्पादन सचिव का कार्य भी कर रहे हैं।

बाएं से दाएं – श्री सूर्यदेव, कुलाधिपति, डॉ० धर्मपाल, कुलपति, प्रो० वेद प्रकाश शास्त्री, उपकुलपति, श्यामनारायण सिंह – कुलसचिव

भौतिकी विभाग

विभागीय उपलब्धियाँ :

(i) स्नातकोत्तर स्तर पर इसी सत्र से नया रोजगारोन्मुखी (Job Oriented) कोर्स "M.Sc. Physics Specialization In Instrumentation-Design & Maintenance" प्रारम्भ किया गया इस कोर्स हेतु विभागाध्यक्ष डा० राजेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में पाठ्यक्रम समिति की बैठक दिनांक ८ अगस्त' १९९७ को सम्पन्न हुई। जिसमें पाठ्यक्रम को अन्तिम रूप दिया गया।

(ii) कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, हरिद्वार में M.Sc. (उत्तरार्द्ध) की प्रयोगशाला के लिए खरीदे गये तथा प्रयोगशाला (Lab.) को सुव्यवस्थित किया गया।

(iii) डा० राजेन्द्र कुमार अध्यक्ष भौतिकी विभाग द्वारा CSIR नई दिल्ली को भेजा गया एक Major Research Project "Development & Characterisation of N-Type Amordhous Semi Conductors" स्वीकृत हुआ।

(iv) डा० राजेन्द्र कुमार एवं डा० पी.पी. पाठक के निर्देशन में शोध समिति (RDC) की बैठक में पी-एच.डी. हेतु तीन Synopsis स्वीकृत हुए।

(v) M.Sc. में उपरोक्त नये कोर्स हेतु विभागीय पुस्तकालय के लिए लगभग रु० ८०००/- की नई पुस्तकें खरीदी गयी।

(vi) डा० पी०पी० पाठक के निर्देशन में श्री प्रदोष कुमार का शोध प्रबन्ध मुल्यांकन हेतु प्रस्तुत किया गया।

वर्तमान में विभाग में चार छात्र डा० राजेन्द्र कुमार के निर्देशन में शोध कार्य में संलग्न हैं। एम.एस-सी. (उत्तरार्ध) के छात्रों ने विभागीय शिक्षकों के निर्देशन में अपने प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण किये।

रसायन विज्ञान विभाग

सामान्य विवरण

वर्ष १९९७-९८ में विभाग में कुल छात्र संख्या ४७७ व शोध छात्र संख्या १४ रही जिसमें से ३७ छात्र एम.एस-सी. (कामर्शियल मेथड्स ऑफ कैमिकल ऐनेलिसिस) में अध्ययनरत रहे जो एक अत्याधुनिक व व्यवसायोन्मुख पाठयक्रम है।

विभागीय शोध समिति की दो बैठकें समय पर की गयी बी.एस-सी. व एम. एस.सी. पाठ्यक्रमों का पुनरिक्षण व संशोधन किया गया तथा एम.एस.सी. स्तर पर प्रवेश परीक्षा का पाठयक्रम व सेमिस्टर प्रणाली प्रारम्भ किये जाने हेतु पाठयक्रम बनाये गये व पाठयक्रम समिति की बैठक समय पर की गयी। समस्त प्रयोगशालाओं में एल.पी.जी. गैस फिटिंग कराया गया एक उपकरण प्रयोगशाला का निर्माण कार्य सम्पन्न हुआ।

आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा व प्रयोगात्मक परीक्षायें सुनिश्चित समय पर करायी गई। विभाग में कम्प्यूटर हेतु एक लेजर प्रिन्टर क्रय किया गया। रसायन विभाग में पुस्तकालय में कुल ७८९ पुस्तकें हैं जिनका उपयोग एम.एस-सी. व शोध छात्रों के अतिरिक्त शिक्षकों द्वारा भी किया जाता है। वर्ष १९९७-९८ में डा० कौशल कुमार विभागीय पुस्तकालय के इन्चार्ज रहे।

२० सितम्बर १९९७ को स्व० श्री ओमप्रकाश सिन्हा जी के बलिदान दिवस पर यज्ञ आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। डा० आर०डी० सिंह की अध यक्षता में कन्या गुरुकुल महाविद्यालय के रसायन विभाग में विभिन्न उपकरण आदि क्रय व स्थापित किये गये इस समय उक्त विभाग में एम.एस.सी. छात्राओं के अतिरिक्त ४ शोध छात्रायें पी.एच.डी. उपाधि हेतु कार्यरत हैं।

रसायन विभाग में पहली बार स्व० श्री ओमप्रकाश सिन्हा स्मृति व्याख्यान माला का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत रसायन विभाग (मुख्य परिसर) में प्रो० डबलयू० यू० मलिक द्वारा इलैक्ट्रो एनालिटिकल टैक्नीक्स पर ६ व्याख्यान दिये गये तथा रसायन विभाग (क०गु० महा०) में रेडियोधर्मिता पर प्रो० एस०एन० टण्डन द्वारा ४ व्याख्यान तथा प्रो० वाई०के० गुप्ता द्वारा २ व्याख्यान कैमिकल कामनेटिक्स विषय पर दिये गये।

रसायन विभाग में एम०एस-सी० छात्रों के लिए कैमिकल कोलोकूअम प्रारम्भ किया गया जिसके अन्तर्गत छात्रों ने अपने व्याख्यान विभिन्न विषयों पर प्रस्तुत किये। गत वर्ष भी पाठयक्रम समिति की संस्तुति के आधार पर स्नातकोत्तर

स्तर पर डिसर्टेशन कार्य बन्द कर दिया गया तथा औद्योगिक प्रोजेक्ट कार्य प्रारम्भ किया गया जिस हेतु छात्रों को विभिन्न उद्योगों व संस्थानों में भेजा गया जहां उन्होंने अत्याधुनिक उपकरणों आदि पर कार्य करते हुए विशेष रूप से विश्लेषणात्मक रसायन संबधी प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिससे उन्हें व्यवसाय उपलब्ध होने में सहजता होगी।

विभागीय शिक्षकों का प्रगति विवरण

डा० आर०डी० सिंह
रीडर एवं विभागाध्यक्ष

१. डा० आर०डी० सिंह के निर्देशन में तीन एम०एस-सी० छात्रों ने प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण किया।
२. चार शोध छात्र पी०एच-डी० उपाधि हेतु कार्यरत हैं।
३. डा० आर०डी० सिंह द्वारा निम्नांकित शोध पत्र प्रकाशनार्थ भेजा गया।
"Synthetic Oxygen Carriers of biological interest".
४. डा० सिंह द्वारा एक शोध पत्र भारतीय विज्ञान कांग्रेस हैदराबाद में प्रस्तुत किया गया जिसका शीर्षक निम्नवत है।
"Synthesis and electrochemical studies of phenyl Azo substituted Tetra Azo Macrocyclic Complexes of Ni (II).
५. निम्नांकित शोध पत्र प्रस्तुति हेतु उन्हें मेक्रोसाइक्लिक रसायन पर हवाई विश्वविद्यालय होनोलुलू (यू.एस.ए.) में होने जा रही अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में निमन्त्रित किया गया।
"Coordination Chemistry of Octa Methyldibenzo Tetra aza [14] Amulene and their Cobalt (II) Nickel (II) Complexes".
६. डा० सिंह द्वारा मेक्रोसाइक्लिक रसायन के आधुनिक क्षेत्र में शोध कार्य कराया जा रहा है जिसकी ओर बहुत से छात्र आकर्षित होते हैं।
७. डा० सिंह द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को एक बृहत शोध परियोजना डा० आर०डी० कौशिक के सह संयोजन में भेजी गयी।
८. डा० सिंह ने ऐकेडमिक स्टॉफ कालेज जयपुर विश्वविद्यालय में दो व्याख्यान दिये।

डा० रामकुमार पालीवाल
रीडर, रसायन विभाग

१. डा० पालीवाल द्वारा निम्नांकित शोध पत्र रुड़की विश्वविद्यालय में हुई संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया।

"Polarographic reduction of Pyridine" P-76

२. डा० पालीवाल को मालवीय जयन्ती के अवसर पर गंगा सभा हरिद्वार द्वारा शिक्षक के रूप में सम्मानित किया गया।

३. इनके निर्देशन में तीन एम०एस-सी० छात्रों ने प्रोजेक्ट कार्य सम्पन्न किया।

डा० ए.के. इन्द्रायण
रीडर, रसायन विभाग

१. तीन एम०एस-सी० छात्रों ने प्रोजेक्ट कार्य सम्पन्न किया।

२. इनके निर्देशन में पाँच शोध छात्र पी०एच-डी० उपाधि हेतु कार्यरत है।

३. डा० इन्द्रायण का निम्नलिखित शोध पत्र अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका में प्रकाशित हुआ।

"Isolation and Extraction of medicinolly useful dye from the Heart-wood of the plant Coesalphia sappan using various solvents" Asian Journal of Chemistry 9 (4), (1997) 816-818.

४. एक शोध पत्र प्रकाशनार्थ स्वीकृत हुआ।

"Isolation and Extraction of medicinally useful oil from the seeds of Media composite willd", accepted for publication, Asian J. Chem. (1998)

५. एक शोध पत्र प्रकाशनार्थ भेजा गया।

"Use of the Natural Dye Isolated from the Heart Wood of Coesalpihia sappan as Achd-Base Indicator"

६. निम्नांकित शोध पत्र कान्फ्रेन्सों में प्रस्तुति हेतु स्वीकृत हुए।

(i) **Isolation of the natural Dye from the Heart Wood of Caesalpihia sappan and its use as a New Neutralization Indicator" Abstract p-18-29, Science Congress.**

(ii) **Isolation and Extraction of Differently Medicinally useful Dyes from the Heartwood of Arto Carpus integrifolia linn" Indian Council of Chemists.**

(ii) **"Isolation and Extraction of Medicinally useful Dye from the Root of Amebia Nobilis Rech. F., using Different solvents" Indian Council of Chemists.**

७. एक लेख **"The highly useul Musk-Mellow"** गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय से प्रकाशित आर्यभटट् पत्रिका में प्रकाशित किया जा रहा है।

८. वानस्पतिक औषधि सम्बन्धित एक माइनर शोध परियोजना पर कार्य प्रगति पर है।

९. उनकी पुस्तक **"Fundamentals in Chemistry"** का चतुर्थ संस्करण प्रकाशन की प्रक्रिया में है।

ओ३म् ध्वज के साथ- विद्यालय के छात्र

१०. राष्ट्र की स्वतन्त्रता के पचास वर्ष के उपलक्ष पर विश्वविद्यालय में बहुत से कार्यक्रमों का आयोजन व संयोजन किया जिनमें हरिद्वार के विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के छात्रों की राष्ट्र की गौरवशाली उपलब्धियों से सम्बन्धित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, ग्रुप डिस्कशन प्रतियोगिता आदि सम्मिलित है।

डा० कौशल कुमार
रीडर, रसायन विभाग

१. डा० कौशल कुमार के निर्देशन में तीन एम०एस०-सी० छात्रों ने प्रोजेक्ट कार्य सम्पन्न किया।
२. एक शोध छात्र पी०एच-डी० उपाधि हेतु कार्यरत है जो "डायबिटीज रोग" के लिए तुलसी, कालीमिर्च एवं बेलपत्र से निर्मित, हर्बल औषधि पर शोध कार्यरत है।
३. निम्नांकित एक शोध पत्र आर्यभटट् पत्रिका में प्रकाशनार्थ स्वीकृत हुआ।
"Clinical Trial of traditional herbomineral recipe used in Liver-disorders" Accepted for publication in Arya Bhatt, Vol. 1, 1998.

डा० आर०डी० कौशिक
रीडर, रसायन विभाग

१. डा० कौशिक के निर्देशन में एक शोध छात्र ने पी०एच-डी० उपाधि प्राप्त की।
२. चार अन्य शोध छात्र पी०-एच-डी० उपाधि हेतु डा० कौशिक के निर्देशन में कार्यरत है।
३. डा० आर०डी० कौशिक के निर्देशन में एक एम०एस-सी० छात्र ने डिसर्टेशन कार्य पूर्ण किया।
४. डा० कौशिक के निर्देशन में तीन एम०एस-सी० छात्रों ने प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण किया।
५. एक यू०जी०सी० माइनर शोध परियोजना का कार्य पूर्ण किया।
६. विभागीय लैब मेन्टेनेन्स इन्चार्ज के रूप में कार्य किया।
७. श्रेष्ठ शिक्षक के रूप में रोटरी क्लब ज्वालापुर द्वारा दिनांक १४-९-९७ को डा० कौशिक को सम्मानित किया गया।
८. निम्नांकित दो शोध पत्र कान्फ्रेन्स में प्रस्तुति हेतु स्वीकृत हुए व डा० आर०डी० कौशिक के निर्देशन में कार्यरत शोध छात्रों द्वारा मंगलौर विश्वविद्यालय में प्रस्तुत किये गये।
(i) **"Kinetic - Spectrophotometric determination of some toluidines in aqueous/mixed solvents", R.D. Kaushik and Rajesh Joshi, proceed. XVI conference of Indian Council of Chemists (Mangalore), AP-2, 187-188 (1997).**

(ii) "Kinetics and Mechanism of periodate oxidation of N-methylaniline in acetone-water medium", R.D. Kaushik and Dheer Singh, XVI Conference of Indian council of Chemists (Mangalore) Proceed; Po-102, 142 (1997)

९. निम्नांकित शोध पत्र राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।

(i) Periodate Oxidation of aromatic amines Kinetics and mechanism of oxidation of p-toluidine in acetone - water medium", R.D. Kaushik and Rajesh Joshi, Asian J. Chem., 9(4), (1997) 746-51.

(ii) "Kinetics of Periodate Oxidation of aromatic amines - A comparision of Effect of p^H on oxidation of some anilines"' R.D. Kaushik and Rajesh Joshi, Asian J. Chem, 9(4), (1997) 742-45.

(iii) "A new Kinetic spectrophotometric method based on periodate oxidation for determination of N, N-dimethyl - p-toluidine in acetone water medium"' R.D. kaushik and Rajesh Joshi, Him. J. Env. Zool., 10, (1996) 73-74 (Published in Jan' 98).

(iv) "Microgram determination of m-toluidine in water by kinetic-spectrophotometric method based on periodate oxidation", R.D. Kaushik and Rajesh Joshi, J. Env. and pollution, 4(3), (1997) 245-248.

(v) "A Kinetic-spectrophotometric method for microgram determination of p-toluidine in water", R.D. Kaushik and Rajesh Joshi, J. Env. and Pollution, 4(3), (1997) 203-205.

(vi) "Kinetic-spectrophotometric determination of N-ethylaniline in micrograms in acetone water medium" R.D. Kaushik, Paresh Kumar and Rajesh Joshi, J, Env. and Pollution, 4(4), (1997) 333-335.

(vii) "Determination of some aromatic amines in micrograms by Kinetic-spectrophotometric method based upon periodate oxidation in aqueous/mixed medium" R.D. Kaushik and Rajesh Joshi, Asian J. Chem., 10(2), (1998) 328-332.

१०. निम्नांकित शोध पत्र अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशनार्थ स्वीकृत हुए।

(i) "Kinetics of periodate oxidation of aromatic amines-studies on the kinetic parametres and isokinetic relationship for few anilines", R.D. Kaushik, Dheer Singh, Rajesh Joshi and Sandeep Kumar", accepted for publication in Asian J. Chem. (In press)

(ii) "An analysis of water being supplied to Gurukul Kangri University Campus, Hardwar", R.D. Kaushik, Mamta Sharma, Rajesh Joshi and G.P. Gupta, Accepted for publication in J. Nat. Phys-Sciences (In press)

(iii) **"Periodate Oxidation of aromatic amines studies on the role of substrituents and linear Rajesh Joshi and Dhher Singh, Accepted for publication in Asian J. Chem. (In Press)**

११. निम्नांकित शोध पत्र **"1998 (22nd) International Conference on science & Technology, the University of british Columbia,** वान्कूवर (कनाडा)" में प्रस्तुती हेतु निमन्त्रित किया गया।

"Kinetic and mechanistic study of Periodate Oxidation of some toluidines in acetone water medium", R.D. Kaushik, Dheer Singh, Rajesh Joshi.

१२. निम्नांकित शोध पत्र प्रकाशनार्थ भेजा गया।

"A Kinetic and mechanistic study of Periodate Oxidation of N, N-dimethyl - p - periodate oxidation of N, N-dimethyl-p-toluidine in acetone-water medium, R.D. Kaushik and Rajesh Joshi, Communicated for publication in Indian J. Chem.

१३. एक माइनर शोध परियोजना विश्वविद्यालय को स्वीकृत हेतु प्रस्तुत की।

१४. डा० कौशिक के सहसंयोजक में व डा० आर०डी० सिंह के संयोजन में एक बृहत्त शोध परियोजना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुदान हेतु भेजी गयी।

डा० श्री कृष्ण
प्रवक्ता, रसायन विभाग

१. डा० श्री कृष्ण के निर्देशन में तीन एम०एस-सी० छात्रों ने प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण किया।

२. इनके द्वारा निम्नांकित शोध पत्र भारतीय विज्ञान कांग्रेस हैदराबाद में प्रस्तुत किया गया।

"Physio-Chemical Analysis of Agnihotra (Yagya) ash' p-69, 115.

३. दिसम्बर १९९७ में दिल्ली में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महा सम्मेलन के अवसर पर गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय द्वारा यज्ञ ज्योति ले जाने में भाग लिया।

प्रौद्योगिकी सकाय

(कम्प्यूटर विभाग एवं केन्द्र)

प्रौद्योगिकी संकाय की स्थापना २४ अप्रैल १९९७ को हुई जिसमें डा० विनोद कुमार को संकायाध्यक्ष बनाया गया। वर्तमान में कम्प्यूटर विज्ञान व कम्प्यूटर केन्द्र इस संकाय के आधीन है।

कम्प्यूटंर विज्ञान विभाग एवं केन्द्र की सत्र १९९७-९८ की उपलब्धियों का विवरण निम्न प्रकार है।

1. **शोध पत्रों का प्रकाशन-**

(i) लेखक डा० विनोद कुमार (सहलेखक डा० एम०पी० सिंह, अरूण कुमार) **"Performance Analysis of a Voice/data packet Multipleasure with two success having different Service Disciplines", Proceedings of the National System Conference held at Hyderabad, Jan 1998.**

(ii) लेखक डा० विनोद कुमार (सहलेखक डा० विनोद कुमार, अरूण कुमार) **"Performance Analysis of Two-stage Job Scheduling Schemes of large parallel processing systems", Proceedings of the National Convention of Computer Society of India held at Ahmedabad in Nov 13-16, 1997. pp.335-346.**

(iii) विनोद कुमार, पी०के० यादव, कर्मजीत भाटिया
"Optional Task Allocation in Distributed Computing Systems owing to Inter task Communication Effects" CSI-98 to be held in Delhi from Sept 9-12, 1998 (communicated)

(iv) विनोद कुमार, एम.पी. सिंह, अरूण कुमार
"Performance Analysis of parallel Processing systems with Job spliting computer science and Informations, CSI Journal (Communicated)

2. **शोध सम्मेलनों में सहभागिता-**

(i) डा० विनोद कुमार ने कम्प्यूटर सोसाइटी ऑफ इण्डिया की अहमदाबाद में १३-१६ नवम्बर को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

(ii) **IGNOU** द्वारा आयोजित **"Networking Management**

Education" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार में ९-४-९७ से १२-४-९७ तक भाग लिया।

3. पी०एच०डी० शोध उपाधि

(i) डा० विनोद कुमार के निर्देशन में "A study of Mathematical programming and its applications to task allocation in distributed processing systems" विषय पर पी०एच-डी० उपाधि प्रदान की गई।

(ii) डा० विनोद कुमार के निर्देशन में ही "some applications of Owing Network modelling and analysis Techniques to Performance Evaluation of Computer Systems" विषय पर अरूण कुमार दास पी०एच-डी० शोध ग्रन्थ जमा हो चुका है।

(iii) डा० विनोद कुमार के निर्देशन में ही कर्मजीत भाटिया तथा श्री अवनीश कुमार पी०एच-डी० उपाधि हेतू शोधरत हैं।

4. आमन्त्रित व्याख्यानों का आयोजन-

(i) कम्प्यूटर सोसाइटी ऑफ इण्डिया की हरिद्वार शाखा में "Performance analysis of Two-stage Job-scheduling schemes" विषय पर व्याख्यान दिया।

5. शैक्षणिक निकायों की सदस्यता-

(i) कम्प्यूटर विभाग एवं केन्द्र के सभी सदस्य कम्प्यूटर सोसाइटी ऑफ इण्डिया (CSI) के सदस्य हैं।

(ii) डा० विनोद कुमार सिस्टम सोसाइटी ऑफ इण्डिया (SSI) तथा रामानुजन सोसाइटी के सदस्य हैं।

(iii) डा० विनोद कुमार चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय एवं हेमवती नन्दन बहुगुणा विश्वविद्यालय की शिक्षा समितियों के सदस्य है।

6. नये पाठ्यक्रमों का समावेश-

(i) A.I.C.T.E./U.G.C. को B.Tech (Computer) तथा M.Sc. (Computer Science) तथा M.Tech. (Computer Tech.) पाठ्यक्रम आरम्भ करने हेतू प्रस्ताव भेजे गये, जो कि अभी विचाराधीन हैं।

7. शोध परियोजना-

(i) विभाग में वर्तमान में "A study of communication Aspects of Ancient Indian Literature and their enfluence on computer communication" पर लघु शोध परियोजना पर कार्य चल रहा है।

(ii) A.I.C.T.E. द्वारा एक शोध परियोजना "Performance Enhancement and Evaluation of distributed computing system" के लिए TAPTEC योजना के अन्तर्गत रु० १.२५ लाख स्वीकृत किये गये।

8. **शैक्षणिक यात्राओं का आयोजन–**
श्री कर्मजीत भाटिया एवं श्री महेन्द्र असवाल के संचालन में सरस्वती यात्रा के अन्तर्गत एम०सी०ए० (तृतीय समेस्टर) के १७ छात्रों ने बैंगलोर, मैसूर एवं गोवा के विभिन्न कम्प्यूटर संस्थानों तथा कम्प्यूटर कम्पनीयों का भ्रमण किया तथा आधुनिक तकनीक के विषय में व्यावसायिक जानकारी प्राप्त की।

Placement-cum-Training Cell की स्थापना

श्री कर्मजीत भाटिया विभाग के **Placement-cum-Training Cell** के प्रभारी के रूप में कार्य कर रहे हैं जिसमें श्री द्विजेन्द्र पन्त सहयोग कर रहे हैं। एम०सी०ए० के छात्रों के प्रोजेक्ट व रोजगार हेतू विभिन्न कम्प्यूटर फर्मों को विवरणिकाएं प्रेषित की गई। विभिन्न साफ्टवेयर कम्पनियों द्वारा किये गये परिसरीय साक्षात्कार में एम०सी०ए० के छात्र/छात्राओं ने परीक्षा दी।

पुस्तक समीक्षा एवं प्रकाशन

१. डा० विनोद कुमार ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा प्रकाशित **"Fundamental Glossary of Computer Science"** को तैयार करने में विशेष परामर्शदाता की भूमिका निभाई।
२. डा० विनोद कुमार ने प्रो० दस्तीदार द्वारा लिखित **"Introduction to Computer Science"** पुस्तक की समीक्षा की जो **"University News"** में प्रकाशित हुई।

कम्प्यूटर केन्द्र में नवीन तकनीक का समावेश

कम्प्यूटर केन्द्र में तीन अत्याधुनिक कम्प्यूटर क्रय किये गये जो मल्टी मीडिया तकनीक से युक्त है। **Ms-Office-97** भी क्रय किये गये। केन्द्र में अत्याधुनिक कम्प्यूटर नेटवर्क तकनीक इंटरनैट तथा **E-Mail** की स्थापना के लिए प्रयास जारी है। केन्द्र व विभाग के तकनीकी स्टॉफ द्वारा केन्द्र में इन तकनीकों को लागू करने के लिए एक नया रूप दिया जा रहा है।

जन्तु एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग

विभाग द्वारा, ६-९ फरवरी १९९८ को, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, एवं भारतीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी हरिद्वार के सहयोग से "जैव विविधता, पर्यावरण आकलन एवं जैव तकनीक" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी के उद्घाटन के अवसर पर, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलपति प्रोफेसर आर०आर० दास एवं शान्तिकुंज, हरिद्वार के अधिष्ठाता डा० प्रणव पंड्या ने अपने-अपने विषयों पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किये। इस संगोष्ठी में देश के कोने-कोने से सम्मिलित हुए प्राध्यापकों एवं वैज्ञानिकों द्वारा जैव विविधता के संरक्षण पर्यावरण आकलन की महत्ता एवं जैव तकनीकी उपयोगिता पर अपने व्याख्यानों द्वारा नवीनतम जानकारी प्रदान की गयी। मुख्य विषय विशेषज्ञों, प्रोफेसर एम०के० ज्योति, जम्मू विश्वविद्यालय, प्रो० आशा सकलानी गढ़वाल वि०वि० प्रो० संतोष कुमार, भोपाल वि०वि०, प्रो० एल०डी० चतुर्वेदी, प्रो० संतोश सिंह, प्रो० पी०एस० मूर्ति बंगलौर वि०वि०, प्रो० बी०एन० पांडे मगध वि०वि०, प्रो० सर्वेश कुमार कुमायूं वि०वि० द्वारा विशिष्ट व्याख्यान दिये गये। इनके अतिरिक्त लगभग सौ विद्वानों ने संगोष्ठी में अपने-अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

संगोष्ठी में सर्वोच्च शोध-पत्र प्रस्तुति के लिये अध्यापक श्रेणी में डा० विनीता शुक्ला एम०डी० वि०वि० रोहतक एवं डा० पी०सी० जोशी गु०कां० वि०वि० हरिद्वार एवं शोध छात्र श्रेणी में श्री ए०के० साहनी पंजाब वि०वि० चंडीगढ़, सुश्री चन्द्रमा बंगलौर वि०वि० को युवा-वैज्ञानिक पुरस्कार, अकादमी के पदक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये।

विभाग के प्राध्यापकों द्वारा अपने ही प्रयास से, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की शोध पत्रिका (हिमालयन जर्नल ऑफ एन्वायरमेंट एण्ड जूलॉजी) का नियमित प्रकाशन विगत १२ वर्षो से किया जा रहा है। इस शोध पत्रिका की ख्याति शिक्षा जगत् में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर निरन्तर बढ़ती जा रही है।

एम०एस-सी० पर्यावरण के छात्रों को विशेष रूप से लाभान्वित करने हेतु अनेक वि०वि० एवं शोध संस्थाओं से आमंत्रित किये गये विषय-विशेषज्ञों द्वारा नवीनतम जानकारी प्रदान की गयी। प्रो० एस० खेरा, पूर्व निदेशक जेड एस आई प्रो० आर०ए० अग्रवाल उप कुलपति गोरखपुर वि०वि०, प्रो० एस० जी० पाल, कलकत्ता वि०वि०, प्रो० गिरीश चोपड़ा कुरुक्षेत्र वि०वि० प्रो० डी०के० बलसारे, भोपाल वि०वि०, प्रो० वी०के० झा एवं डा० सरनाम सिंह आई-आई-आर-एस देहरादून एवं डा० एम०जी० श्रीवास्तव, डा० केशव, एवं डा० ए०के० गोयल पी.सी.आर.आई द्वारा सारगर्भित व्याख्यानों के माध्यम से छात्रों को नवीनतम जानकारी प्रदान की गयी।

विभागीय प्राध्यापकों द्वारा इस सत्र में किये गये विशिष्ट कार्य-कलाप निम्न प्रकार हैं।

प्रोफेसर बी०डी० जोशी

प्रोफेसर जोशी, माइक्रोबायोलॉजी एवं पर्यावरण विज्ञान के कार्डिनेटर हैं।

1. Attended Indian National Association Conference and Delivered invited guest lecture.
2. Attended 5th International congress of Indian Institute of Ecology and Environment and delivered one special lecture.
3. Delivered special lectures to refresher course teachers in the department of zoology at Jiwaji University, Gwalior and Magadh University, Bodhgaya.
4. Prof. Joshi delivered special lectures as an expert of the fish culture in a seminar, organised by the Govt. of Haryana to develop a quatic and fisheey resources in state of Haryana.
5. Attended National seminar on "Trends in Life-Sciences" at Deptt. of Zoology, Punjabi University, Patiala and delivered special lectures.
6. Prof. Joshi has been holding the charge of NSS coordinator of the Vishwavidyalaya.
7. Prof. Joshi Continues to be-
   (i) Editor-in-chief of Himalayan journal of Environment and Zoology.
   (ii) President Indian Academy of Environmental Science, Haridwar
   (iii) Chief-Proctor Gurukul Kangri University, Hardwar
8. Prof. Joshi has participated in various meetings as an subject expert of the following organizations and universities.
   (i) UGC committee on emerging areas in education for environmental sciences
   (ii) Himalayan Ecology, Gobind Vallabh Pant Institute of Himalayan Ecology and Development.
   (iii) B.O.S. and R.D.C. of Kurukshetra University Garhwal University, Jiwaji University, Avadh University, Bhopal University, Kumaon University and Ruhelkhand University.
9. One research student Miss Laxmi Bhagat has been awarded Ph.D. degree under the guidance of Prof. Joshi.
10. Prof. Joshi Published two research papers during the current Academic session.
11. Three dessertations in microbiology and three dessertations in environmental science submitted under his guidance. Four students are doing M.Sc. dessertation work under the guidance of Prof. Joshi.
12. One major research project on extansion of infrastructural facilities of existing botanical garden of GKV for ex-situ conservation of endangered plants was sanctioned to Prof. Joshi during 97-98.
13. Under the director ship of Prof. Joshi a national seminar on "Faunastic

दीक्षान्त स्थल के लिए आते हुए- मुख्य अतिथि डॉ० सुमतीन्द्र नाडिग (मध्य में) साथ में कुलपति एवं कुलसचिव

diversity, Environmental monitoring and prio technology" was organised in the Deptt. of Zoology and Environment Sciences during Feb 6-9, 1998.

14. Two research students are working for their Ph.D. under the guidance and supervision of Prof. Joshi.

डा० टी० आर० सेठ
रीडर

डा० सेठ द्वारा विभागीय एवं विश्वविद्यालय के क्रिया कलापों में सक्रिय योगदान दिया गया। आपने विज्ञान संकाय की वार्षिक परीक्षा में सहायक परीक्षाध्यक्ष का कार्य कुशलतापूर्वक सम्पन्न किया। डा० सेठ विभिन्न विश्वविद्यालयों की परीक्षाओं में परीक्षक हैं। डा० सेठ ने राष्ट्रीय संगोष्ठी **"National Symposium On Faunistic Bio-Diversity Environmental Monitoring & Biotechnology"** गु०कां० विश्वविद्यालय में फरवरी ६-९, १९९८ आयोजित, सहनिर्देशक के रूप में योगदान दिया।

डा० ए०के० चोपड़ा
रीडर

इस सत्र में डा० चोपड़ा ने विश्वविद्यालय एवं विभागीय प्रगति हेतु अनेक कार्य किये। उनके कुछ क्रिया कलापों का विवरण निम्नवत है।

Research Papers Published :

1. Incidence of parasitic infection among people at Haridwar. Him. J. Env. Zool., 10: 97-98, 1996
2. Physico-Chemical and microbiological characterization of waste-water effluents of different sites of Thermal Power Station, BHEL, Haridwar. Him. J. Env. Zool., 10: 35-37, 1996.
3. Antibacterial activity of Nerium indicum Mill against Bacillus subtilis and Escherichia coli in different seasons. Him J. Env. Zool., 10: 31-32, 1996.
4. A study on the age and growth of Schizothorax plagiostomus (Heckel) of river pinder in Garhwal Himalaya. Him. J. Env. Zool., 10: 81-85, 1996.
5. Influence of abiotic variables on the incidence of parasitic infection among people at Haridwar. J. Ecobiol., 9: 299-305, 1997.
6. Parasitic infection in relation to ABO blood groupso of patients. Rivista Di Parassitologia, (In print), 1998

M.Sc. Dissertations (Awarded) :

1. A study on the impact of fly-ash on soil microbes. - Mr. Sunil Chaturvedi (Microbiology)

2. In vitro antimicrobial efficacy of Ayurvedic drug, Neemilia powder and its constituents against Staphylococcus epidermidis. (Microbiology) - Mr. Pushpendra Kumar.
3. A study on potability of water from two sources of two localities of Haridwar. -Mr. S.K. Sharma (Env. Sci.)
4. A study on aeromycoflora of Harkipauri, Haridwar. -Mr. Rajendra Sharma (Env. Sci.).
5. Physico-chemical characterization of the effluents of Chandela paper-mill and Charu paper-mill, Haridwar. -Mr. Dheeraj Sharma (Env. Sci.)

Other activities :
1. As a member of flying-squad during annual examinations.
2. As a member of vice-president of Indian Academy of Environmental Sciences, Haridwar
3. As Executive-editor of Him.J.Env. Zool.
4. As a member of the organizing committee of fifty-years of Independence, GV, Haridwar
5. Delivered invited lectures (6) related to Microbiological techniques in the Vocational course 'Biological techniques and specimen preparation' at Govt. PG College, Kotdwara, 11-12th April, 1997
6. Delivered invited lectures (4) on Air-pollution in M.Sc. Envi.Sci. Course at Avadh University, Faizabad, 26th & 27th Nov., 1997
7. Delivered invited lecture 91) on Genetics at Delhi Public School, Haridwar, 13th Dec., 1997
8. As a member of RDC of Bundelkhand University, Jhansi
9. As a Co-director of the National Symposium 'Faunistic Biodiversity, Biomonitoring and Biotechnology, GKV, Haridwar.

डा० दिनेश भट्ट

इस सत्र में डा० भट्ट के क्रिया कलाप निम्न प्रकार हैं।
1. 6th APSI National Seminar on Biological diversity and humen Welfare, में Rishikesh, (Sept.97) में शोध पत्र प्रस्तुत किया व "Animal Biodiversity" सत्र की अध्यक्षता (Chair person) की।
2. Natl. Seminar on faunistic Diversity. Env. Monitoring & Biotechnology, Hardwar (Feb'98) नामक संगोष्ठी में सचिव पद पर कार्य किया।
3. International Bioacoustic Council Meeting, Taxas, Oct'97 में शोध पत्र वाचन हेतु स्वीकृत।
4. International Congress on sustainable Development on Env. & Wildlife Ujjain, Dec. 97 में दो शोध पत्र, शोध छात्रों द्वारा प्रस्तुत।
5. 22nd International ornithological congress, Durban South Africa में शोध पत्र प्रस्तुत करने हेतु आमन्त्रण।

6. M.Sc. पर्यावरण विज्ञान छात्रों के शैक्षणिक टूर का संचालन।
7. दो शोध पत्र (**Breeding Behaviour of Redvented bulbul** एवं **Territorial Song in Magpie robin**) प्रकाशन हेतु भेजे गये।
8. **DST** परियोजना एवं **UGC** परियोजना में शोध कार्य प्रगति पर।
9. **Evaluation of Antimicrobial activity of Ras Sindura Against a Dermatophyte. Him. J.Env. Zool. vol 10.** नामक शोध पत्र प्रकाशित।
10. चार छात्रों (**M.Sc. Micro+M.Sc. Env.**) के **Dissertation** कार्य का सुपरविजन किया।

डा० प्रकाश चन्द्र जोशी
प्रवक्ता

शैक्षिक सत्र १९९७-९८ में, डा० प्रकाश जोशी ने विभागीय एवं विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर दिये गये उत्तरदायित्वों का निर्वहन पूर्णरूपेण करने के साथ, विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लिया तथा अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। जून १९९७ में, नेशनल इंस्टीयूट ऑफ रिमोट सेसिंग, देहरादून द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधनों का संवर्धन" विषय पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

जून १९९७ में ही, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया तथा इस सत्र में, दो, दस दिवसीय पूर्णकालिक शिविर एवं आठ एक दिवसीय शिविरों का आयोजन किया।

डा० जोशी ने पंजाबी वि०वि०, पटियाला, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ऋषिकेश, विक्रम वि०वि०, उज्जैन एवं गु०कां० वि०वि०, हरिद्वार के जन्तु एवं पर्यावरण विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लिया तथा अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। इनके मौलिक एवं उत्कृष्ट शोधकार्य हेतु युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। इस सत्र में इनके दो शोध पत्र प्रकाशित हुए।

इस सत्र में डा० जोशी ने विश्व बैंक एवं **ICFRE** द्वारा पोषित शोध परियोजना का कार्य प्रारम्भ किया। इस शोध योजना के अन्तर्गत दो शोध छात्र कार्यरत हैं। जो कि राजाजी राष्ट्रीय उद्यान में कीट जगत की विविधता एवं उन पर प्राकृतिक अवयवों के प्रभाव का अध्ययन डा० जोशी के निर्देशन में कर रहे हैं। इस शोध योजना की छः माही रिपोर्ट **ICFRE** को प्रेषित कर दी गयी है।

श्रद्धानन्द बलिदान दिवस पर विभाग द्वारा प्रस्तुत झांकी के निर्माण में आपका सक्रिय, महत्वपूर्ण सहयोग रहा। फरवरी १९९८ में डा० जोशी, पर्यावरण विज्ञान के छात्रों को सरस्वाती यात्रा पर विश्वप्रसिद्ध पक्षी विहार भरतपुर एवं आगरा भ्रमण के लिये ले गये।

डा० जोशी के निर्देशन में पर्यावरण विज्ञान में, दो छात्रों ने अपने लघु शोध प्रबंध पूर्ण किये तथा इस वर्ष भी दो अन्य छात्रों का कार्य प्रगति पर है। डा० जोशी को भारत

सरकार को Man and Biosphere योजना के तहत नन्दादेवी बायोस्फीयर रिसर्च में कीटों की पारिस्थितिकी, जैविकी एवं वर्गीकरण के अध्ययन हेतु एक वृहद् शोध योजना स्वीकृत की गयी है।

डा० देवेन्द्र सिंह मलिक
प्रवक्ता

डा० मलिक ने विभागीय एवं विश्वविद्यालय के क्रियाकलापों में अपना सक्रिय योगदान दिया। उनके कार्यों का विवरण निम्नवत है :-

1. **Accepted a research paper entitled "Population of green algae in relation to Physio-Chemical factors of the river Ganga at Lal-Ji-Wala, Hardwar" in U.P.J. of Zoology.**
2. **Accepted a research paper entitled "Bio-monitoring of sewage water of a treatment plant at Hardwar (India)" in J. of Nature Conservation.**
3. **Attended a National Seminar on "Environmental Issues, Impact assessment and Research Management" and presented research paper.**
4. **Attended regional conference on "Sustainable Ecosytem and Environment" organised by ASEA, Sensed-97 and presented a research paper.**
5. **Attended national symposium on "Faunistic Bio-diversity, Environmental monitoring and Biotechnology" organised by Deptt. of Zoology & Environment Science. G.K.V. Hardwar (India) and presented a research paper.**
6. **As a member of Gucket selection committee, G.K.V. Hardwar.**
7. **As a member of organising committee of National Symposium organised by Deptt. of Zoology & Env. Science G.K.V. Hardwar and Co-sponsored by Indian Academy of Environmental Sciences Hardwar.**
8. डा० मलिक के नेतृत्व में एम०एस-सी० पर्यावरण विज्ञान के छात्रों ने श्रद्धानन्द बलिदान दिवस पर "वातावरण पर प्रदूषण का प्रभाव" विषय पर भव्य झांकी का प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

दीक्षान्त स्थल पर हवन करते हुए मुख्य अतिथि

वनस्पति विज्ञान विभाग
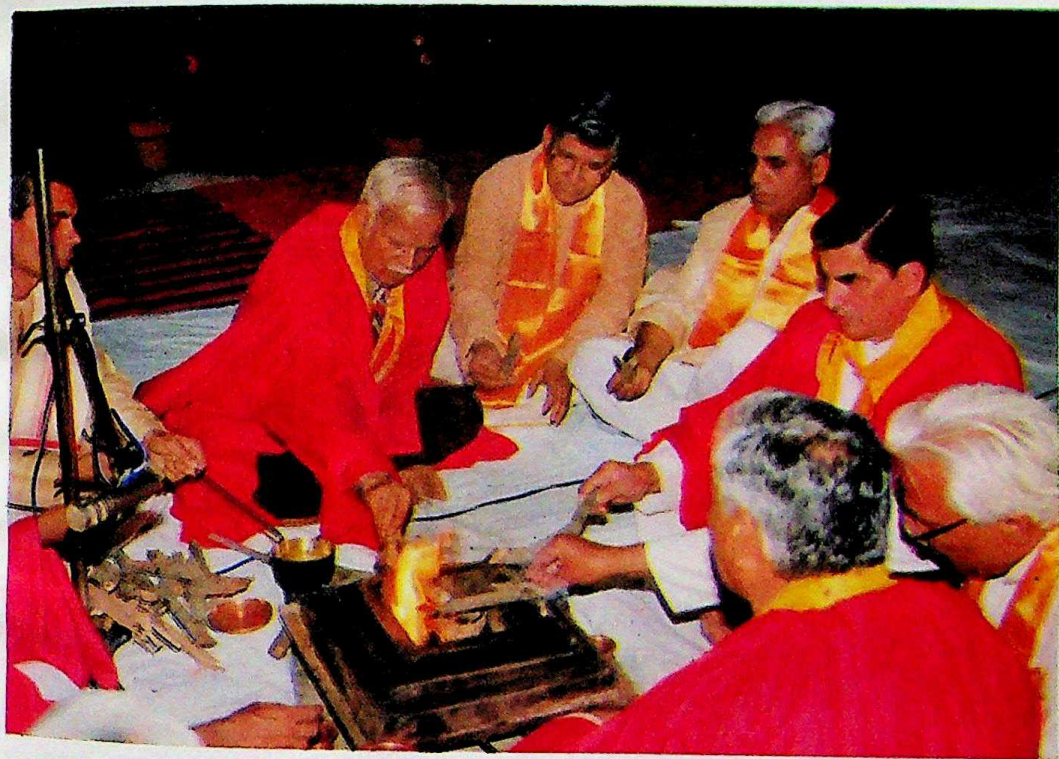
Professor D.K. Maheshwari

- **Acted as member UGC expert committee IX plan, for the State of Punjab.**
- **Covenor, IX plan Gurukula Kangri University.**
- **Vice President (for the year 1997-98), Indian Botanical Society.**
- **Selected in UGC bilateral exchange programme to visit Korea.**
- **Expert in BOS in Microbiology at Ahilya Devi University, Indore. R.D. University, Jabalpur, BHU, Sagar University, Barkatullah University.**
- **RDC member at CCS University, Meerut, RML University, Faizabad.**
- **Visited to deliver lecture in Refresher course at Jiwaji University, Gwalior.**
- **Three students have submitted their Ph.D. thesis.**
- **Three projects are running.**

Dr. G.P. Gupta

1. **One paper in accepted for publication in *J. of Natural and Physical Sciences.***
2. **One paper is accepted for publication in *Biotechnology : New Trends & Prospects.***
3. **Attended one conference of Adult Education held at Gurukula Kangri University, Haridwar.**
4. **Two dissertations on Antimicrobial property of drug plants have been submitted under my supervision.**

Dr. R.C. Dubey

Books

1. Himalayan Microbial Diversity Vol 1 & 2, 1997 (Eds. S.C. Sati, J. Saxena and R.C. Dubey) Today and Tomorrow's Printers & Publ., New Delhi.
2. Microbiology (for Degree Students), In Press.

Reviews

1. Dubey, R.C. and Ginwal, H.S. 1997. Prospects of mycorrizal fungi in the Himalaya: forms, function and management. In Himalayan Microbial Diversity (eds. S.C. Sati, J. Saxens and R.C. Dubey), pp. 317-338.
2. Dubey, R.C., S. Pandey and P. Tripathi 1998. Nutrients in relation to formationa and growth of ectomycorrhiza. In Trends in Microbial Exploitation. (eds. B. Rai, R.S. Upadhyay and N.K. Dubey). The International Society for Conservation of Natural Resources. Deptt of Botany, B.H.U., Varanasi.

Research paper

1. Shail, S. and Dubey, R.C. 1997. Seasonal changes in microbial community in relation to edaphic factors in two forest soils of Kumaun Himalaya. In Himalayan Microbial Diversity (eds. S.C. Sati, J. Saxena and R.C. Dubey).pp. 381-391.
2. R.R. Pandey, D.K. Arora and R.C. Dubey. 1997. Effect of environmental conditions and inoculum density on infection of guava fruits by Colletotrichum gloeosporioides. Mycopathologia. 165 : 172.

Others

1. Attended group monitoroing workshop of the UGC at Osmania Univ., Hyderabad, during Jan. 19-21, 1998.
2. Supervised two M.Sc. Students for their dissertation.

Dr. Navneet

1. An abstract entitled, 'Physio-chemical analysis of Agnihotra (Yagya) ash" published by Indian Science Congress Association held at Hyderabad from January 3 to 8, 1998.
2. A paper entitled, 'Aeromycoflora over potato fields" was published in Journal of Natural and Physical Science, Vol. 9-10 (1995-96) : 61-71.

3. A paper entitled, 'Aeromycoflora of Gurukul Kangri Pharmacy, Hardwar" was submitted for publicatin in Journal of Natural and physical science.

4. A paper entitled, 'Agnihotra-The Air Purifier" was accepted for publication in Arya Bhatt.

5. Attended the orientation workshop on, 'Population and Development Education" on August 29, 1997, organised by Department of Adult Education, Gurukul Kangri University, Hardwar.

6. Member of the organising committee to celebrate fifty years of Independence in Gurukul kangri University.

7. Member of the selection committee to select the Cricket team of Gurukul Kangri University.

8. My name has been included in the Eighth Edition of International Directory of Distinguished Leadership to be published by American Biographical Institute, Inc., California (USA).

9. The dissertation entitled, 'A study on antimicrobial effects of Vedic Yajna' was submitted by Mr. Subhash Chand under my guidance and supervision.

10. The dissertation entitled,' Microbiological and biochemical investigation of cow and human urine was submitted by Mr. Shrenik Jain under my guidance and supervision.

डा० पुरुषोत्तम कौशिक

रीडर

डा० कौशिक के निर्देशन में निम्न पी०एच-डी० उपाधी शोध ग्रंथ दिया गया।

"A survey of Medicinal Plants of Hardwar and Adjoining area vis-a-vis the Raw Plant Drugs being sold in Local Market" - By Anil Kumar Dhiman, 1997.

डा० कौशिक के निर्देशन में निम्न एम०एस-सी० उपाधी ग्रंथ दिए।

1. Physico-Chemical and Microbiological characteriszation of Raw and Treated Sewages of STP at Lakarghat ((Rishikesh)" -By Nitin Gupta 1997.

2. "A study on Pulp and paper Mills Effluents and their Impact on the Riverwater in Terms of Microbiological and physico chemical characteristics" - By Ravinder Kand, 1997

डा० कौशिक ने निम्न संगोष्ठियों में भाग लिया तथा अपने शोध पत्र/इनवाइटिड लैक्चर प्रस्तुत किए।

1. **National Seminar on Development Biology & Commercialization of Ordinary and Orchid Shoo, organised by TOSI at Gangtok (Sikkim) April 12-13, 1997.**
2. **National Symposium on Herbal Medicine, Application of Biotechnology and Futuristic Approach March 27-29, 1997, held at Dept. of Microbiology & Pharmaceutical Sciences, S.B.S. Postgraduate Institute of Biomedical Sciences, Dehradun.**
3. **National Seminar on Biological Diversity and Human Welfare 28-30 Sept., 1997 held at Dept. of Botany, Govt. P.G. College, Rishikesh.**
4. **National Symposium on Faunistic Biodiversity, Environmental Monitoring & Biotechnology Feb 6-8, 1998 at Department of Zoology and Environment Science, Gurukula Kangri Vishwavidyalaya, Hardwar.**
5. **U.G.C. sponsored national symposium on Recent Advances in Environmental Sciences March 19-20, 1998, Dept. of Botanical Sciences, Guru Nanak Dev University, Amritsar**

डा० कौशिक के निम्न लेख भी प्रकाशित हुए।

1. **Mycorrhiza and Conservation of Orchid. 1998 Proceedings of U.G.C. sponsored Nationed Seminar Guru Nanak Dev University, Amritsar.**
2. **Water Quality of Batching Ghats of Ganga at Hardwar absent No 45, page 29 Souvenir & Abstracts, Department of Zoology & Environmental Sciences, GKV, Hardwar.**
3. **Occurance of Pollution to be rant Plant species 1998 in Haridwar - UGC spaso red Natural Seminar on Recent Advances in Env. Science G.N.D.U., Amritsar.**
4. **On Occurance of *Ephedra foliata* in Haryana. U.G.C. sponsored National Symposium on Recent Advances in Environment Science, G.N.D.U., Amritsar.**
5. **The Orchids : A journey from shakespeare's theatre to Modern Drug Houses. page 20. Souvenir. National symposium on herbal Medicine. Application of Biotechnology & Futuristic Approach. S.B.S.M. post graduate Institute of Biomedical Science, Dehradun.**
6. **The Himalayan Orchids Enigme of Nature & Boom for a Tantric Biological Diversity and Human Welfare.**
7. **Vedic medicinal plants. Advances in Plant Sciences Vol. 10 : 1-12.**

पुस्तकों का विमोचन करते हुए मुख्य अतिथि कुलपति एवं अन्य
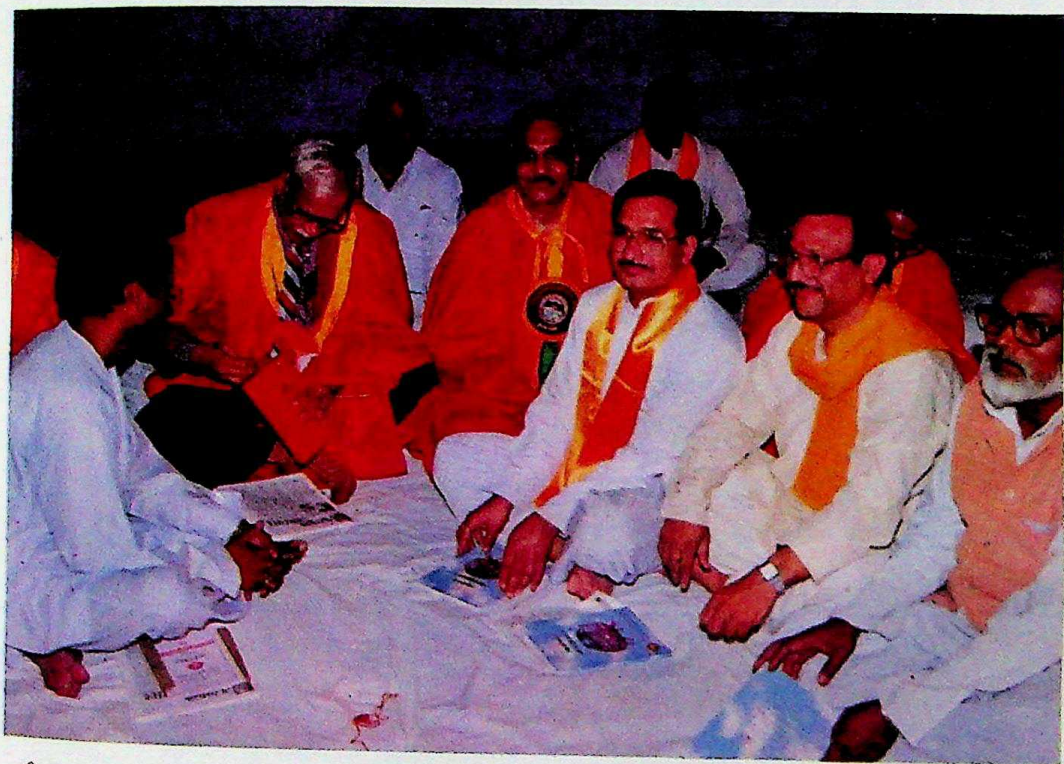
श्रद्धानन्द वैदिक शोध संस्थान

प्रो० भारत भूषण विद्यालंकार- निदेशक

१. श्रद्धानन्द वैदिक शोध एवं प्रकाशन संस्थान, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार की ओर से इस वर्ष गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के संस्थापक अमर शहीद स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज के यशस्वी पुत्र एवं गुरुकुल कांगड़ी विश्व विद्यालय के प्रथम स्नातक, यशस्वी पत्रकार पं० "इन्द्र विद्यावाचस्पति - कृतित्व के आयाम" नामक पुस्तक का प्रकाशन किया गया है।

२. प्रमुख भारतीय वैज्ञानिकों की जीवनी एवं सार - संक्षेप नामक पुस्तक प्रकाशनार्थ प्रेस में गई हुई है।

३. गुरुकुल के स्नातकों का राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में हर क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान है। हर क्षेत्र में इस संस्था के स्नातकों ने अपनी जगह बनाई है। राष्ट्र सेवा और स्वतन्त्रता के लिए प्राण देने वालों में गुरुकुल के स्नातक अग्रणी रहे हैं, इसलिए स्नातक परिचय को पुस्तकाकार देने हेतु इस क्षेत्र में कार्य चल रहा है।

४. आर्य समाज की स्थापना ऋषि दयानन्द ने समाज सुधार के लिए की थी और इस कार्य के लिए वेद के अध्ययन, अध्यापन को अपना मूलाधार बनाया था। इसीलिए ऋषि दयानन्द ने वेदों का भाष्य भी किया। ऋषि दयानन्द से पूर्व भी सायण, महीधर एवं ऊव्वट जैसे प्रतिभासम्पन्न भाष्यकारों ने यह कार्य पूर्ण किया था। इन मध्यकालीन भाष्यकारों का आधार याज्ञिक रहा है। इन भाष्यकारों के चारो वेदों के यौगिक शब्दों का संकलन इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह कार्य भी पूर्णता की ओर है।

५. इस वर्ष शोध संस्थान में शोध उपाधि समिति की बैठक हुई। जिनमें निम्न विषय स्वीकृत हुए।
   अ. वैदिक वाङ्मय में जीवाणु-आधुनिक परिप्रेक्ष्य में।
   ब. जैमिनीय ब्राह्मण में उपलब्ध व्युत्पत्तियां।
   स. वैदिक वाङ्मय में प्राण तत्व।
   द. गुरुकुल कांगड़ी का वैदिक साहित्य के प्रचार प्रसार में योगदान।
   इ. जम्भेश्वर साहित्य पर वैदिक प्रभाव।

६. सन् १९४८ से विश्वविद्यालय में गुरुकुल पत्रिका का प्रकाशन हो रहा है। इस पत्रिका को वर्तमान में शोध का रूप दिया जा रहा है। इस पत्रिका के प्रकाशन का कार्य भी सुचारू रूप से चल रहा है।

पुस्तकालय विभाग परिचय

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय पुस्तकालय समस्त देश के छात्रों का पावन मंदिर है। प्राच्य विद्याओं से सम्बद्ध साहित्य की दृष्टि से यह पुस्तकालय एक राष्ट्रीय महत्व का पुस्तकालय है।

पुस्तकालय के विभिन्न संग्रह :–

पुस्तकालय का विराट संग्रह अपनी विशिष्टताओं के लिये निम्न रूप से विभाजित हुआ है।

संदर्भ संग्रह, पत्रिका संग्रह, आर्य साहित्य संग्रह, आयुर्वेद संग्रह, विभिन्न विषयों का हिन्दी संग्रह, विज्ञान संग्रह, अंग्रेजी साहित्य संग्रह, प्रतियोगितात्मक संग्रह, शोध प्रबन्ध संग्रह, रूसी साहित्य संग्रह, आरक्षित पाठ्य पुस्तक संग्रह, उर्दू संग्रह, मराठी संग्रह गुजराती संग्रह, गुरुकुल प्राध्यापक एवं स्नातक संग्रह, मानचित्र संग्रह, वेद मंत्र कैसेट संग्रह।

सदस्य संख्या :–

पुस्तकालय के सदस्यों की संख्या में गत छह सात वर्षो में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। वर्ष १९९७-९८ में पुस्तकालय सदस्य संख्या १२०५ रही। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :–

१.	बी.एस.सी.	५८७
२.	बी.ए.	१६२
३.	एम.ए.	८४
४.	एम.एस.सी.	१३०
५.	पी.जी. डिप्लोमा	२१
६.	शोध छात्र	३३
७.	बाह्य सदस्य	९
८.	वि० वि० स्टाफ	१७९
	कुल	१२०५

पुस्तकालय का समय :–

पुस्तकालय खुलने का समय प्रातः ९ बजे से सायं ५ बजे तक है। सत्रावसान में पुस्तकालय समय प्रातः ६.३० बजे से १.०० बजे तक खुला रहता है।

पुस्तकालय की विशिष्टताएं :–

यह पुस्तकालय देश का एकमात्र ऐसा पुस्तकालय है। जहां आर्यसमाज की पुस्तकों का संग्रह एक पृथक वीथिका के रूप में किया हुआ है। गुरुकुल विश्वविद्यालय के स्नातकों

एवं प्राध्यापकों द्वारा लिखित पुस्तकों का पृथक प्रकोष्ठ पुस्तकालय में बनाया हुआ है। पुस्तकालय का संदर्भ विभाग प्राच्य विद्याओं के सभी प्रमुख संदर्भों को समेटे हुए हैं।

विभागीय पुस्तकालय :–

विश्वविद्यालय के छात्रों की सुविधा एवं उपयोग हेतु विभिन्न विभागों में विभागीय पुस्तकालयों की स्थापना की गई है। इसके अन्तर्गत रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान कम्प्यूटर विज्ञान, हिन्दी पत्रकारिता, वेद, अंग्रेजी एवं कन्या महाविद्यालय आदि विभागों में विभागीय पुस्तकालय है। आलोच्य वर्ष १९९७-९८ में ६३७ पुस्तकों को विभागीय पुस्तकालयों हेतु इश्यू किया गया।

पत्रिका विभाग :–

विश्वविद्यालय पुस्तकालय द्वारा आलोच्य वर्ष १९९७-९८ में २३० पत्रिकायें मंगवाई गई जिसमें २२ पत्रिकायें विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पत्रिकाओं के विनिमय से प्राप्त हुई है। राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न विषयों की पत्रिकाओं को मंगाने में ९०,०००/- रु० आलोच्य वर्ष में व्यय किये गये। तथा ८३ पत्रिकाओं की जिल्दबंदी की गई।

सन्दर्भ विभाग :–

सन्दर्भ विभाग में केवल शोध छात्र/छात्राओं एवं स्नातकोत्तर छात्र/छात्राओं को ही प्रवेश की अनुमति है। प्रतिदिन लगभग २५ से ३० छात्र संदर्भ विभाग का उपयोग करते हैं। इसके अतिरिक्त अन्य विश्वविद्यालयों के शोध छात्र भी संदर्भ विभाग का उपयोग करते हैं।

अधिग्रहण विभाग :–

आलोच्य वर्ष में १,५८,०९१/- रु० की १३४८ पुस्तकें क्रय की गई। भारत सरकार तथा उ०प्र० सरकार द्वारा लगभग ८०,०८३/- रु० मूल्य की ७५६ पुस्तकें भेंट स्वरूप प्राप्त हुई।

तकनीकी विभाग :–

तकनीकी विभाग द्वारा आलोच्य वर्ष में ३४५० पुस्तकों को विषयानुसार वर्गीकृत तथा ३२४७ पुस्तकों को सूचीकृत किया गया। ४६०० पुस्तकों पर टैग आदि का कार्य किया गया।

पुस्तक आवर्तन विभाग :–

पुस्तक आवर्तन विभाग द्वारा कुल २०,४५० पुस्तकें इश्यू की गई। तथा ९२५० पुस्तकें वापस की गई। जिसके अन्तर्गत विभागीय खातों में इश्यू ६३७ पुस्तकें शामिल हैं।

प्रलेखन विभाग

विश्वविद्यालय पुस्तकालय में उपलब्ध पाठ्यसामग्री को पाठकों की सुविधा हेतु पुस्तकालय द्वारा समय-समय पर सूचीबद्ध कर प्रकाशित किया जाता रहा है। इसके अन्तर्गत अब तक निम्न प्रकाशन प्रकाशित किये जा चुके हैं।

१. **क्लासिकल राइटिंग्स ऑन वैदिक एण्ड संस्कृत लिट्रेचर**
आठ सौ पृष्ठों के इस ग्रन्थ में पुस्तकालय में उपलब्ध वैदिक तथा संस्कृत साहित्य से सम्बद्ध ८००० ग्रन्थों को सूची-बद्ध किया गया है।

२. **शोध एवं प्रकाशन संदर्भ** –
पुस्तकालय में उपलब्ध स्नातकों एवं प्राध्यापकों के शोध एवं प्रकाशन कार्यों हेतु जानकारी दिये जाने वाले उक्त ग्रन्थ का प्रकाशन किया गया है।

३. **शोध सारावली** –
विश्वविद्यालय के शोध छात्रों द्वारा किये गये शोध कार्यों के सम्बन्ध में जानकारी हेतु प्रबन्धों के सारांशों का सम्मिलित रूप से प्रकाशन किया गया है।

४. **कैटलॉग ऑफ बुक्स इन इंगलिश लैंग्वेज ऑन लिट्रेचरइन लाइब्रेरी**-
उक्त क्रम में आलोच्य वर्ष में पुस्तकालय के अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध साहित्य सम्बन्धी सभी पुस्तकों को एक सूचीबद्ध रूप में तैयार किया गया है। जिसमें ३५९८ पुस्तकों के सम्बन्ध में जानकारी पाठकों को हो सकेगी।

५. **थिसिस इन गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार**–
इस वांग्मय सूची में पुस्तकालय में उपलब्ध शोध प्रबन्धों को कम्प्यूटर द्वारा सूचीबद्ध किया गया है। शोध प्रबन्धों की सूची का एक डेटा बैंक तैयार किया गया है। इस डेटाबैंक को यू०जी०सी० प्रायोजना के अन्तर्गत राष्ट्रीय विश्वविद्यालय पुस्तकालयों के शोध प्रबन्ध के साथ नेशनल स्तर पर जोड़ने का प्रयत्न किया गया है। इस कार्य के साथ पुस्तकालय के अन्य संग्रहों का भी कम्प्यूटर से डेटाबैंक तैयार किया जायेगा। यू०जी०सी० द्वारा हाल ही में इस कार्य हेतु १ लाख रु० की राशि प्राप्त हुई है।

६. **पुस्तकालय में उपलब्ध 17वीं, 18वीं, शताब्दी की पुस्तकों** का **कैटलॉग निर्माण**–
इस वांग्मय सूची में पुस्तकालय में उपलब्ध १७वीं, १८वीं तथा १९वीं शताब्दी की दुर्लभ पुस्तकों का सूचीकरण किया गया है। प्रकाशित वर्ष के आधार पर इस कैटलॉग में उपलब्ध पुस्तकों का बिबलियोग्राफीकल विवरण दिया गया है।

श्रद्धानन्द अनुसन्धान प्रकाशन केन्द्र–
विश्वविद्यालय पुस्तकालय के अन्तर्गत श्रद्धानन्द अनुसंधान प्रकाशन केन्द्र का कार्य भी चल रहा है। जिसके निदेशक डा० विष्णुदत्त राकेश पूर्व संकायाध्यक्ष गु०वि०वि० है। पुस्तकालयाध्यक्ष इस प्रकाशन केन्द्र के व्यवसाय प्रबंधक का कार्य भी कर रहे हैं।

नवस्नातकों को संबोधित करते हुए– पुराने स्नातक डॉ० प्रकाशवीर विद्यालंकार

आलोच्य वर्ष में विश्वविद्यालय प्रकाशनों से ५४, १३७.०० रु० की आमदनी हुई तथा २७,२९८.०० रु० की १२७ पुस्तकें विनिमय में प्राप्त हुई। अब तक २,२१,२४५ रु० की कुल बिक्री विश्वविद्यालय को इन प्रकाशनों से हुई है। अनुसंधान प्रकाशन केन्द्र के प्रकाशन निम्न है-

१. क्लासिकल राइटिंग्स ऑन वैदिक एण्ड संस्कृत लिट्रेचर
२. वैदिक साहित्य संस्कृति एवं समाज दर्शन
३. वेद का राष्ट्रीय गीत
४. वेद और उसकी वैज्ञानिकता
५. शोध सारावली
६. श्रुतिपर्णा
७. स्वामी श्रद्धानन्द
८. भारतवर्ष का इतिहास भाग-१ व २ का पुर्नप्रकाशन किया गया
९. दीक्षालोक
१०. विश्वविद्यालय के श्रद्धानन्द अनुसंधान प्रकाशन केन्द्र द्वारा प्रतिवर्ष एक ग्रन्थ प्रकाशित किया जाता रहा है। इसी श्रृंखला में इसी वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा आजादी के स्वर्ण जयन्ती के अवसर पर महान् स्वतंत्रता सेनानी स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज के क्रांतिकारी अग्रलेखों एवं टिप्पणियों पर आधारित ग्रन्थ के प्रकाशन का कार्य किया गया। स्वाधीनता के इतिहास लेखन के लिये इस सारी सामग्री का एक स्थल पर प्रकाशन अत्यन्त आवश्यक था। इस ग्रन्थ के प्रधान सम्पादक डा० विष्णुदत्त राकेश तथा सम्पादक डा० जगदीश विद्यालंकार हैं।

शिक्षा के साथ आंशिक रोजगार योजना :-

यह पुस्तकालय देश का पहला ऐसा पुस्तकालय है जहां निर्धन एवं मेधावी छात्रों को पुस्तकालय में आंशिक रोजगार देकर उन्हें उनकी शिक्षा दीक्षा के कार्य में सहायता प्रदान की जाती है। आलोच्य वर्ष १९९७-९८ में इस योजना के अन्तर्गत ४ छात्रों को नियुक्त किया गया था।

प्रतियोगितात्मक परीक्षा सेवा :-

विश्वविद्यालय पुस्तकालय में प्रतियोगिता परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्रों हेतु एक पृथक संग्रह स्थापित है जिसमें १५०० पुस्तकें हैं। प्रतियोगिता परीक्षा से सम्बद्ध १५ पत्रिकायें भी मंगवाई जा रही हैं।

फोटोस्टेट सेवा :-

आलोच्य वर्ष में पुस्तकालय फोटो स्टेट मशीन द्वारा पाठकों एवं विभिन्न विभागों का ४९, १३७.०० का कार्य किया गया तथा ९ अति दुर्लभ ग्रन्थों को फोटोस्टेट कर सुरक्षित किया गया।

विशिष्ट अतिथि

वर्ष १९९७-९८ में जो विशिष्ट महानुभाव विश्वविद्यालय पुस्तकालय में आये उनका विवरण निम्न प्रकार है-

क्र.सं.	नाम	पता	दिनांक
१.	डा० प्रेमकान्त टण्डन प्रोफेसर हिन्दी विभाग	इलाहाबाद वि०वि० इलाहाबाद	३.२.९७
२.	पी.के. मुखोपाध्याय दर्शन विभाग	जादवपुर वि०वि० कलकत्ता	१८.२.९७
३.	डा० ओलेग उलत्सिफिरोव	अध्यक्ष, भारतीय भाषा विभाग, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध संस्थान, मास्कों	१३.४.९७
४.	सतीशचन्द्र गुप्ता	केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय नई दिल्ली	२८.६.९७
५.	नरेश चन्द्र चतुर्वेदी	पूर्व संसद सदस्य, राष्ट्रीय अनु० जाति जनजाति आयोग, नई दिल्ली	२३.७.९७
६.	प्रो० जे०पी० गुप्ता	सेक्रेटरी, ए.आई.सी.टी.ई. नई दिल्ली	९.१०.९७
७.	प्रो० ओमप्रकाश सिंह	पूर्व अतिथि आचार्य, पेईचिंग वि०वि०, चीन	५.२.९८

पुस्तकालय कार्यवृत्त वर्ष 1997-98

एक नजर

क्र.सं.	कार्यवृत्त	वर्ष 1995-96	वर्ष 1996-97	वर्ष 1997-98
१.	पाठकों द्वारा पुस्तकालय उपयोग	३०,०००	३०,५००	३०,७००
२.	भेंटस्वरूप प्रदत्त पुस्तकों की संख्या	९१३	५०३	५२१
३.	नवीन क्रय की गई पुस्तकों की संख्या	१५९६	३०८१	२३५७
४.	वर्गीकृत पुस्तकों की संख्या	३५६०	३६५०	३४५०
५.	सूचीकृत पुस्तकों की संख्या	३३३५	३३७४	३२४७

६.	पत्रिकाओं की संख्या	२५४	२४८	२३०
७.	सजिल्द पत्रिकाओं की जिल्दबंदी की संख्या	८२६०	८३३५	८४१८
८.	पत्रिकाओं की जिल्दबंदी की संख्या	२१०	७५	८३
९.	पुस्तकों की जिल्द बंदी	४४८	६५७	६७७
१०.	पुस्तकों का कुल संग्रह	१२०८४७	१२४४३१	१२७४४०
११.	सदस्य संख्या	१९६१	१८७१	१२०५
१२.	पुस्तकों पर विलम्ब शुल्क	१९०६	५६५	१८२९
१३.	गुम पुस्तकों का मूल्य	५२८१.१०	४३८९.२०	६४५६.५०
१४.	विभागीय पुस्तकालय हेतु इश्यू पुस्तकें	१३९६	१४२२	६३७
१५.	विनिमय में प्राप्त पुस्तकें/पत्रिकायें	५८+२००	९१+२२	२४+१२७
१६.	प्रकाशन केन्द्र द्वारा पुस्तकों के विक्रय से प्राप्त धनराशि	६५००	१७०५६	५४१३७
१७.	फोटोस्टेट द्वारा सुरक्षित पुस्तकों की संख्या	१०	१२	०९
१८.	फोटोस्टेट द्वारा विभिन्न विभागों का किया गया कार्य	४६८७६.६०	४३३०५.७०	५०२९३.०
१९.	कुल इश्यू की गई पुस्तक संख्या	३१९३१	२२३०५	२०४५०

GURUKUL KANGRI VISHWAVIDYALAYA, HARDWAR

Details of Opening And Closing Balance in Respect of Books for the year 1997-98

SN	Name of Deptt.	Opening Balance No. of Books	Cost of Books	No. of Books Purc During Yr.	Amount Spent During the Year	Closing Balance of Books	Total Value Books as on 31.3.98
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Sanskrit	9603	2,63,938.30	88	7,554.25	9691	2,71,492.55
2.	Hindi	11907	4,39,079.24	233	23,655.00	12140	4,62,734.24
3.	Ved	7898	3,37,832.25	55	3,963.00	7953	3,41,795.25
4.	Psychology	3725	2,66,630.15	24	5,242.00	3749	2,71,872.15
5.	History	3802	2,10,736.00	117	20,075.00	3919	2,30,811.00
6.	Philosophy	2696	1,96,163.00	258	26,057.25	2954	2,22,220.25
7.	Yog	63	8,180.10	87	5,062.50	150	13,242.60
8.	English	5292	2,35,676.30	44	5,340.00	5336	2,41,016.30
9.	Mathematics	3987	2,97,666.73	112	21,568.60	4099	3,19,235.33
10.	Chemistry	4337	2,66,032.48	100	14,929.90	4437	2,80,962.38
11.	Physics	4081	2,29,830.35	42	4,591.00	4123	2,34,421.35
12.	Zoology	3904	2,95,216.83	64	3,714.50	3968	3,04,931.33
13.	Botany	2858	2,24,443.20	2	586.00	2860	2,25,028.20
14.	Gen. Subject	49174	4,92,167.87	43	9,753.00	49217	5,01,920.87
15.	Journal	831	6,67,318.24	253	57,443.00	1084	7,24,761.24
16.	Computer	2329	3,55,072.24	-	-	2329	3,55,072.24
17.	Kanya Gurukul	401	1,02,209.53	-	-	401	1,02,209.53
18.	Himalaya Res.	5	1,137.00	-	-	5	1,137.00
19.	DCA Compt.	139	52,973.39	-	-	139	52,973.39
20.	Economics	79	3,830.35	-	-	79	3,830.35
21.	Donation	4080	17,700.00	756	-	4836	17,700.00
22.	Kanya Mahavidyalaya	1351	1,40,192.00	-	-	1351	1,40,192.00
23.	Political Sci.	53	4,393.10	-	-	53	4,393.10
24.	PMIR	771	75,760.35	-	-	771	75,760.35
25.	Envirn. Sci.	170	61,290.00	60	29,896.00	230	91,186.00
26.	Industrial vocat.	204	37,779.00	19	7,806.00	223	45,585.0027.
27	M.B.A.	1343	2,49,615.00	-	-	1343	2,49,615.00
	Total	1,25,083	55,32,863.00	2357	353,236.00	127,440	57,86,099.00

नव स्नातक – स्नातिकाएं
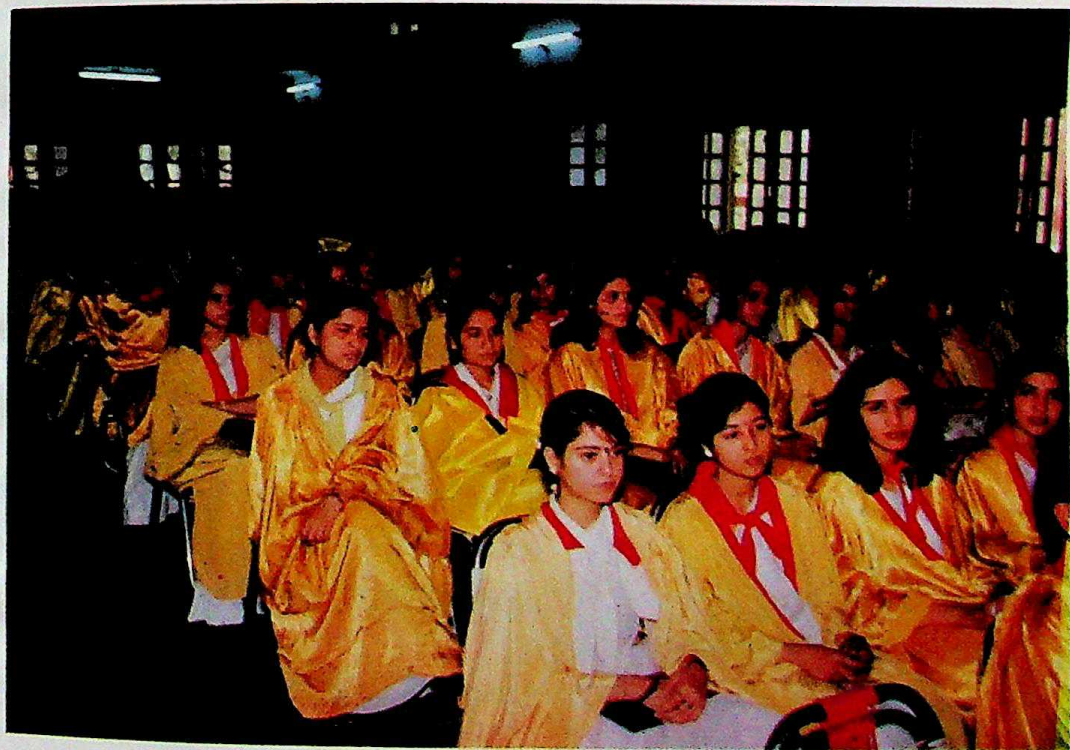
राष्ट्रीय छात्र सेना (एन.सी.सी)

उपक्रम- 1/31 यू.पी एन.सी.कम्पनी, गु.कां.वि.वि., हरिद्वार

कई सत्रों से प्रस्तावित एक और प्लाइन की संस्तुति एन.सी.सी. मुख्यालय लखनऊ से होने के कारण, इस सत्र में विश्वविद्यालय में अधिक छात्रों को कैडेट रूप में पंजीकृत किया गया।

पूर्व की भांति इस वर्ष भी विश्वविद्यालय के कैडेटस का सत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बी.एच.ई.एल. के परेड ग्राउंड व विश्वविद्यालय परिसर में चला। इसके अतिरिक्त इस सत्र में रक्षा मंत्रालय भारत सरकार से सम्बद्व एन.सी.सी. मुख्यालय द्वारा एन.सी.सी. का बटालियन सार का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर रायपुर देहरादून में ले.कर्नल एम.बी.थपलियाल के निर्देशन में आयोजित किया गया । जिसमें विश्वविद्यालय के एन.सी.सी.आफिसर कैप्टन डा.राकेश शर्मा के नेतृत्व में ३० छात्र कैडेटस ने पूर्ण उत्साह के साथ गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया । साथ ही आर्मी अटैचमेंट कैम्प (सेना के साथ रहकर प्रशिक्षण) बिहार रेजीमेंन्ट कैन्ट एरिया देहरादून में लगा जिसमें विश्वविद्यालय के ५ कैडेटस ने प्रशिक्षण प्राप्त किया । विश्वविद्यालय के संस्थापक अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्वानन्द के बलिदान दिवस पर विश्वविद्यालय की ओर से निकलने वाली शोभा यात्रा में सभी कैडेटस ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस सत्र में विश्वविद्यालय के सीनीयर अन्डर आफिसर शुभम अग्रवाल को लार्ड एडिनब्ररा एवार्ड के लिये बटालियन स्तर पर चुना गया।

गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी एन.सी.सी. की बी. तथा सी. प्रमाण पत्रों की उत्त्तीण प्रतिशत क्रमशः ७५ एंव ६० रही। यह प्रमाण पत्र २६ जनवरी गणतन्त्र दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति डा. धर्मपाल द्वारा कैडटस को वितरित किये गये।

विश्वविद्यालय छात्रावास

मनोविज्ञान विभाग के डा० एस०के० श्रीवास्तव को सत्र १९९३-९४ से छात्रावास अध्यक्ष का दायित्व विश्वविद्यालय प्रशासन ने दिया हुआ है। विश्वविद्यालय के अन्दर सन १९९६-९७ तथा सन १९९७-९८ से कुछ नए आधुनिक पाठ्यक्रम जैसे प्रबन्धन संकाय एवं तकनीकी विज्ञान से सम्बन्धित विषय खोले गए हैं, जिससे बाहर से आने वाले छात्रों की संख्या इस वर्ष अत्यधिक बढ़ी है। बाहर से आने वाले छात्रों की संख्या को देखते हुए छात्रावास के अन्दर लगभग १०० छात्रों के रहने की व्यवस्था हो गयी है साथ ही साथ इस वर्ष (१९९७-९८) से इन छात्रों के लिए एक मैस/कैन्टीन की व्यवस्था भी शुरु कर दी गई है, जिससे बाहर से आने वाले छात्रों को छात्रावास में रहकर अपने भोजन तथा अध्ययन दोनों सुगमता से प्राप्त हो सकें। विश्वविद्यालय छात्रावास में सभी संकायों के छात्रों को आवास सुविधा उपलब्ध करायी जाती है।

शारीरिक शिक्षा विभाग

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत इस वर्ष विश्वविद्यालय की नौ टीमों ने अखिल भारतीय एवं उत्तर क्षेत्र के अन्तर विश्व विद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लिया। विभाग द्वारा इस वर्ष हॉकी, क्रिकेट, कबड्डी एवं बॉलीबॉल टीम के लिए कोचिंग कैम्प का आयोजन किया गया। जिसके परिणामस्वरूप गत वर्षो की अपेक्षा इस वर्ष टीमों ने उत्साहजनक प्रदर्शन किया। वि०वि० के एम.ए. योग द्वितीय वर्ष के छात्र जितेन्द्र कुमार सैनी ने सम्पूर्णानन्द संस्कृत वि०वि० द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय योग प्रतियोगिता में व्यक्तिगत चैम्पियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय के लिए स्वर्णपदक प्राप्त किया तथा वि०वि० का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया तथा टीम चैम्पियनशिप में टीम ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। जितेन्द्र कुमार सैनी को वि०वि० के लिए स्वर्ण पदक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से एक ब्लेजर तथा ५०० रु० नगद पुरस्कार मान्य कुलपति जी की प्रेरणा से दीक्षांत समारोह के अवसर पर दिया गया। शारीरिक शिक्षा विभाग के द्वारा देश की स्वर्ण जयन्ति के अवसर पर शिक्षकों तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के लिए अलग-अलग क्रिकेट मैचों का आयोजन किया गया जो इस वर्ष अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा अखिल भारतीय अन्तर वि०वि० तैराकी, वाटरपोलो तथा ड्राईविंग प्रतियोगिता का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया जो कि महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा दिनांक २३-१२-९७ से ३१-१२-९७ तक आयोजित की गई थी।

राष्ट्रीय सेवा योजना

वार्षिक विवरण 1997—98

छात्रों का समाजसेवा के प्रति रुझान पैदा करने एवं उनके द्वारा समाजसेवा के कार्यों में विधिवत सुधार लाने हेतु सन् १९६९ में राष्ट्रीय सेवा योजना को ३६ विश्वविद्यालयों में प्रारम्भ किया गया। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई का प्रारम्भ लगभग १६ वर्ष पूर्व किया गया। जिसके प्रथम कार्यकारी अधिकारी प्रो० बी०डी० जोशी रहे।

वर्तमान में राष्ट्रीय सेवा योजना की तीन इकाईयां विश्वविद्यालय में गठित हैं। डा० पी०सी० जोशी एवं डा० देवेन्द्र गुप्ता कार्यक्रम अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं तथा प्रो० बी०डी० जोशी वर्तमान में रा०से०यो० के कार्यक्रम समन्वयक हैं।

विगत् वर्षों की भाँति इस वर्ष भी छात्रों ने समाज सेवा के अनेक कार्य सम्पादित किये जो निम्नवत् हैं -

१. २१ जुलाई ९७ से ३१ जुलाई ९७ तक पुल जटवाड़ा पर रा०से०यो० के छात्रों का एक दस दिवसीय शिविर काँवड़ियों की सेवार्थ लगाया गया जिसमें छात्रों ने स्वच्छता, मुफ्त चिकित्सा एवं शहर की सफाई के कार्यों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस शिविर को विश्वविद्यालय के कुलपति, आचार्य, डा० रणजीत सिंह एवं कार्यक्रम के समन्वयक ने अत्यन्त सराहा।

२. अगस्त से अक्टूबर माह के बीच में १२ एक दिवसीय शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने विश्वविद्यालय भवन, आवासीय परिसरों, शहर की मलिन बस्तियों में सफाई एवं वृक्षारोपण का कार्य किया।

३. २३ दिसम्बर ९७ को श्रद्धानन्द बलिदान दिवस पर रा०से०यो० के छात्रों ने एक भव्य झाँकी का प्रदर्शन किया।

४. वर्ष के विशेष वार्षिक शिविर का आयोजन ११ जनवरी ९८ से २० जनवरी ९८ तक शांतिकुँज में किया गया। जिसमें रा०से०यो० के ११० छात्रों ने सउत्साह भाग लिया तथा शिविर के दौरान हरिपुर कलाँ ग्राम एवं शांतिकुँज परिसर में अपने कार्यों से प्रशंसा प्राप्त की।

५. पल्स पोलियो कार्यक्रम के तहत डा० पी०सी० जोशी एवं डा० गुप्ता के नेतृत्व में रा०से०यो० के छात्रों ने १२ स्वास्थ्य सेवा केन्द्रों पर पल्स पोलियो कार्यक्रमों में स्वास्थ्य विभाग एवं चिकित्सा केन्द्रों के अधिकारियों की विशेष सहायता की।

मुख्य अतिथि को अभिनन्दन पत्र में भेंट करते हुए कुलाधिपति एवं कुलपति

कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, हरिद्वार

कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, हरिद्वार गत कई वर्षो से कन्याओं की उच्चतर शिक्षा के लिए प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के कुलपति डा० धर्मपाल के विशेष प्रयासों से कन्याओं के शिक्षण हेतु बनाए गए भवन का लोकार्पण, कुलाधिपति श्री सूर्यदेव की अध्यक्षता तथा मुख्य अतिथि श्री केदारनाथ साहनी के सानिध्य में अक्टूबर ९७ में किया गया।

महाविद्यालय के संस्कृत विभाग की छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। प्राचार्या डा० सुनृता विद्यालंकार तथा डा० वीना विश्नोई विभागीय अध्यापिकाओं के निर्देशन में लघु शोध प्रबंध, शोध कार्य हुए।

प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग में भी डा० मोहिनी चतुर्वेदी तथा सुश्री दीपा गुप्ता ने अध्यापन के अतिरिक्त शोध कार्य तथा लघु शोध प्रबन्ध प्रस्तुत किए।

हिन्दी विभाग की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ शोध कार्य भी किए। विभाग की प्राध्यापिका डा० सुमित्रा मलिक ने डी०लिट् की उपाधि हेतु अध्ययन प्रारम्भ किया। डा० मृदुल जोशी की अनेक वार्ता रेडियो से प्रसारित हुई तथा कहानी विभिन्न प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई।

अंग्रेजी विभाग में सुचारू रूप से अध्यापन कार्य किया गया। मनोविज्ञान विभाग की प्राध्यापिका डा० श्यामलता जुयाल के निर्देशन में ११ छात्राओं तथा डा० स्मिता जायसवाल के निर्देशन में १२ छात्रा लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत किए।

डा० श्यामलता जुयाल के दो शोध पत्र डा० स्मिता जायसवाल के दो शोध पत्र प्रकाशित हुए।

रोजगारोन्मुख विषय रसायन विज्ञान विभाग में डा० अंजली गोयल तथा श्रीमती ममता शर्मा के निर्देशन में छात्राओं ने प्रोजेक्ट कार्य किया। विभाग में आमंत्रित व्याख्यान कराए गए।

पर्यावरण विज्ञान विभाग की छात्राओं ने डा० नमिता जोशी ने छात्राओं को लघु शोध प्रबंध हेतु निर्देशन दिया एवं डा० जोशी ने भी शोध पत्रिकाओं तथा सेमिनार में शोध पत्र प्रस्तुत किए। सुश्री ममता ग्रोवर ने सेमिनार में भाग लिया।

सूक्ष्म जीव विज्ञान की अध्यापिकाओं डा० अनिता शर्मा एवं डा० पहल सिंह के निर्देशन में छात्राएं विभिन्न विषयों पर शोध कार्य कर रही हैं। विभाग में डा० यू०सी० उप्रेती तथा डा० नीलिमा गुप्ता आदि वैज्ञानिकों ने अपने विशिष्ट व्याख्यान दिए।

भौतिक विज्ञान विभाग में भी सुश्री उपमा गोयल तथा शुभ्रा मित्तल ने अध्यापन कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न किया।

गणित विभाग की छात्राओं ने विभागीय प्राध्यापिकाओं श्रीमती निधि हांडा तथा कु० मधु सक्सेना के सहयोग से विशिष्ट स्थान प्राप्त किए।

विभागीय पुस्तकालय श्रीमदनपाल सिंह के सहयोग सुचारू रूप से कार्य कर रहा है।

कन्या गुरुकुल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, देहरादून

कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, देहरादून गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार का द्वितीय परिसर है। यहां स्नातक स्तर की कक्षायें पचास के दशक से चल रही है। (१-१-८६) से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा इस महाविद्यालय को विधिवत गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय का द्वितीय परिसर घोषित किया गया। १९९३ से यहां एम०सी०ए० की कक्षायें चल रही हैं। सत्र १९९७-९८ से यहां एम०बी०ए० एवं पी०एम०आई०आर० की कक्षायें भी चल रही हैं। परिसर की अभूतपूर्व प्रगति माननीय कुलपति डा० धर्मपाल जी के अथक प्रयासों से सम्भव हुई हैं।

महाविद्यालय की छवि :- इस महाविद्यालय में सभी छात्रायें छात्रावास में रहकर अध्ययन करती है। यहां की छात्राओं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहता है।

वेद एवं संस्कृत विभाग :- श्रीमती सरोज नौटियाल ने संस्कृत साहित्य व वैदिक साहित्य का सुचारू रूप से अध्यापन करवाया महाविद्यालय में समय समय पर होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में छात्राओं द्वारा संस्कृत के व्याख्यान, नाटक, गीत आदि हेतु छात्राओं को प्रोत्साहित किया।

हिन्दी विभाग :- डा० श्रीमती रंजना राजदान इस विभाग की वरिष्ठ प्रवक्ता है डा० रंजना राजदान अध्ययन एवं अध्यापन कार्य परिश्रम से करती है। महाविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में छात्राओं को प्रोत्साहित करती है।

अंग्रेजी विभाग :- श्रीमती हेमलता ने इस वर्ष विद्यालंकार के साथ साथ एम०ए० प्रथम व द्वितीय वर्ष की कक्षाओं का अध्यापन भी किया। श्रीमती हेमलता को इस वर्ष पी०एच-डी० उपाधि प्राप्त हुई। इन्होंने छात्राओं को महाविद्यालय में होने वाले प्रोग्रामों अंग्रेजी नाटक, गीत आदि हेतु तैयार किया।

मनोविज्ञान :- गत वर्ष से विद्यालंकार में मनोविज्ञान विषय भी आरम्भ किया गया है। मनोविज्ञान विषय का अध्यापन श्रीमती इन्दु रायजादा ने सुचारू रूप से कराया।

प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व :- डा० रेणु शुक्ला सितम्बर ९६ से इतिहास विभाग में प्रवक्ता पद पर नियुक्त है। इन्होंने छात्राओं को अथक परिश्रम से पढ़ाया तथा समय समय पर छात्राओं को सांस्कृतिक

पुस्तक विमोचन करते हुए – मुख्य अतिथि – साथ में कुलाधिपति, डॉ० विष्णुदत्त राकेश एवं डॉ० जगदीश विद्यालंकार (पुस्तकालयाध्यक्ष)
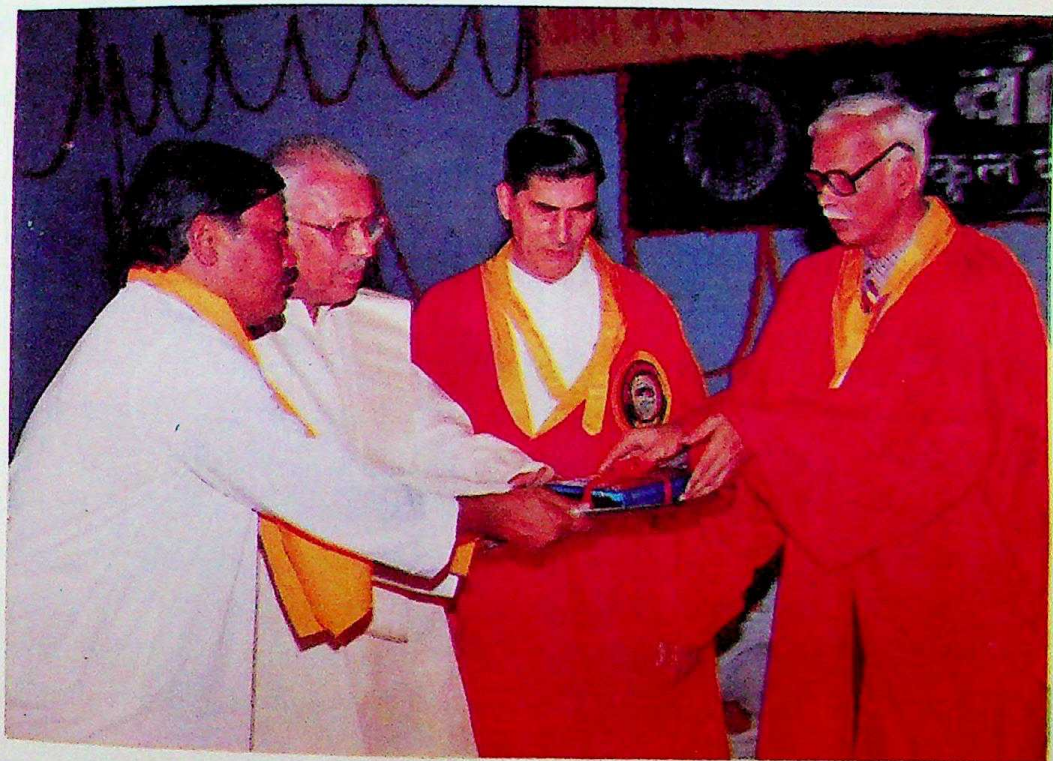
कार्यक्रमों हेतु प्रेरित किया।

संगीत विभाग:- इस विभाग में छात्राओं को भारतीय संगीत गायन व वादन (सितार) की शिक्षा दी जाती है। साथ ही साथ विभिन्न प्रान्तों का लोक संगीत गायन व नृत्य आदि भी सिखाया जाता है। इस वर्ष गुरूकुल की छात्राओं ने भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्य-क्रम में भाग लिया तथा जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। संगीत विभाग के माध्यम से छात्राओं ने होली मिलन समारोह में विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

चित्रकला :- इस विभाग की छात्रायें चित्रकला की अनेक विधाओं का ज्ञान प्राप्त करती है। विभिन्न अवसरों पर सुन्दर सुसज्जित पृष्ठ भूमि प्रस्तुत करना इस विभाग की महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

अर्थशास्त्र :- इस वर्ष विद्यालंकार में अर्थशास्त्र विषय भी प्रारम्भ किया गया।

कम्प्यूटर विभाग :- विगत चार वर्षो से यह विभाग उत्तरोत्तर उन्नति कर रहा है। छात्राओं की संख्या में वृद्धि हुई है। प्रयोगशाला में इस वर्ष २ कम्प्यूटर, स्कैनर क्रय किया गया तथा इण्टर नैट की सुविधा भी छात्राओं को उपलब्ध करायी। एम०एस-सी० की छात्रायें सरस्वती यात्रा पर दिल्ली के प्रगति मैदान में इनफारमेसन टैक्नोलोजी की प्रदर्शनी में गयी।

एम०बी०ए०/पी.एम०आई०आर० विभाग :- इस वर्ष से कन्या गुरुकुल महाविद्यालय देहरादून में एम०बी०ए०/पी.एम०आई०आर० स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया। छात्राओं को समय समय पर प्रबन्धन विषय से सम्बन्धित विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिये। डा० बिन्दु अरोड़ा जनवरी ९८ में आई०एम०टी० गाजियाबाद फैकल्टी डैवलपमैण्ट (फाईनेन्स) कोर्स में गयी थी। छात्राएं सरस्वती यात्रा में सितम्बर ९७ में ऋषिकेश ग्लास फैक्ट्री देखने गयी। फरवरी ९८ में हिन्दुस्तान टिन्स लिमिटेड तथा डायनिमिक फैशन लिमिटेड में गुड़गांव (हरियाणा) गयी थी।

क्रीड़ा विभाग :- सत्र १९९७-९८ में छात्राओं को श्रीमती बलवीर कौर पी०टी०आई० द्वारा वैडमिंटन, चेस, कैरम, टेबिल टैनिस आदि का अभ्यास कराया। कु० सुविता, कु० अमृता श्रीमती बलवीर कौर के साथ अमृतसर में आयोजन में भाग लेने गयी। वहां छात्राओं का अच्छा प्रयास रहा श्रीमती बलवीर कौर ने विभाग का कार्य सुचारू रूप से चलाया।

पुस्तकालय : महाविद्यालय में एक वृहद पुस्तकालय है। इसका संचालन एवं समस्त कार्य श्रीमती सुदेशखन्ना द्वारा अकेले ही किया जाता है इस वर्ष

पुस्तकालय में विभिन्न विषय की पुस्तकें क्रय की गयी। पुस्तकालय में हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत की अनेक पत्रिकायें नियमित रूप से आती है।

सरस्वती यात्रा :- इस वर्ष विद्यालंकार की छात्रायें वैष्णों देवी सरस्वती यात्रा पर गयी। एम०सी०ए० तथा विद्यालंकार की छात्राऐं पृथक पृथक सरस्वती यात्रा में श्रीमती सुदेश खन्ना (पुस्तकालयध्यक्षा) के संरक्षण में गयी।

छात्रावास :- एम०सी०ए०/एम०बी०ए०/पी.एम०आई०आर० की छात्राओं के लिए आचार्य रामदेव छात्रावास है। छात्रावास की अध्यक्षा श्रीमती आभा विद्यालंकार नियमित रूप से छात्राओं को नियमित रूप से प्रात: व सायं सन्ध्या हवन करवाती है।

माननीय कुलपति जी के अथक परिश्रम से महाविद्यालय परिसर में तीन मंजिली वृहद कम्प्यूटर प्रयोगशाला का निर्माण हुआ है।

कुलपति एवं मुख्य अतिथि को समाचार भेंट करते हुए जनसम्पर्क अधिकारी

वित्त एवं लेखा

मास सितम्बर ९७ में विश्वविद्यालय का १९९७-९८ का संशोधित बजट एवं वर्ष १९९८-९९ का अनुमानित बजट वित्त समिति की बैठक दिनांक २६.०९.९७ में प्रस्तुत किया गया। वित्त समिति ने निम्न प्रकार बजट स्वीकृत किया :-

क्रम सं०	वेतन एवं भत्ते आदि	संशोधित अनुमान ९७-९८	बजट अनुमान ९८-९९
०१.	वेतन एवं भत्ते आदि	२,४०,९८,२००	२,४८,३१,०००
०२.	अंशदायी भविष्यनिधि	७२,०९०	७७,०००
०३.	अन्य व्यय	१,१३,८४,६७२	८२,८१,०५०
	योग व्यय	३,५५,५४,९६२	३,३१,८९,०५०
	योग आय (-)	१,११,३७,५५०	१,११,२५,४५०
	शेष	२,४४,१७,४१२	२,२०,६४,२००

समीक्षाधीन वर्ष १९९७-९८ में वित्त समिति एवं कार्य परिषद् द्वारा २,४४,१७,००० का अनुरक्षण अनुदान स्वीकृत किया गया था किन्तु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा १,९४,३८,००० का अनुदान ही दिया गया। अनुरक्षण अनुदान के अतिरिक्त विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/भारत सरकार तथा अन्य स्रोतों से प्राप्त हुए हैं, उनका विवरण निम्न प्रकार है :-

आय का विवरण (अनुरक्षण अनुदान)
सत्र 1997-98

क्रम० सं०	आय का मद	धनराशि
(क)	**अनुदान का मद**	
	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुरक्षण अनुदान	१,९४,३८,०००.००
	योग (क)	१,९४,३८,०००.००
(ख)	**शुल्क तथा अन्य स्रोतों से आय**	
१.	पंजीकरण शुल्क	१,५५,०८०.००
२.	पी.एच-डी. रजिस्ट्रेशन शुल्क	९१००.००
३.	पी.एच-डी. मासिक शुल्क	६४,६१५.००
४.	परीक्षा शुल्क	२२,८९,२९०.००

५.	अंकपत्र शुल्क	६६,६२०.००
६.	विलम्ब दण्ड एवं टूट-फूट	३,२२,३४३.००
७.	माइग्रेशन शुल्क	१६,६७५.००
८.	प्रमाणपत्र शुल्क	३१,६६०.००
९.	नियमावली, पाठविधि तथा सेवा आवेदन	५,४४,०९२.००
१०.	शिक्षा शुल्क	३६,३१,०५०.००
११.	प्रवेश व पुनः प्रवेश शुल्क	१,०१,२००.००
१२.	भवन शुल्क	१,७२,६९०.००
१३.	क्रीड़ा शुल्क	२,२५,८३५.००
१४.	पुस्तकालय शुल्क	६,७१,९३८.००
१५.	परिचय पत्र शुल्क	१७,१४५.००
१६.	एसोसिएशन शुल्क	३०,९१०.००
१७.	प्रयोगशाला शुल्क	२१,६७,१७७.००
१८.	महंगाई शुल्क	१,५६,०१०.००
१९.	मिश्रित	५२,५५४.००
२०.	पत्रिका शुल्क	९८,५५०.००
२१.	अन्य आय	१३,२०,६३८.००
२२.	किराया प्रोफेसर क्वार्टर	३१,८२३.००
२३.	वाहन ऋण	१,०४,३३९.००
२४.	छात्रावास	१,६०,४४०.००
२५.	प्रोजेक्ट शुल्क	३०,७५०.००
२६.	सेमीनार शुल्क	३८,०००.००
२७.	निर्धनता शुल्क	१६,७२०.००
२८.	साइकिल स्टैण्ड शुल्क	८९,८१०.००
२९.	संग्रहालय	५,५५७.००
३०.	विकास शुल्क	१८,९०,७६०.००
	योग (ख)	१,४५,१३,३७१.००
	सर्वयोग (क + ख)	३,३९,५१,३७१.००

व्यय का विवरण (अनुरक्षण अनुदान)
सत्र 1997-98

क्रम० सं०	व्यय का मद	राशी
१.	वेतन	२१८,८७,३७७.१०

पुस्तकालय का निरीक्षण करते हुए मुख्य अतिथि
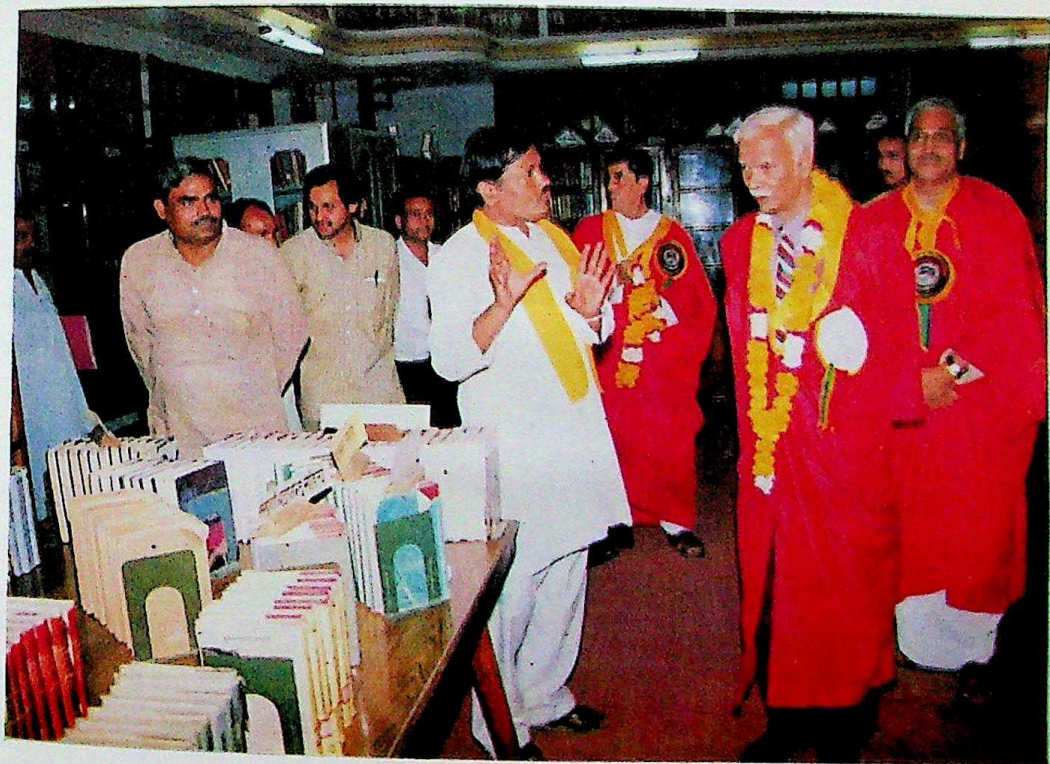
२.	भविष्यनिधि पर संस्था का अंशदान	९५,८६१.००
३.	ग्रेच्युटी	४,५३,७२७.००
४.	पेंशन	१८,९५,४६९.००
	योग (क)	२४३,३२,४३४.१०

(ख)

१.	विद्युत एवं जल	७,९२,७१३.४०
२.	टेलीफोन	१,०८,९६४.००
३.	मार्ग व्यय	२,५६,००१.००
४.	वर्दी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	२९,०१६.००
५.	लेखन सामग्री एवं छपाई	२,२७,१८५.००
६.	डाक एवं तार	६८,३४०.३०
७.	वाहन एवं पैट्रोल	७,०१,०८३.००
८.	विज्ञापन	१,३५,५५५.००
९.	कानूनी व्यय	१,३९,८२०.००
१०.	आतिथ्य व्यय	१,२०,८४१.००
११.	आडिट व्यय	३२,३८५.००
१२.	दीक्षान्त व्यय	६०,१६८.००
१३.	लौन संरक्षण	११,५२१.००
१४.	भवन मरम्मत	४२,१६,०८३.०४
१५.	आकस्मिक व्यय	६०.००
१६.	मिश्रित व्यय	३,६२,७०९.००
१७.	उपकरण एवं मरम्मत	९,६३,४७७.००
१८.	फर्नीचर एवं साज सज्जा	५,८३,८३७.००
१९.	सदस्यता अंशदान	५३,८६०.००
२०.	परीक्षकों का पारिश्रमिक	२७,८२८.००
२१.	मार्ग व्यय परीक्षक	३,९२,९११.००
२२.	निरीक्षक व्यय	९४,६६३.५०
२३.	प्रश्न पत्रों की छपाई	२,०२,२४७.००
२४.	डाकतार व्यय	३१,८७५.००
२५.	कापियों का मूल्य	११,१८२.००
२६.	लेखन सामग्री	३०,२८४.००
२७.	अन्य व्यय	४,९७७.००
२८.	नियमावली तथा पाठ्य विधि छपाई	५३,९००.००
२९.	छात्रों की छात्रवृत्ति	४२,५३७.००

३०.	वामवर्धिनी सभा	४०८.००
३१.	मनोविज्ञान प्रयोगशाला	६१,६०३.००
३२.	सरस्वती यात्रा	७८,२३२.००
३३.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	१,०००.००
३४.	खेल-कूद एवं क्रीड़ा	१,६२,५४९.००
३५.	सेमीनार	९,३६४.००
३६.	रसायन प्रयोगशाला	३,३८,१४९.००
३७.	भौतिकी प्रयोगशाला	१,३७,७७७.००
३८.	जन्तु विज्ञान प्रयोगशाला	४६,२९९.००
३९.	वनस्पति विज्ञान प्रयोगशाला	८९,६९३.००
४०.	गैस प्लान्ट	१,६२,७९३.००
४१.	भौतिक विज्ञान शोध पत्रिका	२६,८३१.००
४२.	पुस्तकें	५,१३,५७२.५५
४३.	जिल्द बंदी एवं पुस्तक सुरक्षा	१५,३६६.००
४४.	कैटलोग एवं कार्डस्	१३,०७५.००
४५.	पत्रिकाओं की छपाई	५९,४२१.००
४६.	निर्धन छात्र कोष	१,८००.००
४७.	समाचार पत्र-पत्रिकाएं	८१,५९६.००
४८.	पढ़ते हुए कमाओ	४,०७०.००
४९.	वाहन हेतु ऋण	२,१४,३२०.००
५०.	वेद प्रयोगशाला	६,८२७.००
५१.	श्रद्धानन्द बलिदान दिवस	१०,७७०.००
५२.	योग	३०,४०९.००
५३.	गणित विभाग	४,४२६.००
५४.	श्रद्धानन्द प्रकाशन	१,६३,०२७.००
५५.	कम्प्यूटर रख-रखाव	३८,७१५.००
५६.	अंग्रेजी लैब	३०.००
५७.	हिन्दी पत्रकारिता	२१,६७४.००
५८.	कम्प्यूटर स्टेशनरी	२७,६३५.००
५९.	पुस्तकालय बीमा	६,०१०.००
६०.	कम्प्यूटर उपकरण	३,४६,६३०.००
६१.	माइक्रोबायलोजी	१,६९,५८०.००
६२.	पर्यावरण	९१,०७४.००
६३.	ग्रीन गार्डन	१००.००

गुरुकुल को भूमि दान देने वाले श्री अमन सिंह एवं राजा नाहर सिंह का शिलापट्ट – संवत् 1984 (सन् 1927)
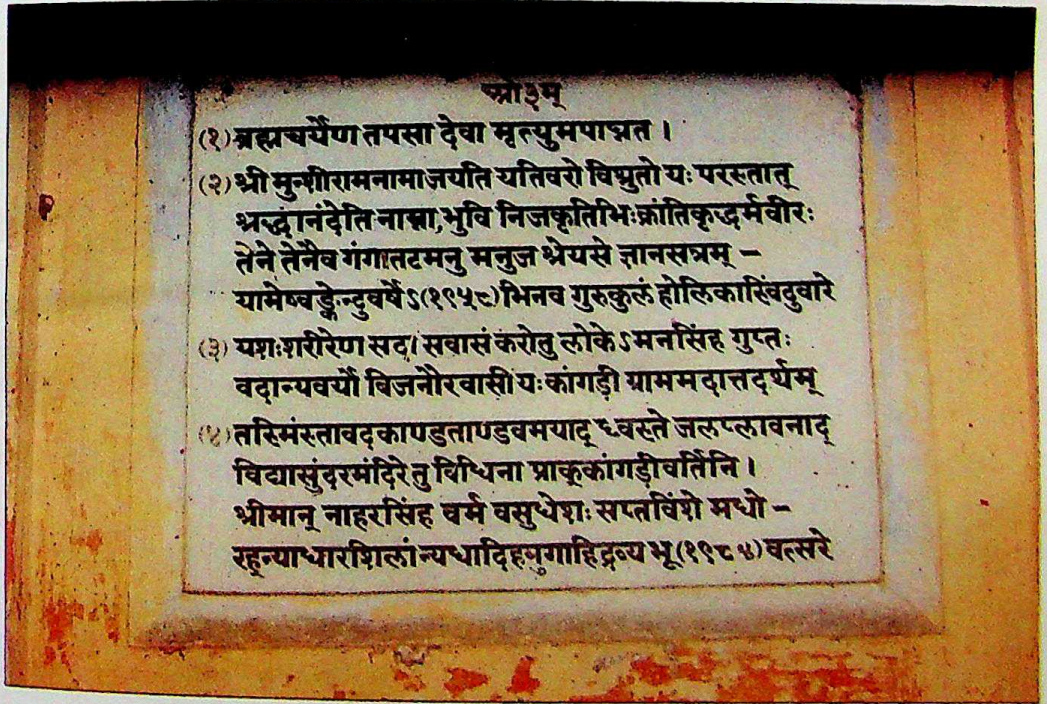
६४.	इतिहास प्रशिक्षण	३१,७४१.००
६५.	पुस्तक रख-रखाव	३२,५६७.००
६६.	एन.सी.सी.	२,७९८.००
६७,	छात्र कल्याण परिषद्	२६,१६१.००
	कुल आकस्मिक व्यय	१,२७,८४,११५.७९
	कुल वेतन व्यय	२,४३,३२,४३४.१०
	कुल व्यय	३,७१,१६,५४९.८९

1997-98 में विश्वविद्यालय को प्राप्त अनुदान का विवरण

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा अन्य स्त्रोतों से प्राप्त अनुदान :-

१-	अनुरक्षण अनुदान	१,९४,३८,०००.००
२-	विकास अनुदान पुस्तकें	१०,००,०००.००
३-	विकास अनुदान उपकरण	१०,००,०००.००

अन्य अनुदान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से

१.	व्यवसायिक पाठ्यक्रम	८,५०,०००.००
२.	पर्यावरण विज्ञान कार्यक्रम कम्प्यूटर प्रोग्राम	२,५०,०००.००
३.	पर्यावरण विज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु	४,००,०००.००
४.	योग प्रशिक्षण हेतु	४७,३५५.००
५.	पुस्तकालय कम्प्यूटरीकरण हेतु	१,००,०००.००
६.	राष्ट्रीय सेमीनार माइक्रो.	१५,०००.००
७.	राष्ट्रीय सेमीनार पर्यावरण	२४,०००.००
८.	कम्प्यूटर	९४,७६८.००

मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट–

१.	डा० बी.डी. जोशी	२१,६००.००
२.	डा० डी.के. माहेश्वरी	१,२१,४२५.००
३.	डा० दिनेश चन्द्र	५५,०००.००

अन्य स्त्रोतों से प्राप्त–

१.	जिला समाज कल्याण छात्रवृत्ति	१,३२,०००.००
२.	मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट सी.एस.आई.आर, डा० डी.के. माहेश्वरी	३,००,०००.००
३.	मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट आई.सी.एफ.आर.ई., डा० पी.सी. जोशी	१,६१,४४०.००
४.	प्रौढ़ शिक्षा	५०,०००.००

राष्ट्र की स्वतंत्रता स्वर्ण जयन्ति कार्यक्रम

१५ अगस्त १९९७ को राष्ट्र ने अपनी स्वतंत्रता के पचास वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इस उपलक्ष्य में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय ने बहुत से प्रभावशाली कार्यक्रमों का आयोजन किया। विश्वविद्यालय का प्रयास रहा कि छात्र-छात्राओं में देश के गौरव के प्रति आस्था एवं प्रेम को और बढ़ाया जाए तथा युवा पीढ़ी में एक नयी उमंग को जाग्रत किया जाए। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा मानव संसाधन मन्त्रालय इस बात पर जोर दे रहा है कि विश्वविद्यालय केवल अपने अन्दर ही सीमित न रहें वरन् अपने चारों ओर के समाज को भी प्रेरित करे। इन बातों को ध्यान में रखकर विगत १० अगस्त को राष्ट्र की स्वतंत्रता के उपलक्ष्य में विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्र की उपलब्धियों पर एक सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें हरिद्वार के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र छात्राओं को भाग लेने के लिए आमन्त्रित किया गया। प्रतियोगिता के जूनियर ग्रुप में हरिद्वार के विभिन्न विद्यालयों के कक्षा ११ व १२ के छात्र छात्राओं ने भाग लिया तथा सीनियर ग्रुप में गुरूकुल कांगडी विश्वविद्यालय के सभी विषयों के स्नातक एंव स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं को भी भाग लेने के लिए आमन्त्रिंत किया गया। प्रतियोगिता में कुल मिलाकर ३०० से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। छात्रों की प्रतियोगिता विश्वविद्यालय परिसर में तथा छात्राओं की प्रतियोगिता कन्या गुरूकुल महाविद्यालय हरिद्वार में आयोजित की गयी । प्रतियोगिता में पूछे गए प्रश्नों की विशेषता यह थी कि उनमें प्रश्न के साथ ही देश की गौरवशाली उपलब्धियों की जानकारी भी थी। छात्रों में प्रतियोगिता के प्रति बहुत उत्साह पाया गया। प्रतियोगिता के सीनियर ग्रुप में गुरूकुल कांगडी विश्वविद्यालय के बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष के छात्र अंकुर रेजा प्रथम एम.सी.ए. तृतीय के जितेन्द्र सिंह गोसाई द्वितीय तथा एम.एस.सी. माइक्रोबॉइलॉजी प्रथम वर्ष के मनीश श्रीवास्तव तृतीय रहे। जूनियर ग्रुप में छात्रों को पुरस्कृत किया गया। देहली पब्लिक स्कूल के कक्षा १२ के छात्र प्रतीक मिश्रा प्रथम रहे। इसी विद्यालय के कक्षा १२ के वरूण माटा व कक्षा ११ के जतिन मल्होत्रा संयुक्त रूप से द्वितीय, कक्षा ११ के अनुपम जैन चौथे स्थान पर तथा केन्द्रीय विद्यालय न० २ के कक्षा ११ के दीपक पंत पाँचवे स्थान पर रहे।

गत २५ अगस्त को विश्वविद्यालय व महाविद्यालय स्तर के छात्रों के लिए एक ग्रुप डिस्कशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रत्येक ग्रुप को डिस्कशन के लिए तीन विषय दिए गए। छात्रों ने उनमें से एक विषय चुनकर उस

क्रिकेट मैच आरम्भ होने से पूर्व मैच के संयोजक एवं विज्ञान संकाय की टीम के कप्तान डॉ० ए.के. इन्द्रायण माननीय कुलपति डॉ० धर्मपाल जी से टीम का परिचय कराते हुए

पर बहुत उपयोगी बहस की। ये विषय भी राष्ट्र की उपलब्धियों एवं भविष्य की चिंताओं
से सम्बन्धित थे। निर्णायक मंडल में बी.एच.ई.एल. के श्री ए.के.उपाध्याय, श्री कोहली तथा गुरूकुल कांगडी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बी.डी.जोशी थे। प्रतियोगिता में एम.बी.ए. प्रथम सेमस्टर के छात्र सुजय भट्टाचार्य प्रथम, एम.एस.सी. एनवायरमेण्टल सांइस द्वितीय वर्ष के पवन कुमार जोशी द्वितीय तथा एम.एस.सी. रसायन द्वितीय वर्ष के पंकज मल्होत्रा तृतीय रहे।

स्वतंत्रता के पचास वर्ष के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के अध्यापकों के मध्य एक क्रिकेट मैच का आयोजन भी किया गया जिसका उद्घाटन माननीय कुलपति डा० धर्मपाल ने माननीय कुलसचिव डा० एस.एन.सिंह की बॉल को खेलकर किया। इसी प्रकार का एक मैच शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के मध्य भी खेला गया। दोनों ही मैच अत्यन्त रोचक एवं उतार-चढ़ाव के क्षणों से भरपूर रहे। छात्रों का इस अवसर पर उत्साह देखने वाला था।

सभी कार्यक्रम माननीय उपकुलपति प्रोफेसर वेद प्रकाश शास्त्री के निर्देशन में आयोजित किए गए। जहॅा डा० ए० के० इन्द्रायण ने कार्यक्रमों का लगन व पूरी निष्ठा से संयोजन किया वही समिति के अन्य सदस्य डा० ए० के० चोपड़ा, डा०महावीर अग्रवाल तथा डा० नवनीत ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। साथ ही साथ डा० ऋषि कुमार शुक्ला, प्रवक्ता रसायन विभाग तथा शोध छात्रों सवश्री चन्द्र प्रकाश, बी.एस.गुलेरिया, राजीव कुमार, सुरेश कुमार, विशाल शर्मा, अजीत सिंह, विनीत कुमार, विनय शर्मा एवं कु० प्रिया तथा एम.एस.सी.के छात्र आशीश आनन्द का भी सराहनीय योगदान रहा।

सभी कार्यक्रमों को श्रेष्ठ एवं सफल बनाने में माननीय कुलपति जी प्रेरणा के मुख्य श्रोत रहे एवं विश्वविद्यालय के कुलपति डा० श्याम नारायण सिंह तथा वित्त अधिकारी श्री जयसिंह गुप्ता का सदा तत्पर सहयोग अत्यन्त सराहनीय रहा।

शिक्षक वर्ग

संकाय	विभाग	नाम	पद
प्राच्य विद्या	वेद	रिक्त	प्रोफेसर
		डा. मनुदेव बन्धु	रीडर
		डा. रूपकिशोर शास्त्री	वरिष्ठ प्रवक्ता
		डा. दिनेश चन्द	वरिष्ठ प्रवक्ता
		डा. सत्यदेव निगमालंकार	प्रवक्ता
	संस्कृत	प्रो० वेद प्रकाश शास्त्री	प्रोफेसर
		डा. महावीर अग्रवाल	रीडर
		डा. सोमदेव शतांशु	रीडर
		डा. राम प्रकाश शर्मा	रीडर
		डा. ब्रह्मदेव	प्रवक्ता
	दर्शन	डा. जयदेव वेदालंकार	प्रोफेसर
		डा. विजय पाल शास्त्री	रीडर
		डा. त्रिलोक चन्द	रीडर
		डा. उमराव सिंह बिष्ट	रीडर
		डा. सोहन पाल सिंह आर्य	प्रवक्ता
	प्रा.भा.इ.स.पु.	डा. श्याम नारायण सिंह	प्रोफेसर
		डा. कश्मीर सिंह भिंडर	रीडर
		डा. राकेश शर्मा	वरिष्ठ प्रवक्ता
		डा. देवेन्द्र कुमार गुप्ता	प्रवक्ता
		डा. प्रभात कुमार	प्रवक्ता
	श्रद्धानन्द शोध संस्थान	डा. भारत भूषण	प्रोफेसर
	योग	डा. ईश्वर भारद्वाज	वरिष्ठ प्रवक्ता
मनविकी	हिन्दी	डा. विष्णु दत्त राकेश	प्रोफेसर
		डा. सन्त राम वैश्य	रीडर
		डा. ज्ञानचन्द रावल	रीडर
		डा. भगवान देव पाण्डेय	रीडर

		श्री कमल कान्त बुधकर	वरिष्ठ प्रवक्ता
	अंग्रेजी	श्री सदाशिव भगत	रीडर
		डा. श्रवण कुमार शर्मा	रीडर
		डा. अंबुज कुमार शर्मा	रीडर
		डा. कृष्ण अवतार अग्रवाल	प्रवक्ता
	मनोविज्ञान	श्री ओम प्रकाश मिश्रा	प्रोफेसर
		डा. सूर्य कुमार श्रीवास्तव	रीडर
		डा. चन्द्र पाल खोखर	वरिष्ठ प्रवक्ता
		श्री लाल नरसिंह नारायण	प्रवक्ता
	शारीरिक शिक्षा विभाग	डा. आर.के.एस. डागर	निदेशक
विज्ञान	गणित	डा. एस.एल. सिंह	प्रोफेसर
		डा. वीरेन्द्र अरोड़ा	रीडर
		डा. विजयेन्द्र कुमार शर्मा	रीडर
		डा. महीपाल सिंह	रीडर
		डा. प्रभाकर प्रधान	प्रवक्ता
	भौतिकी	श्री हरीश चन्द्र ग्रोवर	रीडर
		डा. राजेन्द्र अग्रवाल	रीडर
		डा. परमानन्द प्रकाश पाठक	रीडर
	रसायन	डा. राम कुमार पालीवाल	रीडर
		डा. ए.के. इन्द्रायण	रीडर
		डा. कौशल कुमार	रीडर
		डा. रजनीश दत्त कौशिक	रीडर
		डा. रणधीर सिंह	रीडर
		डा. श्री कृष्ण	वरिष्ठ प्रवक्ता
प्रौद्योगिकी	कंप्यूटर	डा. विनोद कुमार शर्मा	रीडर
		श्री कर्मजीत भाटिया	वरिष्ठ प्रवक्ता
जीव विज्ञान	जन्तु विाान	डा. विशम्भर दत्त जोशी	प्रोफेसर
		डा. तिलक राज सेठ	रीडर
		डा. अशोक कुमार चोपड़ा	रीडर

		डा. देव राज खन्ना	वरिष्ठ प्रवक्ता
		डा. देवेन्द्र सिंह मलिक	प्रवक्ता
	वनस्पति विज्ञान	डा. दिनेश कुमार माहेश्वरी	प्रोफेसर
		डा. पुरुषोत्तम कौशिक	रीडर
		डा. रमेश चन्द दुबे	रीडर
		डा. गंगा प्रसाद गुप्ता	वरिष्ठ प्रवक्ता
		डा. नवनीत	प्रवक्ता
	पर्यावरण	डा. दिनेश भट्ट	रीडर
		डा. प्रकाश चन्द जोशी	प्रवक्ता
प्रबन्धन	एम.बी.ए.	श्री सतीश चन्द्र धमीजा	रीडर
		डा. विनोद कुमार सिंह	प्रवक्ता
		श्री सत्येन्द्र पाल सिंह	प्रवक्ता
		डा. विवेक साहनी	प्रवक्ता
		श्री पंकज मदान	प्रवक्ता

विश्वविद्यालय कर्मचारियों की सूची

विभाग	नाम	पद
प्रशासन	डा. धर्मपाल	कुलपति
	डा. एस.एन. सिंह	कुलसचिव
	श्री जय सिंह गुप्ता	वित्ताधिकारी
	श्री नन्द गोपाल आनन्द	अनुभाग अधिकारी (वित्त)
	श्री आनन्द कुमार सिंह	अनुभाग अधिकारी (स्थापना)
	श्री महेन्द्र सिंह नेगी	अनुभाग अधिकारी (शिक्षा परीक्षा)
	श्री गिरीश चन्द सुन्दरियाल	नि.स. कुलपति
	श्री कमलेश नैथानी	नि.स. कुलसचिव
	श्री करतार सिंह	सम्पदाधिकारी
	श्री गन्धर्व सेन	उद्यान अधिकारी
	श्री वेद पाल	सुरक्षाधिकारी
	श्री संजीव कुमार	अवर अभियन्ता
	श्री प्रेम चन्द जुयाल	सहायक
	श्री देवी प्रसाद	सहायक
	श्री राम नरेश शर्मा	वरिष्ठ सहायक
	श्री यशपाल सिंह	सहायक
	डा. प्रदीप जोशी	सहायक/जनसम्पर्क अधिकारी
	श्री कैलाश वैष्णव	विद्युतकार
	श्री हेमन्त कुमार	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री महावीर सिंह	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री वीरेन्द्र सिंह असवाल	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री बाल कृष्ण शुक्ला	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री राम स्वरूप	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री मदन गोपाल उपाध्याय	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री अशोक डे	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री राज किशोर	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री कुमुद जोशी	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	डा० दीपक घोष	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री वीर सिंह	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री हरपाल	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री प्रेम सिंह	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट

श्री रमा शंकर	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
श्री अजय कुमार	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
श्री राजेन्द्र ऋषि	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
श्री अशोक कुमार	कारपेन्टर
श्री जगमोहन	दफ्तरी
श्री दिवान सिंह	भृत्य
श्री श्रीराम	ड्राईवर
श्री मांगेराम	ड्राईवर
श्री राम किशन	भृत्य
श्री महानन्द	भृत्य
श्री योगेन्द्र सिंह	भृत्य
श्री बलबीर	भृत्य
श्री मदन मोहन	भृत्य
श्री महेश चन्द्र जोशी	भृत्य
श्री कमल सिंह	भृत्य
श्री राजेन्द्र कुमार	भृत्य
श्री बाली राम	भृत्य
श्री माता प्रसाद	चौकीदार
श्री राम सिंह	चौकीदार
श्री रूल्हा सिंह	चौकीदार
श्री जल सिंह	चौकीदार
श्री ईसम सिंह	चौकीदार
श्री भूरी सिंह	चौकीदार
श्री योगेन्द्र शर्मा	चौकीदार
श्री राम बहादुर	चौकीदार
श्री हिम्मत सिंह	चौकीदार
श्री श्याम सिंह	चौकीदार
श्री रमेश चन्द्र	चौकीदार
श्री चन्द्र कुमार मल	चौकीदार
श्री राम प्रसाद राय	चौकीदार
श्री जसबीर सिंह	चौकीदार
श्री श्याम लाल	माली
श्री हरि राम	माली
श्री देवेन्द्र कुमार	माली

	श्री बाबू लाल	माली
	श्री राम अजोर	माली
	श्री बृज पाल	माली
	श्री आनन्द	सफाई कर्मचारी
प्राच्य विद्या संकाय	श्री सुरेन्द्र कुमार	योग प्रशिक्षक
	श्री राजपाल सिंह चौहान	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री संदीप कुमार	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री महेन्द्र सिंह	भृत्य
	श्री राज कुमार	भृत्य
	श्री बृजमोहन	भृत्य
	श्री घिराऊ	माली
	श्री सन्तोष कुमार राय	फिल्ड अटैन्डेंट
मानविकी संकाय	श्री सुभाष चन्द	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री मनोज कुमार	भृत्य
	श्री सुधाकर	भृत्य
	श्री रविन्द्र कुमार	भृत्य
	श्री मान सिंह	चौकीदार
	श्री सुशील कुमार	सफाई कर्मचारी
विज्ञान संकाय	श्री प्रमोद कुमार	वरि.प्रयोगशाला सहायक
	श्री शशि भूषण	वरि. प्रयोगशाला सहायक
	श्री हंसराज जोशी	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री नन्द किशोर	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री ठकरा सिंह	प्रयोगशाला सहायक
	श्री नरेश कुमार	प्रयोगशाला सहायक
	श्री प्रवीण कुमार	प्रयोगशाला सहायक
	श्री मान सिंह	गैस मैन
	श्री जयपाल	लैब अटैन्डेंट
	श्री पुरुषोत्तम	लैब अटैन्डेंट
	श्री बाबादीन	लैब अटैन्डेंट
	श्री अरूण कुमार	लैब अटैन्डेंट
	श्री सुशील	लैब अटैन्डेंट
	श्री राय सिंह	भृत्य
	श्री राम दास	भृत्य
	श्री राजपाल	भृत्य

	श्री बलजीत	सफाई कर्मचारी
प्रौद्योगिकी संकाय	श्री अचल गोयल	प्रणाली विश्लेषक
	श्री महेन्द्र सिंह असवाल	कंप्यूटर आपरेटर
	श्री मनोज कुमार	कंप्यूटर आपरेटर
	श्री कौस्तुभ चन्द पाण्डेय	सेमी प्रो. असि.
	श्री देवव्रत	तकनीकि सहायक
	श्री द्विजेन्द्र पन्त	तकनीकि सहायक
	श्री शशिकान्त	जूनि. स्टैनोग्राफर
	श्री चन्द्र भान	भृत्य
जीव विज्ञान संकाय	श्री कृष्ण कुमार शर्मा	जूनि.असि.कम. टाईपिस्ट
	श्री हरीश चन्द	प्रयोगशाला सहायक
	श्री रूद्र मणि	प्रयोगशाला सहायक
	श्री चन्द प्रकाश	प्रयोगशाला सहायक
	श्री शशिकान्त	प्रयोगशाला सहायक
	श्री रजत सिन्हा	लिपिक / स्टोर कीपर
	श्री प्रीतम लाल	लैब ब्वाय
	श्री विजय सिंह	लैब ब्वाय
	श्री रतन लाल	भृत्य
	श्री चमनलाल	भृत्य
	श्री वीरेन्द्र सिह	माली
	श्री राम सुमत	माली
	श्री विनोद कुमार	सफाई कर्मचारी नायक
पुस्तकालय	डा० जगदीश विद्यालंकार	पुस्तकालयाध्यक्ष
	श्री गुलजार सिंह चौहान	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
	श्री उपेन्द्र कुमार झा	प्रो. सहायक
	श्री ललित किशोर	सेमी प्रो. सहायक
	श्री मिथिलेश	सेमी प्रो. सहायक
	श्री सोमपाल	सहायक
	श्री आनन्द जोशी	जूनियर असिस्टैट कम-टाइपिस्ट
	श्री विजेन्द्र सिंह	जूनियर असिस्टैट कम-टाइपिस्ट
	श्री नवीन कुमार	जूनियर असिस्टैट कम-टाइपिस्ट
	श्री राजीव कुमार	जूनियर असिस्टैट कम-टाइपिस्ट
	श्री रमेश कुमार	जूनियर असिस्टैट कम-टाइपिस्ट
	श्री जय प्रकाश	बुकबाइन्डर

	श्री गोविन्द सिंह	बुक लिफ्टर
	श्री घनश्याम	भृत्य
	श्री रामपद राय	भृत्य
	श्री कुलभूषण	भृत्य
	श्री विजेन्द्र सिंह	भृत्य
	श्री बालेश्वर	सफाई कर्मचारी
पुरातत्व संग्रहालय	श्री सूर्यकान्त	संग्रहपाल
	श्री सुखवीर सिंह	सहायक संग्रहपाल
	श्री अनिल कुमार	संग्रहालय सहायक
	श्री अरविन्द कुमार	जूनियर असिसटैंट कम टाइपिस्ट
	श्री रमेश चन्द्र पाल	गैलरी अटैन्डेट
	श्री ओमप्रकाश	गैलरी अटैन्डेट
	श्री वासुदेव	चौकीदार
	श्री गुरूप्रसाद	माली
प्रौढ़ शिक्षा	डा० आर०डी०शर्मा	सहायक निदेशक
	श्री जसबीर सिंह मलिक	परियोजना अधिकारी
	श्री रामजीत	माली
प्रबन्धन संकाय	श्री अनिल धीमान	सेमी प्रो० असिस्टैट
	श्री गिरीश चन्द्र	प्लम्बर
क०गु०म० हरिद्वार	श्री हरपाल सिंह	संपदाधिकारी
	श्री मदनपाल सिंह	जूनियर असिस्टैंट कम टाइपिस्ट

कन्या गुरुकुल महाविद्यालय देहरादून के कर्मचारियों की सूची

विभाग	नाम	पद
संगीत	श्रीमती प्रतिभा शर्मा	प्रवक्ता
संगीत	श्रीमती मीरा दास गुप्तजा	प्रवक्ता
संस्कृत	श्रीमती सरोज नौटियाल	प्रवक्ता
हिन्दी	श्रीमती रंजना राजदान	प्रवक्ता
अंग्रेजी	श्रीमती हेमलता	प्रवक्ता
कंप्यूटर	श्रीमती निपुर	प्रवक्ता
कंप्यूटर	श्रीमती रेणु शुक्ला	प्रवक्ता
प्रबन्धन	कु० बिन्दु अरोड़ा	प्रवक्ता
पुस्तकालय	श्रीमती सुदेश खन्ना	पुस्कालयाध्यक्षा
शारीरिक शिक्षा	श्रीमती बलबीर कौर	पी.टी.आई.
प्रशासन	श्रीमती भागेश्वर	स्टोर कीपर
प्रशासन	श्रीमती ओमप्रकाश नवानी	जूनि.असि./टाइपिस्ट
प्रशासन	श्रीमती महेश्वरी	भृत्या
प्रशासन	श्रीमती विमला	सफाई कर्मचारी
प्रशासन	श्री मुन्ना लाल	माली
प्रशासन	श्री सूरत सिंह	भृत्य
प्रशासन	श्री वीर बहादुर	चौकीदार

कन्या गुरुकुल महाविद्यालय देहरादून के कर्मचारियों की सूची

विभाग	नाम	पद
संस्कृत	डा० सुनृता विद्यालंकार	प्रभारी
हिन्दी	डा० सुमित्रा मलिक	प्रवक्ता
मनोविज्ञान	डा० श्यामलता जुयाल	प्रवक्ता
पर्यावरण	डा० नमिता जोशी	प्रवक्ता
माइक्रोबायोलाजी	डा० अनिता शर्मा	प्रवक्ता
एम०बी०ए०	डा० पतिराज कुमारी	प्रवक्ता
एम०बी०ए०	डा० शिल्पी मोहन	प्रवक्ता

दीक्षान्त समारोह, 1998 में शोध उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों की सूची

S.No.	Name of the Research Scholar	Father's Name	Title of the Thesis	Deptt/Instt/Lab./ was conducted	Year of Award	Name of the Guide/ Supervisor
93020	रमेशप्रसाद जोशी	जोगेश्वर प्रसाद जोशी	"वाक्यपदीय एवं वैयाकरण भूषणसार में प्रतिपादित व्याकरणिक सिद्धान्त: एक तुलनात्मक अध्ययन"	वेद विभाग	1.5.97	प्रो० रामप्रसाद वेदालंकार
83001	मनुदेव	हीरालाल	छान्दोग्योपनिषद् : एक अध्ययन	संस्कृत विभाग	1.5.97	डा० वेदप्रकाश शर्मा
94008	नरेश कुमार	रामकुमार	प्रमुख योग उपनिषदों का पातञ्जल योग दर्शनम् के परिप्रेक्ष्य में तुलनात्मक अध्ययन	संस्कृत विभाग	9.11.97	आचार्य वेदप्रकाश शास्त्री
92012	कु०विजय लक्ष्मी	D/o यादराम सिंह	महर्षि दयानन्द कृत ऋग्वेद भाष्य का व्याकरण शास्त्रीय अध्ययन	संस्कृत विभाग		डा० महावीर अग्रवाल
930415	हरीश चन्द्र पनेरू	श्री जय कृष्ण पनेरू	संस्कृत नीतिशास्त्र के परिप्रेक्ष्य में न्यायप्रक्रिया का समीक्षात्मक अध्ययन	संस्कृत विभाग		डा० राम प्रकाश शर्मा
92029	कु० सुमित्रा	श्री श्रीचन्द	काशिकावृत्ति में प्रदत्त उदाहरण-एक एक समीक्षात्मक अध्ययन	संस्कृत विभाग		आचार्य वेद प्रकाश शास्त्री

S.No.	Name of the Research Scholar	Father's Name	Title of the Thesis	Deptt/Instt/Lab./ was conducted	Year of Award	Name of the Guide/ Supervisor
88009	श्रीमती पुष्पलता	मुरारीलाल	स्वातंत्रोत्तर हिन्दी की दैनिक पत्रकारिता में युगीन चेतना	हिन्दी विभाग		डा० भगवानदेव पाण्डेय
930371	कु० शिवानी	डा० भारत भूषण	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में नारी पात्रों की भूमिका	हिन्दी विभाग		डा० सन्तराम वैभव
94002	अनिल कुमारी	ताराचंद	महाकवि ग्वाल के काव्य में अभिव्यक्ति विधान	हि० सा०	6.9.97	डा० ज्ञानचंद रावल
920104	कु० लता शर्मा	वेदप्रकाश	सूरसागर में प्रयुक्त लोकोक्तियों एवं मुहावरों का साहित्यिक सामाजिक तथा सांस्कृतिक अध्ययन	हि० सा०	—	डा० सन्तराम वैश्य
94005	अशोक कुमार Ashok Kumar	श्रीचन्द यादव Srichand Ydv.	प्रेमचन्द की कहानियों में यथार्थ बोध Premchand Ke Kahaniyon Mein Yatharthabodh	हि० सा०	23.9.97	डा० भगवानदेव पाण्डेय
94001	हरीश डिमरी	ए०आर० डिमरी	गढ़वाल का लोक साहित्यिक स्वरूप और संवेदना	हि० सा०	—	डा० भगवान देव पाण्डेय
90022	अनिल कुमार	सुखबीर सिंह कुमुद	प्राचीन भारत में सैन्य संगठन (वैदिक काल से - हर्षवर्धन तक)	प्रा०भा०इति०	—	डा० एस०एन० सिंह

S.No.	Name of the Research Scholar	Father's Name	Title of the Thesis	Deptt/Instt/Lab./ was conducted	Year of Award	Name of the Guide/ Supervisor
94004	कु० आभा भण्डारी	श्री ठाकुर सिंह	प्राचीन भारत की राजनैतिक संस्थाओं में स्त्रियों का योगदान (वैदिक काल से हर्षवर्धन तक)	प्रा०भा० इति०	9.6.97	डा० कश्मीर सिंह भिंडर
910478	प्रतीक मिश्रपुरी	योगेन्द्रदत्त मिश्रपुरी	योग की प्रमुख विद्वानों का मनोवैज्ञानिक आधार एवं अध्ययन	दर्शनशास्त्र	—	डा० जयदेव विद्यालंकार
880238	विवेक गोयल	महेन्द्र कुमार गोयल	गणित तिलक का अध्ययन A study of Ganita Tilaka	गणित	—	डा० श्री वीरेन्द्र अरोड़ा
92028	श्याम सुन्दर प्रसाद सिंह	जगदीश प्रसाद सिंह	- A Study of Fixed point theorems for contractive maps and applications	गणित	—	डा० एस०एल० सिंह
92033	शिखा अग्रवाल	श्री भूषण प्रकाश अग्रवाल	स्थिर बिंदु का अस्तित्व एवं उसका सन्निकटन Existence of Fixed points and their approximation	गणित	—	डा० एस०एल० सिंह
94022	विनोद मिश्रा	गणेश मिश्रा	- A Study in Vedic Geometry and Its Relevance to Science and Technology	गणित	—	डा० एस०एल० सिंह

S.No.	Name of the Research Scholar	Father's Name	Title of the Thesis	Deptt/Instt/Lab./ was conducted	Year of Award	Name of the Guide/ Supervisor
92024	नौ बहार सिंह	फूल सिंह	– Indeterminate Analysis in Ancient Indian Mathematics	गणित	14-4-98	डा० एस०एल० सिंह
92004	प्रदोष कुमार शर्मा	रामकुमार शर्मा	– Effect of Air Pollution On Cloud Formation and Precipitation	भौतिकी	—	डा० पी०पी० पाठक
890086	राजेश जोशी	इन्द्र प्रसाद जोशी	– Kinetics and Mechanism of Periodate Oxidation of Certain Aromatic Amines	रसायन	4.4.98	डा० आर०डी० कौशिक
920617	कु० अंशिका गुप्ता	राम कुमार गुप्ता	– Effect of Occuptional Stress and Perceived Organisational Climate on Morale, Mental Health and Job Involvement in Technical And Non-Technical Employees	मनोविज्ञान	16.12.97	डा० एस०के० श्रीवास्तव
91018	श्रीमती हेमलता के०	आर० कृष्णमूर्ति	– The Quest For Belief : A Study of The Fictio of Dreiser	अंग्रेजी	21.08.97	डा० एन० शर्मा

S.No.	Name of the Research Scholar	Father's Name	Title of the Thesis	Deptt/Instt/Lab./ was conducted	Year of Award	Name of the Guide/ Supervisor
890261	संदीप कपूर	राममूर्ति कपूर	- A Comparative Study of Psychological Variables Pertaining to Retired and Working, People	मनोविज्ञान	12.12.97	डा० ओ०पी० मिश्रा
93003	प्रकाश चन्द्र	रामकुमार	- Effect of KR on the Performance of Two Different Tasks in Relation To Personality Types, Amount of Intelligence and Degree of Achievement Motivation	मनोविज्ञान	1.9.97	डा० एस०के० श्रीवास्तव
870007	हेमेन्द्र कुमार	कन्हैया लाल	- Rhizobia Tree Legumes (ACACIA Species) Symbiosis in Substandard Soil And Technology Development For Inoculum Production	माइक्रो यूनीट	—	डा० डी०के० माहेश्वरी
92018	चमनलाल	दीनानाथ पाहिवाल	- Biomass Production of Certain Aquatic Macrophytes and Their Role in Nutrient Removal From Polluted Water	बोटानी	10.4.98	डा० डी०के० माहेश्वरी

S.No.	Name of the Research Scholar	Father's Name	Title of the Thesis	Deptt/Instt/Lab./ was conducted	Year of Award	Name of the Guide/ Supervisor
92032	अनिल कुमार धीमान्	रामलाल धीमान्	– A Survey of Medicinal Plants of Haridwar and Adjoining Area Vis-A-Vis the Raw-Plant-Drugs being Sold in the Local Market	बोटानी	5.8.97	डा० पी० कौशिक
94012	रवीन्द्र शर्मा	एम.सी. शर्मा	– Bioconversion of Aquatic Biomass Residue By Cellulolytic Fungus, Corilolus Hirsutus	बोटानी	29.3.98	डा० डी०के० माहेश्वरी
92014	कु० लक्ष्मी देवी	देवकीनंदन भगत	– Biochemical Studies on the Liver and Gonads of two Freshwater Fishes	जूलॉजी	1-4-98	प्रो० बी०डी० जोशी
92010	त्रिलोकीनाथ जोशी	प्रेमबल्लभ जोशी	– Studies on the Hydro-Biology of a hill stream Kalpanigarh and toxicity of some cropland Fertilizers and Biocidles on Barilius Bendilisis (HAM)	जूलॉजी	21-5-97	प्रो० बी०डी० जोशी

अलंकार/बी0ए0 के छात्रों की सूची

क्रम	अनु0	पंजी0 सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१.	१२५२	९४०६००	कु० दिव्या	श्री विनय मिश्रा	हिन्दी, संगीत (गा०)	प्रथम	कन्या गुरुकुल महा०, दे०दून
२.	१२५३	९४०६०२	कु० मीनाक्षी	श्री बहादुर सिंह	इतिहास, संगीत (गा०)	प्रथम	कन्या गुरुकुल महा०, दे०दून
३.	१२५४	९४०५९९	कु० पूजा	श्री बलराम सिंह	इतिहास, चित्रकला	प्रथम	कन्या गुरुकुल महा०, दे०दून
४.	१२५५	९४०५९८	कु० प्रिया	सुशील कुमार	इतिहास, संगीत (गा०)	प्रथम	कन्या गुरुकुल महा०, दे०दून
५.	१२५६	९४०५९७	कु० सोनिया	श्री अमरीक राय कपूर	समाज शा०, संगीत (गा०)	प्रथम	कन्या गुरुकुल महा०, दे०दून
६.	१२५७	९४०६०१	कु० श्रुति	श्री रमेशचन्द्र पाण्डेय	हिन्दी, संगीत (गा०)	प्रथम	कन्या गुरुकुल महा०, दे०दून
७.	१२५८	९४०५७८	कु० भावना	श्री राधेश्याम	दर्शन, हिन्दी	प्रथम	कन्या गुरुकुल महा०, हाथरस
८.	१२६१	९४०५७५	कु० मोनिका	श्री श्रीनिवास	दर्शन, हिन्दी	प्रथम	कन्या गुरुकुल महा०, हाथरस
९.	१२६२	९४०५७३	कु० निर्मला	श्री लाल सिंह	दर्शन, हिन्दी	प्रथम	कन्या गुरुकुल महा०, हाथरस
१०.	१२६४	९४०५८४	कु० रश्मि	पूरनलाल गुप्ता	दर्शन, हिन्दी	प्रथम	कन्या गुरुकुल महा०, हाथरस
				वेदालंकार			
११.	१२६७	९४०५८६	कु० अपाला	श्री विजय बहादुर	हिन्दी	प्रथम	कन्या गुरुकुल महा०, हाथरस
१२.	१२६८	९४०५८७	कु० अरूणा	श्री गंगा कश्यप	हिन्दी	प्रथम	कन्या गुरुकुल महा०, हाथरस
१३.	१२६९	९४०५७६	कु० सविता	श्री करमचन्द	हिन्दी	प्रथम	कन्या गुरुकुल महा०, हाथरस
				विद्यालंकार			
१४.	१२७०	९४०३६२	अजीत कुमार	श्री सुरेश चन्द्र	अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१५.	१२७१	९४०३८६	रविन्द्र कुमार	श्री कुंवर पाल	अर्थशास्त्र, राजनीति	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१६.	१२७२	९४०४३४	नरेन्द्र कुमार आर्य	श्री हरि प्रसाद	हिन्दी	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१७.	१२७३	९४०५२०	राजेश कुमार	श्री नन्दलाल	पुरातत्व विज्ञान	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१८.	१२७४	९३०५४९	विवेक कुमार	श्री अशोक कुमार शर्मा	हिन्दी	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
			अलंकार सामान्य (बी०ए०)				
१९.	१२७५	९४०५९४	कु० जागृति खुराना	श्री त्रिलोक खुराना		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, दे० दून
२०.	१२७६	९४०५९६	श्रीमति शान्ति देवी	श्री चण्डी प्रसाद		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
			बी०ए० (सामान्य)				
२१.	१२७७	९४०४००	अमित कुमार	श्री ईसम पाल सिंह		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२२.	१२७८	९४००७२	देवराज तोमर	श्री ऋषिकुमार		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२३.	१२७९	९४०३६०	देवेन्द्र प्रताप सिंह	श्री विजय बहादुर सिंह		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२४.	१२८०	९४०००४	अजय कुमार	श्री गोविन्द सिंह		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२५.	१२८१	९४००२३	खुशीराम	श्री घिर्राऊ		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२६.	१२८२	९४०३८८	सुदीप बोस	श्री बिष्णुदास बोस		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२७.	१२८३	९४०००६	अनिरूद्ध कुमार	श्री राजेन्द्र कुमार		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२८.	१२८४	९४०३९३	बालेश्वर प्रसाद	श्री पोखनाथ प्रसाद		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२९.	१२८५	९४०३८५	राजीव शर्मा	श्री चक्रधर शर्मा		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३०.	१२८६	९४०४३५	राजीव मलिक	श्री महिपाल सिंह मलिक		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३१.	१२८७	९४०७१४	संजय जोशी	श्री उमेश चन्द जोशी		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३२	१२८८	९४००४०	ललित यादव	श्री नाहर सिंह		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
३३.	१२८९	९५०५५४	धीर सिंह	श्री सूरत सिंह		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३४.	१२९०	९४०३८४	हिरदेश कुमार	श्री दिग्विजय सिंह		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३५.	१२९१	९४०७१२	जयवीर सिंह	श्री उम्मेद सिंह रावत		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३६.	१२९२	९४०३७०	नूर हसन	श्री नत्थू हसन		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३७.	१२९३	९४००३३	विनय कुमार भट्ट	श्री गोवर्धन भट्ट		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३८.	१२९४	९३०३४६	जयपाल सिंह	श्री रामस्वरूप सिंह		तृतीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३९.	१२९५	९३०३५६	मनजीत कुमार	श्री वीर सिंह		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४०.	१२९६	९४००५६	जयनन्दन सिंह	श्री एस०के० सिंह		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४१.	१२९७	९४०००३	नरेश कुमार	श्री ओम प्रकाश		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४२.	१२९८	९४००६३	नरेन्द्र कुमार सिंह	श्री रमा शंकर सिंह		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४३.	१२९९	९४०५६२	नरेश कुमार	श्री घनश्याम		तृतीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४४.	१३००	९४०३७९	तेज सिंह	श्री वेदपाल सिंह		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४५.	१३०२	९४०६६५	सुरेश कुमार	श्री बद्री प्रसाद	गणित, अर्थ०, अंग्रेजी	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४६.	१३०३	९४०६९२	सुनील कुमार शर्मा	श्री हरीराम शर्मा	गणित, मनो वि०,अंग्रेजी	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४७.	१३०४	९४०२५१	सुधीर पाल छिकारा	श्री ब्रह्म सिंह	मनो वि०, राज०, हिन्दी	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४८.	१३०६	९४०००१	शैलेन्द्र भूषण	श्री वीरेन्द्र कुमार	मनो वि०, राज०, योग	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४९.	१३०७	९४००५४	सन्दीप कुमार चौहान	श्री जगवीर सिंह	मनो वि०, इतिहास, योग	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५०.	१३०९	९३०६३०	निश्वनी कुमार बिश्नोई	श्री अरूण कुमार बिश्नोई	मनो वि०, अंग्रेजी, इति०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
व्यक्तिगत-छात्र							
५१.	१३१०	९३०४८६	महेशचन्द जोशी	काशीराम जोशी	इति०, हिन्दी, मनो वि०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
अलंकार सामान्य (बी०ए०) कम्प्यूटर वर्ग							
५२.	१३१३	८४०५५८	आदित्य कुमार	श्री शिवकुमार गुप्ता	कम्प्यूटर, गणित, अर्थ०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५३,	१३१४	९४००६९	दिलबाग सिंह	श्री जरनैल सिंह	कम्प्यूटर, गणित, अर्थ०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५४.	१३१५	९४००४६	दीपक भारद्वाज	श्री चन्द्रप्रकाश भारद्वाज	कम्प्यूटर, गणित, अर्थ०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५५.	१३१६	९४००४४	दीपक कुमार	श्री आनन्द प्रकाश	कम्प्यूटर, गणित, अर्थ०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५६.	१३१८	९४००४५	ललित मोहन शर्मा	श्री एल०एन० शर्मा	कम्प्यूटर, गणित, अर्थ०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५७.	१३१९	९४००२८	मनोज कुमार	श्री बहादुर सिंह	कम्प्यूटर, गणित, अर्थ०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५८.	१३२०	९४०५५०	मनीष कुमार बिष्ट	श्री रूप सिंह बिष्ट	कम्प्यूटर, गणित, अर्थ०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५९.	१३२१	९४००२६	नितिन गहलौत	श्री श्रवण कुमार गहलौत	कम्प्यूटर, गणित, अर्थ०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६०.	१३२२	९४०५५७	नितिन शर्मा	श्री रामचन्द्र शर्मा		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६१.	१३२४	९४०३९६	परविन्दर सिंह	श्री धरमजीत सिंह		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६२.	१३२६	९४००२९	प्रशान्त कुलश्रेष्ठ	श्री यतेन्द्र कुमार कुलश्रेष्ठ		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६३,	१३२८	९४०६६२	रवीन्द्र कुमार	श्री भगवती प्रसाद त्रिपाठी		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६४,	१३२९	९४०३६६	रवि शर्मा	श्री रामभरोसे शर्मा		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६५.	१३३०	९४०४४२	सुशील चन्द्र बडोनी	श्री सत्यप्रसाद बडोनी		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६६.	१३३२	९४००२५	सुनील शर्मा	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६७.	१३३३	९४०००९	सुनील कुमार	श्री ओमप्रकाश		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६८.	१३३४	९४००३१	संजीव कुमार	श्री रामवीर सिंह पुण्डीर		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६९.	१३३६	९४००२०	सतेन्द्र कुमार	श्री रामपाल सिंह		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७०.	१३३७	९४००२७	उमाशंकर सिंह	श्री कुंवर बहादुर सिंह		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७१.	१३३९	९४०६२७	उमेश कुमार सिंह	श्री आर०ए० सिंह		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७२.	१३४०	९४०३७१	विकास भट्ट	श्री योगेश्वर प्रसाद भट्ट		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
७२.	१३४०	९४०३७१	विकास भट्ट	श्री योगेश्वर प्रसाद भट्ट		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७३.	१३४१	९४०५५३	विवेक विश्नोई	श्री वी०के० एस० विश्नोई		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७४.	१३४३	९४००१४	विनीत वैभव	श्री गणेशदास मिश्र		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७५.	१३४५	९४००६६	विवेक अरोड़ा	श्री रामप्रकाश अरोड़ा		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७६,	१३४६	९४००१३	विशाल कौशिक	श्री मोहनलाल शर्मा		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७७.	१३४७	९४०५५६	विद्यानन्द सिंह	श्री शम्भू शरण सिंह		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७८.	१३४८	९४००१७	आशीष चौहान	श्री महेश प्रताप चौहान		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७९.	१३४९	९४००६७	धीरेन्द्र कुमार	श्री लीलेश चन्द्र चौहान		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८०.	१३५१	९४००५८	सचिन कुमार	श्री कालूराम		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८१.	१३५३	९४००१०	हरीशचन्द्र	श्री सुमेशचन्द्र श्रीवास्तव		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८२.	१३५६	९४०३९५	मनोज कुमार	श्री एस०एस० रावत		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८३.	१३५७	९४०००८	निर्विकार	श्री ब्रजवीर सिंह		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८४.	१३५८	९४००३७	पियुषनारायण सक्सेना	श्री हरीशचन्द्र सक्सेना		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८५.	१३६०	९४०६६३	राजू कुमार	श्री सवाई सिंह		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८६.	१३६१	९४००४३	राजेश द्विवेदी	श्री श्यामसुन्दर द्विवेदी		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८७.	१३६२	९२०२९१	विजय कुमार वर्मा	श्री बालकृष्ण वर्मा		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८८.	१३६३	९४०६२६	मदन सिंह	श्री मोहन सिंह		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

Ex-Student

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
८९.	१३६४	९३०३४९	अरूण जोशी	श्री राजेन्द्र कुमार जोशी		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९०.	१३६५	९३०५७८	भूप सिंह	श्री कृष्णपाल सिंह		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९१.	१३६६	९३०३५३	ब्रजपाल	श्री महेन्द्र सिंह		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
९२.	१३६७	९३०३५८	कृष्ण कुमार	श्री शिवदत्त सिंह		प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९३.	१३६८	९३०३३५	कमलकान्त कश्यप	श्री तिलकराम कश्यप		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९४.	१३६९	९३०५७७	मैवान्द्र शा	श्री भगवान स्वरूप वार्ष्णेय		द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९५.	१३७०	९३०३३६	प्रेमचन्द	श्री श्रीचन्द		तृतीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

एम०ए० के छात्रों की सूची

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१.	२०३५	९५०१९४	आशुतोष कुमार श्रीवास्तव	श्री अग्रसेन श्रीवास्तव	वैदिक साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	२०३६	९२०६२३	दीनदयाल	श्री जी० कृष्ण	वैदिक साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३.	२०३७	९५०४५५	कृष्ण प्रकाश पाठक	श्री सुरेशमणि पाठक	वैदिक साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

व्यक्तिगत

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
४.	२०३८	९५०४२८	कु० सुमन देवी	श्री ओमप्रकाश	वैदिक साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५.	२०३९	९५०५३१	कु० शारदा आर्या	श्री पूर्ण सिंह आर्य	वैदिक साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

संस्कृत-साहित्य

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१.	२०४०	९५०५००	अजय कुमार आर्य	श्री सोमप्रकाश	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	२०४१	९५०४३४	हंसादत्त	श्री धनीराम	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३.	२०४२	९१०४०४	कल्पेन्द्र कुमार	श्री दयानिधि	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४.	२०४३	९५०५४०	ओमवीर सिंह	श्री विशम्बर सिंह	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५.	२०४४	९५०४७९	श्याम प्रसाद	श्री गुन्टी कृष्णा	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६.	२०४५	९५०४५३	यशदेव आर्य	श्री वंशीधर	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
७.	२०४६	९५०७१०	कु० अनीता शर्मा	श्री वेद प्रकाश शर्मा	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८.	२०४७	९५०३५६	कु० दीप शिखा रानी	श्री किरनपाल सिंह	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९.	२०४९	९५०३६०	कु० मीनाक्षी	श्री चन्द्रभान	संस्कृत-साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१०.	२०५१	९५०३५९	कु० मोनिका वर्मा	श्री सुभाष चंद्र वर्मा	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
११.	२०५२	९५०३५४	कु० पूनम	श्री हरिश्चन्द्र	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१२.	२०५३	९२०६३५	कु० पूनम	श्री महावीर नीर	संस्कृत-साहित्य	तृतीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१३.	२०५४	९५०३५५	कु० पूनम दुबे	श्री लक्ष्मीकान्त दुबे	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१४.	२०५४	९५०७१२	कु० पूनम चौहान	श्री आनन्द प्रकाश	संस्कृत-साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१५.	२०५६	९५०३५३	कु० सुमन सिंह	श्री कामता प्रसाद सिंह	संस्कृत-साहित्य	तृतीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१६.	२०५७	९५०६८५	कु० सुनीता	श्री राम गोपाल	संस्कृत-साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१७.	२०५९	९५०३५२	कु० सोनल देवा	श्री गिरीशचन्द्र कुलश्रेष्ठ	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१८.	२०६०	९५०३६१	कु० शशी मिश्रा	श्री रामनारायण मिश्र	संस्कृत-साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१९.	२०६१	९५०५८५	कु० वन्दना राठी	श्री जयपाल सिंह राठी	संस्कृत-साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

व्यक्तिगत

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
२०.	२०६२	९६०४०३	कु० बिमला देवी	श्री राम निवास	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२१.	२०६३	९४०७०५	कु० जयनिश कुमारी	श्री सूबे सिंह	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२२.	२०६४	९५०७०७	कु० लक्ष्मी	श्री राजाराम उनियाल	संस्कृत-साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२३.	२०६५	९५०४१४	कु० मधुबाला	श्री बासुदेव प्रसाद	संस्कृत-साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२४.	२०६६	९४०६६७	कु० पुष्पा शर्मा	श्री नानक शर्मा	संस्कृत-साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२५.	२०६७	९६०४०२	कु० प्रवीण	श्री इन्द्र सिंह	संस्कृत-साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
२६.	२०६८	९४०७२५	कु० सुमन लता	श्री भगवान देव आर्य	संस्कृत-साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२७.	२०६९	९५०५३२	कु० शकुन्तला	श्री श्रीचन्द	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२८.	२०७०	९४०५०४	कु० सुषमा	श्री ईश्वर सिंह	संस्कृत-साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२९.	२०७१	९४०६१५	कु० सविता तोमर	श्री अमर सिंह	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३०.	२०७३	९४०५२८	कु० संगीता रानी	श्री चतर सिंह	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३१.	२०७४	९५०५१३	धर्म सिंह	श्री राम किशन	संस्कृत-साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३२.	२०७५	९५०४६१	ज्ञानेन्द्र कुमार	श्री केशवराम परतवार	संस्कृत-साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३३.	२०७६	९३०६३३	जसवन्त सिंह	श्री रिसाल सिंह	संस्कृत-साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३४.	२०७७	९५०१९७	कीर्ति बल्लभ जोशी	श्री जगदीश चन्द्र जोशी	संस्कृत-साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३५.	२०७८	९४०४०५	महावीर प्रसाद	श्री ताराचन्द	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३६.	२०७९	९५०४११	मामचन्द शर्मा	श्री आत्माराम	संस्कृत-साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३७.	२०८०	९५०६९२	रामवीर सिंह	श्री राम सिंह	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३८.	२०८१	९५०४१५	शिव चरण	श्री ऋषिराम	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३९.	२०८२	९६०४०८	सतबीर	श्री त्रिलोकी नाथ	संस्कृत-साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४०.	२०८३	९५०४१७	सुदामा प्रसाद आर्य	श्री महात्मा शाह	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४१.	२०८४	९५०४१०	विष्णुदत्त कपिल	श्री ओमदत्त शर्मा	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४२.	२०८५	९५०४०९	वेद प्रकाश	श्री चतर सिंह	संस्कृत-साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
				दर्शन			
१.	२०८७	९५०५२३	ब्रजेश कुमार	श्री नन्द किशोर उपाध्याय	दर्शन शास्त्र	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	२०८८	९५०७४५	देवेन्द्र कुमार	श्री किशनचन्द	दर्शन शास्त्र	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३.	२०८९	९५०४५६	वरूण कुमार	श्री मूलचन्द	दर्शन शास्त्र	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४.	२०९०	९५०५०६	कु० किरण	श्री रमेश चन्द्र	दर्शन शास्त्र	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
				योग			
१.	२०९२	९४०६४१	अनूप कुमार गौड़	श्री महानन्द गौड़	योग	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	२०९३	९५०७१६	देवराज पौडेल	श्री कुण्डराज पौडेल	योग	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३.	२०९४	९५००२२	मनोज पंवार	श्री संसार सिहं पंवार	योग	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४.	२०९५	९५०४३२	प्रेमपाल सिंह चौहान	श्री महेन्द्र पाल सिंह चौहान	योग	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
				इतिहास			
१.	२०९६	९५०४९८	अवधेश कुमार पाण्डेय	श्री विश्वनाथ पाण्डेय	प्रा०भा० इतिहास	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	२०९७	९५०७१५	प्रवीण कुमार	श्री कालूराम	प्रा०भा० इतिहास	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३.	२०९८	९५०७२२	प्रताप सिंह	श्री हरिराम	प्रा०भा० इतिहास	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४.	२०९९	९५०४९९	सुरेश कुमार	श्री लल्लू सिंह	प्रा०भा० इतिहास	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५.	२१००	९५०४३१	विजय सिंह डागर	श्री मानसिंह डागर	प्रा०भा० इतिहास	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६.	२१०१	९५०५३७	कु० अनिता परमार	श्री कुलतार सिंह परमार	प्रा०भा० इतिहास	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७.	२१०२	९५०३६४	कु० बीना कुमारी	श्री बलदेव प्रसाद	प्रा०भा० इतिहास	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८.	२१०३	९५०४८९	कु० डिम्पल तनेजा	श्री मिलाप चन्द तनेजा	प्रा०भा० इतिहास	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
९.	२१०४	९५०६६२	कु० ललिता त्यागी	श्री बालेश्वर दयाल त्यागी	प्रा०भा० इतिहास	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१०.	२१०५	९५०३६२	कु० प्रीति गुप्ता	श्री वीरेन्द्र कुमार गुप्ता	प्रा०भा० इतिहास	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
११.	२१०६	९५०३६३	कु० पूनम सिंह	श्री श्रीनाथ सिंह	प्रा०भा० इतिहास	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१२.	२१०७	९४०७१५	कु० रितु भल्ला	श्री सोमप्रकाश भल्ला	प्रा०भा० इतिहास	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१३.	२१०८	९५०४८८	श्री सारिका तिवारी	श्री रामप्रकाश तिवारी	प्रा०भा० इतिहास	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
				व्यक्तिगत छात्रायें			
१४.	२१०९	९४०५८९	कु० श्रद्धा मिश्रा	श्री कृष्ण कुमार मिश्रा	प्रा०भा० इतिहास	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१५.	२११०	९३०५५५	कु० तारा थापा	श्री लाल बहादुर थापा	प्रा०भा० इतिहास	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
				व्यक्तिगत छात्र			
१६.	२१११	९५०७१४	नवीन चन्द्र	श्री कैलाश चन्द्र शर्मा	प्रा०भा० इतिहास	द्वितीय	गु०कां०वि०, हरिद्वार
				हिन्दी साहित्य			
१.	२११३	९४०७११	शाकिर हुसैन	श्री शकील अहमद	हिन्दी साहित्य	तृतीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	२११४	९५०४८७	कु० अनामिका शर्मा	श्री राम किशन शर्मा	हिन्दी साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३.	२११५	९५०४००	कु० चन्द्र रेखा	श्री सोमप्रकाश पाल	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४.	२११६	९५०३९८	कु० कुसुम लता	श्री हरीशचन्द्र	हिन्दी साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५.	२११७	९५०३९४	कु० मंजू रानी	श्री क्षेत्रपाल सिंह	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६.	२११८	९५०६८१	कु० मंजु	श्री दयाराम सिंह	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७.	२११९	९५०३९५	कु० मंजु धीमान	श्री कलीराम धीमान	हिन्दी साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
८.	२१२०	९५०३९२	कु० माला लाम्बा	श्री बृजभूषण लाम्बा	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९.	२१२१	९५०३९७	कु० प्रियंका	श्री रामबाबू सिंह	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१०.	२१२२	९५०३९६	कु० प्रीति गोयल	श्री श्रवण कुमार गोयल	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
११.	२१२३	९५०३९१	कु० सरोज कुमारी	श्री चन्द्र बल्लभ भट्ट	हिन्दी साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

व्यक्तिगत छात्र

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१२.	२१२५	९५०५८१	प्यार सिंह	श्री चमेल सिंह	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१३.	२१२७	९५०५२८	रामकृष्ण मान	श्री ज्ञानीराम मान	हिन्दी साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१४.	२१२८	९४०६६०	राजेन्द्र कुमार गौनियाल	श्री ललित किशोर गौनियाल	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१५.	२१२९	९५०५६४	रणबीर सिंह	श्री पृथ्वी सिंह	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१६.	२१३०	९५०५३३	सत्यदेव	श्री प्रताप सिंह	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१७.	२१३१	९४०५३२	सुमन कुमार झा	श्री बुद्धिनाथ झा	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१८.	२१३२	९३०६३४	सतीश कुमार	श्री शिताब सिंह	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१९.	२१३३	९५०४६०	सुशील कुमार त्यागी	श्री यशपाल सिंह त्यागी	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२०.	२१३४	९३०४३३	उमाकान्त प्रसाद	श्री शिव शंकर प्रसाद	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२१.	२१३५	९५०५६३	यशबीर सिंह	श्री श्रीराम	हिन्दी साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२२.	२१३८	९५०४५४	कु० गीता पाण्डेय	श्री लीलाधर पाण्डेय	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२३.	२१३९	९५०७४०	श्रीमती इन्दिरा देवी	श्री सभापति उपाध्याय	हिन्दी साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२४.	२१४०	९२०३१३	कु० कल्पना भटनागर	श्री राजेश्वर स्वरूप भटनागर	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२५.	२१४१	९४०५०१	कु० मीनाक्षी मेहरोत्रा	श्री राधेकृष्ण मेहरोत्रा	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२६.	२१४२	९५०६७७	नीरज	श्री भोपाल सिंह	हिन्दी साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
२७.	२१४३	९५०५३०	कु० पूनम बाजपेई	श्री रमाशंकर बाजपेई	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२८.	२१४४	९४०६२५	कु० रजनी अग्रवाल	श्री घनश्याम दास अग्रवाल	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२९.	२१४५	९५०६५६	कु० रेणु बाला	श्री प्रेम जुयाल	हिन्दी साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३०.	२१४६	९५०५२९	कु० स्वाती त्यागी	श्री वेद प्रकाश त्यागी	हिन्दी साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३१.	२१४७	९५०५२७	कु० सुरभि मित्तल	श्री सुरेन्द्र कुमार मित्तल	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

श्रेणी सुधार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
३२.	१९२३	९६०६६५	कु० राजबाला	श्री भयराम	हिन्दी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

एम0ए0 अंग्रेजी

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१.	२१५४	९५०३६५	कु० अमिता मिश्रा	श्री दुर्गेन्द्र कुमार मिश्रा	अंग्रेजी साहित्य	तृतीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	२१५७	९५०५३४	कु० हेमलता जोशी	श्री हंसराज जोशी	अंग्रेजी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३.	२१५८	९५०७३७	कु० इन्दु	श्री अमरजीत सिंह	अंग्रेजी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४.	२१६१	९५०३६७	कु० माधुरी शर्मा	श्री ब्रजभूषण शर्मा	अंग्रेजी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

व्यक्तिगत छात्र

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
५.	२१६९	९५०६८९	कु० अंजुल गुप्ता	श्री एम०पी० गुप्ता	अंग्रेजी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६.	२१७०	९१०२८२	कु० अरविन्द कौर	श्री लखबीर सिंहं	अंग्रेजी साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७.	२१७२	९२०१०१	कु० दिनेश	श्री रोशन लाल वर्मा	अंग्रेजी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८.	२१७३	९४०६४८	कु० हेमू अरोड़ा	श्री गणेशदास अरोड़ा	अंग्रेजी साहित्य	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१०.	२१८०	९५०४६३	कु० मौली एडरीना पैट्रो	श्री जे०पी० पैट्रो	अंग्रेजी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
११.	२१८१	९४०५८८	कु० निर्मला देवी	श्री छिद्धा सिंह	अंग्रेजी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१२.	२१८२	९३०५०७	कु० रजनी जोशी	श्री प्रमोद चन्द्र	अंग्रेजी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१३.	२१८५	९५०४२१	कु० सुमन	श्री देवकी प्रसाद	अंग्रेजी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१४.	२१८६	९२०४८०	कु० सुमन राजपूत	श्री बाबूराम राजपूत	अंग्रेजी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१५.	२१८७	९५०४४७	कु० सुमनलता उपाध्याय	श्री हृदयनारायण उपाध्याय	अंग्रेजी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१६.	२१८८	९४०५४१	कु० सुमन थपलियाल	श्री आनन्द मोहन थपलियाल	अंग्रेजी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१७.	२१९१	९४०४७२	रिपु सूदन राय	कु० राजमुनि राय	अंग्रेजी साहित्य	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

मनोविज्ञान

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१.	२१९३	९४०५६५	अरूण कुमार	श्री सीताराम	एम०एस-सी०,म०वि०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	२१९५	९५०७०४	कप्तान सिंह	श्री धर्म सिंह	एम०एस-सी०,म०वि०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३.	२१९६	९५०५९१	मो० मुस्तकीम	श्री मो० मशी	एम०ए०-सी०,म०वि०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४.	२१९७	९५०७०७	संजीव कुमार	श्री जगमाल सिहं	एम०ए०-सी०,म०वि०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५.	२१९९	९५०६९४	विपिन कुमार	श्री विजयपाल सिंह	एम०एस-सी०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६.	२२००	९५०३७९	कु० अलका शर्मा	श्री टेकचन्द शर्मा	एम०एस-सी०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७.	२२०१	९५०३७६	अलका कपूर	श्री कैलाश नारायण कपूर	एम०एस-सी०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८.	२२०२	९५०४९५	श्री अनुपमा सैनी	श्री गीताराम सैनी	एम०एस-सी०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९.	२२०३	९५०५६७	कु० अलका रानी चौहान	श्री बृजपाल सिंह चौहान	एम०एस-सी०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१०.	२२०४	९५०३८०	कु० आरती चौहान	श्री सुशील कुमार चौहान	एम०एस-सी०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
११.	२२०५	९५०४९७	कु० प्रज्ञा मिश्रा	श्री ओमप्रकाश मिश्रा	मनो वि० एम०ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१२.	२२०६	९४०६१४	कु० रिंकू अरोड़ा	श्री हरीचन्द्र अरोड़ा	एम०एस-सी०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१३.	२२०७	९५०४९४	कु० ऋचा गौड़	श्री राजेश कुमार गौड़	एम०एस-सी०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१४.	२२०८	९५०५६८	कु० रंजना ध्यानी	श्री कालिका प्रसाद ध्यानी	एम०एस-सी०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१५.	२२०९	९४०७२४	राजेश	श्री रामनारायण मेहता	एम०ए०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१६.	२२१०	९६०३४१	राजेश शर्मा	श्री प्रहलाद शर्मा	एम०एस-सी०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१७.	२२११	९४०५११	कु० सीमा रानी	श्री दीपक चन्द	एम०ए०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१८.	२२१२	९५०४९३	कु० संज्जू रानी	श्री तुलाराम यादव	एम०एस-सी०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१९.	२२१३	९५०३७८	कु० शोभा	श्री मोहन चन्द्र तिवारी	एम०एस-सी०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

व्यक्तिगत छात्र

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
२०.	२२१५	९५०४२६	कु० अन्जु शर्मा	श्री यशपाल शर्मा	एम०एस-सी०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२१.	२२१६	९४०६३८	कु० अजीत गुप्ता	श्री रामकुमार गुप्ता	मनो वि० एम०एस-सी०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२२.	२२१७	९५०६७६	कु० नीमा जैन	श्री नरेन्द्र कुमार जैन	मनो वि० एम०एस-सी०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२३.	२२१८	९४०४६६	कु० प्रवीन कुमारी	श्री गजे सिंह	मनो वि० एम०एस-सी०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२४.	२२१९	९५०५०५	कु० शालू वेन्द्री	श्री भगवान स्वरूप वार्ष्णेय	मनो वि० एम०एस-सी०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

(श्रेणी सुधार)

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
२५.	२२२१	९४०५४४	कु० मीनाक्षी	श्री दयानन्द शर्मा	मनो वि० एम०एस-सी०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२६.	२२२२	९३०६५१	शिवेन्द्र कुमार	श्री योगेन्द्रपाल सिंह	मनो वि० एम०एस-सी०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२७.	२२२३	९४०६३७	सुशील कुमार	श्री जसवन्त सिंह	मनो वि० एम०एस-सी०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२८.	२२२४	८८०००५	संजय बडोनी	नेत्र मणि बडोनी	एम०ए०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

बी०एस-सी० तृतीय खण्ड के उपाधि पाने वाले छात्रों की सूची

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१.	८१७	९४०१९९	अभिषेक गुप्ता	श्री अशोक कुमार गुप्ता	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	८१८	९४००८२	अभिषेक कुमार शर्मा	श्री विनोद कुमार शर्मा	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३.	८१९	९४००८३	अभिषेक पोखरियाल	श्री राम सिंह पोखरियाल	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४.	८२०	९२०००३	अमरजीत सिंह रणधावा	श्री सरदूल सिंह रणधावा	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५.	८२१	९४००८७	अमित कुमार गर्ग	श्री जितेन्द्र कुमार गर्ग	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६.	८२२	९४००८९	अमिताभ सिंघल	श्री सत्यपाल सिंघल	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७.	८२३	९४००९०	अंकुश खण्डूजा	श्री के०सी० खण्डूजा	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८.	८२४	९४००९१	अनुज शर्मा	श्री बृजभूषण शर्मा	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९.	८२५	९४००८४	अजय मलिक	श्री ब्रह्म सिह मलिक	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१०.	८२६	९४००८०	आशीष गुप्ता	श्री महेश चन्द्र गुप्ता	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
११.	८२७	९४००९२	अतुल कुमार	श्री महेन्द्र कुमार	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१२.	८२८	९४००९३	भगवती प्रसाद जोशी	श्री गोपाल दत्त जोशी	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१३.	८२९	९४००९७	दीपक शाह	श्री बी०एल० शाह	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१४.	८३०	९४००९८	धर्मपाल छाबड़ा	श्री मोहन लाल छाबड़ा	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१५.	८३१	९४००९६	दीपक बंसल	श्री रमेश चन्द बंसल	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१६.	८३२	९४००९९	दिनेश कुमार	श्री इन्द्रपाल सिंह	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१७.	८३३	९४००७०	गौरव कालरा	श्री वी०के० कालरा	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१८.	८३४	९३००८२	गिरीश कुमार माटा	श्री रामस्वरूप माटा	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१९.	८३५	९४०१०२	हरीश चन्द्र ग्रोवर	श्री जगदीश चन्द्र ग्रोवर	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
२०.	८३६	९३००४४	हर्ष मेहता	श्री रमेश चन्द्र मेहता	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२१.	८३७	९४०१०४	इन्द्रेश मिश्रा	श्री रामदेव मिश्रा	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२२.	८३८	९४०३५०	किशन चन्द	श्री रामलाल	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२३.	८३९	९४०१०७	मनीष कुमार गुप्ता	श्री नत्थी मल गुप्ता	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२४.	८४०	९३००५२	मुकेश शर्मा	श्री शम्भू नाथ शर्मा	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२५.	८४१	९४०२०१	नीरज मल्होत्रा	श्री अश्वनी कुमार मल्होत्रा	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२६.	८४२	९४०११२	नितेश कुमार जैन	श्री पवन कुमार जैन	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२७.	८४३	९४०११५	पंकज पांचाल	श्री विशम्बर सिंह	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२८.	८४४	९४०११६	प्रशान्त	श्री प्राण नाथ	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२९.	८४५	९४०११८	प्रवीण कुमार मिश्रा	श्री सत्य प्रकाश मिश्रा	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३०.	८४६	९४०११९	राहुल मेहरोत्रा	श्री सुरेश प्रकाश मेहरोत्रा	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३१.	८४७	९४०१२१	रजत गोयल	श्री नरेन्द्र कुमार अग्रवाल	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३२.	८४८	९४०१२२	राजर्षि त्रिपाठी	श्री विश्वप्रकाश त्रिपाठी	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३३.	८४९	९४०१२०	राजवीर सिंह	श्री कृष्णवीर सिंह	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३४.	८५०	९४०१२३	रविन्द्र सिंह	श्री मेजर सिंह	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३५.	८५१	९४०१२४	रितेश बिश्नोई	श्री रविन्द्र कुमार विश्नोई	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३६.	८५२	९४०१२५	सचिन अरोरा	श्री सत्यपाल अरोरा	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३७.	८५३	९४०१२७	सचिन कुलश्रेष्ठ	श्री चमन प्रकाश कुलश्रेष्ठ	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३८.	८५४	९४०१२६	सचिन कुमार मांगलिक	श्री अशोक कुमार	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३९.	८५५	९४०१२८	संदीप कुमार विश्नोई	श्री ओमवीर सिंह विश्नोई	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४०.	८५६	९४०१२९	संजीव कुमार	श्री देवदत्त शर्मा	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४१.	८५७	९४०१३०	संजीव सिंह	श्री कुलदीप सिंह	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
४२.	८५८	९४०१३२	सौरभ अरोड़ा	श्री विनोद कुमार अरोड़ा	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४३.	८५९	९४०१३४	शलभ गोयल	श्री विपिन चन्द गोयल	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४४.	८६०	९४०३५३	शशि कुमार	श्री जगपाल सिंह	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४५.	८६१	९४०१३५	शोभित शाह	श्री अर्जुन शाह	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४६.	८६२	९४०१३६	शोभित वालिया	श्री एम०पी० वालिया	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४७.	८६३	९४०१३७	सुरेश चन्द्र पाण्डेय	श्री लीलाधर पाण्डेय	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४८.	८६४	९४०१३८	वैभव अनिल कुमार	श्री अनिल कुमार गुप्ता	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४९.	८६५	९३००७४	विकास गोयल	श्री हरभगवान दास	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५०.	८६६	९४०३३५	विकास कुमार चौहान	श्री विक्रम सिंह चौहान	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५१.	८६७	९४०१३९	विनीत प्रताप सिंह	श्री सत्यपाल सिंह चौहान	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५२.	८६८	९४०१४०	विष्णु कुमार	श्री कैलाश चन्द	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५३.	८६९	९४०१४१	विवेक कुमार जैन	श्री जे०के० जैन	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५४.	८७०	९४०३५६	योगेश कुमार उनियाल	श्री उदय राम उनियाल	कम्प्यूटर, भौ०, गणित	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

दर्शन विभाग

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१.	८७१	९३००१५	अथर अब्बास	श्री कैसर अब्बास	भौतिकी, गणित, दर्शन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	८७२	९३००२२	सुनील जोशी	श्री नन्द किशोर जोशी	भौतिकी, गणित, दर्शन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

मनोविज्ञान

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१.	८७३	९३००९५	आशीष कुमार	श्री योगेशपाल सिंह	भौतिकी, गणित, मनो वि०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	८७५	९३०१०५	हेमन्त कुमार	धन प्रकाश शर्मा	भौतिकी, गणित, मनो वि०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
३.	८७६	९३०१११	जितेन्द्र कुमार	श्री धर्मवीर सिंह	भौतिकी, गणित, मनो वि०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४.	८७७	९३०११६	मनीष बिष्ट	श्री चन्द्र सिंह बिष्ट	भौतिकी, गणित, मनो वि०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५.	८७८	९१००७६	मुकेश कुमार शर्मा	श्री श्रीराम शर्मा	भौतिकी, गणित, मनो वि०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६.	८७९	९३०१२९	राजन कुमार खन्ना	श्री प्रेमचन्द खन्ना	भौतिकी, गणित, मनो वि०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७.	८८०	९३०१४१	शैलेन्द्र मलिक	श्री उपेन्द्र कुमार मलिक	भौतिकी, गणित, मनो वि०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८.	८८१	९३०१३२	समर्थ जैन	श्री सतीश कुमार जैन	भौतिकी, गणित, मनो वि०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९.	८८२	९३०१५४	विवेक कुमार कौशल	श्री यशपाल शर्मा	भौतिकी, गणित, मनो वि०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१०.	८८३	९३०१५२	विरेन्द्र कुमार शर्मा	श्री दीवानचन्द शर्मा	भौतिकी, गणित, मनो वि०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

गणित विभाग

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१.	८८४	९४०२०३	अजय त्यागी	श्री सुखबीर सिंह त्यागी	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	८८६	९४०२०४	आलोक कुमार	श्री महेन्द्र पाल	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३.	८८७	९४०२०७	अमित जोशी	श्री एस०सी० जोशी	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४.	८८८	९४०२०८	अमित कुमार तेवतिया	श्री सत्यवीर सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५.	८८९	९४०२१२	अनिल कुमार अरोड़ा	श्री देवीदास अरोड़ा	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६.	८९०	९४०२११	अनिल कुमार शर्मा	श्री महावीर प्रसाद शर्मा	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७.	८९१	९४०२१४	अनुज मलिक	श्री रामपाल सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८.	८९२	९४०२१५	अर्जुन सिंह	श्री जनेश्वर प्रसाद	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९.	८९३	९४०२१८	अर्जुन सिंह	श्री श्याम सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१०.	८९४	९४०२१६	अरूण कुमार	श्री महीपाल सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
११.	८९५	९४०२१७	आशीष जैन	श्री वीरेन्द्र कुमार जैन	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१२.	८९६	९४०२२०	आशीष पाण्डेय	श्री महेशदत्त पाण्डेय	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१३.	८९७	९४०२२२	अतिन जैतली	श्री जी०एन० जैतली	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१४.	८९८	९४०४४१	अविनाश वर्मा	श्री राजेश्वर प्रसाद वर्मा	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१५.	८९९	९४०२२४	अवतार सिंह	श्री सुखवीर सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१६.	९००	९४०२२५	भूपेन्द्र सिंह	श्री रणजीत सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१७.	९०१	९४०२०६	वृजेश कुमार	श्री वेदपाल सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१८.	९०२	९४०२२७	चन्द्र शेखर वर्मा	श्री टीकम सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१९.	९०३	९४०२२९	दीपक कुमार	श्री महीपाल सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२०.	९०४	९४०२३१	दीप्तिमान अग्निहोत्री	श्री बृजकिशोर अग्निहोत्री	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२१.	९०५	९४०२३२	देवेन्द्र कुमार	श्री राजपाल शर्मा	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२२.	९०६	९४०२३४	धनंजय कुमार साहू	श्री शिवानन्द साहू	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२३.	९०७	९४०२३७	दिनेश कुकरेती	श्री केशवानन्द कुकरेती	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२४.	९०८	९४०२३५	दिनेश कुमार आहूजा	श्री रामलाल आहूजा	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२५.	९०९	९४०२३६	दिनेश कुमार सैनी	श्री सुरेन्द्र कुमार सैनी	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२६.	९१०	९४०२३८	दिनेश शर्मा	श्री केवल कृष्ण शर्मा	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२७.	९११	९४०२३९	दुष्यन्त प्रताप सिंह	श्री कमलेश कुमार चौहान	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२८.	९१२	९४०२४०	इमेश अरोड़ा	श्री राजेन्द्र कुमार अरोड़ा	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२९.	९१३	९४०२४८	इतेन्द्र कुमार	श्री सागर सिंह चौहान	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३०.	९१४	९४०२४२	गिरीश शर्मा	श्री जे०पी० शर्मा	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३१.	९१५	९४०२४३	गुलशेर	श्री मंगता	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३२.	९१६	९४०२४४	गुरप्रीत सिंह	श्री बलवीर सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३३.	९१७	९४०२४५	हर्षेन्द्र सिंह छावड़ा	श्री भूपाल सिंह छावड़ा	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
३४.	९१८	९४०२४६	हिमांशु गुप्ता	श्री दर्शन गोपाल गुप्ता	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३५.	९२०	९४०२५४	जितेन्द्र सिंह पुण्डीर	श्री राजेन्द्र सिंह पुण्डीर	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३६.	९२२	९४०२५६	कमल कुमार	श्री सूर्य प्रसाद	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३७.	९२३	९४०२५८	कपिल अग्रवाल	श्री सुभाष चन्द्र अग्रवाल	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३८.	९२४	९४०२६०	कुलदीप सिंह	श्री कुन्दन सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३९.	९२५	९४०२६४	मनीष वर्मा	श्री चन्द्र गोपाल वर्मा	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४०.	९२६	९४०२६८	मनोज कुमार	श्री सुरेन्द्र कुमार	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४१.	९२७	९४०२६५	मनोज कुमार गुप्ता	श्री भगरासन प्रसाद गुप्ता	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४२.	९२८	९४०२६६	मनोज कुमार सिंह	श्री कपिल देव सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४३.	९२९	९४०२६९	मनोज पयाल	श्री बी०एस० पयाल	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४४.	९३०	९४०२६२	मनवीर सिंह बिष्ट	श्री तेजपाल सिंह बिष्ट	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४५.	९३१	९४०२७०	मुकुल कुमार रस्तोगी	श्री रामअवतार रस्तोगी	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४६.	९३२	९४०२७२	मुरली मनोहर कण्डवाल	श्री लीला नन्द कण्डवाल	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४७.	९३३	९४०२७३	नवीन	श्री राधेश्याम	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४८.	९३४	९४०२७५	नीरज चुग	श्री ऋषि कुमार चुग	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४९.	९३५	९२०२२४	नीरज कुमार शर्मा	श्री हुलाश चन्द्र	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५०.	९३६	९४०२७६	नीरज कुमार सिंघल	श्री अमरीश कुमार सिंघल	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५१.	९३७	९४०२७७	नीरज पांचाल	श्री विशम्बर सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५२.	९३८	९४०२८०	पंकज चौहान	श्री जगदीश सिंह चौहान	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५३.	९३९	९४०२८१	पंकज कुमार	श्री कृष्ण कुमार	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५४.	९४०	९४०२८२	पंकज कुमार	श्री सन्त कुमार	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५५.	९४१	९४०२८३	पंकज कुमार चौहान	श्री धूम सिंह चौहान	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
५६.	९४२	९४०२८४	परमिन्दर सिंह गिल	श्री प्रीतम सिंह गिल	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५७.	९४३	९४०२८७	प्रभात श्रीवास्तव	श्री रमा शंकर श्रीवास्तव	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५८.	९४४	९४०२९०	प्रवीण कुमार	श्री जय प्रकाश	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५९.	९४५	९४०२९१	प्रवीण कुमार	श्री ओमपाल सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६०.	९४६	९४०२८९	प्रवीण कुमार चौहान	श्री ईसम सिंह चौहान	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६१.	९४७	९४०२९३	प्रियंक कुमार	श्री रमेश चन्द्र	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६२.	९४८	९४०२९४	राहुल रावत	श्री सहदेव सिंह रावत	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६३.	९४९	९४०२९५	राजन भार्गव	श्री त्रिभुवन नाथ भार्गव	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६४.	९५०	९२०२४३	राजीव कुमार	श्री जगदीश चन्द्र	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६५.	९५१	९४०२९९	राजीव सचदेवा	श्री घनश्याम लाल सचदेवा	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६६.	९५२	९४०२९८	राजीव सिंह तोमर	श्री सुरेन्द्र सिंह तोमर	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६७.	९५३	९४०३००	राजेश ध्यानी	श्री कालिका प्रसाद ध्यानी	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६८.	९५४	९४०३०१	राजेश कुमार चौहान	श्री राजकुमार	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६९.	९५५	९४०३०३	राकेश कुमार आर्य	श्री यशपाल आर्य	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७०.	९५६	९४०३०४	रमाशंकर	श्री भगवती प्रसाद	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७१.	९५७	९४०३०५	रमेश कुमार	विशम्बर सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७२.	९५८	९३०२२९	रामजीत	श्री मलराम	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७३.	९५९	९४०३०७	सचिन गुसांई	श्री किशन सिंह गुसांई	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७४.	९६०	९३०२३६	संदीप कुमार	श्री महेन्द्र कुमार मित्तल	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७५.	९६१	९४०३०९	संदीप कुमार	श्री प्रभु सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	तृतीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७६.	९६२	९४०३१०	संदीप नेगी	श्री गोविन्द सिंह नेगी	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७७.	९६३	९४०३११	संजय कुमार गिरी	श्री जयपाल गिरी	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु0	पंजी0 सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
७८.	९६४	९४०३१२	संजीव आर्य	श्री बिजेन्द्र कुमार	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७९.	९६५	९४०३१५	सतीश सिंह	श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८०.	९६६	९४०३१६	सौरभ भटनागर	श्री सुरेश कुमार भटनागर	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८१.	९६७	९४०३१८	शैलेन्द्र	श्री बी०एस० ठाकुर	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८२.	९६८	९४०३१९	शशिकान्त	श्री जनेश्वर पाल	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८३.	९६९	९४०३२०	सिद्धार्थ	श्री शक्ति सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८४.	९७०	९४०३२१	सिद्धार्थ चौहान	श्री सुखपाल सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८५.	९७१	९४०३२२	सिद्धार्थ शर्मा	श्री कालीचरण शर्मा	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८६.	९७२	९४०३२४	सुजय भट्टाचार्य	श्री सौरिन्द्रदेव भट्टाचार्य	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८७.	९७३	९२०२७९	सुनील कुमार श्रीवास्तव	श्री वीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८८.	९७४	९४०३२५	सुरेश कुमार	श्री दीवान चन्द वर्मा	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८९.	९७५	९४०३२६	तबरेज अहमद	श्री इसरार अहमद	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९०.	९७६	९४०३२७	तनुज कुमार	श्री सुभाष चन्द चौहान	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९१.	९७७	९३०२५२	तरूण कुश	श्री जगमोहन शर्मा	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९२.	९७८	९४०३२९	उत्तमचन्द शर्मा	श्री पुरूषोत्तमदास शर्मा	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९३.	९७९	९४०३३१	विजय कुमार	श्री अनूप सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९४.	९८०	९४०३३३	विजेन्द्र	श्री सुरेन्द्र सिंह पयाल	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९५.	९८२	९४०३३५	बिजेन्द्र सेमवाल	श्री जानकी प्रसाद सेमवाल	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९६.	९८३	९४०३३२	विजयेन्द्र थपलियाल	श्री प्रताप सिंह थपलियाल	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९७.	९८४	९४०४४०	विकास गहलौत	श्री हरज्ञान सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९८.	९८५	९४०३३७	विकास शर्मा	श्री दयानन्द शर्मा	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९९.	९८६	९४०३४१	विनीत विरमानी	श्री श्याम सुन्दर विरमानी	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र, छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१००.	९८७	९४०३४२	विरल प्रताप	श्री नरेश चन्द	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१०१.	९८८	९४०३४४	विश्वजीत	श्री महेन्द्र सिंह	भौतिकी, गणित, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१०२.	९८९	९४०३४५	विवेक भाटिया	श्री बलदेव राज भाटिया	भौतिकी, गणित, रसायन	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

जीव-विज्ञान विभाग

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र, छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१.	९९०	९४०१४७	अरविन्द कुमार	श्री ओमपाल	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	९९१	९३०३८२	आशुतोष मिश्र	श्री रामाश्रय मिश्र	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३.	९९२	९४०१४८	आदेश कुमार सैनी	श्री आर०के० सैनी	रसायन, वनस्पति, जु०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४.	९९३	९४०१४३	अश्वनी कुमार	श्री सबल सिंह	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५.	९९४	९२०१०७	अमित अग्रवाल	श्री सत्य प्रकाश अग्रवाल	रसायन, वनस्पति, जु०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६.	९९५	९४०१५४	धर्मवीर सिंह	श्री लखपत सिंह चौहान	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७.	९९६	९४०१५३	दिनेश कुमार	श्री प्रीतम लाल	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८.	९९७	९४०१५२	धन्नजय वर्मा	श्री जितेन्द्र कुमार वर्मा	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९.	९९८	९४०१५१	दुर्गेश चन्द्र जोशी	श्री सुरेशचन्द्र जोशी	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१०.	९९९	९४०१५०	डार्लिंग त्यागी	श्री चन्द्र प्रकाश त्यागी	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
११.	१०००	९४०१५५	फिरोज हैदर	श्री जरगाम हैदर	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१२.	१००१	९४०१७३	जय कृष्ण	श्री रामचन्द्र गौड़	रसायन, वनस्पति, जु०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१३.	१००२	९४०१५९	जितेन्द्र कुमार	श्री पुरुषोत्तम देव पाण्डेय	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१४.	१००३	९४०१६०	जगमोहन सिंह	श्री कमल सिंह	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१५.	१००४	९४०१६१	कृष्णपाल सिंह	श्री रणजीत सिंह	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१६.	१००५	९४०१६३	कमल सिंह नेगी	श्री राजेन्द्र सिंह नेगी	रसायन, वनस्पति, जु०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१७.	१००६	९४०१६४	कमलकान्त जोशी	श्री भवानी दत्त जोशी	रसायन, वनस्पति, जु०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१८.	१००७	९४०१६६	लक्ष्मीकान्त	श्री बाबूराम	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१९.	१००८	९४०१७२	मुनीष भनोट	श्री सतपाल भनोट	रसायन, वनस्पति, जु०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२०.	१००९	९४०१६८	मनोज कुमार	श्री देवीदत्त उप्रेती	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२१.	१०१०	९२००४७	मनोज कुमार चौहान	श्री नरेन्द्र सिंह चौहान	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२२.	१०११	९४०१७४	मोहम्मद हारून	श्री मसूद अहमद	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२३.	१०१२	९४०१६९	मनीष श्रीवास्तव	श्री मुकुन्दी लाल श्रीवास्तव	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२४.	१०१३	९३०३१८	नीरज माटा	श्री भगवानदास माटा	रसायन, वनस्पति, जु०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२५.	१०१४	९४०१७७	नीरज कुलश्रेष्ठ	श्री रविन्द्र प्रकाश कुलश्रेष्ठ	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२६.	१०१५	९४०१७९	राहुल कुमार सिंह	श्री सिद्धनाथ सिंह	रसायन, वनस्पति, जु०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२७.	१०१६	९४०१७१	रंजन पालीवाल	शिव कुमार पालीवाल	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२८.	१०१७	९४०१८०	रविन्द्र पयाल	श्री सुरेन्द्र सिंह पयाल	रसायन, वनस्पति, जु०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२९.	१०१८	९४०१८८	सतीश कुमार त्यागी	श्री हरिचन्द त्यागी	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३०.	१०१९	९४०१८९	सिजू सी चाको	श्री एम०एम० चाको	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३१.	१०२०	९४०१८४	सुबोध कुमार सिंह	श्री रामअवतार सिंह	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३२.	१०२१	९४०१८३	सुभाष चन्दपाल	श्री दिलाराम पाल	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३३.	१०२२	९४०१९०	सम्राट सिंह	श्री महेन्द्र सिंह	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३४.	१०२३	९४०१७८	प्रवीण कुमार शर्मा	श्री धर्मवीर शर्मा	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३५.	१०२४	९४०१९३	उपेन्द्र कुमार	श्री घसीटा सिंह	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३६.	१०२६	९४०४२९	विनोद प्रताप सिंह	श्री विक्रम	रसायन, वनस्पति, जु०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३७.	१०२७	९४०१९५	विशाल कुमार शर्मा	श्री राज किशोर शर्मा	रसायन, वनस्पति, जु०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३८.	१०२८	९४०१९६	विशाल उपाध्याय	श्री विजय कुमार उपाध्याय	रसायन, वनस्पति, जु०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
३९.	१०२९	९४०१९८	योगेश डंगवाल	गजेन्द्र दत्त डंगवाल	रसायन, वनस्पति, जु०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

मनोविज्ञान विभाग

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१.	१०३०	९३०२६७	अविरत वर्मा	श्री ए०एस० वर्मा	जुलोजी, वनस्पति, मनोविज्ञान	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

औद्योगिक माइक्रो बॉयलोजी

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१.	१०३२	९४०४२४	अजीत कुमार वर्मा	रामेश्वर सिंह वर्मा	इन्डस्ट्रीयल माइक्रो, बनस्पति, रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	१०३३	९४०३४८	कंचन कुमार	श्री बिमल सिंह	,,	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३.	१०३४	९४०३४७	सन्दीप कुमार राघव	श्री विजेन्द्र सिंह राघव	,,	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४.	१०३५	९४०३४६	सुमीत मल्होत्रा	श्री रमेश कुमार मल्होत्रा	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५.	१०३६	९४०४२१	विशाल कुमार देशवाल	श्री महक सिंह	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६.	१०३७	९४०४२६	विवेक सक्सेना	श्री बैदेही शरण सक्सेना	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७.	१०३८	९४०४२७	अमित कुमार तुम्बड़िया	श्री महेश कुमार तुम्बड़िया	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८.	१०३९	९३००३६	आशीष आनन्द	श्री सुरेशचन्द्र गुप्ता	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९.	१०४०	९४०४१८	चन्द्रशेखर	श्री चांद सिंह	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१०.	१०४१	९४०४२३	प्रोमेन शर्मा	श्री एस०के० शर्मा	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
११.	१०४२	९४०४२०	प्रमोद कुमार मोतियान	श्री बलवीर सिंह	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१२.	१०४३	९४०४२२	सचिन कुमार	श्री ईश्वर राम	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१३.	१०४४	९४०४२५	सचिन विश्नोई	श्री वी०के० विश्नोई	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१४.	१०४५	९४०४१९	विकास चतुर्वेदी	श्री विश्वनाथ चतुर्वेदी	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

एम०एस-सी० द्वितीय खण्ड के उपाधि पाने वाले छात्रों की सूची

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१.	१४११	९५०६५५	आदेश कुमार	श्री सुमेर सिंह	एम०एस-सी० गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	१४१२	९२०१४७	अजय कुमार कुन्तेल	श्री लीलाधर सिंह	एम०एस-सी० गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३.	१४१३	९५०५४४	अमरजीत	श्री स्वामी नाथ सिंह	एम०एस-सी० गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४.	१४१४	९५०५४५	जगदीश चन्द्र पाण्डेय	श्री अम्बादत्त पाण्डेय	एम०एस-सी० गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५.	१४१५	९५०५१२	राजीव शर्मा	श्री चन्दू लाल शर्मा	एम०एस-सी० गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६.	१४१६	९२०२३०	पंकज कुमार	श्री रमेशचन्द्र	एम०एस-सी० गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७.	१४१७	९५०३८६	कु० प्रतिभा ठाकुर	श्री महीपाल सिंह	एम०एस-सी० गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८.	१४१८	९५०५६६	कु० मोहिनी पुण्डीर	श्री रघुराज सिंह	एम०एस-सी० गणित	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९.	१४२०	९५०४९२	कु० पूनम मिश्रा	श्री पुष्कर मिश्रा	एम०एस-सी० गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१०.	१४२१	९५०६७९	कु० वीनू चौहान	श्री ऋषिपाल सिंह	एम०एस-सी० गणित	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
११.	१४२२	९५०५८२	कु० विशाखा मेहता	श्री अशोक कुमार मेहता	एम०एस-सी० गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१२.	१४२३	९५०३८४	कु० अन्शु गुप्ता	श्री ब्रजपाल गुप्ता	एम०एस-सी० गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१३.	१४२४	९५०३८१	कु० नीतू वर्मा	श्री प्रेमचन्द वर्मा	एम०एस-सी० गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१४.	१४२५	९५०३८३	कु० रीता त्यागी	श्री ईश्वर दयाल त्यागी	एम०एस-सी० गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१५.	१४२६	९५०३८२	कु० शालिनी शर्मा	श्री ओमप्रकाश शर्मा	एम०एस-सी० गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१६.	१४२७	९५०६६०	कु० गीता काम्बोज	श्री बलवीर सिंह काम्बोज	एम०एस-सी० गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१७.	१४२८	९५०३८८	कु० नीतू काकरान	श्री राजपाल सिंह	एम०एस-सी० गणित	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१८.	१४२९	९५०३८७	कु० हरिन्दर कौर चावला	श्री एम०एम० सिंह चावला	एम०एस-सी० गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
				व्यक्तिगत छात्र			
१९.	१४३०	९०००३१	संजय शर्मा	श्री निरंजन प्रसाद शर्मा	एम०एस-सी० गणित	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
				व्यक्तिगत छात्रायें			
२०.	१४३२	९५०४४५	श्रीमती नीरू सेठ	श्री फकीरचन्द गुलाटी	एम०एस-सी० गणित	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२१.	१४३३	९४०७०७	कु० रीनाक्षी	श्री एम०एल० बडोला	एम०एस-सी० गणित	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
				एम०एस-सी० रसायन शास्त्र			
१.	१४९१	९२०१८२	दुष्यन्त कुमार	श्री रुद्रमणि	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	१४९२	९२०१८६	गोविन्द सिंह रावत	श्री हीरा सिंह रावत	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३.	१४९३	९५०३१०	हेमन्त बतरा	श्री दर्शन लाल बतरा	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४.	१४९४	९२००४५	कमल किशोर	श्री जनेश्वर प्रसाद सिंघल	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५.	१४९५	९५०३१२	पुषम कुमार	श्री मेहर सिंह	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६.	१४९६	९५०३१३	राकेश कुमार	श्री सूरज सिंह	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७.	१४९७	९५०३०८	संदीप कुमार गुप्ता	श्री एम०एल० गुप्ता	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८.	१४९८	९२०२८२	सुनील नेगी	श्री विजय सिंह	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९.	१४९९	९५०३०९	विपुल भारद्वाज	श्री आर०डी० भारद्वाज	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१०.	१५००	९५०३१५	योगेन्द्र सिंह	श्री जगपाल सिंह	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
११.	१५०१	९५०५१०	राघवेन्द्र प्रताप सिंह	श्री कमलेश कुमार चौहान	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१२.	१५०२	९५०५०९	पंकज कुमार	श्री राजेन्द्र सिंह	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१३.	१५०३	९२००६१	शशांक पालीवाल	श्री शिव कुमार पालीवाल	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१४.	१५०४	९१०१५३	संजीव कुमार शाही	श्री श्याम विजय शाही	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१५.	१५०५	९२००७०	सन्दीप कुमार	श्री चन्द्र गोपाल वर्मा	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१६.	१५०६	९२०२८१	सुधीर कुमार	श्री भूपाल सिंह	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१७.	१५०७	९२०२०८	मनोज शर्मा	श्री के०सी० शर्मा	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१८.	१५०८	९५०३११	निशान्त मल्होत्रा	श्री अशोक मल्होत्रा	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१९.	१५०९	९५०५१५	इला शर्मा	श्री विवेकानन्द	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२०.	१५१०	९५०३३७	मनमीत कौर	श्री हरजीत सिंह	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२१.	१५११	९५०३३९	नीनू शर्मा	श्री आर.पी. शर्मा	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२२.	१५१२	९५०३४२	शालिनी कुलश्रेष्ठ	श्री चन्द्र प्रताप सिंह	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२३.	१५१३	९५०३४५	निहारिका त्यागी	श्री एस० सी० त्यागी	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२४.	१५१४	९५०३४४	एकता आहूजा	श्री रामप्रकाश आहूजा	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२५.	१५१५	९५०३५६	नीतू पंवार	श्री राजपाल सिंह पंवार	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२६.	१५१६	९५०३४३	पूजा लाटा	श्री जी०डी० लाटा	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२७.	१५१७	९५०३४०	वन्दना रोहेला	श्री राजेन्द्र कुमार	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२८.	१५१८	९५०५१४	शिवानी पुरी	श्री आर०सी० पुरी	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२९.	१५२०	९५०३४७	अंकिता त्यागी	श्री सुखचन्द त्यागी	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३०.	१५२१	९५०३४१	डिम्पल	श्री रामानन्द	एम०एस-सी० रसायन	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

एम०एस०सी० भौतिकी

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१.	१४५०	९२०३४७	अमित माथुर	श्री विपिन बिहारी माथुर	एम०एस-सी० भौतिकी	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	१४५१	९२०१५७	अनिल अवस्थी	बी०पी० अवस्थी	एम०एस-सी० भौतिकी	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

२. १४५१ ९२०१५७ अनिल अवस्थी बी०पी० अवस्थी एम०एस-सी० भौतिकी प्रथम गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
३.	१४५२	९५०५११	राजेश कुमार	श्री जयराम	एम०एस-सी० भौतिकी	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४.	१४५३	९२०२६५	संजीव कुमार	श्री ब्रिजेश कुमार शर्मा	एम०एस-सी० भौतिकी	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५.	१४५४	९२०२६७	सतीश कुमार कश्यप	श्री श्याम सिंह	एम०एस-सी० भौतिकी	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६.	१४५५	९२०६३४	सुभाष चन्द्र	श्री रामस्वरूप शर्मा	एम०एस-सी० भौतिकी	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७.	१४५६	९२०३९६	सुबोध कुमार	श्री रमेश चन्द्र	एम०एस-सी० भौतिकी	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८.	१४५७	९२०३९७	सुरेन्द्र सिंह चौहान	श्री के०एस० चौहान	एम०एस-सी० भौतिकी	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९.	१४५८	९५०४८०	विनोद कुमार	श्री शम्भू सिह	एम०एस-सी० भौतिकी	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१०.	१४५९	९२०४१७	योगेश कुमार खण्डूजा	श्री राम गोपाल	एम०एस-सी० भौतिकी	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
११.	१४६०	९६०६६९	धर्मदेव शर्मा	श्री कमलदत्त शर्मा	एम०एस-सी० भौतिकी	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१२.	१४६१	९००१३९	हरेन्द्रनाथ यादव	श्री पी०डी० यादव	एम०एस-सी० भौतिकी	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

एम०एस-सी० द्वितीय खण्ड माईक्रो बायोलोजी

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१.	१५९५	९२००२६	अश्वनी चौहान	श्री सत्यपाल सिंह चौहान	एम०एस-सी० माईक्रो-बायोलोजी	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	१५९७	९१०१८९	अमित कुमार सैनी	श्री सतीश चन्द	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३.	१५९८	९२००३५	दर्पण शर्मा	श्री शिवनारायण शर्मा	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४.	१५९९	९२००३७	धर्मदेव भारद्वाज	श्री राजाराम भारद्वाज	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५.	१६००	९२००४०	गगन दीप क्वात्रा	श्री हरीश कुमार क्वात्रा	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६.	१६०२	९२००२०	नितिन	श्री मूलचन्द गुप्ता	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७.	१६०३	९२००६७	पुष्पेन्द्र कुमार	श्री राजेन्द्र कुमार	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८.	१६०४	९५०३४९	रविन्द्र कान्त	श्री धूम सिंह	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
९.	१६०५	९५०३१९	रजनीश कुमार त्यागी	श्री आर०सी० त्यागी	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१०.	१६०६	९२००६९	संजीव कुमार	श्री रमेश लाल चुग	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
११.	१६०७	९२००७५	सुभाष चन्द	श्री हरमल सिंह	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१२.	१६०८	९२००५४	सुनील चतुर्वेदी	श्री हीरालाल चतुर्वेदी	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१३.	१६०९	९५०५०१	श्रेणिक कुमार जैन	श्री अमोलक चन्द जैन	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१४.	१६१०	९५०३१८	सुबोध त्यागी	श्री विजय सिंह त्यागी	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१५.	१६११	९५०४०५	उनेन्द्र कुमार	श्री राज कुमार	,,	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१६.	१६१२	९५०३३३	कु० रेनू गुप्ता	श्री ज्ञानचन्द गुप्ता	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१७.	१६१३	९५०३३४	कु० संगीता सैनी	श्री तेजपाल सिंह सैनी	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१८.	१६१४	९५०५१९	कु० पूनम गुप्ता	श्री दयाचन्द गुप्ता	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१९.	१६१५	९५०५१८	कु० अनामिका शर्मा	श्री राम शर्मा	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२०.	१६१६	९५०५८३	कु० नीलम	श्री वी०सी० वैश्य	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२१.	१६१७	९५०३३१	कु० शालिनी शर्मा	श्री वी०के० शर्मा	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२२.	१६१८	९५०५८४	कु० दीपिका यादव	श्री के०पी० सिंह यादव	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२३.	१६१९	९५०३३६	कु० सोनल गुप्ता	श्री जय प्रकाश गुप्ता	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२४.	१६२०	९५०५१६	कु० पारूल तोमर	श्री राजेन्द्रपाल सिंह	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२५.	१६२१	९५०३३२	पंकज पाठक	श्री मुनेश चन्द्र पाठक	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२६.	१६२२	९५०५१७	कु० अनिता विश्नोई	श्री पी०के० विश्नोई	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२७.	१६२३	९५०५२०	सीमा चौधरी	श्री बृजपाल सिंह	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२८.	१६२४	९५०३३०	राजेन्द्र जीत	श्री सुरेन्द्र सिंह	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२९.	१६२५	९५०३३५	शालिनी भाटिया	श्री गीता प्रकाश भाटिया	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३०.	१५९६	९५०३४८	आकाश कुमार गोयल	श्री अशोक कुमार गोयल	,,	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
३१.	१६०१	९२००४१	हिमांशु वशिष्ठ	श्री कृष्ण	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३२.	१८८४	९१०१८१	अजय कुमार	श्री ब्रह्मदत्त	,,	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

एम०एस-सी० द्वितीय खण्ड पर्यावरण

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१.	१५४३	९२००२३	अजय कुमार चौहान	श्री हरपाल सिंह चौहान	एम०एस-सी० पर्यावरण विज्ञान	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	१५४४	९१०१९४	अजीत सिंह	श्री श्याम सिंह	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३.	१५४५	९२००३६	धीरज कुमार शर्मा	श्री रमाकान्त शर्मा	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४.	१५४६	९२००३४	धीरज सिंह राणा	श्री गुलाब सिंह राणा	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५.	१५४७	९१०२३१	देवेन्द्र कुमार शर्मा	श्री भोजराज शर्मा	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६.	१५४८	९५०३०६	प्रियांक	श्री वेदप्रकाश	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७.	१५४९	९२०१२२	रोमेश कुमार शर्मा	श्री राम प्रताप शर्मा	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८.	१५५०	९५०३०७	राजेन्द्र शर्मा	श्री चमन लाल शर्मा	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९.	१५५१	९२००५६	संजीव कुमार शर्मा	श्री पवन कुमार शर्मा	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१०.	१५५२	९५०६५१	सुन्दर सिंह	श्री जालम सिंह तोमर	,,	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
११.	१५५३	९२००५३	सुधीर कुमार	श्री रतीराम	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१२.	१५५४	९२००७४	सुधीर कुमार	श्री हरपाल सिंह	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१३.	१५५५	९१०२४६	सुनील कुमार शर्मा	श्री निरंजन शर्मा	,,	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१४.	१५५६	९५०३२९	कु० धर्मलता	श्री उदयराज सिंह	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१५.	१५५७	९५०३२५	कु० निधि सक्सेना	श्री शरद कुमार	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१६.	१५५८	९५०३२३	कु० पल्लवी रानी भारती	श्री जगदेव सिंह रावत	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१७.	१५५९	९५०३२२	कु० अंकिता रस्तौगी	श्री अनिल कुमार रस्तौगी	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१८.	१५६०	९५०३२४	कु० नीलम शर्मा	श्री शरद चन्द्र शर्मा	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१९.	१५६१	९५०३२८	कु० अलका शर्मा	श्री भूदत्त शर्मा	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२०.	१५६२	९५०३२७	कु० बरखा	श्री योगेन्द्र अग्रवाल	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२१.	१५६३	९५०५३६	कु० पूनम अरोरा	श्री एम० सी० अरोरा	,,	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२२.	१५६४	९५०३२६	कु० संगीता अरोरा	श्री उदयभान अरोरा	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२३.	१५६५	९५०५२१	कु० लरिशा त्यागी	श्री के०वी०एस० त्यागी	,,	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१.	२३६१	९४०६८१	कु० तरूणा वोहरा	श्री रणवीर चन्द्र वोहरा	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२.	२३६२	९४०५१६	कु० प्रीति श्रीवास्तव	श्री प्रतापभान श्रीवास्तव	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३.	२३६३	९४०७६०	कु० पारूल गुप्ता	श्री सन्तोष कुमार गुप्ता	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४.	२३६४	९४०४१२	कु० श्रद्धा गुप्ता	श्री सर्वेश गुप्ता	एम०सी-ए०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५.	२३९६	९४०५११	कु० अंजली गुप्ता	श्री रमेशचन्द गुप्ता	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
६.	२३९७	९४०४१६	कु० अनुपम भूटानी	श्री एम०एल० भूटानी	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
७.	२३९८	९४०६५८	कु० अनामिका गौतम	श्री राम कुमार शर्मा	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
८.	२३९९	९४०४११	कु० जया अरोरा	श्री राधेश्याम अरोरा	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
९.	२४००	९४०४१४	कु० निष्मा जैन	श्री सतीश चन्द जैन	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१०.	२४०१	९४०५४६	कु० निष्ठा	श्री पी०सी० अग्रवाल	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
११.	२४०२	९४०४१३	कु० रूचि शर्मा	श्री शिव कुमार शर्मा	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१२.	२४०३	९४०५४७	कु० राधिका गोयल	श्री शिव कुमार गोयल	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१३.	२४०४	९४०६५९	कु० सोनिया खुराना	श्री जी०डी० खुराना	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१४.	२४०५	९४०५४५	कु० शिल्पा गर्ग	श्री सुरेश चन्द गर्ग	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१५.	२४०६	९४०४१०	कु० श्रद्धा आर्य	श्री राम प्रसाद	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१६.	२४०९	९४०५१५	कु० शालिमा आहुजा	श्री किशोरी लाल आहुजा	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१७.	२४१०	९४०४१५	कु० श्वेता जैन	श्री चन्द जैन	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१८.	२६५०	९३०५९२	मनीषा विश्नोई	श्री महेन्द्र सिंह विश्नोई	एम०सी-ए०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
१९.	२३६५	९१०१३२	अंकुश कुमार गुप्ता	श्री इन्द्र सेन गुप्ता	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२०.	२३६६	९४०४५३	अनुज कुमार	श्री सूरज प्रकाश वैश्य	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२१.	२३६७	९४०४५१	अनुज निझावन	श्री सुशील कुमार निझावन	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२२.	२३६८	९४०४५०	आशीष कुमार माथुर	श्री शिवचन्द्र माथुर	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२३.	२३६९	९४०४५४	अतुल जैन	श्री रमेश चन्द जैन	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२४.	२३७०	९४०४४८	भूपेन्द्र सिंह चौहान	श्री बृजपाल सिंह	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२५.	२३७१	९४०४४७	चन्दन सिंह	श्री अरूण कुमार सिंह	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२६.	२३७२	९४०४४५	दीपक कुमार	श्री महेश चन्द्र गुप्ता	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२७.	२३७३	९४०४४६	ज्ञान प्रकाश गुप्ता	श्री गुलाब चन्द गुप्ता	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२८.	२३७४	९४०४४४	कपिल गर्ग	श्री नरेश गर्ग	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
२९.	२३७५	९४०४७५	मगन पाल सिंह	श्री ओमप्रकाश	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३०.	२३७६	९४०४५६	मन्दीप मेहता	श्री भूपेन्द्र कुमार मेहता	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३१.	२३७७	९४०४५५	मंदीप सिंह सांगा	श्री जसमिन्दर सिंह	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३२.	२३७८	९४०४७८	मुनीष शर्मा	श्री के०एन० शर्मा	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३३.	२३७९	९४०४५७	पंकज गोयल	श्री राजकुमार गोयल	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
३४.	२३८०	९४०४५८	पंकज सेठी	श्री गोपीचन्द सेठी	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३५.	२३८१	९४०४९२	पियूष मित्तल	श्री प्रमोद कुमार मित्तल	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३६.	२३८२	९४०४५९	प्रवीण कुमार अरोड़ा	श्री जगन्नाथ अरोरा	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३७.	२३८४	९४०४४४	सन्दीप कुमार	श्री जुगमिन्दर दास	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३८.	२३८५	९१०२०४	शैलेन्द्र जोशी	श्री रमेशचन्द्र शर्मा	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
३९.	२३८६	९४०४६४	शरद गुप्ता	श्री वी०के० गुप्ता	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४०.	२३८७	९४०४६५	सुधांशु गोयल	श्री सतीश चन्द्र गोयल	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४१.	२३८८	९४०४७७	सुरेश जग्गी	श्री ओमप्रकाश जग्गी	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४२.	२३८९	९४०४२३	वीरसेन दीक्षित	श्री त्रिभुवन दीक्षित	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४३.	२६८७	९१०२१३	विमलेश कुमार देव पाण्डेय	श्री भगवान देव पाण्डेय	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४४.	२३९१	९४०४६०	विपिन कुमार	श्री जयभगवान गुप्ता	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४५.	२३९२	९४०४६३	विपुल जैन	श्री सत्येन्द्र कुमार जैन	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४६.	२३९३	९१०२६४	विशाल गुप्ता	श्री युद्धवीर आर्य	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४७.	२३९४	९४०४६२	विनित गुलाटी	श्री आर०सी० गुलाटी	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४८.	२८०९	९३०४४४	सन्दीप बधानी	श्री गिरिराज बधानी	एम०सी-ए०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
४९.	२४०७	९४०४५२	अनूप कुमार रावत	श्री दरवान सिंह रावत	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५०.	२४०८	९४०४४९	अरशी कमाल फारूकी	श्री मुबीन-उल-हक फारूकी	एम०सी-ए०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार
५१.	२७४१	९३०५७४	नवीन कुमार सिंह	श्री विशम्भर सिंह	एम०सी-ए०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार

पी०एम०आई०आर० के छात्रों की सूची

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
१.	१६५८	९१०२१९	अनुज कुमार गुप्ता	श्री ओम प्रकाश गुप्ता	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
२.	१६५९	९५०४६८	अजय सिंह चौहान	श्री हरिराज सिंह चौहान	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
३.	१६६०	९५०४७२	अजय सिंह	श्री डालचन्द सिंह	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
४.	१६६१	९२०१५८	अनिल चन्द्र शर्मा	श्री गोविन्द प्रसाद	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
५.	१६६२	९५०४७८	अजय कुमार सिंह	श्री लक्ष्मण सिंह	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
६.	१६६३	९२०१५६	अनन्त कुमार	श्री राधेश्याम	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
७.	१६६४	९५०४७७	अजय कुमार	श्री इकबाल सिंह	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
८.	१६६५	९५०४७४	अमित कुमार	श्री बिमलेश कुमार	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
९.	१६६६	९२०३४४	आलोक अग्रवाल	श्री कृष्णअवतार अग्रवाल	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
१०.	१६६८	९५०५०२	धीरज कुमार त्यागी	श्री रामेश्वर दयाल त्यागी	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
११.	१६६९	९५०६९३	धीरेन्द्र कुमार	श्री अमर सिंह	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
१२.	१६७१	९५०४५७	हरिस्वरूप श्रीवास्तव	श्री एन०पी० श्रीवास्तव	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
१३.	१६७२	९५०४६७	हरीश छतवानी	श्री पारसराम छतवानी	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
१४.	१६७३	९५०४५८	मनोज कुमार कौशिक	श्री श्याम सुन्दर कौशिक	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
१५.	१६७४	९५०५८८	नरेन्द्र सिंह	श्री कनक सिंह	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
१६.	१६७५	९५०४७१	नीरज कुमार अग्निहोत्री	श्री उमाशंकर अग्निहोत्री	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
१७.	१६७६	९२०२३९	पुनीत अग्रवाल	श्री हरिराम अग्रवाल	पी०एम०आई०आर	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
१८.	१६७७	९५०५०४	संजय यादव	श्री इन्द्रपाल यादव	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
१९.	१६७८	९५०४७५	श्यामल कुमार दत्ता	श्री असीम कुमार दत्ता	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०

क्रम	अनु०	पंजी० सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	विषय	श्रेणी	संस्था का नाम
२०.	१६८०	९५०४५९	योगेश पुण्डीर	श्री एम०एस० पुण्डीर	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
२१.	१६८१	९५०४६४	विकास वैद	श्री कृष्ण कुमार वैद	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
२२.	१६८२	८९००७३	विनीत सचदेवा	श्री तीर्थदास सचदेवा	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
२३.	१६८३	९२०४२४	बिजेन्द्र कुमार यादव	श्री ओ०पी० यादव	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
२४.	१६८४	९५०४६६	संजीव कुमार	श्री राम अवतार यादव	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
२५.	१६८५	९५०५०३	संजीव कुमार चौहान	श्री नरेन्द्र सिंह चौहान	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
२६.	१६८६	९२०१२१	शैलेन्द्र भारती	श्री जी०डी० भारती	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
२७.	१६८७	९५०४७०	पुनीत शर्मा	श्री सुरेन्द्र नाथ शर्मा	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
२८.	१६८८	९२०२६८	सौरभ त्यागी	श्री रामगोपाल त्यागी	पी०एम०आई०आर०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०
२९.	१६८९	९५०७४२	विपिन कुमार	श्री राजेन्द्र सिंह	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
३०.	१६९०	९१००११	श्रवण सिंह रावत	श्री के०एस० रावत	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
३१.	१६९१	९४०६९३	रजत गर्ग	श्री जगमोहन दास	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
३२.	१६९२	९४०६७६	मांगेराम	श्री रामदिया	पी०एम०आई०आर०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०
३३.	१६९४	९४०६९५	मुकेश कुमार गर्ग	श्री जय प्रकाश गर्ग	पी०एम०आई०आर०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०
३४.	१६९५	८९००६६	आशीष कुमार जैन	श्री ए०के० जैन	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
३५.	१६९६	९१०१५४	विनय कुमार चतुर्वेदी	श्री विष्णुदत्त चतुर्वेदी	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
३६.	१६९७	९०००८०	धीरेन्द्र चौहान	श्री महेन्द्र सिंह चौहान	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
३७.	१६९८	९४०७२६	शत्रुघन झा	श्री उपेन्द्र कुमार	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
३८.	२२२५	९४०६८४	अनमोल गैरोला	श्री उमाकान्त गैरोला	पी०एम०आई०आर०	प्रथम	गु०कां०वि०वि०
३९.	२२२६	९१०१०४	अर्जुन सिंह	श्री देवेन्द्र सिंह	पी०एम०आई०आर०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०
४०.	२२२७	९४०६८७	आलोक कुमार	श्री यशवन्त सिंह	पी०एम०आई०आर०	द्वितीय	गु०कां०वि०वि०

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार
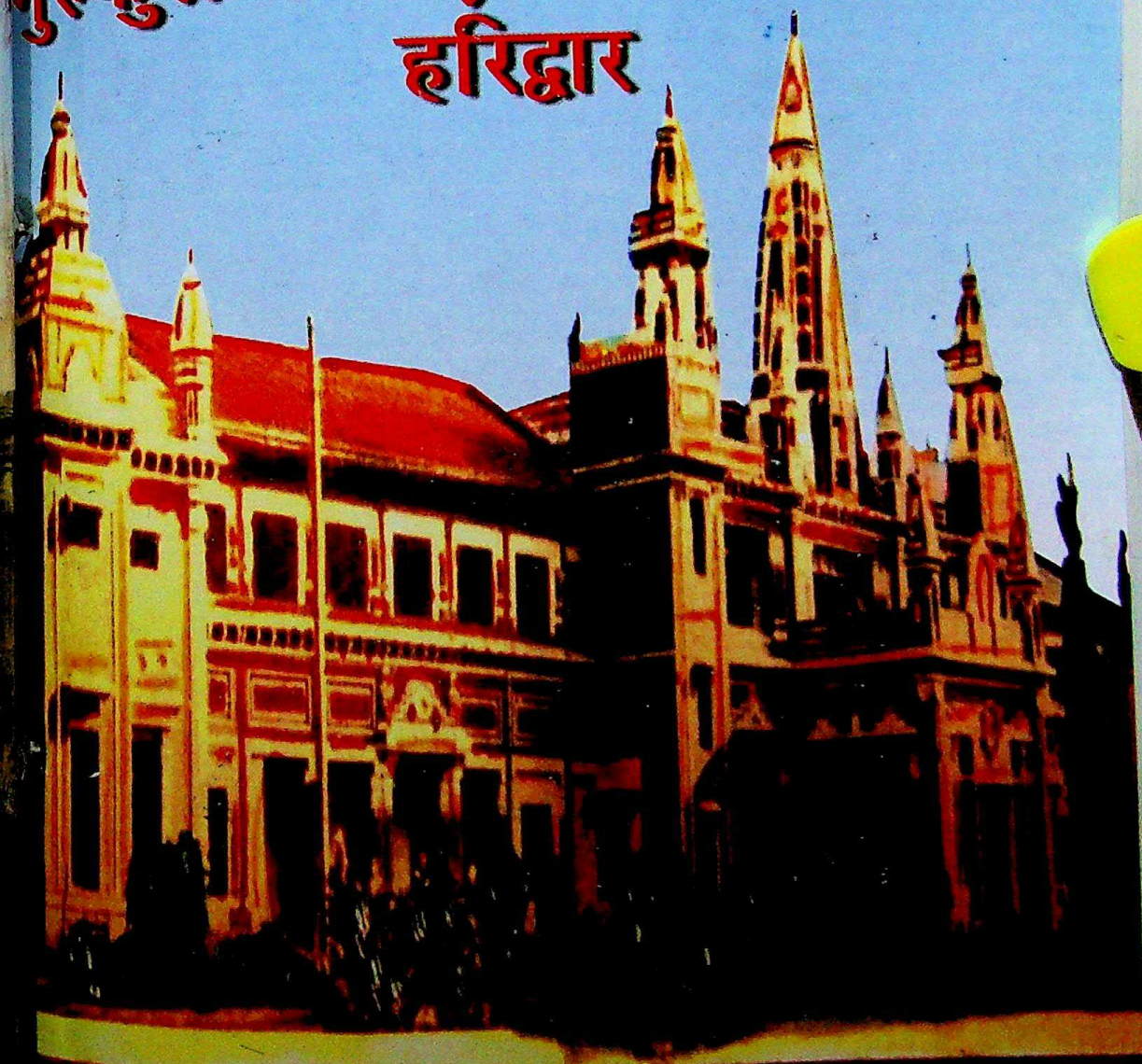
वार्षिक विवरण
1998-99

स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज – संस्थापक

ओ३म्

वार्षिक विवरण

1998 – 99

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार

विश्वविद्यालय के वर्तमान अधिकारी

कुलाधिपति	श्री सूर्यदेव
कुलपति	डॉ0 धर्मपाल
आचार्य (उपकुलपति)	प्रो. वेद प्रकाश शास्त्री
कोषाध्यक्ष	श्री हरवंश लाल शर्मा
कुलसचिव	प्रो. श्याम नारायण सिंह
वित्ताधिकारी	श्री जय सिंह गुप्ता
पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ0 जगदीश प्रसाद विद्यालंकार
प्रिंसिपल/आचार्य, वेद एवं कला महाविद्यालय	प्रो. वेद प्रकाश शास्त्री
अध्यक्ष, प्राच्य विद्या संकाय	प्रो. जयदेव वेदालंकार
अध्यक्ष, मानविकी संकाय	प्रो. वेद प्रकाश शास्त्री
अध्यक्ष, प्रबंधन संकाय	श्री सतीश चन्द्र धमीजा
प्रिंसिपल, विज्ञान महाविद्यालय	प्रो. एस.एल. सिंह
अध्यक्ष, विज्ञान संकाय	प्रो. एस.एल. सिंह
अध्यक्ष, जीव विज्ञान संकाय	प्रो. डी.के. माहेश्वरी
अध्यक्ष, प्रौद्योगिकी संकाय	प्रो. विनोद शर्मा
प्राचार्या, कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, देहरादून	डा0 सूनृता विद्यालंकार
प्रभारी, कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, हरिद्वार	डा0 सूनृता विद्यालंकार

सम्पादक मण्डल

- डॉ० श्यामनारायण सिंह, कुलसचिव
- श्री जयसिंह गुप्ता, वित्ताधिकारी
- डॉ० विष्णु दत्त राकेश, प्रोफेसर हिन्दी विभाग
- डॉ० प्रदीप कुमार जोशी, प्रभारी, जनसम्पर्क अधिकारी

आमुख

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के ९९ वर्ष पूरे कर रहा है। भारत में पुनर्जागरण और निर्माण की मशाल जलाने वाले स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज ने पाश्चात्य शिक्षा प्रणाली के समानान्तर भारतीय जीवन मूल्यों और आदर्शों पर आधारित भारतीय शिक्षा प्रणाली का प्रवर्त्तन गुरुकुल शिक्षा पद्धति के रूप में किया। प्राचीन भारतीय विद्याओं और आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का हिन्दी माध्यम से उच्चतर अध्ययन और अध्यापन अनुसन्धान कराने वाली यह प्रथम राष्ट्रीय शिक्षा संस्था है, जिसकी प्रशंसा महात्मा गाँधी, दीनबन्धु सी.एफ. एन्ड्रूज, पण्डित मदनमोहन मालवीय, मान्य गोखले, महाकवि रवीन्द्रनाथ टैगोर, आचार्य नरेन्द्र देव, पं० जवाहरलाल नेहरू, डॉ० राजेन्द्रप्रसाद तथा श्रीमती इन्दिरा गाँधी जैसे लोकनायक मनीषियों ने की है। विश्वविद्यालय का स्तर प्राप्त करने के बाद विज्ञान, वैदिक ज्ञान, प्राच्य विद्या और मानविकी के क्षेत्र में इस विश्वविद्यालय ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहण किया है।

विश्वविद्यालय में कुलपति जी के आमन्त्रण पर इस वर्ष संस्कृत विभाग में काशी विद्यापीठ के प्रोफेसर डा० अमरनाथ पाण्डेय विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में आए तथा अपना विशिष्ट व्याख्यान दिया।

इस वर्ष के दीक्षान्तोत्सव पर विश्वविद्यालय में माननीय श्री सोमपाल शास्त्री, चमोली (उ०प्र०) में हुई भुकम्प दुर्घटना के कारण नहीं आ पाए। उनका दीक्षान्त संदेश पढ़कर सुनाया गया।

विश्वविद्यालय के प्रौढ़ शिक्षा विभाग ने अपने प्रसार कार्यक्रम के अंतर्गत समीपस्थ ग्रामों में शिक्षा, घरेलू उपकरणों के प्रयोग, जनसंख्या पर रोक तथा स्वरोजगारों की सूचना आदि कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया।

विश्वविद्यालय के अनेक विद्वान प्राध्यापक विदेशों में विशिष्ट व्याख्यानों के लिये आमन्त्रित किये गये।

विश्वविद्यालय के आचार्यो ने लेखन-प्रकाशन तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों में आयोजित संगोष्ठियों, सम्मेलनों, पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों तथा शोध समितियों में भाग लेकर अपने पद की गौरववृद्धि की। कुछ शिक्षकों को प्रोन्नति मिली। मैं सभी को बधाई देता हूँ। विभागों के प्रगति विवरण में अलग-अलग इन विद्वानों के निजी क्रिया-कलापों का विस्तृत ब्यौरा उपलब्ध है।

इस वर्ष श्री गिरीश सुन्दरियाल, नि०स० कुलपति २३ नवम्बर से २७ नवम्बर

१९९८ तक कोडाई कानाल (तमिलनाडू) में थर्ड वर्ल्ड डेवलपमेन्ट सेन्टर द्वारा नि० सहायक / निजी सचिव तथा सचिवों के लिए आयोजित "शैडो मैनेजर्स" नामक वर्कशाप में सम्मिलित हुए।

इस वर्कशाप में विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा कम्पनियों के कई प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। इस वर्कशाप का मुख्य विषय था २१वीं शताब्दी में भारत की कार्यालयीय पद्धति को उस स्तर पर कैसे पहुँचाया जाए जहाँ पर हम विश्व के अन्य देशों के समकक्ष खड़े हो सकें।

अन्त में, मैं केन्द्रीय सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली, हरियाणा एवं पंजाब आर्य प्रतिनिधि सभाओं के अधिकारियों, शिक्षा पटल, कार्य परिषद् तथा शिष्ट परिषद् के माननीय सदस्यों एवं स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों का अत्यन्त कृतज्ञ हूँ जिनके सहयोग से विश्वविद्यालय का कार्य सुचारू रूप से चलता रहा है और हम निरन्तर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं।

प्रो० श्यामनारायण सिंह
कुलसचिव

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय का संक्षिप्त इतिहास

बीसवीं सदी के प्रारम्भ में स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज ने पुण्यसलिला गंगा के पावन तट पर कांगड़ी नामक ग्राम में ४ मार्च १९०२ को राष्ट्र निर्माण की एक ऐसी सुदृढ़ आधारशिला रखी थी, जो गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति के भव्य प्रासाद की प्रथम सोपान बनी। कौन जानता था कि देश के स्वर्णिम भविष्य का स्वप्न लिए हुए एक कर्मयोगी द्वारा जो नन्हा-सा पौधा गुरुकुल के रूप में लगाया जा रहा है वह वटवृक्ष का रूप धारण कर सम्पूर्ण समाज को छाया प्रदान करेगा और जिसके मीठे, रसीले फलों का आस्वादन कर देशवासी कृतकृत्य होंगे।

पराधीनता के कालखण्डों में लार्ड मैकाले द्वारा भारत में चलाई गई शिक्षा पद्धति राष्ट्र के स्वाभिमान और गौरव को नष्ट कर रही थी। देशभक्त, चरित्रवान, विद्वान युवकों के स्थान पर केवल बाबू बनाने का अंग्रेजों का षडयन्त्र अपना प्रभाव दिखाने लगा था, ऐसे समय में महान शिक्षा शास्त्री स्वामी श्रद्धानन्द ने प्राचीन और अर्वाचीन विषयों की शिक्षा के साथ-साथ ब्रह्मचारियों में चरित्रबल और राष्ट्र प्रेम की भावना प्रसारित करने के लिए इस पवित्र संस्था का शुभारम्भ किया था। स्वामी जी के मन में इस प्रकार के उत्कृष्ट भाव को उत्पन्न करने में महर्षि दयानन्द सरस्वती के शिक्षा विषयक वैदिक विचार मूल मंत्र के रूप में कार्य कर रहे थे। स्वामी श्रद्धानन्द पुनः इस देश में ब्रह्मचर्य पर आधारित गुरु शिष्य परम्परा को पुनर्जीवित करना चाहते थे।

गुरुकुल की स्थापना के कुछ वर्ष बाद महाविद्यालय विभाग प्रारम्भ हुआ जिसमें सभी विषय मातृभाषा हिन्दी के माध्यम से पढ़ाये जाते थे। यहां तक कि विज्ञान के विषय भी हिन्दी में पढ़ाये जाने लगे। इस संस्था में कार्यरत् सुयोग्य उपाध्यायों ने रसायन, भौतिकी, वनस्पति शास्त्र, अर्थशास्त्र आदि विषयों पर हिन्दी भाषा में उत्तमोत्तम पाठ्य पुस्तकों की रचना की।

प्रथम दीक्षान्त समारोह में ब्रह्मचारी हरिशचन्द्र एवं इन्द्र (दोनों स्वामी श्रद्धानन्द जी के सुपुत्र) शिक्षा पूर्ण कर स्नातक हुए थे। यह गुरुकुल अपने शैशवकाल से ही देश का आकर्षण केन्द्र बना रहा। इसकी लोकप्रियता निरन्तर बढ़ती रही। देश विदेश के शीर्षस्थ शिक्षा शास्त्री, राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी, स्वातन्त्र्य योद्धा देशभक्त यहां बड़ी श्रद्धा भावना से आते रहे। विदेशी आगन्तुकों में सी.एफ. एण्ड्रूज ब्रिटिश ट्रेड यूनियन के नेता श्रीयुत् सिडनी वेब और ब्रिटेन के भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री रेज्मे मेकडानेल्ड आदि उल्लेखनीय हैं।

ब्रिटिश सरकार पहले गुरुकुल को राजद्रोही संस्था मानती थी। जब संयुक्त प्रान्त के गवर्नर सर जेम्स मेस्टन ने गुरुकुल को अपनी आंखों से देखा, तब उनका यह भ्रम दूर हुआ। वे गुरुकुल में चार बार पधारे। भारत के वायसराय लार्ड चैम्सफोर्ड भी गुरुकुल पधारे। यह गुरुकुल कभी राजद्रोही न था, किन्तु जब कभी धर्म जाति व देश के लिए सेवा की, त्याग

की एवं समर्पण की आवश्यकता हुई, तब गुरुकुल सब से आगे रहा। १९०० के व्यापक दुर्भिक्ष, १९०८ के दक्षिण हैदराबाद जल-विप्लव, १९११ के गुजरात के दुर्भिक्ष और दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी द्वारा प्रारम्भ किए गये सत्याग्रह संग्राम में गुरुकुल के ब्रह्मचारियों ने मजदूरी करके और अपने भोजन में कमी करके दान दिया। इस भावना को देखकर महात्मा गाँधी तीन बार गुरुकुल पधारे। गुरुकुल के ब्रह्मचारियों ने हैदराबाद सत्याग्रह और हिन्दी आन्दोलन में भी सक्रिय भाग लिया और जेल भी गये।

इस गुरुकुल से प्रेरणा पाकर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान आदि राज्यों में अनेक गुरुकुलों की स्थापना हुई।

सन् १९२४ में गंगा में भीषण बाढ़ आई और गुरुकुल के बहुत से भवन नष्ट हो गये। अत: निश्चय किया गया कि गुरुकुल ऐसे स्थान पर स्थापित किया जाये जहां इस प्रकार का पुनः भय न हो। इसके लिए हरिद्वार से ५ किलोमीटर की दूरी पर ज्वालापुर के समीप, गंगनहर के किनारे हरिद्वार बाईपास मार्ग पर वर्तमान स्थान का चयन किया गया।

सन् १९२६ में रजत जयन्ती समारोह में भारत के विभिन्न राज्यों से लगभग पचास हजार अतिथि पधारे। इनमें महात्मा गांधी, पंडित मदनमोहन मालवीय, बाबू राजेन्द्र प्रसाद, सेठ जमनालाल बजाज, डॉ० मुंजे, साधु वासवानी आदि उल्लेखनीय हैं।

१९३०-३२ में आचार्य रामदेव जी, जो उस समय गुरुकुल के मुख्याधिष्ठाता थे, ने अपने प्रयासों से नैरोबी से १० लाख रुपये लाकर गुरुकुल की वर्तमान स्वरूप में पुनः स्थापना की।

अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द जी के बाद पं० विश्वम्भर नाथ जी, आचार्य रामदेव जी, पं० चमूपति जी, पं० सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, पं० इन्द्र विद्यावाचस्पति आदि मुख्याधिष्ठाता के रूप में गुरुकुल का संचालन करते रहे।

मार्च १९५० में गुरुकुल का स्वर्ण जयन्ती महोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। दीक्षान्त भाषण भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ० राजेन्द्र प्रसाद ने दिया। भारत सरकार की ओर से राष्ट्रपति जी ने एक लाख रुपये का दान दिया। यह प्रथम अवसर था जब गुरुकुल ने सरकार से अनुदान लिया।

१ अगस्त १९५८ को पं० जवाहर लाल नेहरू गुरुकुल में पधारे। उन्होंने विज्ञान महाविद्यालय का उद्‌घाटन किया। १९६० में विश्वविद्यालय की हीरक जयन्ती मनाई गई। २० वर्ष से भी अधिक समय तक कुलपति एवं मुख्याधिष्ठाता रहने के पश्चात् पं० इन्द्र जी को गुरुकुल से विदा हुए। उनके पश्चात् पं० सत्यव्रत जी सिद्धांतालंकार गुरुकुल के कुलपति एवं मुख्याधिष्ठाता बनें। इन्हीं के समय १९६२ में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय को भारत सरकार से विश्वविद्यालय के समकक्ष होने की मान्यता मिली। गुरुकुल ने एक नये जीवन में पदार्पण किया। आचार्य प्रियव्रत जी, श्री रघुवीर सिंह शास्त्री, डॉ० सत्यकेतु विद्यालंकार, श्री बलभद्र कुमार हूजा, श्री आर०सी० शर्मा, श्री सुभाष विद्यालंकार आदि शिक्षा शास्त्री क्रमशः कुलपति पद पर शोभायमान होकर इस विश्वविद्यालय का विकास करते रहे।
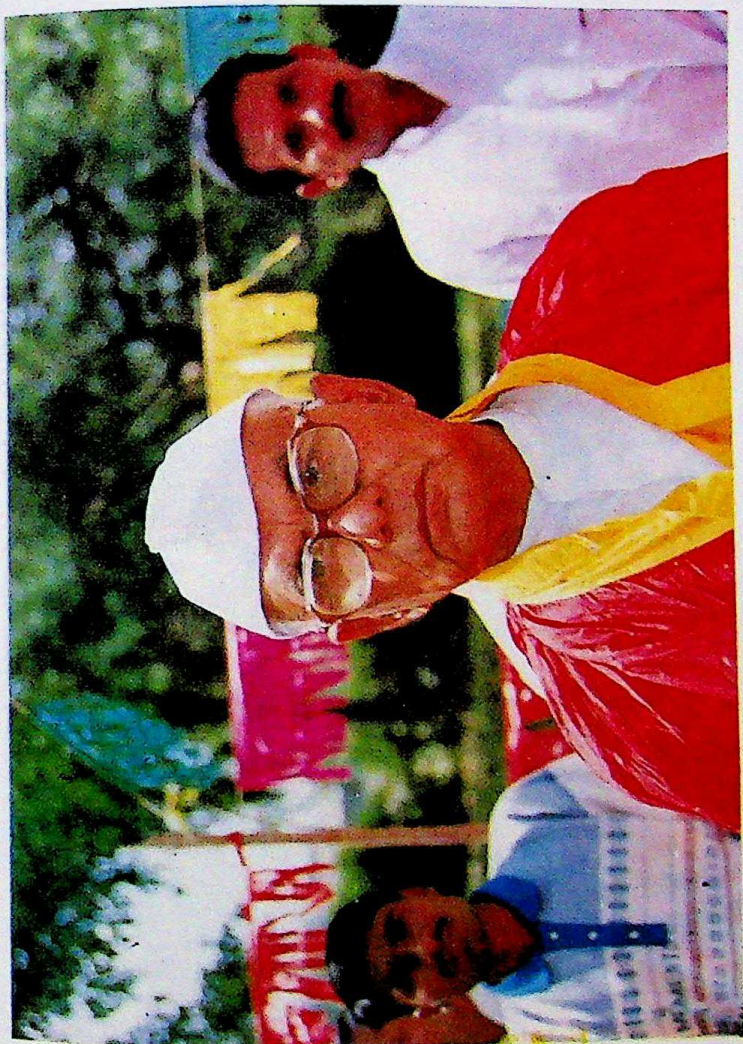
प्रो० शेर सिंह — परिद्रष्टा

गुरुकुल को स्थापित हुए ९८ वर्ष हो गए हैं। १ जुलाई १९९३ से डॉ० धर्मपाल जी कुलपति एवं मुख्याधिष्ठाता के रूप में विश्वविद्यालय के बहुआयामी विकास में अहर्निश संलग्न हैं। इन छः वर्षों में भवनों के निर्माण को देखकर आश्चर्य होता है। हरिद्वार-रुड़की बाईपास मार्ग पर कन्या गुरुकुल महाविद्यालय का भव्य भवन माननीय कुलपति जी की भावनाओं का ज्वलन्त प्रतीक हैं छः वर्ष की अवधि में एक ओर भवन निर्माण का कीर्तिमान बना तो दूसरी ओर नए-नए आधुनिक पाठ्यक्रमों के साथ नारी शिक्षा के क्षेत्र में उच्चतम शिक्षा के द्वार भी खुले। वैदिक साहित्य, दर्शन, संस्कृत साहित्य, योग, प्राचीन भारतीय इतिहास, हिन्दी, अंग्रेजी, मनोविज्ञान के साथ-साथ गणित, रसायनशास्त्र, भौतिकी, वनस्पति शास्त्र, जन्तु विज्ञान पर्यावरण एवं कम्प्यूटर तथा प्रबन्धन की उच्च शिक्षा की उत्तम व्यवस्था इस विश्वविद्यालय की विकास यात्रा के साक्षी रहे।

डॉ० धर्मपाल जी, कुलपति के निर्देशन में इस समय विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों की संरचना इस प्रकार है-

विद्यालय विभाग- प्रथम कक्षा से १२वीं कक्षा तक यहां छात्र आवासीय व्यवस्था के अन्तर्गत शिक्षा के साथ-साथ उत्तम संस्कार ग्रहण करते हैं। १०वीं कक्षा उत्तीर्ण करने पर विद्याधिकारी तथा १२वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर विद्याविनोद का प्रमाण-पत्र दिया जाता है।

वेद एवं कला महाविद्यालय- वेद एवं कला महाविद्यालय के आचार्य प्रो० वेद प्रकाश शास्त्री हैं। इस महाविद्यालय में निम्न तीन संकायों के माध्यम से कार्य किया जा रहा है।

प्राच्य विद्या संकाय- इस संकाय में सुयोग्य उपाध्यायों के मार्ग दर्शन में वेद, संस्कृत, दर्शन, योग, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विषयों में एम०ए० और पी.एच.डी. हेतु अध्यापन एवं शोध कार्य की व्यवस्था है। त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर वेदालंकार की उपाधि दी जाती है।

मानविकी संकाय- इस संकाय में हिन्दी, अंग्रेजी, मनोविज्ञान विषयों में सुयोग्य उपाध्यायों के मार्गदर्शन में एम०ए० तथा पी.एच.डी. हेतु छात्र अध्ययन एवं अनुसंधान कार्य करते हैं। त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर विद्यालंकार की उपाधि दी जाती है। इसके साथ ही सामान्य अलंकार का पाठ्यक्रम भी चल रहा है जिसमें संस्कृत एवं अंग्रेजी अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ाए जा रहे हैं।

प्रबन्धन संकाय- मान्य कुलपति जी के प्रयास से उत्तम स्वरूप प्राप्त एम.बी.ए. पाठ्यक्रम में आधुनिक प्रबन्धन व्यवस्था के साथ-साथ वैदिक प्रबन्धन का पाठ्यक्रम भी समाविष्ट है।

विज्ञान महाविद्यालय- विज्ञान महाविद्यालय के प्रिंसिपल प्रो० एस.एल. सिंह हैं। इस महाविद्यालय में निम्न तीन संकायों के माध्यम से कार्य किया जा रहा है।

विज्ञान - इसमें त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर बी.एस.सी. की उपाधि प्रदान की जाती है। गणित, रसायनशास्त्र, भौतिकी, में एम.ए., एम.एस.सी., एवं पी.एच.डी. हेतु अध्ययन अध्यापन की तथा शोधकार्य की उत्तम व्यवस्था कुशल उपाध्यायों के मार्ग दर्शन में चलती है। आधुनिक विज्ञान के क्षेत्र में वैदिक विज्ञान का समन्वय इस संकाय की विशेषता है।

जीव विज्ञान संकाय- इसमें त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर बी.एस.सी. की उपाधि प्रदान की जाती है। सूक्ष्म जीव विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान में एम.एस.सी. एवं वनस्पति विज्ञान, जन्तु विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान तथा सूक्ष्म जीव विज्ञान विषयों में पी. एच-डी. हेतु अध्ययन अध्यापन तथा शोधकार्य की उत्तम व्यवस्था है।

प्रौद्योगिकी संकाय- इसके अन्तर्गत एम.सी.ए. तथा पी-एच.डी. के लिए अध्ययन अध्यापन एवं शोधकार्य की उत्तम व्यवस्था है। प्रौद्योगिकी संकाय के अन्तर्गत कम्प्यूटर विभाग है। इस ओर प्रयास है कि इस संकाय के अंतर्गत इंजीनियरिंग कम्प्यूटर, इलैक्ट्रोनिक्स आदि विषय की व्यवस्था कर दी जाए।

कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, देहरादून- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, देहरादून को विश्वविद्यालय का एक अंगभूत महाविद्यालय स्वीकृत कर लेने के बाद इसका पर्याप्त विस्तार हुआ है। अलंकार (बी.ए.) के साथ-साथ संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी विषयों में एम.ए. तथा एम.सी.ए., एम.बी.ए. पाठ्यक्रम सुचारू रूप से चल रहे हैं। छात्रावास का निर्माण हो चुका है। भवन निर्माण निरन्तर चल रहा है।

कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, हरिद्वार- विश्वविद्यालय के मान्य अधिकारियों की प्रेरणा से बालिकाओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने हेतु स्थापित कन्या गुरुकुल महाविद्यालय में प्राय: सभी विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के साथ पी.एच.डी. हेतु शोध कार्य की उत्तम व्यवस्था है।

विशाल पुस्तकालय- किसी भी शिक्षण संस्था के प्राण पुस्तकालय में रहते हैं। इस दृष्टि से गुरुकुल कांगड़ी का बृहत पुस्तकालय उत्तर भारत के अध्येताओं का आकर्षण केन्द्र बना हुआ है। इसमें विविध विषयों की एक लाख पच्चीस हजार से अधिक पुस्तकें हैं। इनमें अनेक दुर्लभ ग्रन्थ हैं। भारत के कोने-कोने से शोधार्थी इस पुस्तकालय में आकर अपनी जिज्ञासा शान्त करते हैं।

गुरुकुल कांगड़ी फार्मेसी- यह आयुर्वेदिक औषधियों के निर्माण का बहुत बड़ा केन्द्र है। देश-विदेश में इस फार्मेसी की औषधियों की गुणवत्ता प्रसिद्ध है। फार्मेसी से प्राप्त आय को ब्रह्मचारियों और जल कल्याण पर खर्च किया जाता है।

यह विश्वविद्यालय सम्पूर्ण देश में अपनी अलग पहचान रखता है। विश्वविद्यालय परिद्रष्टा प्रो० शेर सिंह, कुलाधिपति माननीय श्री सूर्यदेव जी, कुलपति श्रीमान डॉ० धर्मपाल जी, कोषाध्यक्ष पं० हरवंशलाल जी शर्मा तथा शिष्ट परिषद्, कार्यपरिषद् एवं शिक्षा पटल के सदस्यों के सुयोग्य मार्गदर्शन में उत्तरोत्तर प्रगतिपथ पर अग्रसर है।

हमें पूर्ण विश्वास है कि तप: पूत स्वामी श्रद्धानन्द जी का यह संस्थान आगे भी निरन्तर प्रगति करता रहेगा।

प्रो० वेद प्रकाश शास्त्री
आचार्य (उप-कुलपति)

'कुलपति प्रतिवेदन'

अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द जी द्वारा प्रतिष्ठापित इस गुरुकुल की कीर्ति पताका यहीं के स्नातक वेद विद्वानों ने पूरे विश्व में फहराई। अनेक लब्ध प्रतिष्ठित यहाँ के वन्दनीय स्नातकगण सब प्रकार के ऐश्वर्य युक्त अपने-अपने स्थानों पर यश पूर्वक प्रतिष्ठापित हैं।

ऐसे इस विश्व विद्यालय में सम्प्रति वेद एवं कला महाविद्यालय, विज्ञान महाविद्यालय, कन्या गुरुकुल महाविद्यालय देहरादून/हरिद्वार स्थापित हैं। वेद एवं कला महाविद्यालय के अन्तर्गत प्राच्य विद्या, मानविकी तथा प्रबन्धन संकाय है। इसी प्रकार विज्ञान महाविद्यालय के अन्तर्गत विज्ञान, जीव विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संकाय है। कन्या गुरुकुल महाविद्यालय में प्रायः सभी विषयों के अध्ययन एवं शोध की व्यवस्था है। कन्याओं के लिए हरिद्वार तथा देहरादून में अलग महाविद्यालय हैं।

प्राच्य विद्या संकाय

प्राच्य विद्या संकाय के अन्तर्गत वेद, दर्शन, संस्कृत योग तथा इतिहास जैसे विषय देश के गौरव को पुनर्प्रतिष्ठापित करने में लगे हुए हैं।

वेद विभाग में, जहाँ कि वैदिक ज्ञान-विज्ञान का अन्वेषण निरन्तर प्रगति पर है, सभी प्राध्यापक शोध कार्यों में संलग्न हैं। इस विभाग द्वारा समय-समय पर विज्ञान स्नातकों के प्रशिक्षण के लिए बृहद् यज्ञों का आयोजन होता रहता है।

संस्कृत साहित्य के प्रचार-प्रसार में संलग्न संस्कृत विभाग के सभी प्राध्यापक विभिन्न संस्थाओं के विषय विशेषज्ञ हैं तथा आयोजित विभिन्न सम्मेलनों में शोध पत्रों का वाचन लेखन करते रहते हैं।

श्रद्धानन्द वैदिक शोध संस्थान में निरन्तर वैदिक साहित्य के अनुसन्धान का कार्य चलता रहता है। विभिन्न पुस्तकों के प्रकाशन के अतिरिक्त यहाँ से शोध परक "गुरुकुल पत्रिका" का नियमित प्रकाशन होता है।

दर्शन विभाग में वर्ष ९८ में अखिल भारतीय दर्शन परिषद् का वार्षिक अधिवेशन हुआ तथा मार्च ९९ में एक अन्य राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन भी हुआ।

योग विभाग में त्रिमासीय एक वर्षीय योग डिप्लोमा तथा एम०ए० योग का अध्यापन होता है। इस वर्ष इस विभाग में विभिन्न विद्वानों के व्याख्यान हुए।

इतिहास विभाग के प्राध्यापकों एवं छात्रों के द्वारा अनेक ऐतिहासिक स्थलों का पुरातात्विक सर्वेक्षण इस वर्ष हुआ तथा खुदाई में अनेक महत्वपूर्ण वस्तुएं प्राप्त की गईं।

पुरातत्व संग्रहालय में प्रसिद्ध फोटोग्राफर रोमेश बेदी द्वारा वन्य जीवों के खींचे गये अनेक दुर्लभ चित्र दिए गए। देश भर से आए लगभग ५० हजार व्यक्तियों ने संग्रहालय देखा।

मानविकी संकाय

मानविकी संकाय के अन्तर्गत मनोविज्ञान में यू०जी०सी० द्वारा प्रदत्त शोध योजना पर कार्य चल रहा है।

हिन्दी विभाग में विभिन्न विद्वान् आमंत्रित किए गए।

अंग्रेजी विभाग के अन्तर्गत "महात्मा गाँधी एवं स्वामी श्रद्धानन्द" तथा "समकालीन साहित्य" पर शोध गोष्ठी का आयोजन किया गया।

जीव विज्ञान संकाय

जीव विज्ञान संकाय के अन्तर्गत आनेवाले जन्तु एवं पर्यावरण विज्ञान में अध्ययन अध्यापन के अतिरिक्त दो सेमिनारों का आयोजन हुआ तथा इसके प्राध्यापक विदेश में भी आमंत्रित किए गए।

इसी संकाय के वनस्पति एवं सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में भी अध्ययन के अतिरिक्त सेमिनारों का आयोजन हुआ तथा अध्यापकों को विदेश आमंत्रित किया गया।

प्रौद्योगिकी संकाय

इस संकाय के अन्तर्गत सम्प्रति कम्प्यूटर विभाग आता है। इस विभाग में इण्टरनेट एवं ई०मेल की सुविधा भी उपलब्ध हो गई है।

विज्ञान संकाय

विज्ञान संकाय के अन्तर्गत आने वाले गणित विभाग में इस वर्ष एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन हुआ। इस विभाग में वैदिक गणित भी एक पेपर के रूप में पढ़ाया जाता है।

इसी संकाय के भौतिकी विभाग द्वारा बाल विज्ञान सभा का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

रसायन विज्ञान विभाग में रेडियोधर्मिता पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान हुआ।
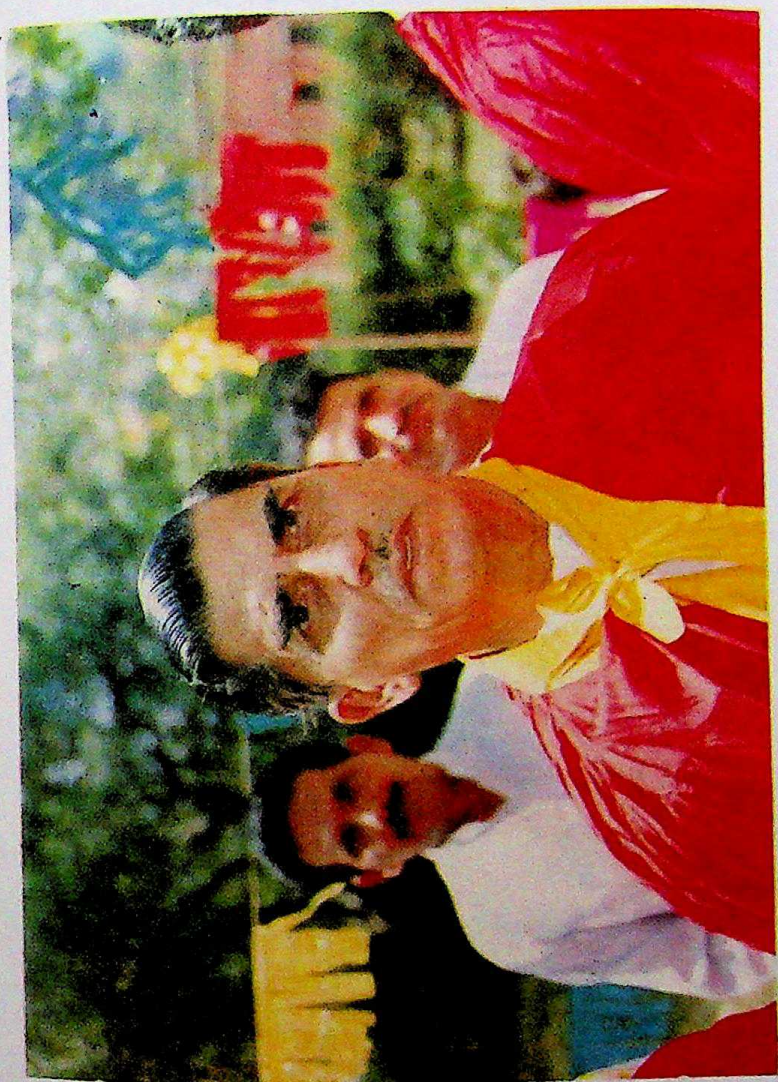
श्री सूर्यदेव — कुलाधिपति

प्रबन्धन संकाय

विश्व में विशेष लोकप्रिय एम.बी.ए. पाठ्यक्रम इस विश्वविद्यालय में प्रबंधन संकाय के अन्तर्गत पढ़ाया जा रहा है। इस संकाय के तत्वावधान में गत वर्ष 'वेद सम्मेलन' एवं 'मैनेजमेन्ट इन न्यू मिलेनियम' विषयक सेमिनार हुए।

शारीरिक शिक्षा विभाग

इस विभाग के तत्वावधान में इस वर्ष बैडमिन्टन, टेबिल टेनिस और बास्केट बाल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

प्रौढ़ शिक्षा विभाग

इस विभाग में पंच दिवसीय दो कार्यशालाओं का, अध्यापकों को प्रशिक्षण देने हेतु आयोजन किया गया। सौन्दर्य प्रसाधन विषयक छमाही प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया।

कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, देहरादून

कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, देहरादून में अलंकार (बी.ए.), एम०बी०ए०, एम०एस०सी० तथा एम०ए० की कक्षाएं चल रही हैं।

कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, हरिद्वार

नवनिर्मित कन्या गुरुकुल महाविद्यालय में स्नातकोत्तर स्तर पर कला एवं विज्ञान विषयों का अध्यापन एवं शोध होता है।

यह विश्वविद्यालय नारी-शिक्षा के अतिरिक्त छात्रों के लिए भी उच्चतम स्तर की प्राच्य कला एवं विज्ञान विषयों की शिक्षा के प्रसार में लगा हुआ है।

विश्वविद्यालय की संक्षिप्त व्याख्या कुलपति डा० धर्मपाल द्वारा ९९वें वार्षिकोत्सव में पढ़े गए "कुलपति प्रतिवेदनम्" के आधार पर है। डा० धर्मपाल ने स्नातकों को संबोधित करते हुए यह बताया कि स्वामी श्रद्धानन्द जी ने शाश्वत जीवन मूल्यों की स्थापना के लिए राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की रक्षार्थ तथा चरित्र के विकास के लिए यह गुरुकुल शिक्षा पद्धति पुनः प्रचलित की, अतः ये ही जीवन मूल्य और आदर्श आपके जीवन में पग-पग पर उन्नति और सफलता प्रदान करेंगे।

डा० धर्मपाल ने कहा- "मैं मानता हूँ कि कुलाधिपति श्री सूर्यदेव जी, परिद्रष्टा प्रो० शेर सिंह जी, शिक्षकों कर्मचारियों और ब्रह्मचारियों के सहयोग से यह विश्वविद्यालय निरन्तर प्रगति की ओर बढ़ता रहेगा।"

• • •

दीक्षान्त भाषण

माननीय कुलाधिपति जी, परिद्रष्टा जी, कुलपति जी, आचार्यगण, भाइयों, बहनों एवं नवस्नातकों !

आज गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह के अवसर पर अमरहुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज की तपस्थली में आकर मैं स्वयं को धन्य मानता हूँ। गुरुकुल कांगड़ी के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का आज से लगभग १०० वर्ष पूर्व प्रवर्तन करके स्वामी जी ने भारतीय संस्कृति के संरक्षण के कार्य को सशक्त किया था। गुरुकुल के आचार्यों, ब्रह्मचारियों तथा कर्मचारियों ने स्वाधीनता, चरित्र निर्माण तथा संस्कृति की रक्षा के लिए अनवरत कार्य किया। इस ऐतिहासिक संस्था में पधारने वाले युगपुरुषों की एक लम्बी श्रृंखला है। महात्मा गांधी, पं० मदन मोहन मालवीय, साधु टी०एल० वासवानी, आचार्य नरेन्द्र देव, पं० जवाहरलाल नेहरु, पं० गोविन्द बल्लभपन्त, डॉ० सम्पूर्णानन्द, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर, डॉ० श्यामाप्रसाद मुखर्जी, डॉ० राजेन्द्र प्रसाद, महात्मा आनन्द स्वामी, श्री चन्द्रभानु गुप्त, डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, श्री अनन्त शयनम् आयंगर, श्री मोरार जी देसाई, बाबू जगजीवन राम, श्रीमती इन्दिरा गांधी, डॉ० बलराम जाखड़, श्री ज्ञानी जैल सिंह, श्री वीर बहादुर सिंह, श्री चीमनभाई मेहता, श्री चन्द्र शेखर, डॉ० शिवराज पाटिल सदृश विभूतियाँ यहाँ पधार चुकी हैं।

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के साथ मेरा सम्बन्ध बहुत पुराना है। मैंने यहाँ के आचार्यों का अनुकरण करके अपने जीवन को संवारा है। मेरे पूज्य पिता जी डॉ० रघुवीर सिंह शास्त्री यहाँ के कुलपति तथा कुलाधिपति रहे हैं। मैं स्वयं भी यहाँ की विभिन्न शासी-समितियों का सदस्य रहा हूँ। मेरा तो परिवेश ही गुरुकुलमय है। स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज, युग प्रवर्तक, आर्य समाज के संस्थापक, वेदोद्धारक महर्षि दयानन्द सरस्वती के अनन्य शिष्य थे। उन्होंने महर्षि दयानन्द सरस्वती द्वारा प्रतिपादित निम्न सिद्धान्तों के आधार पर गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के प्रवर्तन का अदम्य साहस एवं उत्साह दिखलाया था-

१. यह राजनियम और जाति नियम होना चाहिए कि आठवें वर्ष से आगे, कोई अपने लड़के-लड़कियों को घर में न रखे। पाठशाला में अवश्य भेज देवें, जो नहीं भेजे, वह दण्डनीय हो।

२. लड़कों और लड़कियों के गुरुकुल पृथक्-पृथक् हों।

३. विद्यार्थी लोग गुरुकुलों में ब्रह्मचर्य का पालन करें।

४. गुरुकुल में सबको तुल्य वस्त्र, खान-पान, आसन दिये जायें, चाहे वह राजकुमार व राजकुमारी हों, चाहे दरिद्र के सन्तान हों। सबके साथ एक जैसा व्यवहार किया जावे।

५. गुरुकुलों में गुरु और शिष्य पिता और पुत्र के समान रहें।

६. विद्या पढ़ने के स्थान, गुरुकुल शहर व ग्रामों से दूर एकान्त में हों।

७. शिक्षा में वेदांग तथा सत्य शास्त्रों को प्रमुख स्थान दिया जाए। साथ ही राज विद्या, संगीत नृत्य, शिल्प विद्या, गणित, ज्योतिष, भूगोल-खगोल, भूगर्भ विद्या, यन्त्र कला, हस्त क्रिया, चिकित्सा शास्त्र आदि का भी यथोचित रूप से अभ्यास कराया जावे।

निस्सन्देह ऋषिवर के ये विचार शिक्षा के क्षेत्र में भविष्य की शिक्षानीति को प्रभावित करने वाले, अत्यन्त क्रान्तिकारी विचार थे। आर्यसमाज के नेताओं में अग्रणी स्वामी श्रद्धानन्द ने इन आदर्शों, सिद्धान्तों एवं मान्यताओं को कार्यरूप में परिणत करने का शुभ संकल्प लिया और उसी का जीता जागता स्वरूप गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय है।

स्वामी श्रद्धानन्द का वैदिक संस्कृति को संरक्षण तथा राष्ट्रीय विचारधारा के प्रचार-प्रसार का स्वप्न साकार हुआ। उनके निर्देशन में जो आचार्यगण अपने अन्तेवासियों को राष्ट्रभक्ति का पाठ पढ़ाया करते थे, वे स्वयं भी उन्हीं विचारधाराओं से ओत-प्रोत होते थे। वे उस उत्तरीय को धारण करते थे, जिसका ताना और बाना देशभक्ति, स्वाधीनता, स्वावलम्बन, सच्चरित्रता निश्छलता तथा निर्भीकता के धागों से बुना जाता था। आचरण की भाषा मौन होती है। आचार्यों का आचरण ही ब्रह्मचारियों को सही दिशा में चलने का मार्ग प्रशस्त करता है-

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते।।

महाजन, श्रेष्ठ जन, सुधीजन, नेता और संन्यासी जिस प्रकार का आचरण करते हैं, अनुवर्ती लोग उसी प्रकार का आचरण करते हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम मनसा वाचा कर्मणा एक सा व्यवहार करें। गुरुकुल शिक्षा प्रणाली वेदों पर आधारित है। वैदिक शिक्षा में संकीर्णता का लेश भी नहीं है। यहाँ पर संकीर्णता, साम्प्रदायिकता, स्वार्थपरता, निरंकुशता, वादपरता नहीं है। यहाँ पर है- सच्ची मानवता, परमार्थ की भावना, विश्वबन्धुत्व का उद्घोष और समूचे विश्व को मित्र की दृष्टि से देखने का आदर्श। वेदों में मानव की उन्नति के, भौतिक एवं आत्मिक, दोनों ही सम्पत्तियों को प्राप्त करने का मार्ग बताया गया है। शिक्षा का उद्देश्य मानव की आन्तरिक तथा

बाह्य शक्तियों का विकास करना है। मुझे प्रसन्नता है कि गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में प्राचीन एवं नवीन विषयों के अध्ययन, अध्यापन एवं अनुसन्धान की समुचित व्यवस्था है। भारतीय संस्कृति के परिचायक एवं पोषक विषयों- वेद, संस्कृत, दर्शन, प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति तथा योग आदि विषयों के साथ-साथ हिन्दी, अंग्रेजी, मनोविज्ञान, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र आदि नवीन विषयों के अध्यापन की भी व्यवस्था है। छात्राओं के लिए संगीत, चित्रकला, गृहविज्ञान आदि की व्यवस्था है। मुझे स्मरण है, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं० जवाहर लाल नेहरू ने गुरुकुल कांगड़ी के विज्ञान महाविद्यालय का उद्घाटन करते हुए कहा था- "मैंने गुरुकुल को देखा तथा यहाँ की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। मुझे ऐसा प्रतीत हुआ कि यह संस्था अच्छा कार्य कर रही है। इस अवसर पर मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूँ कि देश के सांस्कृतिक आदर्शों की रक्षा के साथ-साथ आधुनिक ज्ञान विज्ञान को भी तरजीह देनी चाहिए, क्योंकि आज की दुनियाँ को इनकी बड़ी जरूरत है। इन्हीं दोनों के समन्वय से हमारा भाग्य सुरक्षित रह सकता है।" गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय ने विज्ञान के क्षेत्र में भी अध्ययन, अध्यापन एवं शोध की व्यवस्था की है, यह हर्ष का विषय है। यहाँ पर गणित, रसायन, भौतिकी, सांख्यिकी, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान तथा सूक्ष्मजीव विज्ञान आदि विषय पढ़ाये जा रहे हैं। स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज का स्वप्न था कि ऐसे विषयों में अध्यापन कराया जाय जो ब्रह्मचारियों को आत्मनिर्भर बनाएं तथा उनके सामने आजीविका की समस्या न रहे। कम्प्यूटर और प्रबन्धन ऐसे ही विषय हैं, जिनमें यहाँ पर उच्च शिक्षा की व्यवस्था है।

नवस्नातकों, मैं यह कहना चाहता हूँ कि आने वाली शताब्दी सूचना प्रौद्योगिकी के विकास की शताब्दी होगी। भारत वर्ष ने इस दिशा में अभूतपूर्व उन्नति की है। कम्प्यूटर के सोफ्टवेयर के विकास में भारत किसी भी पाश्चात्य देश से कम नहीं है। कम्प्यूटर जगत में प्रतिदिन नए आविष्कार और विकास हो रहे हैं। विश्वभर में कम्प्यूटर की दुनियाँ की मौजूद टैक्नोलोजी अब बीते दिनों की बात हो जाएगी। कम्प्यूटर का सिलिकोन आधारित माइक्रो प्रोसेसर अपना समय पूरा कर चुका है। अब इसमें बदलाव किए जाने की जरूरत है। भारतीय विज्ञान संस्थान में इन दिनों एक ऐसी बायो चिप तैयार करने की दिशा में काम चल रहा है, जो जीवन के बुनियादी अंग कोशिका पर आधारित है। इसका अर्थ है कि एक जीवित माइक्रो प्रोसेसर तैयार किया जा रहा है। संस्थान के वैज्ञानिकों के सामने यह बात आयी है कि सोलरियम बैक्टीरिया और हालो बैक्टीरियम में पाये जाने वाले प्रोटीन लेजर के प्रभाव से कुछ खास गुणों को प्रकट करते हैं। इनके आधार पर एक त्रि आयामी चिप तैयार की जा सकती है, जिसमें काफी ज्यादा आंकड़ों को सुरक्षित रखा जा सकता है। अब तक कम्प्यूटर सिलिकोन चिप पर चलते थे पर अब कम्प्यूटर बायोचिप पर चलने लगेंगे। बायो चिप की स्मृति सिलिकोन चिप की अपेक्षा एक हजार गुणा अधिक
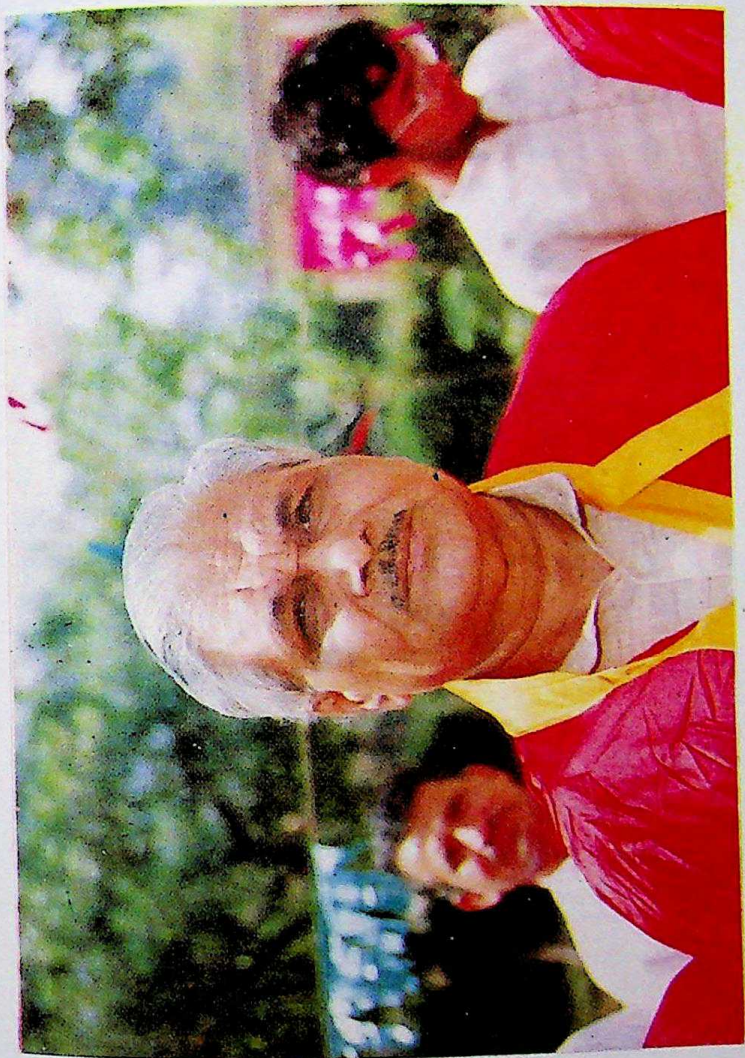
डा० धर्मपाल — कुलपति

होगी। मुझे विश्वास है कि यहाँ पर कम्प्यूटर विज्ञान विभाग भी इस दिशा में प्रवृत्त होगा। आज देश का पर्यावरण प्रदुषित हो चुका है। इसको सुधारने का उत्तरदायित्व भी आपका है। वायु, जल, ध्वनि सभी में प्रदूषण है। पर्यावरण विज्ञान विषय आपके विश्वविद्यालय में पढ़ाया जा रहा है। वैदिक ऋचा है- "उपह्वरे गिरीणां संगमे च नदीनाम्, धिया विप्रो अजायत।" पर्वतों की उपत्यकाओं में तथा नदियों के संगम पर ब्राह्मणों की मेधा उर्द्बुद्ध होती है। गुरुकुल की स्थापना ऐसे ही प्रदूषण रहित स्थान पर हुई थी। आप इसे संभाल कर रखिये। हमारी पारम्परिक मर्यादा में धरती, जल, आकाश ब्रह्माण्ड सभी कुछ शुद्ध रखने के आदेश हैं। वृक्षों, वनस्पतियों और पशु पक्षियों को रक्षणीय बनाया गया है। नदियों को शुद्ध रखने की बात कही गई है। आप सब मिलकर वनों की रक्षा कीजिए। नदियों को प्रदूषण मुक्त रखिए। वैदिक ऋचाओं में वर्णित आश्रम व्यवस्था के अनुकूल ही हमारे ब्रह्मचारियों एवं राष्ट्र के भावी कर्णधारों की शिक्षा, स्वास्थ्य-सौष्ठव एवं चरित्र निर्माण की शालाएं, विद्यालय एवं विश्वविद्यालय इसी प्रकार के सुशान्त, सुरम्य प्रदूषण रहित वातावरण में होनी चाहिए।

इस विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर के अनेक स्नातकों ने देश-विदेश में जाकर जो कार्य किया है, वह सराहनीय है। अपने हृदय में विश्व बन्धुत्व का भाव लेकर स्नातकों ने विदेशों में भी शिक्षा, धर्म, राजनीति तथा व्यवसाय के क्षेत्र में विशिष्ट मानदण्ड स्थापित किए हैं। पं० अमीचन्द विद्यालंकार ने फिजी में जाकर अनेक शिक्षण संस्थाएं प्रारंभ की। वे वहाँ के संसद सदस्य भी बने। आचार्य रामदेव, पं० सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, पं० बुद्धदेव विद्यालंकार, पं० मदन मोहन, श्री विद्यासागर विद्यालंकार, पं० सत्यपाल सिद्धान्तालंकार, पं० ईश्वरदत्त विद्यालंकार, श्री सत्यदेव भारद्वाज वेदालंकार, श्री धर्मेन्द्र नाथ वेदालंकार, श्री देवनाथ वेदालंकार, श्री रणधीर वेदालंकार, श्री अमृतपाल वेदालंकार, पं० श्याम सुन्दर स्नातक ने बर्मा, अफ्रीका, केन्या, युगाण्डा, टांगानीका, सिंगापुर, मलाया, यूरोप में जाकर वैदिक सिद्धान्तों एवं हिन्दी भाषा का प्रचार प्रसार किया। मोजाम्बीक में पं० रविशंकर सिद्धान्तालंकार, पं० सुमन्त राय विद्यालंकार, पं० मतिमान विद्यालंकार तथा रोडेशिया में पं० हरिदेव वेदालंकार और दक्षिण अफ्रीका में पं० सुधीर कुमार विद्यालंकार, श्री अरूण कुमार विद्यालंकार, श्री हरिशंकर आयुर्वेदालंकार, पं० नरदेव वेदालंकार ने सराहनीय कार्य किया। इस समय भी देश विदेश में अनेक स्नातक गुरुकुल का नाम उज्जवल कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय की रिपोर्ट में पढ़ा गया कि इस वर्ष विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्तर की १२ गोष्ठियाँ तथा क्षेत्रीय स्तर की चार खेलकूद की प्रतियोगितायें तथा अन्य अनेक शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुए। भारत वर्ष ने जिनकी तपस्या, विद्वत्ता, सहृदयता, अनुरागिता, विश्वजनीनता तथा सद्भावना के बल पर विश्वगुरु का स्थान प्राप्त किया, वे इस देश के ऋषि और आचार्य ही थे।

एतद्देश प्रसूतस्य सकाशादग्रजन्मनः।
स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेरन् पृथिव्यां सर्वमानवाः।।

पृथ्वी के सभी मनुष्य, इस देश में उत्पन्न अग्रणी लोगों के जीवन व्यवहार के अनुरूप अपने आचरण एवं चरित्र को ढालते थे। अतः इन विशिष्ट कार्यक्रमों के आयोजन के लिए मैं आचार्यों का साधुवाद करता हूँ। देश के अभ्युत्थान में आचार्य की भूमिका महत्वपूर्ण होती है क्योंकि वह केवल प्रस्तरीय ज्ञान प्रदान नहीं करता, बल्कि आचार एवं सदाचार की शिक्षा देकर छात्र का निर्माण करता है।

गुरुकुल कांगड़ी फार्मेसी के अधिकारियों से मैं यह कहना चाहता हूँ कि देश से लुप्त होती जा रही, जड़ी बूटियों का संरक्षण आवश्यक है। देश के आयुर्वेदिक और कास्मेटिक उद्योग में जिस तेजी से दुर्लभ जड़ी बूटियों की माँग बढ़ती जा रही है, उससे उनके लुप्त होने का खतरा पैदा हो गया है। हिमालय के "टैक्टस" नामक पौधे का इस्तेमाल कैंसर की दवा बनाने में होता है। यह पौधा बहुत धीरे विकसित होता है। इस सम्पदा की रक्षा हमें करनी चाहिए। भारत कृषि प्रधान देश है। अन्न और जल के यहाँ भरपूर भण्डार हैं। इसको और विकसित करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्तर पर कृषि प्रौद्योगिकी की अनेक ऐसी योजनाएं बनायी जा रही हैं, जिनसे इस क्षेत्र में और अधिक उन्नति होगी तथा कृषि क्षेत्र में संलग्न कृषकों तथा मजदूरों का जीवन सुरक्षित हो सकेगा। गुरुकुल कांगड़ी के कृषि फार्म को भी नवीन तकनीकों के आधार पर विकसित किया जाना चाहिए। युवा शक्ति के सम्मुख सामाजिक दायित्व की कुछ चुनौतियाँ हैं। देश में, समाज में साक्षरता अभियान को चलाने में अपूर्व योगदान दे सकते हैं। हमारे देश की लगभग आधी जनता साक्षर नहीं है। आप लोगों को विश्वविद्यालय स्तर तक अध्ययन करने का सौभाग्य मिला है। आप साक्षरता के राष्ट्रीय कार्यक्रम से जुड़कर अपने कर्तव्य को पूरा कीजिए। शिक्षा का प्रसार केवल राजकीय प्रयत्नों से पूरा नहीं किया जा सकता। स्वैच्छिक रूप से कार्य करने वाले महानुभावों तथा संस्थाओं के सहयोग से साक्षरता के लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त किया जा सकता है। साक्षरता के अतिरिक्त कृषि के क्षेत्र में बंजर भूमि का विकास, भूमि रक्षा और जल संसाधनों का प्रबन्ध, खेलकूद और संस्कृति का विकास, पर्यावरण और वनों की रक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, जनसंख्या नियंत्रण की शिक्षा, नशीली वस्तुओं के उपयोग पर नियन्त्रण, एड्स सम्बन्धी शिक्षा और महिलाओं का विकास जैसे कार्यों को भी आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

मुझे यह कहने में गौरव की अनुभूति हो रही है कि भारत ने आज परमाणु शक्ति के क्षेत्र में विशिष्ट स्थान प्राप्त कर लिया है। पोखरन में किए गए परमाणु विस्फोट ने हमें आत्म बल और गौरव प्रदान किया है। सर्वत्र जय जवान, जय किसान और जय विज्ञान का नाद गूंज रहा है। भारत को उन्नत करने में आज नई

पीढ़ी को आगे आने की आवश्यकता है। युवा शक्ति को राष्ट्र को संवारने में अपने नए विचारों के साथ, नई ऊर्जा के साथ, सत्यासत्य पर आधारित चिन्तन के साथ, अदम्य साहस के साथ आगे आना चाहिए। उपनिषद्कार ने कहा है-

सहनाववतु, सहनौ भुनक्तु
सहवीर्यं करवावहै, तेजस्विनावधीतमस्तु, मा विद्विषा वहे।

हम दोनों आचार्य और शिष्य स्वयं मिलकर अपनी परस्पर रक्षा करें, अपने परिश्रम के फलों का साथ साथ उपभोग करें, अपनी ऊर्जा का सदुपयोग करें, हमारी शिक्षा हमें मेधा तथा तेजस्विता प्रदान करे और हम परस्पर ईर्ष्या-द्वेष से रहित हों।

प्रिय नवस्नातकों,

मैं अन्त में तैत्तिरीय उपनिषद् के उसी उपदेश को दुहराता हूँ, जो आचार्य द्वारा ब्रह्मचारी को समावर्तन संस्कार के अवसर पर दिया जाता है।

सत्यं वद, धर्मं चर, स्वाध्यान्माप्रमदः।
स्वाध्याय प्रवचनाभ्याम् न प्रमदितव्यम्।।
अस्माकं सुचरितानि त्वया सेवितव्यानि नो इतराणि।

आज आप लोग गुरुकुल के पवित्र प्रांगण में विद्यानिष्णात होकर दीक्षित हो रहे हैं। सारा देश आपसे अपेक्षा करता है कि आप इस देश के सुयोग्य नागरिक बनकर, इसके निर्माण में तथा उत्थान में योगदान करेंगे। अपनी बुद्धि और विद्या से इस संसार को सुगन्धि से भर देंगे। दया, ममता, करुणा, न्यायप्रियता, समता सद्भावना का अजस्त्र स्त्रोत आपके हृदय से झर झर बह उठेगा। आर्य संस्कृति के उच्चतम आदर्श की छाया में, इस विश्वविद्यालय में आपने शिक्षा प्राप्त की है। आप अपने जीवन से उन सभी कलुषों को दूर करना जो मानव की आत्मा को दूषित और अपवित्र करते हैं। आपने ऋषियों की उस पवित्र होमाग्नि को प्राप्त किया है, जो समस्त मलिनता को भस्म करके इस विश्व में आपको समृद्धि प्रदान करेगी तथा आपके भविष्य को कंटकाकीर्ण होने से बचायेगी। हमारा आशीर्वाद आपके साथ है। आपका कल्याण हो।

लोकाः समस्ता सुखिनो भवन्तु।
सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखभागभवेत्।।

ओ३म् शान्ति। शान्ति। शान्ति।

वेद एवं कला महाविद्यालय

विश्वविद्यालय की व्यवस्थानुसार वेद/कला महाविद्यालय के अन्तर्गत प्राच्य विद्यासंकाय मानविकी संकाय एवं प्रबन्धन आते हैं।

प्राच्य विद्या संकाय में वेद विभाग, संस्कृत विभाग, दर्शन विभाग, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, पुरातत्व संग्रहालय, योग विभाग, शारीरिक शिक्षा विभाग, श्रद्धानन्द वैदिक शोध संस्थान का समायोजन किया गया है।

मानविकी संकाय में हिन्दी विभाग, अंग्रेजी विभाग, मनोविज्ञान विभाग, प्रौढ़ सतत् शिक्षा एवं प्रसार विभाग का समायोजन किया गया है।

प्राच्य विद्या संकाय

प्राच्य विद्या संकाय में वेद, दर्शन, संस्कृत, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व और योग और शारीरिक शिक्षा विभाग हैं। इतिहास विभाग के अन्तर्गत संग्रहालय विज्ञान का प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता है। इस संकाय के अध्यक्ष डा० जयदेव वेदालंकार है।

इस वर्ष इस संकाय में विभिन्न विषयों एवं विभागों में राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियो का आयोजन किया गया उनमें अनेक विश्वविद्यालयों के प्रतिष्ठित विद्वान संकाय में आये और उनके विशिष्ट व्याख्यानों का आयोजन हुआ। उनमें से कुछ प्रतिष्ठित विद्वानों के नाम इस प्रकार हैं।

1- डॉ० अमरनाथ पाण्डेय-काशी विद्यापीठ, वाराणसी (विजिटिंग प्रोफेसर)
2- प्रो० एस०आर० भट्ट-दर्शन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
3- प्रो० डी० प्रहलादाचार्य-न्याय विभाग, बैंगलौर विश्वविद्यालय (कर्नाटक)
4- प्रो० वेद प्रकाश उपाध्याय- संस्कृत विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़
5- प्रो० बी०बी० चौबे- विश्वेरानन्द वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर, पंजाब।
6- प्रो० आर०के० द्विवेदी- इतिहास विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय
7- प्रो० एस०एन० मिश्र- इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय
8- प्रो० एस०जी० नैथानी- गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर (गुजरात)
9- डॉ० पीताम्बर झा- केवल्य धाम, लोगावला पूना, (महाराष्ट्र)
10- डॉ० नरेश कुमार- निदेशक केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसन्धान परिषद दिल्ली

संकाय के कतिपय छात्र अनुसन्धान कार्य के लिये यू०सी०जी० नई दिल्ली द्वारा आयोजित (आई०आर० एफ०) भी प्राप्त कर रहे हैं। इस संकाय के कई स्नातक नैट परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं।
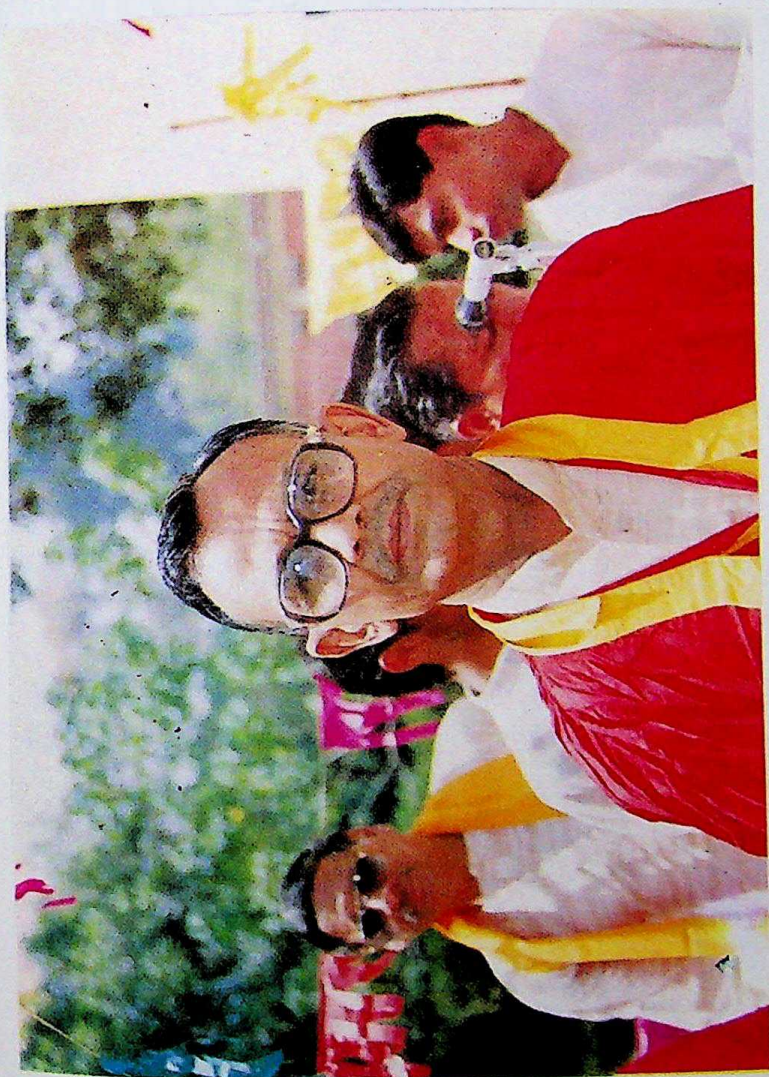
प्रो० वेद प्रकाश शास्त्री – आचार्य एवं उपकुलपति

वेद विभाग

विभागाध्यक्ष डॉ० मनुदेव बन्धु द्वारा लिखित पुस्तक "छन्दोग्योपनिषद्-एक अध्ययन" का प्रकाशन हुआ। डॉ० रूपकिशोर और डॉ० दिनेशचन्द्र शास्त्री वेद विषय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्रोजेक्ट लेकर कार्य कर रहे हैं।

विभागीय प्राध्यापको के निर्देशन में वैदिक साहित्य के विभिन्न विषयों पर शोधकार्य चल रहा है।

डॉ0 भारतभूषण विद्यालंकार, प्रोफेसर

1. शोधनिर्देशन :- शोधार्थी विभिन्न वैदिक विषयों पर शोध कार्य कर रहे हैं।
2. सम्पादन कार्य :- गुरुकुल पत्रिका का सम्पादन कार्य कई वर्षों से कर रहे हैं। इस पत्रिका के कई विशिष्ट अंक इनके सम्पादकत्व में प्रकाशित हो चुके हैं।
3. कान्फ्रेन्स/सेमिनार :- पाँच कान्फ्रेन्स/सेमिनार में सक्रिय भाग लेकर शोधपत्र वाचन किया।

विश्वविद्यालय से बाहर अनेक स्थानों पर जाकर वेद एवं भारतीय संस्कृत से सम्बधित व्याख्यान दिये।

डॉ0 रूपकिशोर शास्त्री :

डा० शास्त्री ने इस वर्ष अपनी एक शोध योजना पूर्ण की तथा नई शोध योजना पर कार्य कर रहे हैं।

डॉ0 दिनेशचन्द्र शास्त्री, वरिष्ठ प्रवक्ता

1- शोधनिर्देशन :- शोधार्थी इनके निर्देशन में पी.एच.डी. कर रहे हैं।
2- बृहद्शोध परियोजना :- यू.जी.सी. द्वारा स्वीकृत Major Research Project का कार्य प्रगति की ओर है।
3- सम्पादन कार्य :- गुरुकुल विश्वविद्यालय से प्रकाशित होने वाली 'गुरुकुल पत्रिका' नामक मासिक शोध पत्रिका का उपसम्पादक कार्य किया।
4- प्रकाशन कार्य :- इस सत्र में दस शोधपत्र/लेख विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।
५- कान्फ्रेन्स/सेमिनार आदि- 17-18 नवम्बर 98 में गुरूकुल विश्वविद्यालय में आयोजित **'Contribution of Mahatma Gandhi and Swami Shraddhanand to Indian Freedom Struggle & Cultural Heritage** नामक विषय पर सेमिनार में "रामचरितमानस का स्वामी श्रद्धानन्द पर प्रभाव" शीर्षक शोधपत्र वाचन किया।

श्रद्धानन्द वैदिक शोध संस्थान

वैदिक वाङ्मय एवं प्राच्य विद्याओं के उच्चस्तरीय शोध-कार्य हेतु संस्थापित इस संस्थान में 31 दिसम्बर 1998 तक डा० भारतभूषण विद्यालंकार संस्थान के निदेशक पद का दायित्व वहन करते रहे। जनवरी 1999 से डा० महावीर, डी.लिट् ने प्रोफेसर का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

- विश्वविद्यालय की मासिक शोध-पत्रिका का सम्पादन कार्य भी प्रो० महावीर कर रहे हैं।
- 13 से 15 अक्टूबर 1998 में आपने अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन बड़ौदा में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और वेदों में "प्रतीकात्मकता" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- देहली में आयोजित विश्व वेद सम्मेलन में "वैदिक जीवन दर्शन" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार के प्रबन्धन संकाय द्वारा 18.२0 फरवरी 1999 तक आयोजित शोध-संगोष्ठी में "वैदिक प्रबन्धक" विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में 24-26 मार्च 99 में आयोजित त्रिदिवसीय शोध-संगोष्ठी में "ऋग्वेद में उपसर्ग" विषय पर शोध-पत्र वाचन किया।
- देहली विश्वविद्यालय के प्रबन्धन संकाय द्वारा "Emerging Issues in Marketing and H.R.M." विषय पर आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में 'Managerial Issues in Vedic Literature' तथा 'Motivation Approach in Geeta' विषय पर दो व्याख्यान दिये।
- गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव पर वेद-सम्मेलन में "वेदों में प्रबन्ध" विषय पर व्याख्यान दिया।
- गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालापुर में वेद-सम्मेलन में "वर्तमान युग में वेदों की प्रासङ्गिकता" विषय पर व्याख्यान दिया।
- अब तक आपके निर्देशन में 15 शोधार्थी पी-एच.डी. की शोधोपाधि प्राप्त कर चुके हैं और 10 छात्र शोध कार्य कर रहे हैं।
- इस वर्ष आपकी दो वार्ताएं आकाशवाणी नजीबाबाद से प्रसारित हो चुकी हैं।

संस्कृत विभाग

विभाग के छात्र लगभग सभी स्थानों पर प्रतिष्ठित पदों पर कार्यरत हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवाओं में भी यहाँ के छात्र स्थान प्राप्त कर चुके है। मान्य कुलपति डॉ० धर्मपाल जी की अध्यक्षता में संस्कृत दिवस मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ० रामनाथ जी वेदालंकार रहे ।

इस वर्ष विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित डॉ० अमरनाथ पाण्डेय (पूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष काशी विद्यापीठ, वाराणसी) ने विभाग को स्मरणीय निर्देशन दिया।

इस वर्ष समय-समय पर विद्वानों के विशिष्ट व्याख्यान छात्रों के ज्ञानवर्धन के लिए कराए गए।

विभागीय प्राध्यापकों के कार्यों का विवरण

प्रो० वेदप्रकाश शास्त्री

(आचार्य एवं उपकुलपति)

अनेक विश्वविद्यालयों की शोध समिति तथा शिक्षा समिति साक्षात्कार समिति में विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। रेलवे स्टेशन सलाहकार समिति में सम्मानित सदस्य के रूप में रेल विभाग ने नामित किया। प्रो० शास्त्री के निर्देशन में इस वर्ष चार शोध छात्रों ने कार्य करना प्रारम्भ किया। विभिन्न विषयों पर शिक्षण संस्थानों में विशिष्ट व्याख्यान संस्कृत में दिए।

डॉ० सोमदेव शतांशु,

रीडर संस्कृत विभाग

1998-99 शिक्षा सत्र में स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान बदायूँ में आयोजित दो शोध गोष्ठियों में शोध पत्र प्रस्तुत किए। वेदव्यास संस्कृत महाविद्यालय, राउरकेला, सुन्दरगढ़, उड़ीसा में आयोजित पश्चिम उड़ीसा संस्कृत सम्मेलन में भाग लिया तथा वेद सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।

इस समय इनके निर्देशन में पाँच छात्र शोधकार्य कर रहे हैं।

डॉ0 राम प्रकाश शर्मा विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहें हैं। इनके निर्देशन में छात्र शोधकार्य कर रहे है कई छात्र शोध पूरा कर चुके है।

डॉ0 ब्रह्मदेव– प्राध्यापक

दिनांक 4/1/98 को कालिदास समारोह के तत्वावधान में (विक्रमविश्वविद्यालय, उज्जैन) आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत वादविवाद प्रतियोगिता में डॉ० ब्रह्मदेव ने "कालिदास साहित्य में पर्यावरण चेतना" विषय पर अपना शोध पत्र वाचन किया।

दर्शन विभाग

डॉ0 जयदेव वेदालंकार –प्रोफेसर

आई. बी. आई. में निदेशक मण्डल में नाम चयनित हुआ यू०एस०ए० अमेरिका।

राष्ट्रीय पुरस्कार–

श्री मेघ जी भाई आर्य साहित्य पुरस्कार 1998, 5 जौलाई 1998 में मुम्बई, आर्य समाज सान्ताक्रुज के तत्वाधान में मोरिशिश के पूर्व उपराष्ट्रपति द्वारा प्रदत्त/राशि-रू० 15000/- (पन्द्रह हजार) एवं रजत ट्राफी प्रदान की गई।

शोध ग्रन्थ–

भारतीय दर्शन की समस्यायें, वैदिक दर्शन उपनिषदों का तत्वज्ञान, वैदिक साहित्य का इतिहास, भारतीय दर्शन में प्रमाण, महर्षि दयानन्द की विश्व दर्शन को देन।

आई०सी०पी०आर० नई दिल्ली के सौजन्य से प्राप्त एक लाख रुपये की राशि से २८ मार्च से ३० मार्च ६६ तक इनके निर्देशन में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन हुआ। इस राष्ट्रीय सेमिनार के निदेशक के रूप में कार्य किया।

कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के शिक्षा समिति के विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

डॉ0 विजय पाल शास्त्री –रीडर

1. शोध ग्रन्थ- 1- पातंजलयोग विमर्श
   2- त्रिकदर्शन का समीक्षात्मक तत्वमीमांसीय अध्ययन
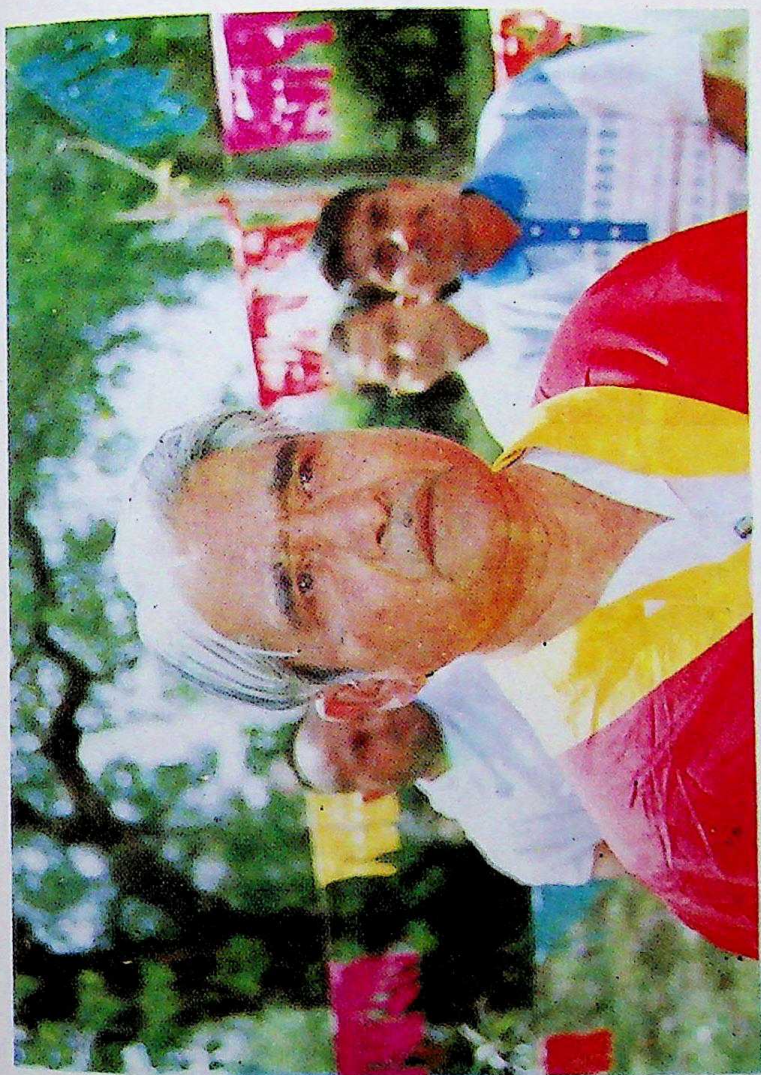
प्रो० श्यामनारायण सिंह – कुलसचिव

2. राष्ट्रीय सेमिनार - 25 एवं 26 मार्च 99 में कानपुर विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में "धर्म निरपेक्षता" और "राष्ट्रवाद" का अन्तर्विरोध विषय पर शोध पत्र वाचन किया।
3. Who's Who में नाम अंकित ।
4. पांच शोध छात्र निर्देशन में शोधरत है।

डॉ0 त्रिलोक चन्द–रीडर

1. शोधग्रन्थ - 1- पातंजल योग एवं श्री अरविन्दो
   2- ब्रह्मचर्य ही जीवन है। 3- योग ही जीवन है।
2. शोध निर्देशन- सात शोध छात्र कार्य कर रहे है।

डॉ0 यू0एस0 बिष्ट–रीडर

सितम्बर 98 में अखिल भारतीय दर्शन का वार्षिक अधिवेशन, दर्शन विभाग के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। इस अधिवेशन में लगभग 150 प्रतिनिधि उपस्थित हुये। इस अवसर पर ज्ञान मीमांसा, तत्व मीमांसा और धर्म दर्शन तथा नीतिशास्त्र आदि विषयों पर गोष्ठियाँ सम्पन्न हुई। डा० यू०एस०बिष्ट सेमीनार में स्थानीय सचिव थे। सम्प्रति डा० बिष्ट आई०सी०वी०आर० दिल्ली में निदेशक पद पर प्रतिनियुक्ति में गए हुए हैं।

डॉ0 सोहनपाल सिंह आर्य–प्राध्यापक

शोध पत्र वाचन–

दर्शन विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में स्वराज्य पर पुनर्विचार विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। दर्शन विभाग, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय दर्शन परिषद के अधिवेशन के अवसर पर आदर्श विकास नीति के दार्शनिक आधार पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। 28 मार्च से 30 मार्च 99 को आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में "छल का सम्प्रत्यय अर्थ एवं भेद" विषय पर शोध पत्र वाचन किया। गुरुकुल पत्रिका के विशेषांक "न्यायाधीश महावीर सिंह स्मृति अंक" जून- उनके जीवन पर लेख प्रकाशित। स्टाफ कालेज कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित चार सप्ताह का ओरियन्टेशन कोर्स उत्तीर्ण किया।

प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग

वर्तमान सत्र में प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग के सदस्यों की गतिविधियों का वर्णन इस प्रकार किया जा सकता है-

1. **प्रो० श्यामनारायण सिंह–**

   डॉ० सिंह के निर्देशन में इस सत्र में एक छात्र को पी.एच.डी. उपाधि प्रदान की गई तथा दो छात्र शोध हेतू पंजीकृत किये गये। इस प्रकार इस सत्र में कुल 6 शोध छात्र इनके निर्देशन में शोध रत है।

2. **डॉ० काशमीर सिंह भिण्डर–रीडर**

   डॉ० भिण्डर के निर्देशन में इस वर्ष जहाँ दो छात्रों को पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की गई वहीं दो शोध छात्रों का शोध कार्य प्रगति पर है।

3. **डॉ० राकेश शर्मा– रीडर एवं विभागाध्यक्ष**

   इस सत्र में डा० शर्मा विभिन्न विश्वविद्यालयों में परीक्षक भी नियुक्त हुये अध्यापन के अतिरिक्त आपके निर्देशन में एक छात्र पी.एच.डी. उपाधि से सम्मानित हुआ और 2 छात्रों का शोध कार्य प्रगति पथ पर अग्रसर है।

4. **डॉ० प्रभात कुमार–प्रवक्ता**

   स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं में अध्यापन के साथ-साथ डॉ० प्रभात कुमार ने अपने निर्देशन में हरिद्वार के आसपास के पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों का सर्वेक्षण कर इस क्षेत्र में नई जानकारी प्रदान की साथ ही सर्वेक्षण द्वारा विभाग को महत्वपूर्ण पुरावशेष प्रदान किये। जिनमें कुषाण काल से लेकर प्रतिहार काल के अवशेष महत्वपूर्ण हैं साथ ही डॉ० प्रभात कुमार ने छात्रों को मथुरा संग्रहालय और कलसी जैसे एतिहासिक स्थल का भ्रमण भी कराया।

5. **डॉ० देवेन्द्र कुमार गुप्ता– प्रवक्ता**

   डा० गुप्ता इस सत्र में एतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण दो लेखों को लिखा।

❖ ❖ ❖

पुरातत्व संग्रहालय

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार

इस वर्ष पुरातत्व संग्रहालय को वन्य जीवन के विश्व प्रसिद्ध छायाकार रामेश बेदी द्वारा वन्य जीवन से संबंधित ६८ छायाचित्र एवं अन्य जैविक तथा वानस्पतिक सामग्री प्रदान की गई। इस वर्ष लगभग ५००० पर्यटकों और विद्यार्थियों ने संग्रहालय का भ्रमण किया। इसमें बड़ी संख्या अनेक देशी एवं विदेशी शिक्षा शास्त्रियों, प्रशासनिक अधिकारियों और लोक सेवकों की रहीं जिसमें कुछ प्रमुख नाम इस प्रकार है- **श्री विद्या सागर**, पोर्ट मोरेस्बी, में भारतीय उच्चायुक्त, ले० जनरल **ओ०पी० कौशिक**- कुलपति महर्षि दयानन्द वि०वि० रोहतक, **श्री जगमोहन सिंह राजपूत**-अध्यक्ष राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, **डा० इन्दूप्रकाश पाण्डे**-निदेशक भारतीय संस्कृति संस्थान फैंकफुर्ट, जर्मनी एवं **श्री करतार सिंह**-सहायक आयुक्त केन्द्रीय विद्यालय संगठन, देहरादून। इन सबके अतिरिक्त इसी वर्ष पुरातत्व संग्रहालय की लगभग ४५ पृष्ठों की एक विस्तृत विवरण पुस्तिका का भी प्रकाशन हुआ।

पुरातत्व संग्रहालय के सदस्यों की इस सत्र की गतिविधियों का वर्णन विवरण निम्न रूप से दिया जा सकता है।

डा० राकेश शर्मा—निदेशक

पुरातत्व संग्रहालय में डा० रामेश बेदी से संग्रहालय हेतु वन्य जीवन के छाया चित्र प्राप्त करने और संग्रहालय में उनकी एक नवीन वीथिका नियोजित करने में सक्रिय योगदान दिया। साथ ही संग्रहालय की विस्तृत विवरण पुस्तिका प्रकाशित करने में योगदान दिया।

आपने अपने पदानुरूप कार्यों का सफलता पूर्वक निर्वाह करने के साथ-साथ अष्ट धातु प्रतिमा कक्ष को पुनर्नियोजित करने का कार्य किया।

डा० सूर्यकान्त श्रीवास्तव— संग्रहपाल

आपने अपने पदानुरूप कार्यों का सफलतापूर्वक निर्वाह करते हुए अष्टधातु प्रतिमा कक्ष को पुनर्नियोजित करने का कार्य किया।

डा० सुखबीर सिंह – सहायक संग्रहपाल

डा० सिंह ने वन्य जीव छाया चित्र वीथिका को नियोजित किया, विशिष्ट अतिथियों को संग्रहालय का भ्रमण कराने के साथ-साथ पुरातत्व संग्रहालय विज्ञान के छात्रों का अध्यापन भी किया।

श्री अनिल कुमार सिंह – संग्रहालय सहायक

श्री सिंह ने नवीन गैलरी के निर्माण में डा० सुखबीर सिंह को सहयोग देने के साथ-साथ संग्रहालय की विवरण पुस्तिका के लेखन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके अतिरिक्त पुरातत्व एवं संग्रहालय विज्ञान की स्नातक कक्षाओं एवं अभिलेख शास्त्र की स्नातकोत्तर कक्षाओं में अध्यापन भी किया। इसी वर्ष श्री अनिल कुमार सिंह ने संग्रहालय की तकनीकि से संबद्ध आधुनिकतम जानकारी प्राप्त करने हेतु इण्टेक एवं राज्य संग्रहालय लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित २१ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी सफलतापूर्वक पूरा किया।

श्री अरविन्द कुमार ने कार्यशाला से संबद्ध कार्यों को करने के अतिरिक्त संग्रहालय की व्यवस्थाओं और इतिहास विभाग की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय योगदान दिया।

योग विभाग

इस वर्ष विभाग में डा० नरेश कुमार, निदेशक, केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली, डा० पीताम्बर झा, कैवल्यधाम लोणावला (पूना) महाराष्ट्र, डा० एच.जी. नोतानी, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय जामनगर तथा डा० जे०पी० दौनेरिया कैवल्यधाम दिल्ली द्वारा उपयोगी व्याख्यान दिए गए।

शिक्षकों की गतिविधियाँ –

(क) डा० ईश्वर भारद्वाज, विभागाध्यक्ष

मोरारजी देसाई, राष्ट्रीय योग संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित योग के रि-ओरियंटेशन पाठ्यक्रम में अतिथि व्याख्यान दिए। केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली के द्वारा विभिन्न केन्द्रों के निरीक्षण के लिए विशेषज्ञ नामित। केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद्

कुलपताका गीत के समय विश्वविद्यालय के पदाधिकारी

द्वारा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के विभिन्न पाठ्यक्रमों के नियमोपनियमों तथा पाठ्यक्रमों को अन्तिम रूप दिए जाने के लिए आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय जौनपुर द्वारा कालिज एफिलिएशन समिति में विशेषज्ञ के रूप में नामित। डा० हरिसिंह गौर वि०वि० सागर में 'योग द्वारा स्वास्थ्य' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में मुख्य वक्ता के रूप में पत्रवाचन।

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के प्रबन्धन संकाय में **'Management in New Millenium'** विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मानसिक तनाव एवं योगाभ्यास' विषय पर पत्रवाचन। प्रौढ़ एवं सतत् शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित दो ओरियंटेशन पाठ्यक्रमों में अतिथि व्याख्यान दिए।

'माता एवं शिशु स्वास्थ्य संरक्षण' के विषय पर राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय गुरुकुल कांगड़ी में आयोजित कार्यक्रम में 'योग द्वारा माता व शिशु के स्वास्थ्य का संरक्षण' विषय पर व्याख्यान दिया। विभिन्न विश्वविद्यालयों की शिक्षा समिति (योग) में विषय विशेषज्ञ के रूप में नामित।

(ख) डा० सुरेन्द्र कुमार (प्रशिक्षक)-
विभागीय अध्यापन/प्रशिक्षण कार्य में विभागाध्यक्ष के निर्देशानुसार कार्य किया। शोध प्रबन्ध का प्रकाशन हुआ।

(ग) डा० सुरक्षित गोस्वामी (प्रशिक्षक)
पी-एच.डी. उपाधि प्राप्त की। स्थानीय रोगियों को योग चिकित्सा उपलब्ध कराई। अध्यापन कार्य में सहयोग किया। सागर वि०वि० में योग सेमीनार में भाग लिया।

(घ) श्री योगेश्वर दत्त (प्रशिक्षक)
अध्यापन कार्य में सहयोग किया।

शारीरिक शिक्षा विभाग

वर्ष ९८-९९ में विभाग के अन्तर्गत बैडमिन्टन तथा टेबल टैनिस अन्तर संकाय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में चुने हुए खिलाड़ियों को विश्वविद्यालय की ओर से उत्तर क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए भेजा गया। इस वर्ष वॉलीवाल, कबड्डी, क्रिकेट तथा हॉकी की टीमों ने भी उत्तर क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लिया। एथेलेटिक्स तथा कुश्ती की टीमों ने अखिल भारतीय अन्तर वि०वि० प्रतियोगिताओं में भाग लिया। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता में गु०कां०वि०वि० के एम०ए० संस्कृत प्रथम वर्ष के छात्र श्री रमेश कुमार ने सात विश्वविद्यालयों के खिलाड़ियों को पराजित कर अंकों के आधार पर चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

इस वर्ष विभाग के अन्तर्गत डा० आर०के०एस० डागर के निर्देशन में उत्तर क्षेत्र अन्तर वि०वि० टेबल टेनिस प्रतियोगिता (महिला एवं पुरुष) का आयोजन किया गया जिसमें पुरुष वर्ग में २६ टीमों ने तथा महिला वर्ग में १८ टीमों ने भाग लिया। इस वर्ष वि०वि० के प्रांगण में रिकार्ड समय में राष्ट्रीय स्तर के दो बॉस्केटबाल कोर्टो का निर्माण कराया गया। दिनांक ४-१२-९८ को ही कुलाधिपति जी द्वारा उत्तर क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालयों की २० टीमों ने भाग लिया। दिनांक १३-२-९९ को कुलपति इलेवन तथा जिलाधिकारी इलेवन के बीच एक सदभावना मैच खेला गया। इस वर्ष वार्षिक खेलों के अन्तर्गत एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें वि०वि० के छः संकायों के १५० से अधिक खिलाड़ियों ने आठ स्पर्धाओं में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में एम०ए० संस्कृत प्रथम वर्ष के छात्र श्री रमेश कुमार को अंकों के आधार पर वर्ष १९९८-९९ को सर्वश्रेष्ठ एथलीट चुना गया। वि०वि० की तरफ से जिला स्तरीय तथा मण्डल स्तरीय प्रतियोगिताओं में एथलेटिक्स, कबड्डी तथा कुश्ती की टीमों ने भाग लिया। इस वर्ष वि०वि० की बैडमिन्टन टीम ने उत्तर क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के क्वार्टर फाईनल में चण्डीगढ़ वि०वि० की टीम से खेला। डा० आर०के०एस० डागर ने दिल्ली वि०वि० द्वारा आयोजित दो दिवसीय वर्कशाप में भाग लिया जिसमें अमेरिका से आये वैज्ञानिकों ने "एक्ससाइज फिजोलोजी" पर विस्तार से प्रकाश डाला। डा० आर०के०एस० डागर, निदेशक शारीरिक शिक्षा ने हरिद्वार में आयोजित राष्ट्रीय क्रॉस कन्ट्री दौड़ में सह सचिव के रूप में प्रतियोगिता को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। डा० आर०के०एस० डागर ने प्रौढ़ शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी में "वूमैन एमपावरमेन्ट" पर पेपर पढ़ा।

मानविकी संकाय

मानविकी संकाय के अन्तर्गत हिन्दी, अंग्रेजी, मनोविज्ञान विषय में एम०ए० तथा विद्यालंकार (बी.ए.) व सामान्य अलंकार (बी.ए.) स्तर पर हिन्दी, अंग्रेजी, मनोविज्ञान, संस्कृत, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व, योग, व्यावहारिक हिन्दी, व्यावहारिक अंग्रेजी, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, गणित तथा कम्प्यूटर विज्ञान आदि विषयों का अध्यापन किया जाता है। हिन्दी विभाग के अन्तर्गत पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा का अध्ययन किया जा रहा है।

हिन्दी विभाग

विभागीय पाठ्यक्रम समिति की बैठक में हिन्दी-विभाग के अन्तर्गत पत्रकारिता में एम.ए. का पाठ्यक्रम लागू करने की संस्तुति की गई जिसे शिक्षा-समिति की बैठक में भी स्वीकृति मिल गई है। हिन्दी पत्रकारिता पी.जी. डिप्लोमा में विगत दो वर्षों में छात्र संख्या में कई गुणा बृद्धि हुई।

प्रयोजनमूलक हिन्दी का पाठ्यक्रम भी लागू कर दिया गया है। इस वर्ष विभाग के विविध कार्यक्रमों में डा० श्यामसुन्दर शुक्ल, डा० शुकदेव सिंह, डा० श्रीनिवास पांडेय (सभी काशी), डा० महेन्द्रनाथ दुबे (आगरा), डा० नरेश मिश्र (रोहतक), डा० हरिमोहन (गढ़वाल), डा० तारकनाथ वाली (दिल्ली), आदि विद्वानों ने समय समय पर आकर विभाग को लाभान्वित किया।

प्रो० विष्णुदत्त राकेश

आचार्य डा० विष्णुदत्त राकेश को उनकी साहित्यिक सेवाओं के लिए भारत माता मन्दिर समन्वय सेवा न्यास हरिद्वार का राष्ट्रीय समन्वय पुरस्कार, संघड़सभा जयपुर का आचार्य गोवर्धन शास्त्री पुरस्कार तथा उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ बिजनौर अधिवेशन का प्रथम समदिकाचार्य रूद्रदत्त शर्मा एवार्ड प्राप्त हुआ। उनके गुरुकुलीय शिक्षा प्रणाली पर प्रकाशित खण्डकाव्य 'नभग' का विमोचन सुप्रसिद्ध हिन्दी आलोचक डा०नामवर सिंह ने किया। पद्मभूषण डा० शिवमंगल सिंह सुमन ने कथ्य तथा शिल्प की दृष्टि से इसे कामायनी के बाद हिन्दी का दूसरा श्रेष्ठ काव्य बताया है। उनकी दो महत्वपूर्ण सम्पादित पुस्तकों 'कुलपुत्र सुनें' तथा 'स्वामी

श्रद्धानन्द की सम्पादकीय टिप्पणियाँ, का विमोचन विश्वविद्यालय के परिद्रष्टा प्रो० शेर सिंह ने किया। डा० राकेश चारों वेदों के हिन्दी काव्यान्तरण का कार्य कर रहे हैं। डा० राकेश के निर्देशन में संजय वर्मा को 'हिन्दी में आर्य समाज की विज्ञान पत्रकारिता' शीर्षक शोध प्रबन्ध पर पी-एच०डी० की उपाधि प्राप्त हुई।

डा0 सन्तराम वैश्य

डा० वैश्य के निर्देशन में कु० शिवानी को आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में नारी पात्रों की भूमिका शीर्षक शोध प्रबंध पर पी-एच०डी० की उपाधि प्राप्त हुई। 'हिन्दी अनुशीलन' पत्रिका में 'नव जागरण' आर्य समाज और हिन्दी साहित्य, गुरुकुल पत्रिका में 'स्वामी श्रद्धानन्द : हिन्दी साहित्यकार के रूप में, तथा आधुनिक साहित्यिक निबन्ध (सम्पा०- डा० त्रिभुवन सिंह) में पाश्चात्य अलंकार, मानवीकरण, विशेषण विपर्यय और ध्वन्यर्थ व्यंजना शीर्षक लेख प्रकाशित हुए। कबीर की प्रासंगिकता शीर्षक लेख प्रकाशन के लिए स्वीकृत हुआ।

डा0 ज्ञानचन्द्र रावल

सत्र 1998-99 में 6 शोध छात्रों को निर्देशन दिया गया जिनमें से कु० मोनिका को 'विष्णु प्रभाकर के नाटकों में युगबोध' पर पी-एच०डी० की उपाधि प्राप्त हुई। दो शोधार्थी जिनके विषय- 'हिन्दी साहित्य में गंगा' तथा हरियाणा के लोक गीतों पर आर्यसमाज का प्रभाव पंजीकृत हुए हैं। विगत दिनों शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में पी-एच०डी० की मौखिकी परीक्षा हेतु परीक्षक कार्य किया। वर्ष 1998 में दूसरी पुस्तक 'हरिऔध के महाकाव्यः वस्तु और शिल्प' प्रकाशित हुई है।

डा0 भगवानदेव पांडेय

डा० भगवान देव पांडेय वर्तमान समय में हिन्दी के विभागाध्यक्ष पद पर कार्य कर रहे हैं। इन्होंने बालकृष्ण शर्मा नवीन पर आयोजित संगोष्ठी काशी विद्यापीठ तथा नागरीलिपि परिषद की संगोष्ठी-दिल्ली में भाग लिया और अपना लेख वाचन किया। साथ ही पुनश्चर्या पाठयक्रम रोहतक में व्याख्यान दिया। इस वर्ष इनकी दो पुस्तकें-संस्मरण एवं रेखाचित्र तथा रामचरित मानस के व्युत्पत्तिमूलक तत्समेतर शब्द प्रकाशित हुई।

घोष के साथ विद्यालय के छात्र

श्री कमलकान्त बुधकर

श्री कमलकान्त बुधकर वर्ष भर अध्यापन के अतिरिक्त पत्रकारिता के छात्रों को प्रायोगिक परीक्षार्थ भोपाल (म०प्र०) लेकर गए, जहाँ अनेक वरिष्ठ पत्रकारों के व्याख्यान कराए।

अंग्रेजी विभाग

विभागाध्यक्ष श्री सदाशिव भगत के निर्देशन में तीन शोध छात्र/छात्राएं कार्यरत हैं। श्री भगत ने इस वर्ष विभिन्न विश्वविद्यालयों की शोधोपाधि हेतु आई थीसिस का मूल्यांकन किया।

डा० श्रवण कुमार शर्मा के निर्देशन में सात छात्र/छात्राएं पी.एच.-डी. हेतु कार्यरत हैं। अनेक विश्वविद्यालयों में रिफ्रेशर कोर्स के रिसोर्स परसन का कार्य किया। कुछ शोध लेख भी प्रकाशित हुए।

डा० अम्बुज शर्मा ने शोध निर्देशक के अलावा इस वर्ष "महात्मा गांधी एवं स्वामी श्रद्धानन्द" पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

डा० कृष्ण अवतार अग्रवाल के सम्पादकत्व में "वैदिक पथ" अंग्रेजी पत्रिका का प्रकाशन निरन्तर चल रहा है। स्वामी श्रद्धानन्द अनुसंधान प्रकाशन केन्द्र द्वारा प्रकाशित "स्वामी श्रद्धानन्द की सम्पादकीय टिप्पणियां" के लिए सह सम्पादक का कार्य किया। डा० अग्रवाल के संयोजकत्व में अंग्रेजी के समकालीन साहित्य के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। इनके निर्देशन में शोध छात्राएं कार्यरत हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पी.एच-डी. के परीक्षक रहे एवं अनेक गोष्ठियों में शोध पत्र पढ़े। इनकी पुस्तक "Duches of Malfi & Julious Ceaser" प्रकाशित हुई।

इस वर्ष विभाग में प्रोफेसर पद पर डा० मुकेश रंजन वर्मा की नियुक्ति हुई।

मनोविज्ञान विभाग

इस सत्र में हुई शोध समिति की बैठक में तीन विषय शोध कार्य के लिए स्वीकार किए गए। इस सत्र में चार छात्रों ने अपना शोध कार्य पूरा करके शोध प्रबन्ध भी जमा किया।

विभाग के शिक्षकों की शैक्षणिक गतिविधियां इस प्रकार है :

प्रो० ओ०पी० मिश्र :

प्रो० ओ० पी० मिश्र के निर्देशन में तीन शोध छात्राओं ने अपना शोध कार्य पूरा किया। प्रो० मिश्र ने गढ़वाल विश्वविद्यालय के

बोर्ड ऑफ स्टडीज तथा शोध समिति में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। इसके अतिरिक्त गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के चयन हेतु प्रो० मिश्र को विषय विशेषज्ञ के रूप में राज्यपाल, उत्तर प्रदेश द्वारा नामित भी किया गया। प्रो० मिश्र ने आई०ए०पी० कान्फ्रेंस में भी भाग लिया है।

डा० एस०के० श्रीवास्तव :

डा० एस०के० श्रीवास्तव ने इण्डियन काउंसिल ऑफ सोशल साईंस रिसर्च द्वारा स्वीकृत प्रोजेक्ट कार्य पूरा करके सितम्बर 1998 में प्रोजेक्ट रिपोर्ट जमा की। दो शोध पत्र प्रकाशित होने के लिए भेजे गये हैं। दो मनोवैज्ञानिक परीक्षणों की संरचना तथा मानकीकरण का कार्य चल रहा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्वीकृत प्रोजेक्ट पर कार्य चल रहा है। वर्तमान में डा० श्रीवास्तव के निर्देशन में चार शोध छात्र अपना शोध कार्य कर रहे हैं।

डा० सी०पी० खोखर :

डा० सी०पी० खोखर के दो शोध पत्र प्रकाशित किए गए तथा चार शोध पत्र प्रकाशन हेतु भेजे गए। डा० खोखर ने तीन राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लिया। डा० खोखर के निर्देशन में एक शोध छात्र ने अपना शोध प्रबन्ध जमा कर दिया है। इसके अतिरिक्त डा० खोखर के निर्देशन में चार छात्र शोध का कार्य कर रहे हैं।

श्री लालनरसिंह नारायण :

श्री लाल नरसिंह नारायण विभाग में तदर्थ रूप से प्रवक्ता पद पर कार्य कर रहे हैं।

• • •

प्रौढ़ सतत् शिक्षा एवं प्रसार विभाग

प्रौढ़ सतत् शिक्षा एवं प्रसार विभाग गत वर्षों की आख्याओं के आकलन के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्रांक 8 सितम्बर 1997 के अनुसार फेज-2 में रखा गया। तदनुसार नवीं प्लान हेतु प्रस्ताव तैयार किया गया।

सत्र 1998-99 में विभाग में निम्नलिखित कार्यक्रम संचालित किये गये।

1. पी०जी०टी० एवं टी०जी०टी० हेतु 5 दिवसीय ओरियेंटेशन कार्यशाला कार्यक्रम नवम्बर 3-7, 1999 तक आयोजित किया गया।
2. प्राथमिक शिक्षकों का 5 दिवसीय ओरियेंटेशन कार्यक्रम फरवरी 24-28, 1999 तक आयोजित किया गया।
3. सौंदर्य प्रसाधन संबंधी 6 माह का प्रशिक्षण जनवरी 1999 से आयोजित किया जा रहा है।
4. जनसंख्या एवं शिक्षा नामक पुस्तक का प्रकाशन किया गया।
5. भारतीय स्वतन्त्रता के पचास वर्ष में शैक्षिक विकास नामक पुस्तक का प्रकाशन किया गया।
6. डा० जसबीर सिंह मलिक की पुस्तक "प्राचीन भारत में पौरोहित्य" प्रकाशित हुई।

पुस्तकालय

पुस्तकालय का विराट संग्रह अपनी विशिष्टताओं के लिये निम्न रूप से विभाजित हुआ है।

संदर्भ संग्रह, पत्रिका संग्रह, आर्य साहित्य संग्रह, आयुर्वेद संग्रह, विभिन्न विषयों का हिन्दी संग्रह, विज्ञान संग्रह, अंग्रेजी साहित्य संग्रह, पं० इन्द्रजी संग्रह दुर्लभ पुस्तक संग्रह, पांडुलिपि संग्रह, गुरुकुल प्रकाशन संग्रह, प्रतियोगितात्मक संग्रह शोध प्रबन्ध संग्रह, रूसी साहित्य संग्रह, आरक्षित पाठ्य पुस्तक संग्रह, उर्दू संग्रह मराठी संग्रह, गुजराती संग्रह, गुरुकुल प्राध्यापक एवं स्नातक संग्रह, मानचित्र संग्रह वेदमंत्र कैसेट संग्रह।

पुस्तकालय की विशिष्टताएँ : यह पुस्तकालय देश का एकमात्र ऐसा पुस्तकालय है जहाँ आर्यसमाज की पुस्तकों का संग्रह एक पृथक वीथिका के रूप में किया हुआ है।

पत्रिका विभाग : विश्वविद्यालय पुस्तकालय द्वारा आलोच्य वर्ष 1998-99 में 261 पत्रिकायें मंगवाई गई जिनमें से 29 पत्रिकायें विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पत्रिकाओं के विनिमय में प्राप्त हुई है। राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न विषयों की पत्रिकायें मंगाने में लगभग एक लाख रूपये आलोच्य वर्ष में व्यय किये गये तथा 59 पत्रिकाओं की जिल्दबंदी की गई।

अधिग्रहण विभाग : आलोच्य वर्ष में 3,22,080.00 रु० की 1453 पुस्तकें क्रय की गई। भारत सरकार तथा उ०प्र० सरकार द्वारा लगभग 109345.50 रु० की 491 पुस्तकें भेंटस्वरूप प्राप्त हुई हैं।

तकनीकी विभाग : तकनीकी विभाग द्वारा आलोच्य वर्ष में 2550 पुस्तकों को विषयानुसार वर्गीकृत तथा 2468 पुस्तकों को सूचीकृत किया गया। 4600 पुस्तकों पर टैग आदि का कार्य किया गया।

पुस्तक आवर्तन विभाग : पुस्तक आवर्तन विभाग द्वारा कुल 12303 पुस्तकें इश्यू की गई तथा 7323 पुस्तकें वापस की गई। जिसके अन्तर्गत विभागीय खातों में इश्यू 473 पुस्तकें शामिल हैं।

प्रलेखन विभाग : विश्वविद्यालय पुस्तकालय में उपलब्ध पाठ्य सामग्री को पाठकों की सुविधा हेतु पुस्तकालय द्वारा समय-समय पर सूचीबद्ध कर प्रकाशित किया जा रहा है।

दीक्षान्त स्थल की ओर जाते पदाधिकारी एवं अन्य

इसके अब तक निम्न प्रकाशन प्रकाशित किये जा चुके हैं।

1. क्लासिकल राइटिंग ऑन वैदिक एण्ड संस्कृत लिट्रेचर।
2. शोध एवं प्रकाशन संदर्भ।
3. शोध सारावली।
4. कैटलॉग ऑफ बुक्स इन इंगलिश लैंग्वेज ऑन लिट्रेचर इन लाइब्रेरी।
5. थिसिस इन गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार।
6. करन्ट लिस्ट ऑफ पेरियोडिकल्स।
7. पुस्तकालय में उपलब्ध 17वीं तथा 19वीं शताब्दी की पुस्तकों का कैटलॉग निर्माण।

श्रद्धानन्द अनुसंधान प्रकाशन केन्द्र

निदेशक डा० विष्णुदत्त राकेश एवं पुस्तकालयाध्यक्ष के निर्देशन में प्रकाशित पुस्तकों से आलोच्य वर्ष में **46,407.50** रु० की आमदनी हुई तथा **6350.00** रु० की **35** पुस्तकें विनिमय में प्राप्त हुई। अब तक कुल **2,67,652.50** रु० की बिक्री विश्वविद्यालय को इन प्रकाशनों से हुई है। अनुसंधान प्रकाशन निम्न है-

1. वैदिक साहित्य संस्कृति एवं समाज दर्शन
2. वेद का राष्ट्रीय गीत
3. वेद और उसकी वैज्ञानिकता
4. श्रुतिपर्णा
5. स्वामी श्रद्धानन्द
6. दीक्षालोक
7. भारत वर्ष का इतिहास भाग-प्रथम एवं द्वितीय
8. कुलपुत्र सुनें।
9. स्वामी श्रद्धानन्द के सम्पादकीय लेख
10. स्वामी श्रद्धानन्द की सम्पादकीय टिप्पणियां
11. स्वामी श्रद्धानन्द : एक विलक्षण व्यक्तित्व
12. स्वामी श्रद्धानन्द : समग्र मूल्यांकन
13. पं० इन्द्र विद्यावायस्पति : कृतित्व के आयाम

• • •

पुस्तकालय, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पुस्तकालय के स्टाक में उपलब्ध पुस्तकों का विवरण वर्ष 1998–99

क्र.सं०	विभाग का नाम	गत वर्ष तक की पुस्तकों की संख्या	पुस्तकों का मूल्य	वर्ष में क्रय की गई पुस्तकें	वर्ष में किया गया व्यय	वर्ष के अंत में कुल पुस्तकों की संख्या	पुस्तकों का कुल मुल्य
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	संस्कृत	9691	2,71,492.55	43	4,731.00	9734	2,76,223.55
2.	हिन्दी	12140	4,62,734.24	83	8,492.00	12223	4,71,226.24
3.	वेद	7953	3,41,795.25	38	7,249.00	7991	3,49,044.25
4.	मनोविज्ञान	3749	2,71,872.15	70	7,396.50	3819	2,79,268.65
5.	इतिहास	3919	2,30,811.00	46	7,977.00	3965	2,38,788.00
6.	दर्शन	2954	2,22,220.25	36	9,124.00	2990	2,31,344.25
7.	योग	150	13,242.60	78	6,182.50	228	19,425.10
8.	अंग्रेजी	5336	2,41,016.30	29	11,805.00	5365	2,52,821.30
9.	गणित	4099	3,19,235.33	235	41,887.00	4334	3,61,122.33
10.	रसायन	4437	3,80,962.38	196	33,971.00	4633	4,14,933.38
11.	भौतिकी	4123	2,34,421.35	96	29,075.00	4219	2,63,496.35
12.	जन्तु विज्ञान	3968	3,04,931.33	15	25,213.00	3983	3,30,144.33
13.	वनस्पति विज्ञान	2860	2,25,028.20	75	15,818.00	2935	2,40,846.20
14.	सामान्य विषय	49217	5,01,920.87	230	65,911.00	49447	5,67,831.87
15.	पत्रिकायें	1084	7,24,761.24	261	86,012.50	1345	8,10,773.74
16.	कम्प्यूटर	2329	5,42,541.24	69	9,877.00	2398	5,52,418.24
17.	कन्या गुरुकुल देहरादून	401	2,10,571.53	-	-	401	2,10,571.53
18.	हिमालय रिसर्च	5	1,137.00	-	-	5	1,137.00
19.	डीसीए कम्प्यूटर	139	52,973.39	-	-	139	52,973.39
20.	अर्थशास्त्र	79	3,830.33	11	1029.00	90	4,859.33
21.	दान स्वरूप पुस्तकें	4836	17,700.00	491	1,3738.70	5327	31,438.70
22.	कन्या महाविद्यालय, हरिद्वार	1351	1,40,192.00	-	-	1351	1,40,192.00
23.	राजनीति शास्त्र	53	4,393.10	-	-	53	4,393.10
24.	पी.एम.आई.आर.	771	75,760.35	-	-	771	75,760.35
25.	पर्यावरण विज्ञान	230	91,186.00	46	3,3,629.00	276	1,24,815.00
26.	इण्डस्ट्रियल वोकेशनल	223	45,585.00	36	2,713.00	259	48,298.00
27	एम.बी.ए.	1343	6,78,393.00	-	-	1343	6,78,393.00
	कुल	1,27,440	66,10,707.98	2184	4,21,831.20	1,29,624	70,32,539.18

राष्ट्रीय छात्र सेना (एन.सी.सी.)

उपक्रम - १/३१ यू.पी.एन.सी.सी. कम्पनी
गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार

वर्तमान में १/३१ यू.पी..एन.सी.सी. कम्पनी गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय को एन.सी.सी. मुख्यालय लखनऊ से दो प्लाटून की स्वीकृति है जिसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय के १०२ छात्र कैडट के रूप में पंजीकृत हैं।

इस सत्र में भी एन.सी.सी. के प्रथम वर्ष के प्रशिक्षण हेतु विश्वविद्यालय के ५२ छात्रों का चयन एन.सी.सी. कैडट के रूप में विश्वविद्यालय प्रांगण में एन. सी.सी. आफिसर कैप्टन डा. राकेश शर्मा एवं ३१ यू.पी.एन.सी.सी. बटालियन के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी विश्वविद्यालय के कैडेटस का सत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बी.एच.ई.एल. के परेड ग्राउण्ड व विश्वविद्यालय परिसर में चला। इसके अतिरिक्त इस सत्र में रक्षा मंत्रालय भारत सरकार से सम्बद्ध एन.सी.सी. मुख्यालय द्वारा एन्.सी.सी. का बटालियन सार का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर रायपुर, देहरादून में ले० कर्नल एम.बी. थपलियाल के निर्देशन में आयोजित किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के ३० छात्र कैडेट्स के पूर्ण उत्साह के साथ गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस सत्र में विश्वविद्यालय के पूर्व सीनियर अनउर आफिसर शुभम अग्रवाल को लार्ड एडिनब्रा एवार्ड के लिये बटालियन स्तर पर चुना गया और उनका संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा में चयन हो गया। संम्प्रति शुभम अग्रवाल भारतीय सैना अकादमी, देहरादून में सेकेन्ड लैफ्टिनेन्ट पद का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहें हैं।

गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी एन.सी.सी. की 'बी' तथा 'सी' प्रमाण पत्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत क्रमश ७५ एवं ६० रहीं। यह प्रमाण पत्र २६ जनवरी गणतन्त्र दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति डा. धर्मपाल द्वारा कैडट्स को वितरित किये गये।

❖ ❖ ❖

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) वार्षिक विवरण

इस वर्ष ३०६ छात्र योजना के अन्तर्गत पंजीकृत रहे।

१. नियमित कार्यक्रमों के अन्तर्गत छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर तथा कांगड़ी गाँव एवं जगजीतपुर गाँव में अनेक प्रकार के कार्य किये।

२. कार्यक्रम अधिकारी डा० प्रकाश जोशी के नेतृत्व में यू०टी०ए० प्रोग्राम के अन्तर्गत निबन्ध, चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगितायें आयोजित की तथा ३० छात्रों को पुरस्कृत किया गया एवं १०० से अधिक छात्रों को कार्यक्रम में भाग लेने हेतु प्रमाण पत्र प्रदान किए गये।

३. पल्स पोलियो प्रोग्राम के अन्तर्गत छात्रों ने जिला स्तर पर अत्यन्त सराहनीय कार्य किया, तथा डा० प्रकाश जोशी एवं डा० देवेन्द्र गुप्ता के नेतृत्व में विभिन्न अस्पतालों एवं अनेक चिकित्सकों को सहयोग देते हुये लगभग ५००० बालकों को छात्रों के माध्यम से दवा प्रदान की गई।

४. विशेष शिविर योजना के अन्तर्गत समन्वयक प्रो० वी०डी० जोशी के निर्देशन में कार्यक्रम अधिकारी डा० देवेन्द्र गुप्ता की भागीदारी में इस वर्ष का १० दिवसीय शिविर चंडी पुल लेप्रोशी कालोनी तथा कांगड़ी गाँव में आयोजित किए गए, छात्रों ने कुष्ठ आश्रम में मार्ग निर्माण, वृक्षारोपण, साक्षरता अभियान तथा रोगियों की सेवा के कार्य किये। कांगड़ी गाँव में छात्रों ने लगभग १ कि०मी० खड़न्जों (मार्ग) की मरम्मत तथा १ कि०मी० बांध निर्माण में श्रमदान किया एवं ग्रामीणों को स्वास्थ्य परिवार नियोजन एवं एड्स सम्बन्धी जानकारी दी।

५. छात्रों ने हरिद्वार की गरीब तबकों की आबादी वाले क्षेत्रों में रहने वाले २००० परिवारों का तपेदिक की बिमारी हेतु सर्वेक्षण किया तथा डा० के०एन० गम्भीर द्वारा निःशुल्क चिकित्सा दी गई।

६. योजना के समन्वयक प्रो० वी०डी० जोशी के निर्देशन में U.N.I.C.E.F. द्वारा प्रायोजित एक त्रिदिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। मातृत्व एवं बाल विकास से सम्बन्धित समस्यायें वाली इस कार्यशाला में गढ़वाल, कुमाऊँ, मेरठ एवं गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के ३० कार्यक्रम अधिकारियों १० स्थानीय छात्र-छात्राओं तथा लखनऊ एवं बनारस से आये विशेषज्ञों ने भाग लिया।

मंचस्थ पदाधिकारी एवं सीनेट के सदस्य

प्रबन्धन संकाय

राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन :

फरवरी 18-20, 1999 प्रबन्धन संकाय ने "नई सहस्त्राब्दि में प्रबन्ध : भारतीय सन्दर्भ" विषय पर त्रिदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रान्तों से आये ख्यातिलब्ध विद्वानों तथा प्रबन्धकों ने भाग लिया।

संकाय में दिनांक 11 अप्रैल, 1999 को संकाय में "वैदिक प्रबन्ध व्यवस्था" विषय पर एक दिवसीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

शोध-पत्र एवं व्याख्यान :

संकाय के अध्यापकों श्री एस.सी. धमीजा ने तीन, श्री एस.पी. सिंह ने २, डा० विवेक साहनी ने दो, डा० वी.के. सिंह ने तीन, श्री पंकज मदान ने एक शोध पत्र पढ़ा एवं प्रकाशित हुआ। विभाग के डा० अनिल धीमान ने भी एक शोध पत्र सेमिनार में पढ़ा।

ओरियंटेशन कोर्स :

डा० वी०के० सिंह, प्रवक्ता, प्रबन्धन संकाय द्वारा गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर से इस सत्र में ओरियंटेसन कोर्स किया।

आमन्त्रित व्याख्यान :

विभाग में विभिन्न विद्वानों के आमंत्रित व्याख्यान हुए।

भवन निर्माण :

प्रबन्धन संकाय के भवन के विस्तारीकरण के अन्तर्गत संकाय में 148 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता का आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कान्फ्रेन्स हॉल निर्मित है।

विज्ञान महाविद्यालय

पं० जवाहर लाल नेहरू, प्रथम प्रधान मंत्री भारत सरकार द्वारा उद्घाटित विज्ञान महाविद्यालय में तीन संकाय सन्निहित हैं। विज्ञान संकाय, जीव विज्ञान संकाय तथा प्रौद्यौगिकी संकाय। सम्प्रति विज्ञान महाविद्यालय के प्रिंसिपल प्रो० एस०एल० सिंह है।

विज्ञान संकाय के अन्तर्गत (१) गणित एवं सांख्यिकी विभाग (२) रसायन विज्ञान तथा (३) भौतिकी विज्ञान है।

जीव विज्ञान संकाय के अन्तर्गत जन्तु एवं पर्यावरण विज्ञान तथा वनस्पति एवं सूक्ष्म जीविज्ञान है। बी.एस.सी. स्तर तक 'औद्योगिक सूक्ष्म जीव विज्ञान' व्यावसायिक पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है।

प्रौद्योगिकी संकाय के अन्तर्गत सम्प्रति कम्प्यूटर विभाग है।

विज्ञान छात्रावास

मनोविज्ञान विभाग के डा० एस० के० श्रीवास्तव को छात्रावास अध्यक्ष का दायित्व दिया हुआ है। विश्वविद्यालय के अन्दर आधुनिक पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विषय छात्रों को पढ़ाये जा रहे है, जिससे बाहर से आने वाले छात्रों की संख्या बढ़ी है। बाहर से आने वाले छात्रों की संख्या को देखते हुए छात्रावास का निरन्तर विकास किया जा रहा है। वर्तमान में छात्रावास के अन्दर १०० छात्रों के रहने की व्यवस्था है तथा छात्रों के लिए मैस की भी सुविधा छात्रावास में है। छात्रावास में सभी संकायों के छात्रों की आवास सुविधा उपलब्ध करायी जाती है।

गणित एवम् सांख्यिकी विभाग

सत्र 1998-99 में एम.एस-सी. कक्षाएं सेमेस्टर प्रणाली के अन्तर्गत प्रारम्भ हुई। विभाग में (दिसम्बर 19-22, 1998) इन्डियन मैथेमेटिकल सोसायटी की कान्फ्रेन्स आयोजित की गयी। इसमें विभाग के सभी सदस्यों ने अपना योगदान दिया। विभाग में कम्प्यूटर प्रयोगशाला भी स्थापित हुई।

व्यक्तिगत विवरण

प्रो० श्यामलाल सिंह

लोकल सेक्रेट्री के रूप में I.M.S. कान्फ्रेन्स आयोजित करायी। कुछ छात्र इनके निर्देशन में शोधरत है। आजकल व्याख्यान माला के सम्बन्ध में विदेश यात्रा पर गये हुए हैं।

डा0 वीरेन्द्र अरोड़ा

वैदिक गणित पर सिम्पोजियम के कोआर्डिनेटर के रूप में कार्य किया। कुछ छात्र इनके निर्देशन में शोधरत हैं। कुछ शोध पत्र भी प्रकाशित किये।

डा0 विजयेन्द्र कुमार शर्मा (अध्यक्ष)

कान्फ्रेन्स के शैक्षिक कार्यक्रम में तीन शोध पत्रों का योगदान किया। वैदिक गणित पर एक शोध-पत्र प्रकाशन हेतु प्रेषित है। "UGC Zonal Workshop for Northern Region on Industrial Mathematics" में भाग लिया। कुछ छात्र निर्देशन में शोधरत हैं।

डा0 महिपाल सिंह

शोध छात्र को निर्देशन में शोध उपाधि प्राप्त हुई है। एक अन्य शोध छात्र ने शोध उपाधि हेतु शोध ग्रन्थ प्रस्तुत किया हुआ है। एक छात्र का निर्देशन में नवीन पंजीकरण हुआ है। दो शोध पत्र प्रस्तुत किये हैं तथा दो शोध पत्र प्रेषित किये हुए हैं।

डॉ प्रभाकर प्रधान

कान्फ्रेन्स में एक शोध पत्र का योगदान किया। आर्यभट्ट शोध पत्रिका के एडिशनल सेक्रेट्री के रूप में कार्य किया। एक रिफ्रेशर कोर्स तथा एक वर्कशाप डा० भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, खंडारी के गणित विभाग में अटेन्ड किया।

भौतिकी विभाग

वर्ष 1998-99 में भौतिकी विभाग में छात्र संख्या बी०एस-सी० में 354 तथा एम०एस-सी० में 16 रही। पंजीकृत शोध छात्र संख्या 08 थी। जिसमें अक्टूबर 1998 में शोध उपाधि समिति की बैठक में पंजीकरण हेतु स्वीकृत दो शोध छात्र भी शामिल हैं।

डा० पाठक के निर्देशन में श्री प्रदोष कुमार शर्मा ने शोध ग्रन्थ प्रस्तुत किया तथा उस पर पी-एच.डी. की उपाधि प्रदान की गयी। डा० पाठक का एक शोध पत्र "Optical signal correlation and joint fourier transfrom" J.Natural & Physical Sciences में प्रकाशन हेतु स्वीकृत हुआ।

इस वर्ष विभाग में लगभग 2 लाख रुपये की लागत से इन्स्ट्रूमेण्टेशन प्रयोगशाला की स्थापना की गयी तथा एम०एस-सी० चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों को इण्डस्ट्रियल ट्रेनिंग हेतु दिल्ली व चण्डीगढ़ की कई सरकारी अथवा अर्द्ध सरकारी कम्पनियों में भेजा गया जहाँ उन्होंने व्यवसायोन्मुख ट्रेनिंग प्राप्त की।

विभाग में इण्डियाना विश्वविद्यालय पेंसिलवानियां से भौतिक विज्ञान के प्रोफेसर

देवकी एन० तलवार का एक व्याख्यान हुआ जिसका शीर्षक था "Novel type II superlattices for long wavelength IR detectors".

डा० राजेन्द्र कुमार ने 1998 की परीक्षा में संयुक्त मूल्यांकन अध्यक्ष के रूप में तथा 1999 की परीक्षा में सहायक परीक्षाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। डा० पी०पी० पाठक ने विभाग में Indian Association of Physics Teachers द्वारा संचालित **National Graduate Physics Examination** करवाया जिसमें एक छात्र धानेन्द्र भटनागर का स्थान उ०प्र० राज्य के प्रथम 1 प्रतिशत छात्रों में रहा। डा० पाठक ने बच्चों में विज्ञान के प्रति जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की जनपदीप स्तर की प्रतियोगिता 10 नवम्बर 1998 को करवायी। इस वर्ष उन्होंने **Regional Coordinator** के रूप में उत्तराञ्चल क्षेत्र की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 21-22 नवम्बर 1998 को किया जिसमें उत्तर प्रदेश के उत्तराञ्चल क्षेत्र से राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु बाल वैज्ञानिकों का चयन किया गया।

रसायन विज्ञान विभाग

इस वर्ष रसायन विभाग में प्रो० एस.एन. टण्डन द्वारा "रेडियो धर्मिता" पर व्याख्यान दिये गये।

विभागीय शिक्षकों का प्रगति विवरण

डॉ० आर०डी० सिंह, रीडर एवं विभागाध्यक्ष :

डा० सिंह के निर्देशन में पाँच शोध छात्र पी०एच०डी० उपाधि हेतु कार्यरत हैं। तीन पेपर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। **Indian Science Congress** रिसर्च पेपर भेजा गया। दो छात्रों का Ph.D Thesis कार्य लगभग पूर्ण हुआ । डॉ० सिंह द्वारा मेक्रोसाइक्लिक रसायन के आधुनिक क्षेत्र में शोध कार्य कराया जा रहा है। **Cyclic Voltameter** एवं **XY/T Recorder** जो कि आधुनिक तकनीक एवं **Science** के प्रसार एवं विस्तार में बहुत ही सहायक है **Electro Che-mistry** की शाखा में बहुत ही सहायक है की शाखा में यह सर्वोत्तम तकनीक है।

डॉ० ऐ.के. इन्द्रायण, प्रोफेसर, रसायन विभाग :

इस वर्ष जनवरी 1999 से प्रोफेसर पद पर चयन हुआ। एक शोध परियोजना, वानस्पतिक औषधियों **(Plant Medicines)** से सम्बन्धित को पूर्ण किया। छः शोध-पत्र प्रकाशन के लिए देश के प्रख्यात अन्तर्राष्ट्रीय शोध-पत्रिकाओं में

हवन करते हुए– प्रो० शेरसिंह, डा० धर्मपाल

स्वीकार किये गये। सभी शोध पत्र Plant Medicines से सम्बन्धित है। तीन शोध-पत्र भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस व Indian Council of Chemistry Conrention में प्रस्तुति हेतु स्वीकार किये गए। ये सभी शोध-पत्र वानस्पतिक औषधियों Plant Medicines से सम्बन्धित हैं। इस समय पांच शोध छात्रों का कार्य निर्देशन Ph.D हेतु प्रगति पर है। विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त Journals में इस सत्र में नौ शोध पत्र प्रकाशित एवं स्वीकृत हुए।

डॉ० रामकुमार पालीवाल, रीडर, रसायन विभाग

1. डॉ० पालीवाल द्वारा एक शोध पत्र रुड़की विश्वविद्यालय में हुई संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया। **"Polarographic reduction of Pyridine"**
2. डॉ० पालीवाल को मालवीय जयन्ती के अवसर पर गंगा सभा हरिद्वार द्वारा शिक्षक के रूप में सम्मानित किया गया।

डॉ० कौशल कुमार, रीडर, रसायन विभाग

डा० कौशल कुमार के निर्देशन में तीन एम०एस०सी० छात्रों ने प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण किया तथा इनके निर्देशन में एक शोध छात्र पी०एच०डी० उपाधि हेतु कार्यरत है।

डॉ० आर०डी० कौशिक, रीडर, रसायन विभाग

डा० कौशिक के निर्देशन में एक छात्र को Ph.D. उपाधि प्राप्त हुई। अभी तक उनके निर्देशन में कुल तीन छात्र Ph.D. उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। तीन शोध छात्रों को वर्ष (1998-99) में डा० कौशिक के साथ पंजीकृत किया गया है। डा० कौशिक को यू०जी०सी० अनुदान से एक माइनर शोध परियोजना स्वीकृत हुई जिस पर कार्य चल रहा है। सात शोध पत्र राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए तथा एक प्रकाशनार्थ भेजा गया।

डा० श्री कृष्ण, प्रवक्ता, रसायन विभाग

डॉ० कृष्ण के निर्देशन में तीन एम०एस०सी० छात्रों ने प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण किया। इनके द्वारा निम्नांकित शोध पत्र भारतीय विज्ञान कांग्रेस हैदराबाद में प्रस्तुत किया गया।

"Physio-Chemical Analysis of Agnihotra (Yagya) ash P-69, 115.

जन्तु एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग

इस वर्ष भारत के लब्धप्रतिष्ठित विद्वानों ने जन्तु एंव पर्यावरण विज्ञान विभाग में अपने सारगर्भित व्याख्यान दिए। विभाग के प्राध्यापकों द्वारा, अपने ही प्रयास से एक शोध पत्रिका **"Himalayan Journal of Enviromental and Zoology"** का नियमित प्रकाशन हो रहा है। इस सत्र में विभाग के प्राध्यापकों, डॉ० डी.आर. खन्ना ने एक राष्ट्रीय संगोष्ठी **"SUBSTAINABLE ECOLOGY & ENVIRONMENT"** का आयोजन किया एवं डॉ० देवेन्द्र मलिक ने एक संगोष्ठी **"PRESENT ECO-STATUS OF GANGA WATER "** का आयोजन सफलतापूर्वक किया। जन्तु विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के अर्न्तगत नवनिर्मित "पर्यावरण विज्ञान भवन" का लोकार्पण किया गया। विभागीय प्राध्यापकों द्वारा इस सत्र में किये गये विशिष्ट क्रिया-कलाप इस प्रकार है।

प्रो. बी.डी.जोशी ने इस सत्र में निम्नलिखित, उल्लेखनीय कार्य किये :-

पूर्ववत रा.से.यो के समन्यवक पद पर कार्य करते हुए विभिन्न कार्य सम्पन्न कराए। प्रो. बी.डी. जोशी के इस वर्ष 3 शोध पत्र प्रकाशित हुये। प्रो. जोशी ने इस वर्ष राष्ट्रीय संगोष्ठियों में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा व्याख्यान दिये। प्रो. जोशी ने इस वर्ष, मगध, सागर, विक्रम, अवध वि.वि. में विशेष आमंत्रित व्याख्यान दिये। प्रो. जोशी ने इस वर्ष 2 छात्रों को **M.Sc. Disseration** का कार्य कराया। प्रो. जोशी के निर्देशन में एक छात्र डा. राजेन्द्र सिंह कठैत को **Ph.D.** की उपाधि प्रदान की गई। प्रो. जोशी के निर्देशन में दो छात्रों का **Ph.D.** हेतु **Registration** हुआ। अनेक वि.वि. की **R.D.C./B.O.S.** में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। **Zoological Society of India** द्वारा प्रो. जोशी को इस वर्ष उन के शोध कार्यो हेतु तथा जन्तु विज्ञान में योगदान के लिए **Gold Medal** प्रदान किया गया।

डा. टी.आर.सेठ (रीडर) :

डा. सेठ द्वारा विभागीय एवं विश्वविद्यालय के क्रिया-कलापों में सक्रिय योगदान दिया गया। इस सत्र में, विभाग द्वारा आयोजित दोनों संगोष्ठियों में डा. सेठ ने सक्रिय भाग लिया।

डा. ए. के. चोपड़ा (रीडर एवं विभागाध्यक्ष) :

डा० चोपड़ा के अन्य सह लेखकों के साथ लिखे गए ग्यारह शोध पत्र प्रकाशित हुए। डा० चोपड़ा ने चार सिम्पोजिया/सेमिनार में भाग लिया। इनके निर्देशन में एक शोध छात्र शोध कार्य कर रहा है। डा० चोपड़ा विभिन्न संस्थाओं एवं पत्रिकाओं से जुड़े हुए हैं।

डॉ० दिनेश भट्ट (रीडर) :

इस सत्र में डॉ० भटट् की मुख्य शैक्षणिक गतिविधियाँ इस प्रकार है :

इन्होने पक्षी वैज्ञानिकों के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, जिसका आयोजन South Africa के डरवन नगर में किया था, अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। भारत में 'पक्षी संगीत एवं संवाद' नामक विषय पर अग्रणी शोध कार्य की महत्ता को देखते हुये इन्हें International ornithological committee का executive member चुना। The Acoustical Society of India द्वारा कलकत्ता में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में इन्होंने Bird songs & calls विषय के ऊपर guest lecture प्रदान दिया। उक्त सोसाइटी द्वारा Bioacoustics के क्षेत्र में डॉ० भटट् के उल्लेखनीय योगदान को देखते हुये इन्हें विशेष स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। DST एवं UGC द्वारा प्रदान दो शोध परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। इनके निर्देशन में शोध छात्र (अनिल कुमार) को पी.एच. डी. की उपाधि प्रदान की गई। ऋषिकेश एवं हरिद्वार में आयोजित तीन विभिन्न संगोष्ठियों में भाग लिया। डा. भटट् के तीन शोध पत्र प्रकाशित हुये तथा दो स्वीकृत हुए। Prof. Robert Payne, Univ. of Michigan, Ann Arbor, Michigan, USA के साथ पक्षी गीत के क्षेत्र में शोध जारी है। डॉ० भटट् के निर्देशन में दो एम.एस.सी. लघुशोध प्रबन्ध प्रस्तुत किये गए।

डॉ० डी.आर. खन्ना (प्रवक्ता) :

इस सत्र में डॉ० खन्ना के आठ शोध पत्र प्रकाशित हुए। दो छात्रों ने लघु शोध प्रबन्ध इनके निर्देशन में प्रस्तुत किए।

डा० खन्ना ने चार कान्फ्रेन्स एवं सिम्पोजियम में भाग लिया।

Others :

Awarded as the honrary fellow of ASEA on 18.10.1998

डा० पी.सी. जोशी (प्रवक्ता)

डा० पी.सी. जोशी को भारत सरकार के **Deptt. of Science and Technology,** की **BOYSCOST** योजना के अंतर्गत **Young Scientist Research Scholarships Award** हुयी। जिसके अंतर्गत वह फरवरी 1999 से जुलाई 1999 तक **Unit of Wyoming Laramie, U.S.A.** में शोध कार्य हेतु गए हुए हैं। इस सत्र में **D.O. En.** ने **Dr. P.C. Joshi** को **Rs. 10.5** लाख रुपए की एक बृहद् शोध योजना **N.D.B.R.** क्षेत्र हेतु स्वीकृत की जिसमें 3 शोधार्थी कार्यरत हैं। डा० पी.सी. जोशी के निदेशन में इस सत्र में 4 JRF का **Ph.D.** हेतु **Registration** हुआ। डा० पी.सी. जोशी ने इस सत्र में 4 शोध पत्र प्रकाशित कराये। डा० पी.सी. जोशी ने इस सत्र में 2 राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लिया। डा० पी.सी. जोशी ने रा.से.यो. के कार्यक्रम अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए अनेक कार्यक्रम आयोजित करायें।

डा० देवेन्द्र सिंह मलिक (प्रवक्ता)

शैक्षिक सत्र 1998-99 में डा० मलिक ने विभागीय एवं विश्वविद्यालय द्वारा दिये गये उत्तरदायित्वों का निर्वहन पूर्णरूपेण करने के साथ-साथ विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में योगदान दिया।

डा० मलिक ने चार राष्ट्रीय सेमिनारों में भाग लिया। 1998 का "युवा वैज्ञानिक" का पुरस्कार मिला। रिफ्रेशर कोर्स किया। "गंगा जल" पर एक सेमिनार का आयोजन किया। पर्यावरण विज्ञान पर पाँच शोध पत्र प्रस्तुत किए तथा तीन शोध पत्र विज्ञान पत्रिका में प्रकाशित हुए।

• • •

हवन करते हुए– श्री वेदव्रत शर्मा, श्री ग्वमल वधावन
हवन करते हुए– प्रा० वेदप्रकाश शास्त्री, श्री सूर्यदेव, प्रो० शेर.सिंह एवं नवस्नातक

वनस्पति विज्ञान एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

विभाग में निम्न विद्वानों ने व्याख्यान दिये :

डा० अनिल पूनिया, माईक्रोबायलोजी विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र। प्रोफेसर (डॉ०) भरत राय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस। श्री० आई० के० शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड, जल संसाधन मंत्रालय।

विभाग के शिक्षकों का योगदान इस प्रकार है।

डॉ० डी०के० माहेश्वरी

डा० डी०के० माहेश्वरी को कोरिया में शैक्षिक यात्रा हेतु मनोनीत किया गया। उन्होंने 2 माह की जापान यात्रा विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में की।

डा० डी०के० माहेश्वरी को विभिन्न संस्थाओं में विषय विशेषज्ञ, निर्णायक के रूप में मनोनीत किया गया तथा वृहद् शोध योजना स्वीकृत की गई। डा० माहेश्वरी ने विभिन्न राष्ट्रीय सेमिनारों में 6 शोध पत्र प्रस्तुत किए। 5 शोध पत्र प्रकाशित हुए तथा एक पुस्तक प्रकाशित हुई।

डॉ० पुरूषोत्तम कौशिक–विभागाध्यक्ष

डॉ० पुरुषोत्तम कौशिक, विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के अपने श्रेष्ठ अनुसंधान कार्य के लिये अमेरिकन बिवलियोग्राफी इन्सटीट्यूट ने मेन ऑफ द इयर 1998 से सम्मानित किया तथा ग्रामोत्थान प्रौद्यौगिकी विकास समिति उत्तर प्रदेश व ग्रामोत्थान प्रौद्यौगिकी शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश ने वायुमण्डल रत्न से विभूषित किया।

डॉ० कौशिक ने विशेष आमन्त्रण पर बैक्टीरिया की उपयोगिताओं पर डी०ए०वी० स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 11 दिसम्बर 1998 को तथा गुरुनानक देव विश्वविद्यालय में मार्च 1998 को भी व्याख्यान दिया। 8 फरवरी 1999 को डी०ए०वी० कालेज, मुजफ्फरनगर में हुई संगोष्ठी प्रबन्धन व स्वास्थ्य में भाग लिया व प्रदर्शनी के निर्णायक समिति के सदस्य रहे। 22-23 फरवरी 1999 को पंजाब विश्वविद्यालय

चंडीगढ़ में राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। 5-16 मार्च 1999 को पटना (बिहार) में आदिति व अन्य ग्यारह एन.जी.ओ. द्वारा हर्वल वर्कशाप में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ० कौशिक को एकेडमी ऑफ प्लान्ट साइन्सेज आफ इन्डिया के अध्यक्ष के रूप मे चुना गया।

डा० कौशिक के 1998-99 में ६ लेख प्रकाशित हुए।

डॉ० कौशिक ने वर्तमान शिक्षा सत्र में चार विद्यार्थियों के एम०एस०सी० लघु शोधग्रन्थ के लिए निर्देशन दिया-

डॉ० आर०सी० दुबे–रीडर

डॉ० आर०सी० दुबे, रीडर के इस सत्र में एक पुस्तक, दो शोध पत्र, एक रिव्यू पत्र प्रकाशित हुआ।

डॉ० दुबे ने इस सत्र में तीन सेमिनारों में भाग लिया तथा शोध पत्र पढ़े।

डॉ० जी०पी० गुप्ता

डॉ० गुप्ता ने दो सेमिनारों में भाग लिया। डा० गुप्ता के चार शोध पत्र प्रकाशित हुए।

डॉ० नवनीत – रीडर

डा० नवनीत ने तीन सेमिनारों में भाग लिया। दो शोध पत्र प्रकाशित हुए।

• • •
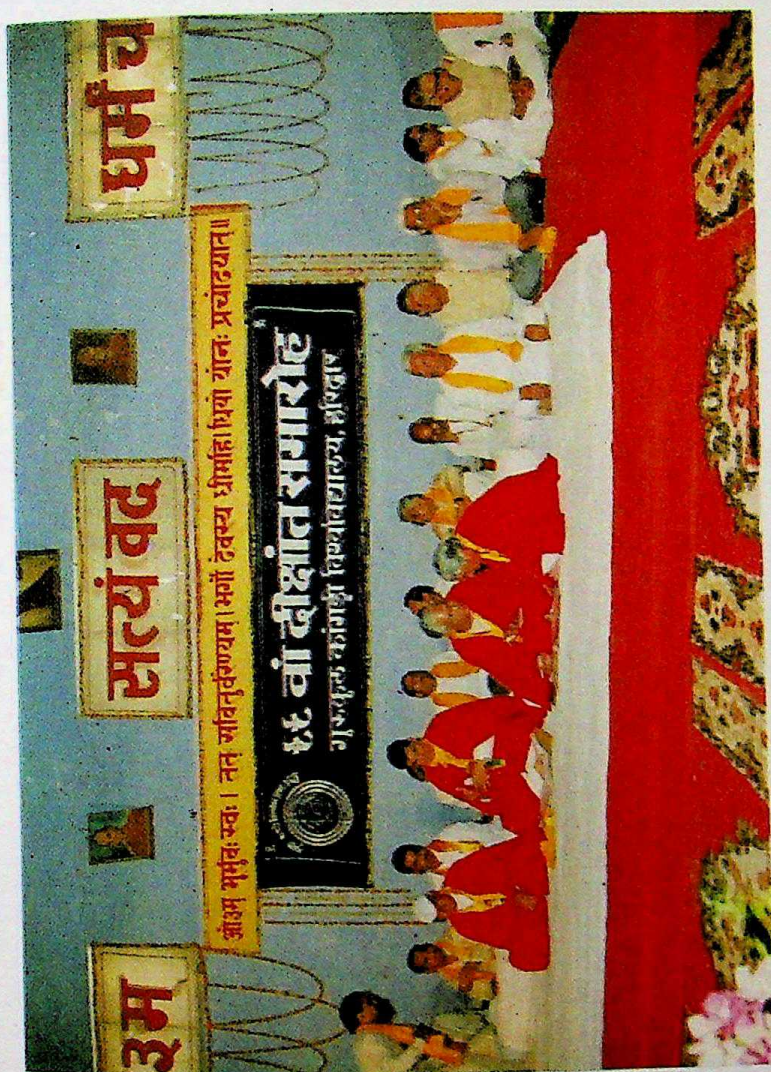
मंचस्थ पदाधिकारी एवं सीनेट के सदस्य

प्रौद्योगिकी संकाय

वर्तमान में इस संकाय के अन्तर्गत निम्न दो विभाग है :

1- कम्प्यूटर विज्ञान विभाग एवं
2- कम्प्यूटर केन्द्र

इनकी वार्षिक प्रगति का विवरण निम्न प्रकार है :

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग

विभाग के सत्र 1998-99 की उपलब्धियों का विवरण इस प्रकार है :-

डा० विनोद शर्मा

डा० विनोद शर्मा के शोध पत्र प्रकाशित हुए। डा० शर्मा ने विभिन्न सेमिनारों, कान्फ्रेंसों में शोध पत्रों का वाचन किया। एक छात्र ने शोध पूर्ण किया तथा चार शोधार्थी शोध कार्य कर रहे हैं।

श्री कर्मजीत भाटिया

श्री भाटिया ने विभिन्न सेमिनारों में शोध पत्र पढ़े तथा व्याख्यान दिए।

शोध पत्रों का प्रकाशन :

विभाग में AICTE के TAPTEC कार्यक्रम के अन्तर्गत एक शोध परियोजना "Performance Upgradation and Evaluation of Disributed Computing Systems" पर कार्य चल रहा है। इस द्विवर्षीय परियोजना हेतु AICTE द्वारा रुपये 12.50 लाख स्वीकृत किये गये हैं।

शोध सम्मेलनों में सहभागिता/शोध पत्रों की प्रस्तुति :

श्री कर्मजीत भाटिया ने Computer Society of India के वार्षिक अधिवेशन में अपना शोध पत्र "Optimal Task Allocation in Distributed Computing Systems Owing to Inter Task Communication Effects" प्रस्तुत किया।

पी. एच.डी उपाधि हेतु शोध कार्य :

डा० विनोद कुमार के निर्देशन में एक छात्र का शोध पुर्ण हुआ तथा 4 शोधार्थी पी.एच.डी. उपाधि हेतु डा० विनोद कुमार के निर्देशन में शोध कार्य में कार्यरत हैं।

आमन्त्रित व्याख्यानों का आयोजन :

इस सत्र में निम्न विषय विशेषज्ञों को विभाग में एम.सी.ए. छात्रों को व्याख्यान देने हेतु आमन्त्रित किया गया-

1. डा० बानी सिंह, प्रोफेसर, रुड़की बिश्वविद्यालय, रुड़की।
2. डा० सुधीर कैकर, प्रोफेसर, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
3. डा० आर.सी. मित्तल, प्रोफेसर, रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की।
4. डा० विजय कुमार, प्रोफेसर, रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की। (अवकाश प्राप्त)
5. डा० कौशल कुमार श्रीवास्तव, रुड़की।
6. श्री वीरेन्द्र कुमार गुप्ता, कनखल, हरिद्वार

एम.सी.ए. प्रोजेक्ट व रोजगार सम्बन्धी कार्य :

श्री कर्मजीत भाटिया विभाग के सतत् प्रयासों से इस सत्र में कंप्यूटर के कुछ महत्वपूर्ण संस्थानों ने परिसरीय साक्षात्कार कर छात्र/छात्राओं का प्रशिक्षण/रोजगार हेतु चयन किया है।

विभिन्न कंप्यूटर फर्मों को विश्वविद्यालय में Campus Interview आयोजित करने के लिए आमन्त्रित करने हेतु Placement cum Training Cell ने सफलता पूर्वक कार्य किया।

दीक्षान्त स्थल को जाते नवस्नातक

कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, देहरादून

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, देहरादून में विश्वविद्यालय की भाँति प्राच्य एवं मानविकी विषयों का सुन्दर समन्वय है। यहाँ आधुनिकतम पाठ्यक्रम एम०सी०ए०, एम०बी०ए० का भी अध्ययन सुचारू रूप से चल रहा है।

इस वर्ष एम०बी०ए० एवं एम०सी०ए० की कक्षाओं के लिए नये भवन का निर्माण एवं छात्रावास का विस्तार हुआ। महाविद्यालय में एक लंबे अन्तराल के बाद कुलपति डा० धर्मपाल की प्रेरणा से दीक्षान्त समारोह आयोजित किया गया।

छात्राओं ने महाविद्यालय में आयोजित स्वतंत्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस, गुरुकुल जन्मोत्सव, श्रद्धानन्द दिवस, आचार्य रामदेव दिवसदयानन्द जन्म दिवस आदि विभिन्न कार्यक्रमों में हिन्दी संस्कृत तथा अंग्रेजी भाषाओं में नाटक, गीत आदि अनेक प्रस्तुतियां बहुत सुन्दर ढंग से प्रस्तुत की।

संस्कृत, हिन्दी अंग्रेजी, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व, मनोविज्ञान, चित्रकला तथा संगीत विभाग की अध्यापिकाओं ने अपने-अपने क्षेत्र में विशिष्ट अध्ययन अध्यापन द्वारा छात्राओं को उत्प्रेरित किया।

हिन्दी विभाग का हिन्दी अनुशीलन में कश्मीरी कविता एवं परिचय नामक निबन्ध प्रकाशित हुआ।

इतिहास की डा० रेणु शुक्ल ने आरियेंटशन कोर्स किया। संगीत आदि विभागों की छात्राओं ने आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पुरस्कार अर्जित किए।

क्रीड़ा विभाग

वर्ष 1998-99 में कन्या गुरुकुल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छात्राओं ने सितम्बर 98 में जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं कबड्डी, खो-खो वे एथलेठिक्स प्रतियोगिता में भाग लिया। एथेलिटिक्स में कु० सविता चक्का फेंक प्रतियोगिता में जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम रही। मंडल स्तर के लिए चयनित की गयी।

नवम्बर 98 में नार्थ जोन टेबल टेनिस प्रतियोगिता जो कि गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार में आयोजित किया गया। उसमें कन्या गुरुकुल महाविद्यालय देहरादून की टीम ने भाग लिया। दिसम्बर 98-99 ऑल इंडिया इन्टवर्सिटी एथलेटिक मीट जो की "तिरूरेनवलि" (तमिलनाडू) में सम्पन्न हुई उसमें कन्या गुरुकुल महाविद्यालय देहरादून की टीम ने भाग लिया।

पुस्तकालय

पुस्तकालय में इस सत्र में विभिन्न पाठ्यक्रमों से संबंधित पुस्तकें क्रय की गई।

छात्रावास

एम०सी०ए०, एम०बी०ए० की छात्राओं के लिये आचार्य रामदेव छात्रावास सभी सुविधाओं से युक्त किया गया।

कम्प्यूटर विभाग

इस वर्ष विभाग की प्रयोगशाला के लिए **Pentium II Computer** एवं एक **Inkjet Printer** खरीदा गया। विभाग में कैम्पस इण्टरव्यू आयोजित किया गया जिसमें डी०सी०एम० सिस्टम ने रचना जैन का चयन किया।

प्रबन्धन विभाग

विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में प्रबन्धन विभाग भी दिन प्रतिदिन उन्नति के मार्ग पर है।डा० पतिराज कुमारी का विशेष लेख **"Applied Psychology"** नामक पुस्तक में प्रकाशित हुआ। प्रोफेसर आर०के० मित्तल प्रो० ए०पी० सिंह, प्रो० पी०आर० गोगना, श्री संजीव रंजन, श्री सुधांशु शर्मा ने प्रबन्धन विभाग में अपने विद्वतापूर्ण व्याख्यान दिये।

मेधावी छात्रा कु० काजल अरोड़ा ने अखिल भारतीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लिया।

विभाग में अध्यापन कार्य के साथ-साथ अन्य अतिरिक्त कार्यक्रम भी सम्पादित कराये गये जिनमें मुख्य हैं- ग्रुप डिसकशन, सेमिनार, रोज प्लेइंग, एसाइनमेन्ट, मैनेजमेन्ट क्वीज, ऑडियोजिअुल कैसेट्स, वाद-विवाद प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि।

कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, हरिद्वार

कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, देहरादून का विस्तार पटल हरिद्वार में कुलपति डा० धर्मपाल की प्रेरणा एवं अकथनीय सहयोग से निरन्तर प्रगति पर है।

महाविद्यालय में संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी, मनोविज्ञान, गणित, पर्यावरण विज्ञान, रसायन, सूक्ष्म जीवविज्ञान आदि विषयों में स्नातकोत्तर कक्षाएं सुचारू रूप से चल रही हैं। जिनमें अध्यापन के अतिरिक्त विभागीय अध्यापिकाओं द्वारा शोध कार्य भी कराया जा रहा है।

इस वर्ष संस्कृत विभाग में प्रो० अमरनाथ पाण्डेय, हिन्दी विभाग में डा० श्याम सुन्दर शुक्ल, मनोविज्ञान में डा० वी०के० झा, रसायन विज्ञान में प्रो० विजय कुमार, सूक्ष्म जीव विज्ञान में डा० आई० के० शर्मा, भारत सरकार दिल्ली, डा० डी० रेमिक, जर्मनी के विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किए गए।

महाविद्यालय में बृहद् रूप लेता पुस्तकालय अध्यापिकाओं/छात्राओं के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध हुआ है।

महाविद्यालय की छात्राओं ने वार्षिकोत्सव पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर दर्शकों को मन्त्र मुग्ध किया।

जनसम्पर्क विभाग

२०वीं सदी की आवश्यकता जनसम्पर्क जिसको समझते हुए विश्वविद्यालयों में पहले से ही प्रयास रहे इस विभाग को अलग से स्थापित करने के- किन्तु आज से छः वर्ष पूर्व इसकी गम्भीरता को समझते हुए विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति डा० धर्मपाल ने बाकायदा डा० प्रदीप कुमार जोशी को अलग से कार्यभार सौंपकर इसकी शुरूआत की। इस विषय को कार्यरूप देने की आवश्यकता विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्र संख्या D.O. No. F 1-50/93 (CPP-II) दिनांक 18/10/93 में भी उल्लिखित है। डा० धर्मपाल कुलपति ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग उक्त पत्र के अनुसार ही अपने प्रयास से मुख्य कार्यालय में ही अलग से इस विभाग को एक सुसज्जित कमरा देकर विभाग की स्थापना कर लगभग 68,000/- रुपये बजट की व्यवस्था भी कर दी है। यह विभाग 1994 से "अलंकार" बाद में "गुरुकुल समाचार" नाम से एक समाचार पत्र भी निकालता है। इस विभाग की स्थापना और डा० प्रदीप कुमार जोशी को प्रभारी जनसंपर्क अधिकारी बनाने के बाद से विश्वविद्यालय की उन्नति के प्रचार-प्रसार में अनेक विधि उन्नति हुई है। भविष्य में यह विभाग और विश्वविद्यालय उन्नति पथ पर निरन्तर अग्रसर रहेगा यह निश्चित है।

हरिद्वार प्रेस क्लब ने विश्वविद्यालय के प्रभारी जनसंपर्क डा० प्रदीप जोशी को अपना सदस्य मनोनीत किया। 19 से 22 दिसम्बर 98 तक हरिद्वार में प्रेस क्लब के तत्वावधान में आयोजित **India Journalist Association** के चतुर्दिवसीय सम्मेलन में विश्वविद्यालय की ओर से एक भोज दिया गया।

• • •
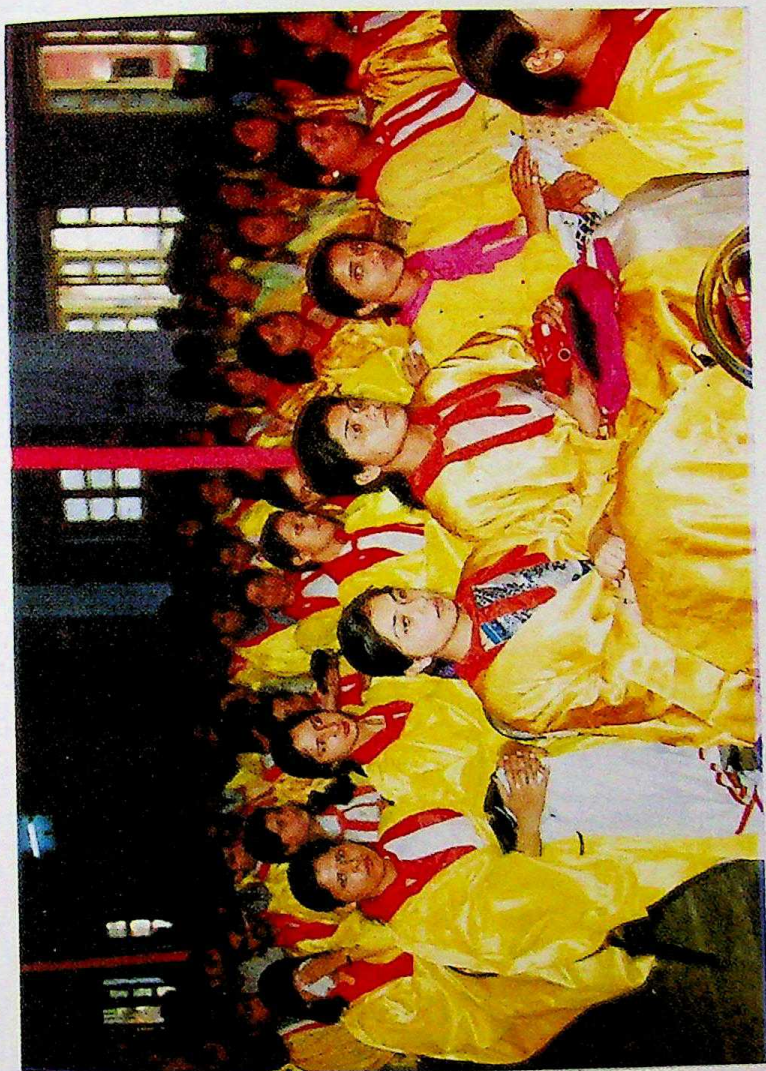
दीक्षान्त स्थल पर नवस्नातिकाएँ एवं स्नातक

वित्त एवं लेखा

सितम्बर 1998 में विश्वविद्यालय का संशोधित बजट बनाया गया। इसे वित्त समिति की बैठक दिनांक 10.12.98 में प्रस्तुत किया गया। वित्त समिति ने निम्न प्रकार बजट पारित किया।

बजट सारांश

क्र0सं0	वेतन एवं भत्ते आदि	संशोधित अनुमान 98–99	बजट अनुमान 99–2000
1.	वेतन एवं भत्ते आदि	4,04,44,210	3,47,26,520
2.	अंशदायी भविष्यनिधि	2,59,920	2,74,480
3.	अन्य व्यय	1,83,86,350	1,02,31,000
	योग व्यय	5,90,90,480	4,52,32,000
	आय	1,35,06,500	1,35,06,500
	योग	4,55,83,980	3,17,25,500
क.	अनुरक्षण अनुदान	4,62,30,000	
ख.	शुल्क आदि से आय	1,35,47,000	
	योग	5,97,77,000	

अनुरक्षण अनुदान के अतिरिक्त वर्ष 1998–99 में जो अनुदान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/भारत सरकार तथा अन्य स्त्रोतों से प्राप्त हुए हैं उनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र0 सं0	अनुदान की राशि	स्त्रोत	विवरण
1.	10,00,000	वि0वि0 अनुदान आयोग, नई दिल्ली	वेतन विकास अनुदान
2.	5,00,000	,, ,,	पुस्तकालय पुस्तकें विकास अनुदान
3.	5,00,000	,, ,,	प्रयोगशाला उपकरण विकास अनुदान
4.	20,00,000	,, ,,	भवन निर्माण विकास अनुदान
5.	5,62,500	,, ,,	पी.जी. कोर्स इन एनवायरमेंटल साईंस
6.	1,00,000	,, ,,	प्रौढ़ शिक्षा एवं सतत् शिक्षा कार्यक्रम
7.	5,00,000	,, ,,	अनअसाईंड ग्रांट
8.	1,15,650	,, ,,	मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट डा. रणधीर सिंह
9.	57,000	,, ,,	मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट डा. आर.के. शास्त्री
10.	6,50,000	,, ,,	पुस्तकालय इन्टरनेट प्रोग्राम हेतु

11.	1,70,000	भारत सरकार, नई दिल्ली	मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट डा. पी.सी. जोशी
12.	1,00,000	,, ,,	मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट डा. बी.डी. जोशी
13.	6,25,000	आई.सी.टी.ई. नई दिल्ली	मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट डा. वी.के. शर्मा
14.	9,70,000	सी.एस.आई.आर., नई दिल्ली	मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट डा. डी.के. महेश्वरी
15.	1,50,000	डी.एस.टी., नई दिल्ली	मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट डा. दिनेश भट्ट
16.	44,000	सी.एस.टी., लखनऊ	मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट डा. डी.के. महेश्वरी
17.	25,000	,, ,,	वनस्पति सेमिनार डा. डी.के. महेश्वरी
18.	83,208	आई.सी.एफ.आर.ई., देहरादून	मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट डा. पी.सी. जोशी
19.	1]00]000	आई.सी.पी.आर., नई दिल्ली	दर्शन विभाग सेमिनार
20.	5,000	पुरातत्त्व विभाग, लखनऊ	पुरातात्विक सर्वेक्षण

व्यय का विवरण (अनुरक्षण अनुदान)
1998-99

(क)	**वेतन**	**4,34,48,333**
1.	वेतन	4,34,48,333
2.	भविष्य निधि पर संस्था का अंशदान	5,03,997
	योग	4,39,52,330

(ख)	**अन्य**	
1.	विद्युत व जल	6,04,794
2.	टेलीफोन	2,32,910
3.	मार्ग व्यय	5,68,023
4.	वर्दी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1,46,042
5.	लेखन सामग्री व छपाई	4,67,189
6.	डाक एवं तार	46,457
7.	वाहन एवं पैट्रोल	3,08,943
8.	विज्ञापन	4,38,418
9.	कानूनी व्यय	1,35,917
10.	आतिथ्य व्यय	1,78,982
11.	आडिट व्यय	69,884
12.	दीक्षान्त उत्सव	70,348
13.	लॉन संरक्षण	10,885
14.	भवन निर्माण	48,83,960
15.	मिश्रित	2,90,633

16.	उपकरण	12,61,958
17.	फर्नीचर एवं साज–सज्जा	6,94,660
18.	परीक्षा व्यय	10,87,648
19.	छात्रों की छात्रवृति	62,387
20.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	38,778
21.	खेल–कूद एवं क्रीड़ा	5,37,077
22.	सेमीनार एवं भाषण प्रतियोगिता	2,70,240
23.	पुस्तकें	8,02,939
24.	जिल्दबंदी एवं पुस्तक सुरक्षा	34,641
25.	निर्धन छात्र कोष	3,620
26.	समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं	1,04,937
27.	वाहन हेतु ऋण	2,25,000
28.	एल.टी.सी.	30,184
29.	श्रद्धानन्द बलिदान दिवस	21,124
30.	कम्प्यूटर हार्डवेयर/उपकरण एवं रखरखाव	9,70,316
31.	उपकुलपति कार्यालय	4,026
32.	कैमिकल एवं उपकरण, प्रयोगशाला व्यय	6,91,274
33.	श्रद्धानन्द प्रकाशन केन्द्र	2,35,600
34.	छात्र कल्याण परिषद	2,250
35.	अंशकालिन रोजगार	3,300
36.	आकस्मिक व्यय	61,792
37.	पुस्तकालय बीमा	6,010
38.	शैक्षणिक यात्रा	40,500
39.	पत्रिका छपाई	81,058
40.	ए.आई.यु. सदस्यता शुल्क	54,000
	कुल आकस्मिक व्यय	1,57,78,704
	कुल वेतन व्यय	43,952,330
	सर्वयोग	5,97,31,034

शिक्षक वर्ग

वेद एवं कला महाविद्यालय – आचार्य वेदप्रकाश शास्त्री

संकाय	विभाग	नाम	पद
प्राच्य विद्या	वेद	डा० भारत भूषण	प्रोफेसर
		डा. मनुदेव बन्धु	रीडर
		डा. रूपकिशोर शास्त्री	वरिष्ठ प्रवक्ता
		डा. दिनेश चन्द	वरिष्ठ प्रवक्ता
		डा. सत्यदेव निगमालंकार	प्रवक्ता
	संस्कृत	प्रो० वेद प्रकाश शास्त्री	प्रोफेसर
		डा. सोमदेव शतांशु	रीडर
		डा. राम प्रकाश शर्मा	रीडर
		डा. ब्रह्मदेव	वरिष्ठ प्रवक्ता
	दर्शन	डा. जयदेव वेदालंकार	प्रोफेसर
		डा. विजय पाल शास्त्री	रीडर
		डा. त्रिलोक चन्द	रीडर
		डा. उमराव सिंह बिष्ट	रीडर
		डा. सोहन पाल सिंह आर्य	प्रवक्ता
	प्रा.भा.इ.स.पु.	डा. श्याम नारायण सिंह	प्रोफेसर
		डा. कश्मीर सिंह भिंडर	रीडर
		डा. राकेश शर्मा	रीडर
		डा. देवेन्द्र कुमार गुप्ता	प्रवक्ता
		डा. प्रभात कुमार	प्रवक्ता
	श्रद्धानन्द शो.सं.	डा. महावीर अग्रवाल	प्रोफेसर
	योग	डा. ईश्वर भारद्वाज	वरिष्ठ प्रवक्ता
मानविकी	हिन्दी	डा. विष्णु दत्त राकेश	प्रोफेसर
		डा. सन्त राम वैश्य	रीडर
		डा. ज्ञानचन्द रावल	रीडर
		डा. भगवान देव पाण्डेय	रीडर
		श्री कमल कान्त बुधकर	प्रवक्ता

मुख्य अतिथि हेतु विद्यामार्तण्ड की उपाधि प्रदान करते हुए डा० धर्मपाल, कुलपति श्री सूर्यदेव कुलाधिपति एवं मध्य में प्रो० शेर सिंह, परिद्रष्टा

	अंग्रेजी	डा. मुकेश रंजन वर्मा	प्रोफेसर
		श्री सदाशिव भगत	रीडर
		डा. श्रवण कुमार शर्मा	रीडर
		डा. अंबुज कुमार शर्मा	रीडर
		डा. कृष्ण अवतार अग्रवाल	वरिष्ठ प्रवक्ता
	मनोविज्ञान	श्री ओम प्रकाश मिश्रा	प्रोफेसर
		डा. सूर्य कुमार श्रीवास्तव	रीडर
		डा. चन्द्र पाल खोखर	वरिष्ठ प्रवक्ता
	शा.शि. विभाग	डा. आर.के.एस. डागर	निदेशक
प्रबन्धन	एम.बी.ए.	श्री सतीश चन्द्र धमीजा	रीडर
		डा. विनोद कुमार सिंह	प्रवक्ता
		श्री सत्येन्द्र पाल सिंह	प्रवक्ता
		डा. विवेक साहनी	प्रवक्ता
		श्री पंकज मदान	प्रवक्ता

विज्ञान महाविद्यालय – प्राचार्य प्रो० एस.एल. सिंह

विज्ञान	गणित	डा. एस.एल. सिंह	प्रोफेसर
		डा. वीरेन्द्र अरोड़ा	रीडर
		डा. विजयेन्द्र कुमार शर्मा	रीडर
		डा. महीपाल सिंह	रीडर
		डा. प्रभाकर प्रधान	प्रवक्ता
	भौतिकी	श्री हरीश चन्द्र ग्रोवर	रीडर
		डा. राजेन्द्र अग्रवाल	रीडर
		डा. परमानन्द प्रकाश पाठक	रीडर
	रसायन	डा. ए.के. इन्द्रायण	प्रोफेसर
		डा. राम कुमार पालीवाल	रीडर
		डा. कौशल कुमार	रीडर
		डा. रजनीश दत्त कौशिक	रीडर
		डा. रणधीर सिंह	रीडर
		डा. श्री कृष्ण	प्रवक्ता

प्रौद्योगिकी	कंप्यूटर	डा. विनोद कुमार शर्मा	प्रोफेसर
		श्री कर्मजीत भाटिया	वरिष्ठ प्रवक्ता
जीव विज्ञान	जन्तु विज्ञान	डा. विशम्भर दत्त जोशी	प्रोफेसर
		डा. तिलक राज सेठ	रीडर
		डा. अशोक कुमार चोपड़ा	रीडर
		डा. देव राज खन्ना	वरिष्ठ प्रवक्ता
		डा. देवेन्द्र सिंह मलिक	प्रवक्ता
	वनस्पति विज्ञान	डा. दिनेश कुमार माहेश्वरी	प्रोफेसर
		डा. पुरुषोत्तम कौशिक	रीडर
		डा. रमेश चन्द दुबे	रीडर
		डा. गंगा प्रसाद गुप्ता	वरिष्ठ प्रवक्ता
		डा. नवनीत	वरिष्ठ प्रवक्ता
	पर्यावरण	डा. दिनेश भट्ट	रीडर
		डा. प्रकाश चन्द जोशी	प्रवक्ता

कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, देहरादून

प्राचार्या – डा० सूनृता विद्यालंकार

संगीत	श्रीमती प्रतिभा शर्मा	वरिष्ठ प्रवक्ता
संगीत	श्रीमती मीरादासगुप्त	वरिष्ठ प्रवक्ता
संस्कृत	श्रीमती सरोज नौटियाल	वरिष्ठ प्रवक्ता
हिन्दी	श्रीमती रंजना राजदान	वरिष्ठ प्रवक्ता
अंग्रेजी	श्रीमती हेमलता	वरिष्ठ प्रवक्ता
कंप्यूटर	श्रीमती निपुर	प्रवक्ता
कंप्यूटर	श्री हेमन पाठक	प्रवक्ता
कंप्यूटर	श्रीमती प्रवीणा चतुर्वेदी	प्रवक्ता
इतिहास	श्रीमती रेणु शुक्ला	प्रवक्ता
प्रबन्धन	श्रीमती सुरेखाराणा	प्रवक्ता
प्रबन्धन	कु० बिन्दु अरोड़ा	प्रवक्ता
प्रबन्धन	डा० पतिराज कुमारी	प्रवक्ता

कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, हरिद्वार

प्रभारी – डा० सूनृता विद्यालंकार

संस्कृत	डा० सूनृता विद्यालंकार	प्रभारी/वरिष्ठ प्रवक्ता
हिन्दी	डा० सुचित्रा मलिक	प्रवक्ता
मनोविज्ञान	डा० श्यामलता जुयाल	प्रवक्ता
अंग्रेजी	कु० मुदिता अग्निहोत्री	प्रवक्ता
पर्यावरण	डा० नमिता जोशी	प्रवक्ता
माइक्रोबायोलाजी	डा० पद्मा सिंह	प्रवक्ता
रसायन	डा० अंजली गोयल	प्रवक्ता
गणित	डा० सीमा शर्मा	प्रवक्ता

विश्वविद्यालय कर्मचारियों की सूची

विभाग	नाम	पद
प्रशासन	डा. धर्मपाल	कुलपति
	डा. एस.एन. सिंह	कुलसचिव
	श्री जय सिंह गुप्ता	वित्ताधिकारी
	श्री आनन्द कुमार सिंह	अनुभाग अधिकारी (स्थापना)
	श्री महेन्द्र सिंह नेगी	अनुभाग अधिकारी (शिक्षा परीक्षा)
	श्री गिरीश चन्द सुन्दरियाल	नि.स. कुलपति
	श्री कमलेश नैथानी	नि.स. कुलसचिव
	श्री करतार सिंह	सम्पदाधिकारी
	श्री गन्धर्व सेन	उद्यान अधिकारी
	श्री वेद पाल	सुरक्षाधिकारी
	डा. प्रदीप जोशी	जनसम्पर्क अधिकारी/सहायक
	श्री संजीव कुमार	अवर अभियन्ता
	श्री प्रेम चन्द जुयाल	सहायक
	श्री देवी प्रसाद	सहायक
	श्री राम नरेश शर्मा	वरिष्ठ सहायक
	श्री यशपाल सिंह	सहायक
	श्री कैलाश वैष्णव	विद्युतकार
	श्री हेमन्त कुमार	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री महावीर सिंह	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री वीरेन्द्र सिंह असवाल	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री बाल कृष्ण शुक्ला	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री राम स्वरूप	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री मदन गोपाल उपाध्याय	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री अशोक डे	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री राज किशोर	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री कुमुद जोशी	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	डा० दीपक घोष	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री वीर सिंह	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री हरपाल	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री प्रेम सिंह	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट

डा० विष्णुदत्त 'राकेश' एवं डा० जगदीश विद्यालंकार द्वारा संपादित पुस्तक कुलपुत्र सुने" का विमोचन करते प्रो० शेर सिंह साथ में श्री सूर्यदेव एवं डा० धर्मपाल

श्री रमा शंकर	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
श्री अजय कुमार	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
श्री राजेन्द्र ऋषि	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
श्री अशोक कुमार	कारपेन्टर
श्री जगमोहन	दफ्तरी
श्री श्रीराम	ड्राईवर
श्री मांगेराम	ड्राईवर
श्री दिवान सिंह	कुक
श्री राम किशन	भृत्य
श्री महानन्द	भृत्य
श्री योगेन्द्र सिंह	भृत्य
श्री बलबीर	भृत्य
श्री मदन मोहन	भृत्य
श्री महेश चन्द्र जोशी	भृत्य
श्री कमल सिंह	भृत्य
श्री राजेन्द्र कुमार	भृत्य
श्री बाली राम	भृत्य
श्री माता प्रसाद	चौकीदार
श्री राम सिंह	चौकीदार
श्री रूल्हा सिंह	चौकीदार
श्री जल सिंह	चौकीदार
श्री ईसम सिंह	चौकीदार
श्री भूरी सिंह	चौकीदार
श्री योगेन्द्र शर्मा	चौकीदार
श्री राम बहादुर	चौकीदार
श्री हिम्मत सिंह	चौकीदार
श्री श्याम सिंह	चौकीदार
श्री रमेश चन्द्र	चौकीदार
श्री चन्द्र कुमार मल	चौकीदार
श्री राम प्रसाद राय	चौकीदार
श्री जसबीर सिंह	चौकीदार
श्री श्याम लाल	माली
श्री हरि राम	माली
श्री देवेन्द्र कुमार	माली

	श्री बाबू लाल	माली
	श्री राम अजोर	माली
	श्री बृज पाल	माली
	श्री रामजीत	माली
	श्री आनन्द	सफाई कर्मचारी
प्राच्य विद्या संकाय	श्री सुरेन्द्र कुमार	योग प्रशिक्षक
	श्री राजपाल सिंह चौहान	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री संदीप कुमार	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री महेन्द्र सिंह	भृत्य
	श्री राज कुमार	भृत्य
	श्री बृजमोहन	भृत्य
	श्री घिराऊ	माली
	श्री सन्तोष कुमार राय	फिल्ड अटैन्डेंट
मानविकी संकाय	श्री सोमपाल	सहायक
	श्री सुभाष चन्द	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री लालनरसिंह नारायण	प्रयोगशाला सहायक
	श्री मनोज कुमार	भृत्य
	श्री सुधाकर	भृत्य
	श्री रविन्द्र कुमार	भृत्य
	श्री सुशील कुमार	सफाई कर्मचारी
विज्ञान संकाय	श्री प्रमोद कुमार	लैब टैक्नी०
	श्री शशि भूषण	लैब टैक्नी०
	श्री हंसराज जोशी	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री नन्द किशोर	जूनि.असि.कम टाईपिस्ट
	श्री ठकरा सिंह	प्रयोगशाला सहायक
	श्री नरेश कुमार	प्रयोगशाला सहायक
	श्री प्रवीण कुमार	प्रयोगशाला सहायक
	श्री मान सिंह	गैस मैन
	श्री जयपाल	लैब अटैन्डेंट
	श्री पुरुषोत्तम	लैब अटैन्डेंट
	श्री बाबादीन	लैब अटैन्डेंट
	श्री अरूण कुमार	लैब अटैन्डेंट
	श्री सुशील	लैब अटैन्डेंट
	श्री राय सिंह	भृत्य
	श्री राम दास	भृत्य
	श्री राजपाल	भृत्य
	श्री बलजीत	सफाई कर्मचारी

प्रौद्योगिकी संकाय	श्री अचल गोयल	प्रणाली विश्लेषक
	श्री महेन्द्र सिंह असवाल	कंप्यूटर आपरेटर
	श्री मनोज कुमार	कंप्यूटर आपरेटर
	श्री कौस्तुभ चन्द पाण्डेय	सेमी प्रो. असि.
	श्री वेदव्रत	तकनीकि सहायक
	श्री द्विजेन्द्र पन्त	तकनीकि सहायक
	श्री शशिकान्त	जूनि. स्टैनोग्राफर
	श्री चन्द्र भान	भृत्य
जीव विज्ञान संकाय	श्री कृष्ण कुमार शर्मा	जूनि.असि.कम. टाईपिस्ट
	श्री हरीश चन्द	प्रयोगशाला सहायक
	श्री रूद्र मणि	प्रयोगशाला सहायक
	श्री चन्द प्रकाश	प्रयोगशाला सहायक
	श्री शशिकान्त	प्रयोगशाला सहायक
	श्री रजत सिन्हा	लिपिक / स्टोर कीपर
	श्री प्रीतम लाल	लैब ब्वाय
	श्री विजय सिंह	लैब ब्वाय
	श्री रतन लाल	भृत्य
	श्री चमनलाल	भृत्य
	श्री वीरेन्द्र सिंह	माली
	श्री राम सुमत	माली
	श्री विनोद कुमार	नायक सफाई कर्मचारी
पुस्तकालय	डा० जगदीश विद्यालंकार	पुस्तकालयाध्यक्ष
	श्री गुलजार सिंह चौहान	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
	श्री ललित किशोर	सेमी प्रो. सहायक
	श्री मिथिलेश	सेमी प्रो. सहायक
	श्री आनन्द बल्लभ जोशी	जूनियर असिस्टैट कम-टाइपिस्ट
	श्री विजेन्द्र सिंह	जूनियर असिस्टैट कम-टाइपिस्ट
	श्री नवीन कुमार	जूनियर असिस्टैट कम-टाइपिस्ट
	श्री राजीव कुमार	जूनियर असिस्टैट कम-टाइपिस्ट
	श्री रमेश कुमार	जूनियर असिस्टैट कम-टाइपिस्ट
	श्री जय प्रकाश	बुकबाइन्डर
	श्री गोविन्द सिंह	बुक लिफ्टर
	श्री घनश्याम	भृत्य
	श्री रामपद राय	भृत्य

	श्री कुलभूषण	भृत्य
	श्री विजेन्द्र सिंह	भृत्य
	श्री बालेश्वर	सफाई कर्मचारी
पुरातत्व संग्रहालय	श्री सूर्यकान्त	संग्रहपाल
	श्री सुखवीर सिंह	सहायक संग्रहपाल
	श्री अनिल कुमार	संग्रहालय सहायक
	श्री अरविन्द कुमार	जूनियर असिसटैंट कम टाइपिस्ट
	श्री रमेश चन्द्र पाल	गैलरी अटैन्डेट
	श्री ओमप्रकाश	गैलरी अटैन्डेट
	श्री वासुदेव	चौकीदार
	श्री गुरूप्रसाद	माली
प्रौढ़ शिक्षा	डा० आर०डी०शर्मा	सहायक निदेशक
	श्री जसबीर सिंह मलिक	परियोजना अधिकारी
प्रबन्धन संकाय	डा० अनिल धीमान	सेमी प्रो० असिस्टैट
	श्री गिरीश चन्द्र	भृत्य

कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, देहरादून

पुस्तकालय	श्रीमती सुदेश खन्ना	पुस्तकालयाध्यक्षा
शारीरिक शिक्षा	श्रीमती बलबीर कौर	पी.टी.आई.
शारीरिक शिक्षा	कु० नीना गुप्ता	तकनीकी सहायिका
प्रशासन	श्रीमती भागेश्वरी	स्टोर कीपर
प्रशासन	श्री ओमप्रकाश नवानी	जूनि.असि.कम टाइपिस्ट
प्रशासन	श्रीमती विमला	सफाई कर्मचारी
प्रशासन	श्री मुन्ना लाल	माली
प्रशासन	श्री सूरत सिंह	भृत्य
प्रशासन	श्री अयोध्या प्रसाद	भृत्य
प्रशासन	श्री वीर बहादुर	चौकीदार

कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, हरिद्वार

क०गु०म० हरिद्वार	श्री हरपाल सिंह	संपदाधिकारी
	श्री मदनपाल सिंह	जूनियर असिस्टैंट कम टाइपिस्ट
	श्रीमती ममता गर्ग	जूनि० असि० कम टाइपिस्ट
	श्रीमती पद्मा	सफाई कर्मचारी
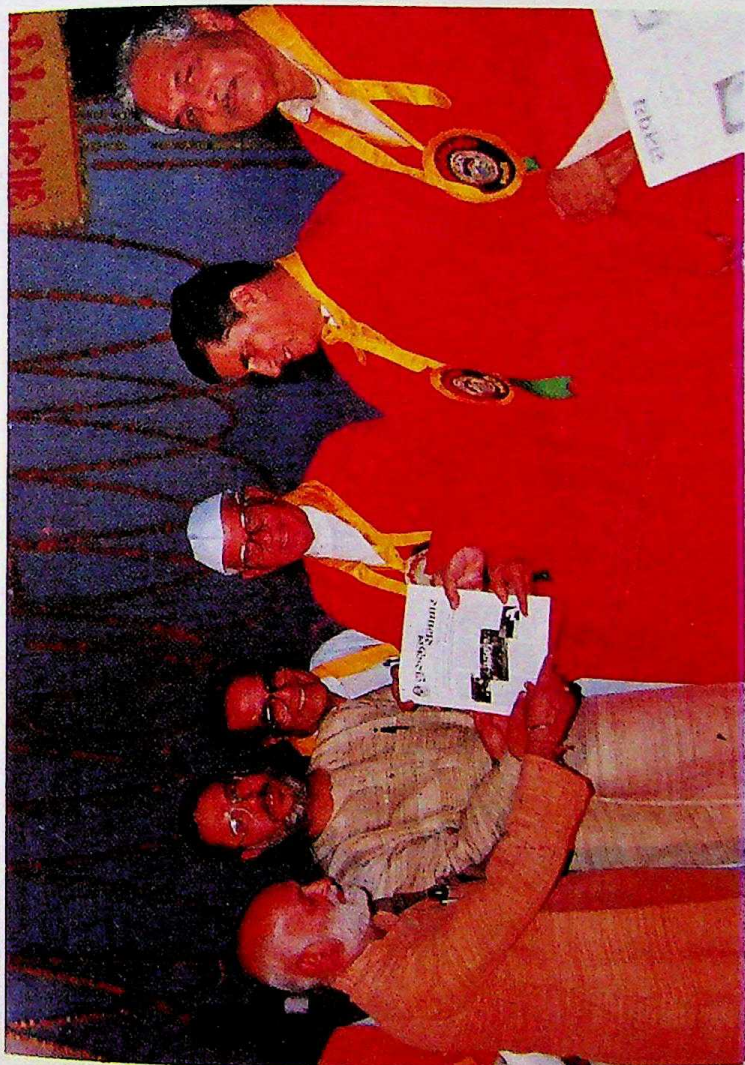
गुरुकुल समाचार" का विमोचन करते हुए प्रो० शेर सिंह, श्री सूर्यदेव डा० धर्मपाल

दीक्षान्त समारोह, 1999 में शोध उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों की सूची

पंजी०सं०	नाम शोधार्थी	पिता का नाम	शोध विषय	विषय	मौ०दि०	निर्देशक
93 0413	विनोद कुमार जोशी	देवीदत्त जोशी	अथर्ववेद संहिता में उपलब्ध निर्वचन समीक्षात्मक अध्ययन	वेद विभाग	28.3.99	डा0 रूप किशोर शास्त्री
92012	विजय लक्ष्मी	श्री यादराम सिंह	महर्षि दयानंदकृत ऋग्वेदभाष्य का व्याकरण शास्त्रीय अध्ययन	संस्कृत सा0	12.9.98	डा0 महावीर अग्रवाल
95006	नयनकुमार विशारद	माधवराव	वेदों में मानवीय मूल्य	संस्कृत सा0	9.11.98	डा0 महावीर अग्रवाल
94018	कु0 अहल्या	भूतल शर्मा	अथर्ववेद में चित्रित द्विज धर्म	संस्कृत सा0	30.3.99	प्रो0 वेदप्रकाश शास्त्री
93 011	बिमला आर्या	टेकचन्द्र आर्य	माधवीयाधातुवृत्तेरेकं समीक्षात्मक अध्ययनम्	संस्कृत सा0	27.3.99	डा0 रामप्रकाश शर्मा
93 015	कु0 कल्पना सैनी	पृथ्वी सिंह विकसित	आचार्य सूर्यकान्त की कृतियों का मूल्यांकन	संस्कृत सा0		डा0 रामप्रकाश शर्मा
92029	कु0 सुमित्रा	श्री श्रीचन्द	का शिकावृत्ति में प्रदत्त उदाहरण एक समीक्षात्मक अध्ययन	संस्कृत सा0	22.5.98	प्रो0 वेदप्रकाश शास्त्री
93 0415	हरीशचंद पनेरू	श्री जयकृष्ण पनेरू	संस्कृत नीतिशास्त्र के परिप्रेक्ष्य में न्याय प्रक्रिया का समीक्षात्मक अध्ययन	संस्कृत सा0	5.8.98	डा0 रामप्रकाश शर्मा

पंजी०सं०	नाम शोधार्थी	पिता का नाम	शोध विषय	विषय	मौ०दि०	निर्देशक
96001	हर्षवर्धन गोस्वामी	डा0 सी0 गिरि	प्राणायाम का स्वास्थ्य एवं कायिक क्षमत्व के संदर्भ में समालोचनात्मक शास्त्रीय अध्ययन	योग	26.3.99	डा0 ईश्वर भारद्वाज
90000	सुरक्षित कुमार	श्री नरेन्द्र गोस्वामी	पातंजलयोग एवं नाथयोग एक तुलनात्मक विश्लेषण	योग	27.3.99	डा0 ईश्वर भारद्वाज
920639	संजय वर्मा	चन्द्रमनोहर वर्मा	हिन्दी में आर्य समाज की विज्ञान पत्रकारिता	हिन्दी सा0	17.3.99	डा0 विष्णुदत्त राकेश
920098	श्रीमती रेखारानी	रामकुमार शर्मा	फणीश्वरनाथ रेणु के कहानी साहित्य का मूल्यांकन	हिन्दी सा0	17.3.99	डा0 भगवानदेव पाण्डेय
910137	अमिताभ शर्मा	पुरुषोत्तमशरण शर्मा	संत मंगतराम प्रणीत समता प्रकाश का दार्शनिक अध्ययन	हिन्दी सा0	6.2.99	डा0 विष्णुदत्त राकेश
930463	राजेन्द्रप्रसाद	तोताराम गैरोला	हिन्दी की हास्य काव्य परम्परा में काका हाथरसी का योगदान	हिन्दी सा0	15.3.99	डा0 भगवानदेव पाण्डेय
930623	मेनका त्रिपाठी	वीरेन्द्र त्रिपाठी	विष्णुप्रभाकर जी के नाटकों में युगबोध	हिन्दी सा0	26.3.99	डा0 ज्ञानचन्द्र रावल
94001	हरीश डिमरी	ए0आर0 डिमरी	गढ़वाल का लोक साहित्य : स्वरूप और संवेदना	हिन्दी सा0	17.8.98	डा0 भगवानदेव पाण्डेय

पंजी०सं०	नाम शोधार्थी	पिता का नाम	शोध विषय	विषय	मौ०दि०	निर्देशक
88009	श्रीमती पुष्पलता	मुरारीलाल	स्वातंत्रोत्तर हिन्दी की दैनिक पत्रकारिता में युगीन चेतना	हिन्दी सा०	6.2.99	डा० भगवानदेव पाण्डेय
930371	कु० शिवानी	डा० भारतभूषण	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में नारी पात्रों की भूमिका	हिन्दी सा०	17.8.98	डा० संतराम वैश्य
910494	नवनीत कुमार सिंह	पहल सिंह	गुर्जर जाति का इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व–प्रारम्भ से 1200 ई० तक	प्रा०भा०इति०	12.2.99	डा० कश्मीर सिंह भिण्डर
920553	कु० सपनारानी	पृथ्वीराज राजपूत	प्राचीन भारत में वैवाहिक पद्धति पर सामाजिक परिवर्तन का प्रभाव (प्रारम्भ से 1200 ई० तक)	प्रा०भा०इति०	12.2.99	डा० कश्मीर सिंह भिण्डर
930615	हरीश कुमार	जगदीशप्रसाद शर्मा	गुप्तकाल में नौकरशाही	प्रा०भा०इति०	24.2.99	डा० राकेश शर्मा
94015	श्रीमती नीरा खरे	राजीव कुमार खरे	महर्षि दयानंद, श्री अरविन्द और महात्मा गांधी के दार्शनिक विचारों का अध्ययन	दर्शनशास्त्र	12.10.98	डा० विजयपाल शास्त्री
930602	शिवनंदन प्रसाद	जगदीश महतो	आचार्य शंकर और आचार्य रजनीश के गीता भाष्यों का तुलनात्मक दार्शनिक परिशीलन	दर्शनशास्त्र	12.10.98	डा० विजयपाल शास्त्री
910478	प्रतीक मिश्रपुरी	योगेन्द्र दत्त मिश्रपुरी	योग की प्रमुख विधियों का मनोवैज्ञानिक आधार एवं अध्ययन		15.9.98	डा० जयदेव वेदालंकार

पंजी0सं0	नाम शोधार्थी	पिता का नाम	शोध विषय	विषय	मौ0दि0	निर्देशक
92011	अरूण कुमार	करण सिंह	Some Application of Queueing Network Modelling and Analysis techniques to Performance Evaluation of Computer Systems	गणित	10.10.98	डा0 महिपाल सिंह
95005	कु0 भूपेन्द्र कौर कुकरेजा	जी0एस0 कुकरेजा	Hypertension as related to nature and level of anxiety emotional maturity and behaviour type	मनोविज्ञान	11.12.98	प्रो0 ओ0पी0 मिश्र
93013	बालेन्द्र सिंह मलिक	लाल सिंह मलिक	Positive and Negative class climate of secondary school as determined by persnality make-up Neuroticism and Psychoticism among teachers	मनोविज्ञान	27.3.99	डा0 सी0पी0 खोसर
95016	पारेश कुमार	विजयपाल सिंह पुण्डीर	Kinetics and mechanism of oxidation of certain Amono acids by bis (Periodate) Argentate (III) Compex.	रसायन	15.3.99	डा0 आर0डी0 कौशिक
95012	राजेन्द्र सिंह	बलवीर सिंह कठैत	Haematological studies on some fresh-water teleosts under varying aquatic conditions	Zoology	17.3.99	प्रो0 बी0डी0 जोशी
95017	अनिल कुमार	धर्मपाल सिंह	Characteristics and significance of calls. Songs and visual displays in two avain species v.2. copsychus saularis & Psychronotus cafer.	Zoology	29.3.99	डा0 दिनेश भट्ट

समापन के समय अधिकारी वर्ग

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार

उत्तीर्ण छात्रों की सूची, वर्ष 1998

वर्ग : तृतीय वर्ष   समूह : विद्यालंकार

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	1327	950457	अमीता राय	श्री विजय राय	उत्तीर्ण	प्रथम
2.	1330	950546	अनीमा	श्री सी0बी0 शुक्ला	उत्तीर्ण	प्रथम
3.	1331	950548	भावना वर्मा	श्री एस0पी0 वर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
4.	1332	950549	गायत्री सिंह	श्री त्रिलोकी सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
5.	1333	950551	ललिता सिंह	श्री प्रीत सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
6.	1334	950550	राजेन्द्र कौर	श्री बलवीर सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
7.	1335	950552	सुजाता	श्री एन0आर0 वरदराजन	उत्तीर्ण	प्रथम
8.	1336	950554	विनीता	श्री एस0एन0 शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
9.	1337	950553	विदुषी	श्री एस0 कुमार	उत्तीर्ण	प्रथम
10.	1338	950555	गिरिजा	श्री विजय कुमार भारती	उत्तीर्ण	प्रथम
11.	1339	950560	मोनिका	श्री सन्तोष कुमार बरनवाल	उत्तीर्ण	प्रथम
12.	1340	950561	कु0 रेखा	श्री राम जी लाल	उत्तीर्ण	प्रथम
13.	1341	950562	कु0 नीतू	श्री बाबू सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
14.	1343	940582	रीना	श्री आर0एम0 सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
15.	1345	940577	विनीता	श्री सुभाष चन्द	उत्तीर्ण	द्वितीय
16.	1346	940575	मीरा	श्री राम गोपाल	उत्तीर्ण	प्रथम

वर्ग : तृतीय वर्ष   समूह : वेदालंकार

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	1348	950557	कु0 यशोदा	श्री हरिप्रसाद उपाध्याय	उत्तीर्ण	प्रथम
2.	1349	950558	कु0 वेदवती	श्री अशर्फी लाल	उत्तीर्ण	प्रथम
3.	1350	950525	आनन्द कत्याल	श्री ओ0पी0 कत्याल	उत्तीर्ण	प्रथम
4.	1351	950524	प्रमोद कुमार	श्री आर0बी0 लाल	उत्तीर्ण	प्रथम
5.	1352	950448	शंकर मित्र	श्री यादराम	उत्तीर्ण	प्रथम
6.	1353	950196	सुधीर कुमार	श्री नौबत सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम

वर्ग : तृतीय वर्ष   समूह : विद्यालंकार

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	1354	950580	हर्षवर्धन	श्री सुखदेव राज	उत्तीर्ण	प्रथम
2.	1355	950578	नन्द दुलाल	प्रफुल्ल चन्द्र	उत्तीर्ण	प्रथम
3.	1356	950579	नन्दलाल प्रसाद	बन्धु महतो	उत्तीर्ण	प्रथम
4.	1357	950577	नीलाम्बर प्रसाद	घुराऊ राम	उत्तीर्ण	प्रथम
5.	1358	950576	रविन्द्र कुमार राणा	देवादि राणा	उत्तीर्ण	प्रथम
6.	1359	950575	सुधांशु शेखर	सतीश चन्द्रा	उत्तीर्ण	प्रथम
7.	1360	950574	वेदप्रकाश आर्य	कीर्तन प्रधान	उत्तीर्ण	प्रथम
8.	1361	950573	वेदप्रकाश गर्ग	महावीर प्रसाद	उत्तीर्ण	प्रथम

वर्ग : तृतीय वर्ष अलंकार   समूह : सामान्य

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	1362	950705	अश्वनी कुमार	श्री कर्मवीर सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
2.	1365	950700	हीरा सिंह	श्री चन्द्र बहादुर	उत्तीर्ण	द्वितीय
3.	1366	950640	दिनेश चन्द्र आर्य	श्री नन्द राम	उत्तीर्ण	द्वितीय
4.	1367	950628	मधुकर सिंह	श्री फूल सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
5.	1368	950648	जितेन्द्र कुमार	श्री ओम प्रकाश	उत्तीर्ण	द्वितीय
6.	1369	950615	रविराज	श्री ओ0पी0 शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
7.	1371	950687	फैजान अली	श्री शेर अली	उत्तीर्ण	द्वितीय
8.	1372	950616	राघवेन्द्र निगम	श्री आर0के0 निगम	उत्तीर्ण	प्रथम
9.	1373	920171	अतुल कुमार श्रीवास्तव	श्री आर0बी0 श्रीवास्तव	उत्तीर्ण	द्वितीय
10.	1374	950672	कमलकान्त बहुगुणा	श्री पी0एन0 बहुगुणा	उत्तीर्ण	द्वितीय
11.	1376	950618	राजेन्द्र कुमार सैनी	श्री एस0आर0 सैनी	उत्तीर्ण	प्रथम
12.	1377	950613	सुशील कुमार	श्री ऋषिपाल	उत्तीर्ण	द्वितीय
13.	1378	950638	दुष्यन्त कुमार	श्री श्रीपाल	उत्तीर्ण	द्वितीय
14.	1379	950635	हरपाल सिंह रावत	श्री एम0एस0 रावत	उत्तीर्ण	प्रथम
15.	1380	950664	रविन्द्र सिंह	श्री खेम सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
16.	1381	950632	कौशल कुमार शर्मा	श्री वी0 के0 शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
17.	1382	950623	निशान्त रंजन	श्री राजेन्द्र सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
18.	1383	950122	विक्रम सिंह	श्री आई0पी0 सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
19.	1384	940392	विनय कुमार	श्री घसीटू राम	उत्तीर्ण	द्वितीय
20.	1386	950646	आदेश कुमार	श्री लाखन सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
21.	1387	950630	कुलजीत सिंह	श्री ओम प्रकाश	उत्तीर्ण	द्वितीय
22.	1388	950626	मनोज कुमार	श्री उधम सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
23.	1389	950606	यशपाल सिंह	श्री जी0एस0 तोमर	उत्तीर्ण	द्वितीय
24.	1390	950609	सुशील कुमार	श्री जगदीश प्रसाद	उत्तीर्ण	प्रथम

वर्ग : अलंकार तृतीय वर्ष   समूह : कंप्यूटर

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	1391	950739	अमर	श्री हनुमंत राव	उत्तीर्ण	द्वितीय
2.	1392	950593	दीपक खन्ना	श्री एच0 सी0 खन्ना	उत्तीर्ण	द्वितीय
3.	1393	940019	हरदीप सिंह	श्री जगतार सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
4.	1394	950633	जोगेन्द्र सिंह रोहिला	श्री आर0एस0 रोहिला	उत्तीर्ण	प्रथम
5.	1395	940052	मयंक कुमार गोयल	श्री देवेन्द्र कुमार	उत्तीर्ण	प्रथम
6.	1396	950007	पंकज दत्ता	श्री एस0 के0 दत्ता	उत्तीर्ण	द्वितीय
7.	1397	950599	प्रवीन कुमार श्रीवास्तव	श्री अशरण शरण श्रीवास्तव	उत्तीर्ण	द्वितीय
8.	1398	950601	परितोष कुमार कौशिक	श्री एन0 के0 कौशिक	उत्तीर्ण	द्वितीय
9.	1399	950647	नीरज कुमार अरोड़ा	श्री जी0 डी0 अरोरा	उत्तीर्ण	द्वितीय
10.	1400	950725	राजीव शर्मा	श्री आर0 के0 शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
11.	1401	940499	राजीव सिंह	श्री बचन सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
12.	1402	950669	शशि प्रकाश जोशी	श्री जी0 सी0 जोशी	उत्तीर्ण	द्वितीय
13.	1403	940555	उपेन्द्र कुमार शर्मा	श्री महेन्द्र कुमार	उत्तीर्ण	द्वितीय
14.	1404	950602	विपुल गुप्ता	श्री एस0 के0 गुप्ता	उत्तीर्ण	द्वितीय
15.	1405	940011	विशाल मिश्रा	श्री आर0 एस0 मिश्रा	उत्तीर्ण	द्वितीय
16.	1407	950729	अंशुल गर्ग	श्री एन0 के0 गर्ग	उत्तीर्ण	द्वितीय
17.	1408	950674	अमित वर्मा	श्री गोपाल	उत्तीर्ण	द्वितीय
18.	1409	950592	दीपक गुप्ता	श्री जे0के0 गुप्ता	उत्तीर्ण	द्वितीय
19.	1410	950600	कमल सिंह देवड़ी	श्री बी0एस0 देवड़ी	उत्तीर्ण	द्वितीय
20.	1411	950603	रितेश तोमर	श्री आर0पी0 सिंह तोमर	उत्तीर्ण	द्वितीय
21.	1412	950596	त्रिवेन्द्र कुमार	श्री सीताराम	उत्तीर्ण	द्वितीय
22.	1413	950604	रितेश कुमार	श्री चन्द्र मोहन	उत्तीर्ण	द्वितीय
23.	1416	950441	जय शंकर भट्ट	श्री बीर भट्ट	उत्तीर्ण	द्वितीय
24.	1417	950438	राजीव कुमार	श्री जगमल सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
25.	1418	950442	रवि मैंदोला	श्री एम0डी0 प्रसाद	उत्तीर्ण	द्वितीय

नगरपालिकाध्यक्ष श्री राजकुमार अरोड़ा, प्रो० शेर सिंह परिद्रष्टा एवं कुलपति डा० धर्मपाल के साथ

26.	1423	940036	हरबीर सिंह	श्री जोगिन्दर सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
27.	1422	940038	गुरुशरण सिंह	श्री मलकियत सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
28.	1424	940060	नवनीत सोनी	श्री पवन कुमार सोनी	उत्तीर्ण	द्वितीय
29.	1426	940074	प्रवेन्द्र तोमर	श्री योगेन्द्र सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
30.	1427	940363	पवन कुमार	श्री जय सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
31.	1428	940032	ऋषि गुलाटी	श्री दिलीप सिंह गुलाटी	उत्तीर्ण	द्वितीय
32.	1429	940042	सोमेन्द्र नाथ	श्री सुरेन्द्रपाल सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
33.	1430	940443	वीरेन्द्र कुशवाहा	श्री जी0सी0 कुशवाहा	उत्तीर्ण	द्वितीय
34.	1431	940390	वीरेश कुमार वर्मा	श्री गुलाबचन्द वर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
35.	1432	940030	वैभव सिसौदिया	श्री राजेन्द्र सिंह सिसौदिया	उत्तीर्ण	द्वितीय
36.	1433	940062	शैलेन्द्र कुमार	श्री रामकहिन राजभर	उत्तीर्ण	द्वितीय
37.	1434	940007	सुरेन्द्र सिंह	श्री फकीर चन्द	उत्तीर्ण	द्वितीय

वर्ग : एम0ए0 द्वितीय वर्ष समूह : वेद

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	1867	910437	धर्मानन्द योगतीर्थ	श्री देवी सिंह नारा	उत्तीर्ण	प्रथम
2.	1868	930379	प्रदीप कुमार	श्री इलम सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
3.	1869	960303	सुभाषचन्द्र जसूजा	श्री एच0के0 दास	उत्तीर्ण	प्रथम
4.	1871	950526	रामपाल शास्त्री	श्री राम पत	उत्तीर्ण	द्वितीय

वर्ग : एम0ए0 द्वितीय वर्ष विषय : संस्कृत

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	1872	960603	कप्तान सिंह	श्री जगदेव सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
2.	1873	970672	प्रमोद कुमार	श्री एल0 आर0 कावरे	उत्तीर्ण	प्रथम
3.	1874	970337	राजबली प्रसाद	श्री जी0 प्रसाद	उत्तीर्ण	प्रथम

4.	1875	960126	राधाकृष्णन के0वी0	श्री एम0नारायण नायर	उत्तीर्ण	प्रथम
5.	1877	930405	सुरेन्द्र कुमार	श्री चन्दन सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
6.	1878	960369	बृजरानी शर्मा	श्री एच0एन0 शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
7.	1879	960648	कुसुम लता	श्री जे0 सी0 मलिक	उत्तीर्ण	प्रथम
8.	1880	960653	मनोरमा	श्री टीकाराम	उत्तीर्ण	द्वितीय
9.	1881	960311	मन्जू देवी	श्री डी0 पी0 सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
10.	1882	960307	निशि तेवतिया	श्री आर0 के0 तेवतिया	उत्तीर्ण	द्वितीय
11.	1883	960304	निशा जैन	श्री एन0 सी0 जैन	उत्तीर्ण	द्वितीय
12.	1885	960309	रीता	श्री एम0पी0 सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
13.	1886	960398	रजनी आत्रेय	श्री एस0एस0 आत्रेय	उत्तीर्ण	द्वितीय
14.	1887	960310	रुपा शर्मा	श्री ए0एल0 शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
15.	1888	960305	रेखा रानी	श्री हरिनारायण	उत्तीर्ण	प्रथम
16.	1889	960306	श्रद्धा	श्री आर0 एन0 प्रसाद	उत्तीर्ण	द्वितीय
17.	1890	960651	सत्यवती	श्री टीकाराम	उत्तीर्ण	द्वितीय
18.	1891	960710	सीमा रानी	श्री टी0पी0 सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
19.	1892	960577	भोला झा	श्री सी0 झा	उत्तीर्ण	प्रथम
20.	1893	960675	चन्द्रदेव	श्री फतेह सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
21.	1894	960409	हंसराज	श्री लेखराम	उत्तीर्ण	प्रथम
22.	1895	970427	कुलदीप सिंह आर्य	श्री आर0पी0एस0 आर्य	उत्तीर्ण	प्रथम
23.	1896	960399	परमानन्द	श्री धुलिया राम	उत्तीर्ण	द्वितीय
24.	1897	960686	रणवीर सिंह	श्री लक्षमन सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
25.	1898	960400	रामफल सिंह	श्री निवास	उत्तीर्ण	प्रथम
26.	1899	950413	श्याम देव	श्री रिजक राम	उत्तीर्ण	प्रथम
27.	1902	960404	अशोक सिंह	श्री हुकम सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
28.	1903	960636	अलका	श्री गोविन्द सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
29.	1904	950357	गायत्री कुमारी	श्री आर0एस0 यादव	उत्तीर्ण	द्वितीय
30.	1905	960654	गीता	श्री जगदीश सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
31.	1906	960643	कमला देवी	श्री जगदीश चन्द्र	उत्तीर्ण	द्वितीय

32.	1909	950486	माधवी	श्री देवी प्रसाद	उत्तीर्ण	द्वितीय
33.	1910	950358	सावित्री	श्री महावीर पाल	उत्तीर्ण	द्वितीय
34.	1911	950541	सुमन लता	श्री जोगेन्द्र सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
35.	1914	960699	उषा	श्री प्यारे लाल	उत्तीर्ण	प्रथम
36.	1916	960639	उमेश	श्री सूरजभान	उत्तीर्ण	प्रथम
37.	1917	960634	वीणा कुमारी	श्री शिवनारायण	उत्तीर्ण	द्वितीय

वर्ग : एम0ए0 द्वितीय वर्ष   विषय : दर्शन शास्त्र

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	1918	960300	योगेश्वर दत्त	श्री हीरा लाल	उत्तीर्ण	द्वितीय
2.	1919	910453	अनिल कुमार पाण्डेय	श्री बी0डी0 पाण्डेय	उत्तीर्ण	द्वितीय
3.	1921	970554	नविता	श्री के0सी0 शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
4.	1922	960718	ऋतु अग्रवाल	श्री आर0सी0 अग्रवाल	उत्तीर्ण	प्रथम
5.	1923	960623	सुमित्रा	श्री चन्द्र बहादुर	उत्तीर्ण	प्रथम

वर्ग : एम0ए0 द्वितीय वर्ष   विषय : इतिहास

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	1932	960316	अनिता गुप्ता	श्री एस0 एन0 गुप्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
2.	1933	960317	मन्जु चौहान	श्री बी0एस0 चौहान	उत्तीर्ण	प्रथम
3.	1934	960693	मुक्ता कौशिक	श्री के0 डी0 कौशिक	उत्तीर्ण	प्रथम
4.	1935	960554	वन्दना गोस्वामी	श्री नरेन्द्र गोस्वामी	उत्तीर्ण	प्रथम
5.	1936	960740	अजय कुमार सिंह	श्री रतन सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
6.	1937	960683	अनिल कुमार	श्री आर0डी0 सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
7.	1938	960556	धर्मपाल सिंह	श्री हजारी मल	उत्तीर्ण	द्वितीय
8.	1939	960697	गन्धर्व सेन	श्री नत्थू सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
9.	1940	850019	करतार सिंह	श्री तरलोक सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय

10.	1942	870102	मनोज कुमार भटनागर	श्री एस0बी0 भटनागर	उत्तीर्ण	प्रथम
11.	1943	960721	महेन्द्र पाल	श्री श्याम लाल	उत्तीर्ण	द्वितीय
12.	1944	960610	निशा जैन	श्री डी0के0 जैन	उत्तीर्ण	द्वितीय
13.	1945	960553	निधि सिंह	श्री डी0के0 सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम

वर्ग : एम0ए0 द्वितीय वर्ष विषय : योग

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	1925	960107	जितेन्द्र कुमार सैनी	श्री एन0आर0 सैनी	उत्तीर्ण	प्रथम
2.	1926	960692	कृष्णदत्त ओझा	श्री आर0डी0ओझा	उत्तीर्ण	प्रथम
3.	1928	920607	संजय कुमार	श्री जीवन सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
4.	1929	960719	सुरेश कुमार	श्री नैन सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
5.	1930	960296	तेजप्रसाद पोखरेल	श्री जी0पी0 पोखरेल	उत्तीर्ण	द्वितीय
6.	1931	940486	वीरेन्द्र सिंह	श्री कृपा राम	उत्तीर्ण	प्रथम
7.	–	–	सुबोध कुमार	श्री ब्रह्मपाल सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम

वर्ग : एम0ए0 द्वितीय वर्ष विषय : हिन्दी

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	1946	960560	प्रदीप कुमार कश्यप	श्री डी0आर0 कश्यप	उत्तीर्ण	द्वितीय
2.	1947	960738	अलका सिंह	श्री देवेन्द्र सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
3.	1948	960385	अंजू शर्मा	श्री आर0के0 शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
4.	1949	960312	हंसा तिवारी	श्री एम0सी0 तिवारी	उत्तीर्ण	द्वितीय
5.	1950	930420	कल्पना शर्मा	श्री आर0डी0 शर्मा	उत्तीर्ण	तृतीय
6.	1951	960612	कविता चौहान	श्री राजेन्द्र प्रसाद	उत्तीर्ण	द्वितीय
7.	1952	960731	ललिता मिश्रा	श्री पी0आर0 मिश्रा	उत्तीर्ण	तृतीय
8.	1954	960315	नीलम सैनी	श्री महावीर नीर	उत्तीर्ण	द्वितीय
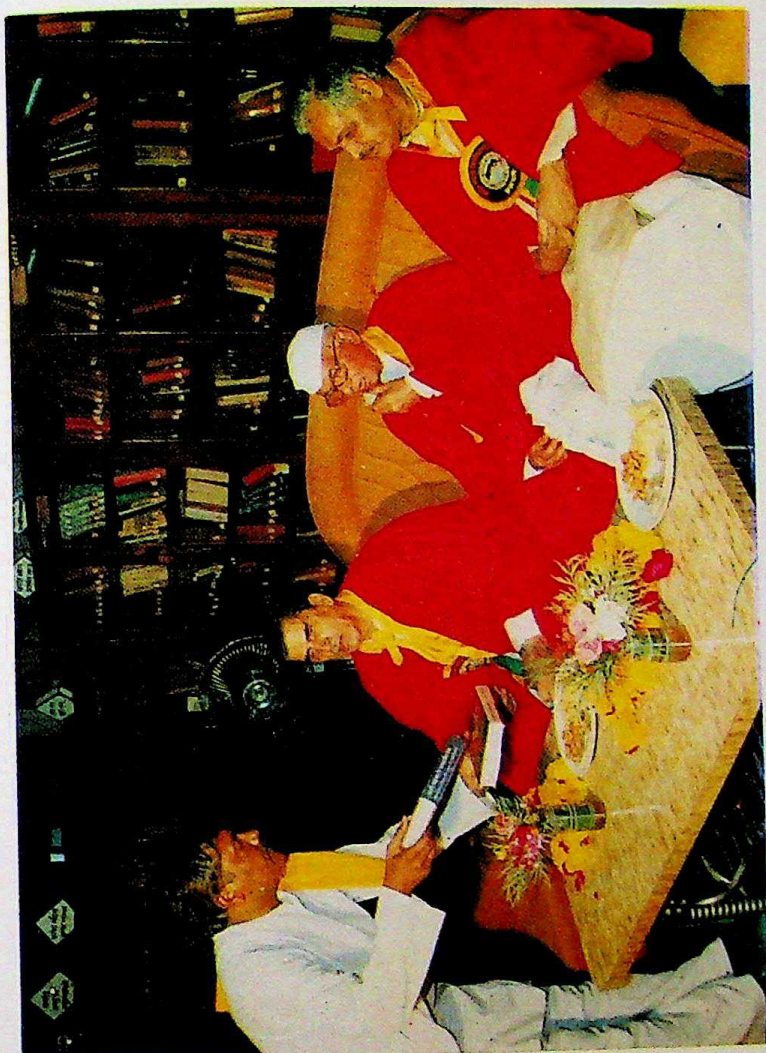
पुस्तकालय में निरीक्षण के बाद श्री सूर्यदेव, प्रा० शेर सिंह, डा० धर्मपाल एवं
पुस्तक देते हुए डा० जगदीश विद्यालंकार

9.	1955	960717	पारुल शर्मा	श्री पी0एन0 शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
10.	1956	950392	रेनू	श्री जसवन्त सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
11.	1958	960384	रूपाली जैन	श्री एच0सी0 जैन	उत्तीर्ण	प्रथम
12.	1959	960712	सन्जू	श्री आई0एम0 सेमवाल	उत्तीर्ण	प्रथम
13.	1960	960660	सीमा वैश्य	श्री एस0आर0 वैश्य	उत्तीर्ण	प्रथम
14.	1961	960313	सरिता रानी	श्री शोभा सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
15.	1962	960485	अजीत सिंह	श्री जिले सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
16.	1964	960480	हेमन्ती नन्द भट्ट	श्री सी0डी0 भट्ट	उत्तीर्ण	द्वितीय
17.	1966	960474	मित्र दत्त	श्री नेतराम	उत्तीर्ण	द्वितीय
18.	1967	960625	मिलाप राम	श्री धनुष राम	उत्तीर्ण	द्वितीय
19.	1968	920099	पूरण सिंह	श्री सुगन चन्द	उत्तीर्ण	तृतीय
20.	1969	960475	राधाकृष्ण	श्री बीरबल	उत्तीर्ण	द्वितीय
21.	1970	960659	राजबीर सिंह	श्री धर्मवीर सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
22.	1971	950407	सियाराम चौबे	श्री जी0एस0 चौबे	उत्तीर्ण	प्रथम
23.	1972	960486	सुखबीर सिंह	श्री रामकरण	उत्तीर्ण	द्वितीय
24.	1973	960478	शारदानन्द मिश्रा	श्री आर0बी0 मिश्रा	उत्तीर्ण	द्वितीय
25.	1974	960481	विजय कुमार मण्डल	श्री एन0 मण्डल	उत्तीर्ण	द्वितीय
26.	1976	960725	आशा देवी	श्री गजाधर प्रसाद	उत्तीर्ण	द्वितीय
27.	1978	940651	बीना जोशी	श्री एस0सी0 जोशी	उत्तीर्ण	द्वितीय
28.	1979	950406	भागीरथी मिश्रा	श्री सी0एस0 मिश्रा	उत्तीर्ण	प्रथम
29.	1980	920127	चित्रा शर्मा	श्री बी0 पी0 शर्मा	उत्तीर्ण	तृतीय
30.	1981	960675	गार्गी	श्री के0पी0 उपाध्याय	उत्तीर्ण	प्रथम
31.	1982	960482	हेमकान्ता	श्री मायाराम	उत्तीर्ण	द्वितीय
32.	1983	960484	नीता	श्री बाबूराम	उत्तीर्ण	द्वितीय
33.	1984	960736	यशोधरा रानी	श्री जी0पी0 वेदालंकार	उत्तीर्ण	प्रथम
34.	1965	940490	कौशल किशोर	श्री बी0एल0 झा	उत्तीर्ण	द्वितीय
35.	1975	–	संजील कुमार	श्री सुखपाल सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय

वर्ग : एम0ए0 द्वितीय वर्ष   विषय : अंग्रेजी

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	1987	930293	विश्वबन्धु भण्डारी	श्री एच0एस0 भण्डारी	उत्तीर्ण	द्वितीय
2.	1988	960357	अलका अग्रवाल	श्री वी0के0 अग्रवाल	उत्तीर्ण	द्वितीय
3.	1991	950370	कोमिला यादव	श्री आर0एस0 यादव	उत्तीर्ण	द्वितीय
4.	1992	960726	नीतू रतरा	श्री जी0एल0 रतरा	उत्तीर्ण	द्वितीय
5.	1993	960720	रश्मि	श्री भूपाल सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
6.	1994	960356	शालिनी जैन	श्री डी0के0 जैन	उत्तीर्ण	द्वितीय
7.	1995	960359	शची वशिष्ठ	श्री ए0के0 वशिष्ठ	उत्तीर्ण	द्वितीय
8.	1997	960705	संगीता अग्रवाल	श्री के0ए0 अग्रवाल	उत्तीर्ण	प्रथम
9.	1998	960730	मनीषा पॅवार	श्री वेदव्रत पॅवार	उत्तीर्ण	द्वितीय
10.	1999	960723	मीनाक्षी माटा	श्री के0आर0 माटा	उत्तीर्ण	प्रथम
11.	2000	960755	परनीता डोरा	श्री वी0एन0 डोरा	उत्तीर्ण	द्वितीय
12.	2001	960756	रजनी शर्मा	श्री पी0एल0 शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
13.	2002	930534	रजनी नेगी	श्री एन0एम0एस0 नेगी	उत्तीर्ण	तृतीय
14.	2003	960734	सुशीला रावत	श्री ए0एस0 रावत	उत्तीर्ण	द्वितीय
15.	2004	960487	वैशाली थापा	श्री एम0एस0 थापा	उत्तीर्ण	द्वितीय
16.	2005	970389	रिबेका	श्री आर0सी0 दुबे	उत्तीर्ण	द्वितीय
17.	2006	920648	अनिल कुमार	श्री ओम प्रकाश	उत्तीर्ण	द्वितीय
18.	2008	960558	धजाराम दलाल	श्री जी0आर0 दलाल	उत्तीर्ण	तृतीय
19.	2010	960412	मदन मोहन जोशी	श्री एम0एल0 जोशी	उत्तीर्ण	द्वितीय
20.	2017	960416	अनुराधा लोहानी	श्री जी0बी0 लोहानी	उत्तीर्ण	द्वितीय
21.	2021	910359	अरुणा गुप्ता	श्री पी0सी0 गुप्ता	उत्तीर्ण	द्वितीय
22.	2026	940603	कविता जिन्दे	श्री डी0ए0 जिन्दे	उत्तीर्ण	द्वितीय

23.	2027	960737	किरण दलाल	श्री पी0वी0 दलाल	उत्तीर्ण	प्रथम
24.	2030	960414	मंजरी त्यागी	श्री वी0के0 त्यागी	उत्तीर्ण	द्वितीय
25.	2035	960733	दीपा	श्री के0 बी0 चौधरी	उत्तीर्ण	द्वितीय
26.	2036	960413	ऋतु ठिण्ढा	श्री एच0सी0 ठिण्ढा	उत्तीर्ण	द्वितीय
27.	2039	960358	सन्धया शर्मा	श्री जी0पी0 शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
28.	2032	940571	मधुबाला	श्री पी0 स्वरूप	उत्तीर्ण	द्वितीय
29.	2028	940568	लता दवे	श्री आर0सी0 दवे	उत्तीर्ण	द्वितीय

वर्ग : एम0ए0 द्वितीय वर्ष विषय : अंग्रेजी (एक्स छात्र, वर्ष 1998) ....

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	2007	950691	अशोक कुमार	श्री महेन्द्र सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
2.	2009	960561	मनीष कुमार शर्मा	श्री देवदत्त शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
3.	2012	950590	प्रविन्द्र कुमार	श्री साहब सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
4.	2013	940619	राजीव कुमार शर्मा	श्री जय भगवान	उत्तीर्ण	द्वितीय
5.	2014	950589	रिज़वान अहमद	श्री गुलफाम अहमद	उत्तीर्ण	द्वितीय
6.	2018	940569	अनुराधा शर्मा	श्री एस0एन0 शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
7.	2022	930671	बबीता आहूजा	श्री एफ0सी0 आहूजा	उत्तीर्ण	द्वितीय
8.	2023	950373	गरिमा पाण्डेय	श्री ए0के0 पाण्डेय	उत्तीर्ण	द्वितीय
9.	2024	940570	गीता मिश्रा	श्री जी0डी0 मिश्रा	उत्तीर्ण	तृतीय
10.	2025	950371	कुलविन्दर कौर	श्री मोहन सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
11.	2031	950420	मीनू	श्री ओ0पी0 त्यागी	उत्तीर्ण	द्वितीय
12.	2033	950423	नीलम	श्री गोरखनाथ	उत्तीर्ण	द्वितीय
13.	2034	950375	प्रज्ञा क्वात्रा	श्री ओ0पी0 क्वात्रा	उत्तीर्ण	द्वितीय
14.	2038	950659	शान्ता	श्री एम0एस0 असवाल	उत्तीर्ण	द्वितीय
15.	2041	950368	शालिनी कुमारी	श्री बलराज सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय

वर्ग : एम0ए0, एम0एस-सी0 द्वितीय वर्ष विषय : मनोविज्ञान

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	2042	930271	दीपेश चन्द प्रसाद	श्री उमेश चन्द	उत्तीर्ण	प्रथम
2.	2043	960563	गोविन्द सिंह कुशवाहा	श्री के0एस0 कुशवाहा	उत्तीर्ण	प्रथम
3.	2044	920407	जितेन्द्र कौशिश	श्री वी0के0 कौशिश	उत्तीर्ण	द्वितीय
4.	2045	930273	जय भगवान	श्री अमन सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
5.	2046	930277	प्रदीप कुमार	श्री एस0आर0 शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
6.	2047	960661	पीयूष कुमार	श्री आर0 एस0 भटनागर	उत्तीर्ण	प्रथम
7.	2048	960687	रमन भारती	श्री एस0एम0 भारती	उत्तीर्ण	प्रथम
8.	2049	960698	सोमेश्वर दत्त बाजपेयी	श्री जी0डी0 बाजपेयी	उत्तीर्ण	प्रथम
9.	2050	930354	विनोद सिंह	श्री रणजीत सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
10.	2051	950446	अनु उपाध्याय	श्री एच.एन0 उपाध्याय	उत्तीर्ण	द्वितीय
11.	2052	960601	आरती शर्मा	श्री वी0 पी0 शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
12.	2053	960355	अनीता दास	श्री पी0एल0 दास	उत्तीर्ण	द्वितीय
13.	2054	960427	सीमा छिब्बर	श्री के0के0 छिब्बर	उत्तीर्ण	द्वितीय
14.	2055	960544	ज्योति शर्मा	श्री एम0पी0 शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
15.	2056	960423	ममता गुप्ता	श्री बी0एल0 गुप्ता	उत्तीर्ण	द्वितीय
16.	2057	960609	मीनाक्षी शर्मा	श्री एस0डी0 शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
17.	2058	960680	मीनू चांदना	श्री के0एल0 चांदना	उत्तीर्ण	द्वितीय
18.	2059	960378	निहारिका	श्री एस0डी0 लाल	उत्तीर्ण	प्रथम
19.	2060	960377	नीलम	श्री बैरिस्टर पाण्डेय	उत्तीर्ण	द्वितीय
20.	2061	960599	पिंकी रानी	श्री ए0एस0 वर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
21.	2063	960354	पूनम तिवारी	श्री एस0एन0 तिवारी	उत्तीर्ण	द्वितीय
22.	2064	960424	पुष्पा	श्री योगेश्वर प्रसाद	उत्तीर्ण	द्वितीय
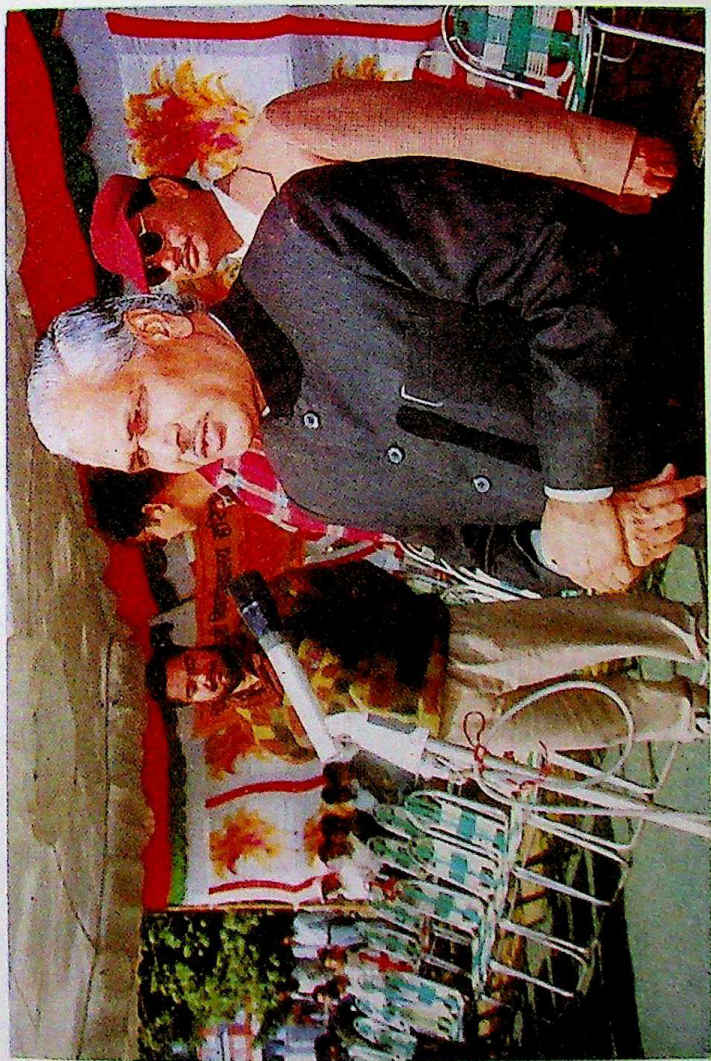
एथलेटिक्स प्रतियोगिता ९८-९९ के स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए
डा० धर्मपाल, कुलपति

23.	2065	960425	रेनू काण्डवाल	श्री टी0डी0 काण्डवाल	उत्तीर्ण	द्वितीय
24.	2068	960353	विभूति कुलश्रेष्ठ	श्री वी0के0 कुलश्रेष्ठ	उत्तीर्ण	द्वितीय
25.	2070	960624	भावना अरोड़ा	श्री एम0एम0एल0 अरोड़ा	उत्तीर्ण	द्वितीय
26.	2071	960543	कनिका रंजन	श्री पी0 रंजन	उत्तीर्ण	प्रथम
27.	2069	950695	ईश्वर चन्द्र	श्री प्रेम चन्द्र	उत्तीर्ण	तृतीय
28.	2076	950522	स्वाति शर्मा	श्री आर0डी0 शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय

वर्ग : बी0एस-सी0 तृतीय वर्ष विषय : गणीत, भौतिकी एवं कंप्यूटर

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	968	950227	अजय कुमार वर्मा	श्री आर0एस0 वर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
2.	969	950108	अखिलेश गिरि	श्री डी0सी0गिरी	उत्तीर्ण	प्रथम
3.	970	950109	अक्षय शर्मा	श्री ए0के0 शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
4.	972	950110	अमित गुप्ता	श्री नरेन्द्र कुमार गुप्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
5.	973	950112	अमित मनोचा	श्री कृष्ण लाल मनोचा	उत्तीर्ण	प्रथम
6.	974	950113	अनिल कुमार	श्री सीताराम	उत्तीर्ण	द्वितीय
7.	975	950230	अनुप विश्नोई	श्री मंगल सैन विश्नोई	उत्तीर्ण	प्रथम
8.	976	970079	अनुराग अवलेश	श्री एस0सी0 शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
9.	977	950116	आशीष कुमार	श्री विजयवीर सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
10.	978	950231	दीपक कुमार गुप्ता	श्री रामगोपाल गुप्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
11.	979	950117	दीपक सिंह	श्री प्रेम सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
12.	980	950232	धीरज नैथानी	श्री केशव चन्द्र नैथानी	उत्तीर्ण	द्वितीय
13.	981	950233	दिनेश कालरा	श्री बालकिशन कालरा	उत्तीर्ण	द्वितीय
14.	982	950118	गुलाब सिंह	श्री हरपाल सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
15.	983	950234	हरीश विजलवान	श्री आर0 दत्त	उत्तीर्ण	द्वितीय
16.	984	950120	हेमन्त कुमार	श्री डी0 डी0 उप्रेती	उत्तीर्ण	द्वितीय

17.	985	950119	हेमेन्द्र कुमार	श्री जयदेव वेदालंकार	उत्तीर्ण	प्रथम
18.	986	950127	हिमांशु	श्री एस0सी0 होरा	उत्तीर्ण	प्रथम
19.	987	950138	जयन्त अरोड़ा	श्री जी0एम0 अरोड़ा	उत्तीर्ण	प्रथम
20.	988	950129	करनराणा	श्री एम0एस0 राणा	उत्तीर्ण	प्रथम
21.	989	950235	कुनाल सारदा	श्री आर0के0 सारदा	उत्तीर्ण	प्रथम
22.	990	950130	मनदीप मित्तल	श्री एम0एल0 गुप्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
23.	991	950237	मनीष गुप्ता	श्री वीरेन्द्र कुमार गुप्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
24.	992	950131	मनोज गांधी	श्री ओम प्रकाश	उत्तीर्ण	प्रथम
25.	998	950236	मनोज पन्त	श्री एस0डी0 पन्त	उत्तीर्ण	द्वितीय
26.	994	940110	निखिलेश आर्य	श्री वेदभूषण आर्य	उत्तीर्ण	द्वितीय
27.	995	950133	निर्भय कुमार	श्री श्रीराम सूर्यवंशी	उत्तीर्ण	द्वितीय
28.	996	950483	नितिन अग्रवाल	श्री अशोक कुमार अग्रवाल	उत्तीर्ण	द्वितीय
29.	997	950238	नितिन गुरुवारा	श्री विनोद कुमार गुरुवारा	उत्तीर्ण	प्रथम
30.	998	950134	नितिन मित्तल	श्री प्रीतम दास मित्तल	उत्तीर्ण	प्रथम
31.	999	950280	पवित्र कालरा	श्री वीरेन्द्र कुमार कालरा	उत्तीर्ण	प्रथम
32.	1000	950135	पीयूष सिंह	श्री राजेन्द्र सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
33.	1001	950240	प्रदीप कुमार ध्यानी	श्री मोहन प्रसाद ध्यानी	उत्तीर्ण	प्रथम
34.	1002	950239	प्रतीश अग्रवाल	श्री पवन कुमार अग्रवाल	उत्तीर्ण	प्रथम
35.	1003	950136	राघव उपाध्याय	श्री ए0 उपाध्याय	उत्तीर्ण	प्रथम
36.	1004	950241	राजीव कुमार चौहान	श्री पुरुषोत्तम कुमार चौहान	उत्तीर्ण	प्रथम
37.	1005	950242	राजीव कुमार सिंह	श्री शिवदर्शन सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
38.	1006	950137	राजीव सागर	श्री मेह सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
39.	1007	950243	राकेश कुमार	श्री ज्ञानचंद कौंडल	उत्तीर्ण	प्रथम
40.	1008	950041	रोहित कुमार	श्री योगेश कुमार गुप्ता	उत्तीर्ण	द्वितीय
41.	1009	950139	सचिन कुमार	श्री ललन प्रसाद सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
42.	1010	950020	सन्दीप सिंह लखनपुरिया	श्री बी0एस0 लखनपुरिया	उत्तीर्ण	द्वितीय

43.	1011	950141	संजीव कुमार पुरी	श्री आर०एस० पुरी	उत्तीर्ण	प्रथम
44.	1012	950281	सृजन शर्मा	श्री विजय कुमार	उत्तीर्ण	प्रथम
45.	1013	950142	उमेश बंसल	श्री बी०एल० बंसल	उत्तीर्ण	प्रथम
46.	1014	950249	विक्रम कपूर	श्री के०एन० कपूर	उत्तीर्ण	द्वितीय
47.	1015	950251	विशाल सिंघल	श्री वी०के० सिंघल	उत्तीर्ण	द्वितीय
48.	1016	950250	विशाल सचदेवा	श्री कृष्ण कुमार सचदेवा	उत्तीर्ण	द्वितीय

वर्ग : बी०एस-सी० तृतीय वर्ष विषय : गणित, भौतिकी एवं रसायन

क्रम सं०	अनुक्रमांक	पंजी०सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	1017	950280	अभय कुमार वर्मा	श्री राजकपूर	उत्तीर्ण	द्वितीय
2.	1013	950048	अभिषेक शर्मा	श्री हरिकृष्ण शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
3.	1019	950049	ऐजाज अहमद	श्री अनीस अहमद	उत्तीर्ण	प्रथम
4.	1020	950261	अजय जोशी	श्री योगेन्द्र जोशी	उत्तीर्ण	द्वितीय
5.	1021	950263	अक्षय कुमार	श्री ब्रह्मपाल सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
6.	1023	950264	अमित कुमार	श्री बिजय कुमार सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
7.	1024	950052	अमित कुमार सिंह	श्री कर्मपाल सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
8.	1025	950044	अमित कुमार सिंह	श्री ओ० एन० सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
9.	1026	950056	अमित वोहरा	श्री ऋषि लाल	उत्तीर्ण	प्रथम
10.	1027	950058	अनुराग नैथानी	श्री दिनेश बाबू नैथानी	उत्तीर्ण	प्रथम
11.	1028	950266	आशीष अग्रवाल	श्री सत्येन्द्र कुमार अग्रवाल	उत्तीर्ण	द्वितीय
12.	1029	950059	आशीष कुमार अग्रवाल	श्री शिवप्रसाद अग्रवाल	उत्तीर्ण	प्रथम
13.	1030	950063	बिपिन कुमार पाल	श्री रुपलाल पाल	उत्तीर्ण	प्रथम
14.	1031	950066	चन्द्र शेखर पुरी	श्री एस०आर० पुरी	उत्तीर्ण	प्रथम
15.	1032	950067	चेतन पन्त	श्री एम०सी० पन्त	उत्तीर्ण	प्रथम
16.	1033	950069	दीपचन्द शर्मा	श्री सत्यव्रत शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय

17.	1035	950071	धर्मपाल सिंह रावत	श्री राजेन्द्र सिंह रावत	उत्तीर्ण	प्रथम
18.	1036	950073	धीरेन्द्र कुमार चौहान	श्री वेदपाल सिंह चौहान	उत्तीर्ण	प्रथम
19.	1037	950074	एहतेशामुल हक – तारिक	श्री इकरामुल हक	उत्तीर्ण	द्वितीय
20.	1038	950075	फतह सिंह गिल	श्री हरजीत सिंह गिल	उत्तीर्ण	द्वितीय
21.	1039	950077	हिमांशु पालीवाल	श्री विश्वनाथ पालीवाल	उत्तीर्ण	द्वितीय
22.	1042	950084	मनोज कुमार सिंह	श्री कृष्ण बहादुर चौधरी	उत्तीर्ण	द्वितीय
23.	1044	950085	मनुतोष पाण्डेय	श्री हरीशचन्द्र पाण्डे	उत्तीर्ण	द्वितीय
24.	1045	950086	मसब्बीर अली	श्री घसीटा	उत्तीर्ण	द्वितीय
25.	1046	950011	मयंक	श्री बी०पी० शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
26.	1047	950087	मुदित कुमार मित्तल	श्री रविन्द्र कुमार मित्तल	उत्तीर्ण	द्वितीय
27.	1048	950088	मुकेश कुमार	श्री केसर सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
28.	1049	950268	मुकेश कुमार	श्री मेघ सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
29.	1050	950089	नरेन्द्र कुमार	श्री दरबारी राम	उत्तीर्ण	द्वितीय
30.	1052	950090	नीरज कुमार	श्री भूदेव सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
31.	1053	950091	निष्कर्ष शर्मा	श्री विजयपाल शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
32.	1054	950269	नितिश गुप्ता	श्री प्रेमचन्द गुप्ता	उत्तीर्ण	द्वितीय
33.	1055	950095	प्रदीप कुमार	श्री बृजेश कुमार	उत्तीर्ण	प्रथम
34.	1056	950096	प्रदीप सिंह चौहान	श्री राजकुंवर पाल	उत्तीर्ण	प्रथम
35.	1057	950656	प्रद्युम्न कुमार भगत	श्री पुरुषोत्तम कुमार भगत	उत्तीर्ण	प्रथम
36.	1058	950271	प्रमोद कुमार	श्री एच०सी० सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
37.	1059	950104	राहुल अग्रवाल	श्री आर०के० गुप्ता	उत्तीर्ण	द्वितीय
38.	1060	950098	राजीव भारद्वाज	श्री नन्दकिशोर शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
39.	1063	950101	रक्षपाल सिंह	श्री सुरेशचन्द्र चौहान	उत्तीर्ण	प्रथम
40.	1064	950103	रुपेश कुमार	श्री रामपाल सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
41.	1065	950144	सचिन कुमार	श्री भूपेन्द्र सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
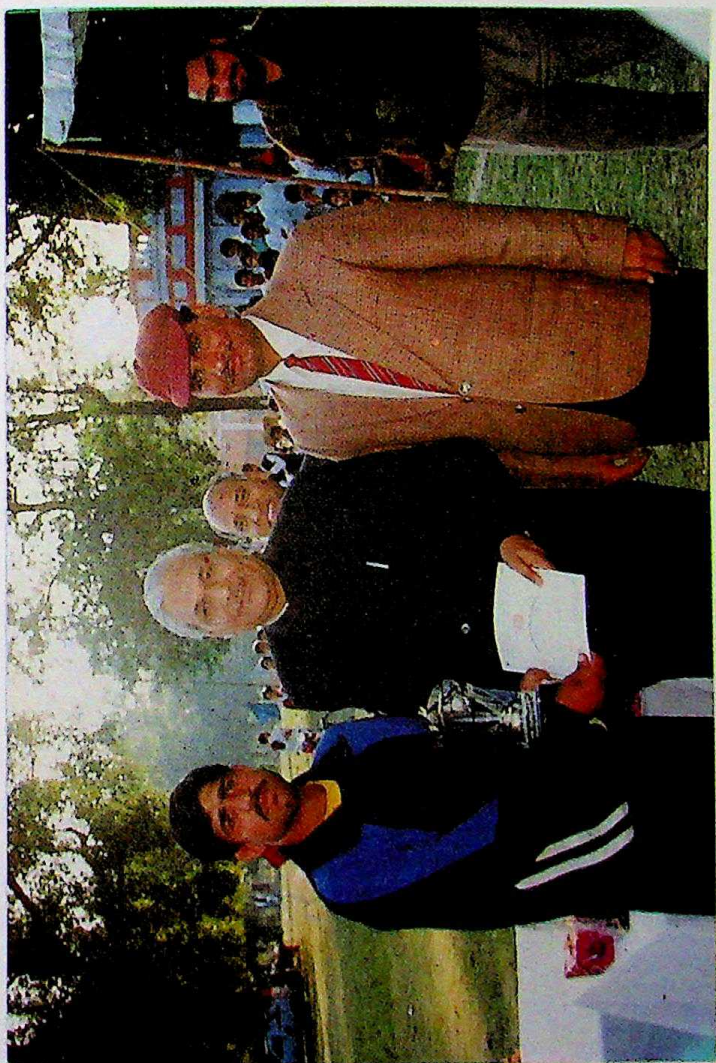
बैस्ट एथलेटिक के साथ डा० धर्मपाल एवं निदेशक शारीरिक शिक्षा डा० आर० के० एस० डागर

42.	1066	950723	संजीव अरोड़ा	श्री कृष्णलाल अरोड़ा	उत्तीर्ण	द्वितीय
43.	1067	950148	संजय जायसवाल	श्री मुरलीधर जायसवाल	उत्तीर्ण	प्रथम
44.	1068	950149	संजय कुमार	श्री धर्म सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
45.	1069	940314	संजीव कुमार	श्री प्रेम सिंह ठाकुर	उत्तीर्ण	द्वितीय
46.	1070	950151	संकर्षण देव	श्री विजयपाल शास्त्री	उत्तीर्ण	प्रथम
47.	1071	950152	सन्तन कुमार	श्री सभा बहादुर सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
48.	1072	950272	सौरभ कुमार	श्री इन्द्र सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
49.	1073	950153	शरद बजाज	श्री सुरेश कुमार बजाज	उत्तीर्ण	प्रथम
50.	1074	950154	श्रवण कुमार	श्री वीर सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
51.	1075	950155	शुभम् अग्रवाल	श्री कौशल कुमार अग्रवाल	उत्तीर्ण	प्रथम
52.	1076	950156	सोम कुमार शांडिल्य	श्री सुशील कुमार शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
53.	1077	950157	सुबोध तिवारी	श्री आर० सी० तिवारी	उत्तीर्ण	प्रथम
54.	1078	950158	सुचित मल्होत्रा	श्री श्रवण मल्होत्रा	उत्तीर्ण	प्रथम
55.	1079	950481	सुदीप शर्मा	श्री सुभाषचन्द्र शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
56.	1080	950159	सुमेर सिंह रावत	श्री सत्य सिंह रावत	उत्तीर्ण	द्वितीय
57.	1081	950273	सुमित भटनागर	श्री रविन्द्र कुमार भटनागर	उत्तीर्ण	द्वितीय
58.	1082	950160	सुमित त्यागी	श्री सत्यवीर सिंह त्यागी	उत्तीर्ण	प्रथम
59.	1085	950163	विजय कुमार	श्री सुखवीर सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
60.	1086	950430	विक्रान्त जायसवाल	श्री मोहनलाल जायसवाल	उत्तीर्ण	द्वितीय
51.	1087	950165	विनीत सक्सेना	श्री एन०एस० सक्सेना	उत्तीर्ण	प्रथम
62.	1088	950276	विपिन वशिष्ठ	श्री विनोद वशिष्ठ	उत्तीर्ण	द्वितीय
63.	1089	950167	विवेक गर्ग	श्री अशोक कुमार गर्ग	उत्तीर्ण	द्वितीय
64.	1090	950168	विवेक सक्सेना	श्री सुरेशचन्द सक्सेना	उत्तीर्ण	प्रथम
65.	1091	950169	योगेश कुमार	श्री राजकुमार शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
66.	1092	930224	पुनीत कुमार	श्री पदम सिंह त्यागी	उत्तीर्ण	प्रथम

वर्ग : बी0एस-सी0 तृतीय वर्ष   विषय : वनस्पति विज्ञान, जन्तु विज्ञान एवं रसायन

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	1097	950220	अभिषेक कुमार	श्री अनिल कुमार	उत्तीर्ण	प्रथम
2.	1098	950223	अमित सिंह सचीन	श्री दिनेशचन्द्र सचीन	उत्तीर्ण	प्रथम
3.	1099	950170	अनुजदत्त शर्मा	श्री महेन्द्र दत्त शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
4.	1100	950730	आशुतोष मिश्रा	श्री चन्द्रगुप्त मिश्रा	उत्तीर्ण	द्वितीय
5.	1101	950188	अटल बहादुर सिंह	श्री ईसम सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
6.	1102	950225	दीपक अरोड़ा	श्री श्यामदास अरोड़ा	उत्तीर्ण	प्रथम
7.	1103	950178	दिनेश कुमार वशिष्ठ	श्री नरेश कुमार	उत्तीर्ण	द्वितीय
8.	1104	950171	गिरीश कुमार	श्री केशवानन्द	उत्तीर्ण	द्वितीय
9.	1105	950222	जितेन्द्र कुमार	श्री पीरुमल	उत्तीर्ण	द्वितीय
10.	1106	950221	कुमार गौरव	श्री रामकुमार मेहता	उत्तीर्ण	द्वितीय
11.	1107	950217	ललित कुमार	श्री रमेशचन्द	उत्तीर्ण	द्वितीय
12.	1108	950188	मदनमोहन सती	श्री टी0आर0सती	उत्तीर्ण	द्वितीय
13.	1109	950172	मनोज कुमार कुकरेजा	श्री आत्मप्रकाश कुकरेजा	उत्तीर्ण	प्रथम
14.	1110	950191	मनोज त्रिवेदी	श्री राजेन्द्र प्रसाद तिवारी	उत्तीर्ण	प्रथम
15.	1111	950224	मुकेश रुहेला	श्री कृष्णलाल रुहेला	उत्तीर्ण	द्वितीय
16.	1112	950713	नरेश चावला	श्री योगेन्द्रमोहन चावला	उत्तीर्ण	प्रथम
17.	1113	950303	निशांत गहलावत	श्री दलपत सिंह गहलावत	उत्तीर्ण	द्वितीय
18.	1114	950185	नितिन जैन	श्री पवन जैन	उत्तीर्ण	द्वितीय
19.	1115	950219	पंकज कुमार	श्री जनार्धन स्वरूप	उत्तीर्ण	द्वितीय
20.	1116	950187	प्रभात कुमार सिंह	श्री राजवीर सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
21.	1117	950218	प्रदीप कुमार	श्री सत्य प्रकाश	उत्तीर्ण	प्रथम
22.	1118	950189	प्रदीप कुमार राय	श्री विश्वनाथ राय	उत्तीर्ण	प्रथम
23.	1119	950570	परितोष कुमार	श्री धर्मवीर सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
24.	1120	950193	प्रवीन कुमार	श्री नन्दकिशोर सैनी	उत्तीर्ण	द्वितीय
25.	1121	950186	राजीव कुमार सोम	श्री महेन्द्रपाल सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम

26.	1122	950181	राजीव राजपूत	श्री देवेन्द्रपाल सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
27.	1123	950175	राकेश भौरे	श्री नकलीराम	उत्तीर्ण	द्वितीय
28.	1125	950226	रियाजुल हसन	श्री फैय्याज हुसैन	उत्तीर्ण	द्वितीय
29.	1126	950254	रोशन कुमार	श्री अखौरी काली प्रसाद	उत्तीर्ण	द्वितीय
30.	1127	950177	सचिन कुमार सिंघल	श्री रामकुमार	उत्तीर्ण	द्वितीय
31.	1128	940182	सचिन शाह	श्री एमममम0एल0 शाह	उत्तीर्ण	द्वितीय
32.	1129	950253	संदीप	श्री जय भगवान	उत्तीर्ण	द्वितीय
33.	1131	950720	सतीश कुमार	श्री रूपचन्द पुण्डीर	उत्तीर्ण	द्वितीय
34.	1132	950176	सुनील कुमार	श्री रोशनलाल	उत्तीर्ण	द्वितीय
35.	1133	950717	शरद कोठारी	श्री आर0सी0 कोठारी	उत्तीर्ण	द्वितीय
36.	1134	950182	विनोद प्रसाद	श्री मन्शा राम	उत्तीर्ण	द्वितीय
37.	1135	950190	विपुल देव	श्री सुरेन्द्र कुमार	उत्तीर्ण	द्वितीय

वर्ग : बी0एस-सी0 तृतीय वर्ष विषय : औद्योगीक सूक्ष्म विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं रसायन

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	1138	950029	दीपक कुमार बेनीवाल	श्री सुरेन्द्र सिंह बेनीवाल	उत्तीर्ण	प्रथम
2.	1039	950027	दिनेश कुमार	श्री राजवीर सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
3.	1140	950450	कार्तिकेय कुमार गुप्ता	श्री गंगाप्रसाद गुप्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
4.	1141	950028	कुलदीप सिंह	श्री राजकुमार सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
5.	1142	950320	लोकेश कुमार सिंह	श्री हुकमचन्द कुशवाहा	उत्तीर्ण	प्रथम
6.	1143	950040	मनुज टण्डन	श्री शिवकुमार टण्डन	उत्तीर्ण	द्वितीय
7.	1144	950321	नवनीत कुमार	श्री राजकुमार रावत	उत्तीर्ण	द्वितीय
8.	1145	950451	नितिन कुमार वर्मा	श्री जी0सी0 राम	उत्तीर्ण	द्वितीय
9.	1146	950024	राकेश मेतियान	श्री बलवीर सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
10.	1147	950045	रविन्द्र कुमार जोशी	श्री भेषज कुमार जोशी	उत्तीर्ण	प्रथम
11.	1148	950025	सुमित कुमार मेंहदीरत्ता	श्री बी0पी0 मेंहदीरत्ता	उत्तीर्ण	द्वितीय

वर्ग : बी0एस-सी0 तृतीय वर्ष विषय : औद्योगीक सूक्ष्म विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं रसायन

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	1149	950046	अमिताभ शर्मा	श्री अरुण कुमार शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
2.	1150	950036	अंकुर गुप्ता	श्री सुशील कुमार गुप्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
3.	1151	950088	आशुतोष गर्ग	श्री श्रवण कुमार गर्ग	उत्तीर्ण	प्रथम
4.	1152	950087	चंचल सिंह	श्री धन सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
5.	1153	950080	हरी कृष्ण	श्री मोतीराम	उत्तीर्ण	द्वितीय
6.	1154	950019	हरीशचन्द्र	श्री शारदा प्रसाद	उत्तीर्ण	प्रथम
7.	1155	950047	नितीश दास	श्री मधुसूदन दास	उत्तीर्ण	प्रथम
8.	1156	950082	पंकज शर्मा	श्री श्यामबाबू शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
9.	1157	950041	सत्यनारायण आर्य	श्री रामकेश आर्य	उत्तीर्ण	प्रथम
10.	1158	950038	वर्तुल	श्री महेशचन्द सेंगल	उत्तीर्ण	द्वितीय
11.	1159	950304	वीरेन्द्र कुमार	श्री जयपाल सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	1094	940334	विजेन्द्र प्रकाश कपसवान (PCM)	श्री शान्तिप्रसाद कपसवान	उत्तीर्ण	तृतीय
2.	1095	930261	विश्वरंजन कुमार प्रसाद (PCM)	श्री उमाशंकर प्रसाद	उत्तीर्ण	द्वितीय
3.	1096	980100	हेमन्त सिंह तोमर (PM Psyo)	श्री सन्तोष कुमार सिंह तोमर	उत्तीर्ण	द्वितीय
4.	1136	980275	मोहन सिंह (2.B. Psyo)	श्री सरदूल सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
5.	1137	940194	विजयपाल सिंह (C.B.Z.)	श्री भगवान सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय

वर्ग : एम0एस-सी0 द्वितीय वर्ष विषय : भौतिकी

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	2138	960714	सन्दीप कुमार	श्री ओमप्रकाश सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
2.	2139	930135	संजय शर्मा	श्री गोसाड़ीदत्त शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
3.	2140	930253	तिरेन्द्र कुमार	श्री रुपचन्द	उत्तीर्ण	प्रथम3.
4.	2141	930209	पंकज चौहान	श्री हरीश चौहान	उत्तीर्ण	प्रथम
5.	2142	930087	अजय कुमार	श्री जगपाल सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
6.	2143	930149	विकास गुप्ता	श्री सूर्यप्रकाश गुप्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
7.	2144	960388	संजीव कुमार	श्री मदनलाल	उत्तीर्ण	प्रथम
8.	2145	930226	रजनीश विश्वकर्मा	श्री भोलानाथ	उत्तीर्ण	प्रथम
9.	2146	930019	राजन कृष्ण	श्री रुपचन्द	उत्तीर्ण	प्रथम
10.	2148	960360	मोनिका जैन	श्री सनत कुमार जैन	उत्तीर्ण	प्रथम
11.	2149	960332	नीशू नारंग	श्री प्रेमकुमार नारंग	उत्तीर्ण	प्रथम
12.	2150	960331	रिंकु वालिया	श्री राजेश वालिया	उत्तीर्ण	प्रथम
13.	2151	960379	शैफाली बहुगुणा	श्री वीरेन्द्र दत्त बहुगुणा	उत्तीर्ण	प्रथम

वर्ग : बी0एस-सी0 द्वितीय वर्ष विषय : पर्यावरण विज्ञान

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	2234	920118	अरविन्द	श्री आर0पी0 सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
2.	2235	930304	अभिषेक भटनागर	श्री सुशील कुमार भट्नागर	उत्तीर्ण	प्रथम
3.	2236	930301	आसिफ अली खाँ	श्री आस मोहम्मद	उत्तीर्ण	प्रथम

क्रम सं०	अनुक्रमांक	पंजी०सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
4.	2237	930285	देवराज सिंह	श्री रामचरण सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
5.	2238	920044	जगदीश कुमार	श्री रुद्र कुमार	उत्तीर्ण	प्रथम
6.	2239	960358	निरंजन कुमार चौहान	श्री ओमप्रकाश सिंह चौहान	उत्तीर्ण	प्रथम
7.	2241	930287	पवन कुमार जोशी	श्री गोपालदत्त जोशी	उत्तीर्ण	प्रथम
8.	2242	960285	रूपेन्द्र	श्री एस०पी० भट्ट	उत्तीर्ण	प्रथम
9.	2244	950567	रीतेश जोशी	श्री जमुनादत्त जोशी	उत्तीर्ण	प्रथम
10.	2245	960708	सुरेन्द्र कौर	श्री सुलक्खन सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
11.	2246	960707	सारिका मिश्र	श्री एस०एन० मिश्र	उत्तीर्ण	प्रथम
12.	2247	960365	सोनिया राठी	श्री जगपाल सिंह राठी	उत्तीर्ण	प्रथम
13.	2248	960338	सुरुचि पुण्डीर	श्री धर्मपाल सिंह पुण्डीर	उत्तीर्ण	प्रथम
14.	2249	960417	मोनिका अग्रवाल	श्री राम अवतार अग्रवाल	उत्तीर्ण	प्रथम
15.	2250	960367	मुक्ता पंडित	श्री अशोक कुमार शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
16.	2251	960366	नीतू सिंह	श्री कर्णपाल सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
17.	2252	960380	प्रीति सक्सैना	श्री सतीश चन्द्र	उत्तीर्ण	प्रथम
18.	2253	960418	पूनम	श्री नकली राम त्यागी	उत्तीर्ण	प्रथम

वर्ग : एम०एस-सी० द्वितीय वर्ष विषय : रसायन

क्रम सं०	अनुक्रमांक	पंजी०सं०	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	2183	930300	अजय कुमार	श्री शम्भु प्रसाद	उत्तीर्ण	प्रथम
2.	2184	960569	अनुज कुमार चौहान	श्री धर्मपाल सिंह चौहान	उत्तीर्ण	प्रथम
3.	2185	930182	चक्रवीर सिंह	श्री राजेन्द्र सिंह रावत	उत्तीर्ण	प्रथम
4.	2186	930251	तपन भटनागर	श्री जगमोहन भटनागर	उत्तीर्ण	प्रथम
5.	2187	960570	देवकान्त शाण्डिल्य	श्री सुशील कुमार शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम

6.	2188	930205	नीरज कुमार	श्री राजकुमार	उत्तीर्ण	प्रथम
7.	2189	930216	प्रदीप कुमार त्यागी	श्री रामपाल सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
8.	2190	930214	प्रदीप कुमार गर्ग	श्री आर0पी0 गर्ग	उत्तीर्ण	प्रथम
9.	2191	960571	पीयूष त्यागी	श्री रविप्रकाश त्यागी	उत्तीर्ण	प्रथम
10.	2192	960572	पंकज मल्होत्रा	श्री अमरनाथ मल्होत्रा	उत्तीर्ण	प्रथम
11.	2193	930298	योगेश चन्द नैनवाल	श्री ईश्वरीदत्त नैनवाल	उत्तीर्ण	प्रथम
12.	2194	930295	वैभव भारद्वाज	श्री एस0सी0 शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
13.	2195	960573	सुनीलदत्त ओसवाल	श्री ओ0पी0 ओसवाल	उत्तीर्ण	प्रथम
14.	2196	960574	श्रवण कुमार	श्री वेद प्रकाश	उत्तीर्ण	प्रथम
15.	2197	930240	संजीव शांडिल्य	श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
16.	2198	930316	मिथिलेश कुमार त्रिपाठी	श्री सुरेन्द्रनाथ त्रिपाठी	उत्तीर्ण	प्रथम
17.	2199	960575	मनोज कौशिक	श्री सुबोध शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
18.	2200	920066	राजीव सैनी	श्री कबूल सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
19.	2201	910040	हेमन्त	श्री देवी प्रसाद	उत्तीर्ण	द्वितीय
20.	2202	960615	मोनिका सिंघल	श्री अशोक सिंघल	उत्तीर्ण	प्रथम
21.	2203	960320	मोनिका अग्रवाल	श्री मधुसूदन अग्रवाल	उत्तीर्ण	प्रथम
22.	2204	960318	पारुल त्यागी	श्री एम0डी0 त्यागी	उत्तीर्ण	प्रथम
23.	2205	960319	प्रीति शर्मा	श्री गोपाल शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
24.	2206	960595	पूजा नागपाल	श्री गुलशन नागपाल	उत्तीर्ण	प्रथम
25.	2207	960596	प्रोविना चौधरी	श्री एम0सी0 चौधरी	उत्तीर्ण	प्रथम
26.	2208	960364	शीतल त्यागी	श्री वाई0पी0 त्यागी	उत्तीर्ण	प्रथम
27.	2209	960363	सारिका गुप्ता	श्री नरेश कुमार गुप्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
28.	2210	960362	तुहिना त्रिपाठी	श्री अशोक कुमार त्रिपाठी	उत्तीर्ण	प्रथम
29.	2211	960422	उर्वी झिंगरन	श्री सी0पी0 झिंगरन	उत्तीर्ण	प्रथम
30.	2212	950338	अंजलि	श्री जगदीश नारायण	उत्तीर्ण	प्रथम

वर्ग : एम0एस-सी0 द्वितीय वर्ष   विषय : सूक्ष्म विज्ञान

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	2287	930302	अनुराग यादव	श्री जे0एस0 यादव	उत्तीर्ण	प्रथम
2.	2188	930307	धीरज चुग	श्री ऋषि कुमार चुग	उत्तीर्ण	प्रथम
3.	2289	930380	ललित कुमार सैनी	श्री समय सिंह सैनी	उत्तीर्ण	प्रथम
4.	2290	960566	मनोज अग्रवाल	श्री दामोदर प्रसाद	उत्तीर्ण	प्रथम
5.	2291	930315	मनोज भट्ट	श्री डी0 एन0 भट्ट	उत्तीर्ण	प्रथम
6.	2292	960287	नीरज वीज	श्री जे0के0 विज	उत्तीर्ण	प्रथम
7.	2293	930290	नगेन्द्र भूषण पाराशर	श्री ब्रह्मानन्द पाराशर	उत्तीर्ण	प्रथम
8.	2294	930323	प्रवेश कुमार	श्री सुखराम सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
9.	2295	930325	राजीव कुमार	श्री नेपाल सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
10.	2296	930324	राहूल सिंह	श्री राजकुमार सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
11.	2297	930326	रमेशचन्द्र पन्तोला	श्री रेबाधर पन्तोला	उत्तीर्ण	प्रथम
12.	2298	960568	रविन्द्र कुमार	श्री विजयपाल सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
13.	2299	930330	शचीन्द्र पाण्डेय	श्री रविन्द्र नाथ पाण्डेय	उत्तीर्ण	द्वितीय
14.	2300	930327	संजीव चोपड़ा	श्री जागीर सिंह चोपड़ा	उत्तीर्ण	प्रथम
15.	2301	960288	शेखराज सिंह	श्री नाहर सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
16.	2302	920077	विपेन्द्र कुमार	श्री राजपाल सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
17.	2303	960286	विक्रम सिंह पुन्डीर	श्री महेन्द्र सिंह पुन्डीर	उत्तीर्ण	द्वितीय
18.	2304	960326	अलका रानी	श्री रामबली राणा	उत्तीर्ण	प्रथम
19.	2305	960361	बबीता	श्री कृष्णचन्द धरवाल	उत्तीर्ण	प्रथम
20.	2306	960323	बीना चौहान	श्री मेहर सिंह चौहान	उत्तीर्ण	प्रथम
21.	2307	960325	दीपा अग्रवाल	श्री रघुवीर सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम

22.	2308	960709	मनीषा	श्री राजकुमार सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
23.	2308	960324	मुक्ता शर्मा	श्री वेद प्रकाश शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
24.	2310	960322	रुमा गांगुली	श्री रंजीत गांगुली	उत्तीर्ण	प्रथम
25.	2311	960597	ऋतु	श्री सत्यप्रकाश त्यागी	उत्तीर्ण	प्रथम
26.	2312	960681	रीता	श्री बलराम सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
27.	2313	960327	श्वेता सलूजा	श्री एम0पी0 सलूजा	उत्तीर्ण	प्रथम
28.	2314	960321	शलिनी शर्मा	श्री चन्द्र प्रकाश	उत्तीर्ण	प्रथम

वर्ग : एम0एस-सी0 द्वितीय वर्ष   विषय : गणित

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	2115	930059	राजेश कुमार	श्री रामकृष्ण जोशी	उत्तीर्ण	प्रथम
2.	2116	920301	विशाल शर्मा	श्री दिनेश कुमार	उत्तीर्ण	प्रथम
3.	2117	960386	रविन्द्र कुमार	श्री हरि सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
4.	2119	960375	अनीता शर्मा	श्री निरंजनलाल शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
5.	2120	960368	आरती कंसल	श्री प्रवीनचन्द्र कंसल	उत्तीर्ण	प्रथम
6.	2121	960374	अंजली	श्री कुंवरपाल सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
7.	2122	960420	अर्पणा	श्री हुकम सिंह चौहान	उत्तीर्ण	द्वितीय
8.	2123	960335	के0 देवकी	श्री के0एस0एन0 भट्टतीरी	उत्तीर्ण	प्रथम
9.	2124	960614	कु0 कोमल	श्री ताराचन्द शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
10.	2125	960382	मोनिका मनचन्दा	श्री जितेन्द्रपाल चन्दा	उत्तीर्ण	प्रथम
11.	2126	950666	कु0 नेहा	श्री जगवीर सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
12.	2127	960421	कु0नीतू वर्मा	श्री देवेन्द्र कुमार वर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
13.	2128	960613	प्रीति चौधरी	श्री श्योराज सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम

14.	2129	960682	पुष्पा पन्त	श्री माधवानन्द पन्त	उत्तीर्ण	द्वितीय
15.	2131	960339	रेखा रानी	श्री देवराज सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
16.	2132	960340	रेनू तिवारी	श्री रमेशचन्द तिवारी	उत्तीर्ण	प्रथम
17.	2133	960337	संध्या गुप्ता	श्री एस0पी0 गुप्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
18.	2134	960333	शलिनी	श्री एन0सी0 गुप्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
19.	2135	960551	शिवानी गर्ग	श्री कमलेश कुमार गर्ग	उत्तीर्ण	प्रथम
20.	2136	960568	वसुधा जैन	श्री नरेश चन्द जैन	उत्तीर्ण	प्रथम

वर्ग : पी0जी0 डिप्लोमा (पी.एम.आई.आर.) द्वितीय वर्ष

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	1837	960526	अंशुमन शर्मा	श्री एच0के0 शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
2.	1838	960531	अरविन्द सिंह	श्री ए0एस0 वर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
3.	1840	930037	आशिष तिवारी	श्री आर0सी0 तिवारी	उत्तीर्ण	द्वितीय
4.	1841	960735	बृजवीर सिंह	श्री एम0 सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
5.	1842	960633	भास्कर बिष्ट	श्री बी0एस0 बिष्ट	उत्तीर्ण	द्वितीय
6.	1843	930041	दीपक आनन्द	श्री एन0जी0 आनन्द	उत्तीर्ण	प्रथम
7.	1844	960536	धीरज कुमार शर्मा	श्री एस0के0 शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
8.	1845	960539	गौतम प्रताप	श्री जे0पी0 सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
9.	1846	920202	महक सिंह	श्री एच0पी0 सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
10.	1847	960533	मनीष कुमार चौहान	श्री आर0के0 चौहान	उत्तीर्ण	द्वितीय
11.	1849	960534	नवीन कुमार	श्री पी0 कुमार	उत्तीर्ण	द्वितीय
12.	1850	930017	नवीन रावत	श्री के0एस0 रावत	उत्तीर्ण	प्रथम
13.	1851	930053	नीखिल गुप्ता	श्री एस0सी0 गुप्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
14.	1852	930213	प्रदीप चन्द	श्री जे0एन0 बूडाकोटी	उत्तीर्ण	प्रथम

15.	1854	930128	राहूल वत्स	श्री एस0के0 शर्मा	उत्तीर्ण	द्वितीय
16.	1855	930131	राजेश बिष्ट	श्री एस0एस0 बिष्ट	उत्तीर्ण	प्रथम
17.	1856	920252	रवीन्द्र कुमार चौहान	श्री ए0के0 चौहान	उत्तीर्ण	प्रथम
18.	1857	960765	ऋषी हितकारी	श्री वी0एस0 हितकारी	उत्तीर्ण	प्रथम
19.	1858	930138	संजीव राजपुत	श्री डी0पी0 सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
20.	1859	960540	संजय कुमार राजपुत	श्री एम0पी0 सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
21.	1860	930247	शोभित कुलश्रेष्ठ	श्री ए0के0 कुलश्रेष्ठ	उत्तीर्ण	प्रथम
22.	1861	960532	शोभित रस्तोगी	श्री एस0सी0 रस्तोगी	उत्तीर्ण	प्रथम
23.	1862	960535	सुभाष चन्द बलोनी	श्री एस0पी0 बलोनी	उत्तीर्ण	प्रथम
24.	1863	960537	विख्यात	श्री डी0पी0 सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
25.	1864	920300	विशाल पन्त	श्री बी0सी0 पन्त	उत्तीर्ण	द्वितीय
25.	1865	950465	वीजेन्द्र कुमार	श्री राजेन्द्र नारायण	उत्तीर्ण	द्वितीय
26.	1866	950476	संजीव थपलीयाल	श्री डी0पी0 थपलीयाल	उत्तीर्ण	द्वितीय
27.	2325	950473	दिगम्बर प्रसाद गैरोला	श्री पी0 एल0 गैरोला	उत्तीर्ण	प्रथम

वर्ग : एम0बी0ए0 चतुर्थ सत्र

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	2536	960506	अभय कुमार	श्री आर0 प्रसाद	उत्तीर्ण	प्रथम
2.	2537	960520	अमित कुमार गुप्ता	श्री प्रकाश चन्द गुप्ता	उत्तीर्ण	द्वितीय
3.	2538	930264	अनुराग	श्री एस0पी0एस0 चौहान	उत्तीर्ण	द्वितीय
4.	2539	960516	अनुराग त्यागी	श्री नरेश चन्द त्यागी	उत्तीर्ण	प्रथम
5.	2540	960505	अरविन्द ऐरी	श्री शिव कुमार शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
6.	2541	960511	आशीष शर्मा	श्री रामकुमार शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
7.	2542	960724	आशीष अहलावर्त	श्री मदनपाल सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम

8.	2543	960510	अतुल कुमार	श्री नवरत्न सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
9.	2544	960514	दिनेश कुमार पाण्डेय	श्री एन0जे0 पाण्डेय	उत्तीर्ण	द्वितीय
10.	2545	960504	गौरव वत्स	श्री टी0आर0 शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
11.	2546	960627	गिरीश गुलाटी	श्री एन0के0 गुलाटी	उत्तीर्ण	प्रथम
12.	2547	960522	लोकेन्द्र सिंह	श्री अमन स्वरूप	उत्तीर्ण	द्वितीय
13.	2548	960502	मनीष गुप्ता	श्री एल0सी0 गुप्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
14.	2549	960716	मनोज कुमार राजपूत	श्री हरपाल सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
15.	2550	960503	मारूत शाह	श्री जी0एल0 शाह	उत्तीर्ण	प्रथम
16.	2551	960504	मिथिलेश कुमार पाण्डेय	श्री भगवान देव पाण्डेय	उत्तीर्ण	प्रथम
17.	2552	960521	मुकुल बंसल	श्री आनन्द प्रकाश बंसल	उत्तीर्ण	प्रथम
18.	2553	960377	नैपाल सिंह	श्री जिले सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
19.	2554	960519	नरपेन्द्र कुमार	श्री राजेन्द्र सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
20.	2555	960507	नवीन खण्डेलवाल	श्री रामशरण खण्डेलवाल	उत्तीर्ण	प्रथम
21.	2556	960518	प्रशान्त	श्री सुरेन्द्र सिंह राजपूत	उत्तीर्ण	द्वितीय
22.	2557	960515	प्रशान्त सैनी	श्री भगवान सिंह सैनी	उत्तीर्ण	द्वितीय
24.	2559	920484	प्रीतम सिंह	श्री ओमप्रकाश सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
25.	2560	960512	रविन्द्र कुमार	श्री डी0पी0 सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
26.	2561	960513	रविन्द्र वर्मा	श्री करतार सिंह वर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
27.	2562	960768	रोहताश श्रीवास्तव	श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव	उत्तीर्ण	प्रथम
28.	2563	960501	सन्दीप मेंहदीरत्ता	श्री ओ0पी0 मेंहदीरत्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
30.	2565	960517	सूर्यकान्त त्यागी	श्री राजकुमार त्यागी	उत्तीर्ण	प्रथम
31.	2566	960509	उपेन्द्र कुमार	श्री राजपाल सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
32.	2567	960599	वागीश पालीवाल	श्री विष्णुदत्त राकेश	उत्तीर्ण	प्रथम
33.	2569	960508	विनोद कुमार सिंह	श्री रतन सिंह सजवाण	उत्तीर्ण	प्रथम

34.	2568	960525	विनीत कौशल	श्री सुरेन्द्र नाथ शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
35.	2570	960583	अनुपमा गुप्ता	श्री मदन मोहन गुप्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
36.	2571	960586	आसु खन्ना	श्री ओ0 एस0 खन्ना	उत्तीर्ण	प्रथम
37.	2572	960584	अंकित गोयल	श्री पी0के0 गोयल	उत्तीर्ण	प्रथम
38.	2573	960582	भारती शर्मा	श्री सत्य प्रकाश शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
39.	2574	960711	छाया भाटिया	श्री अर्जुन लाल भाटिया	उत्तीर्ण	प्रथम
40.	2575	960673	दीप्ति कपूर	श्री डी0 एन0 कपूर	उत्तीर्ण	प्रथम
41.	2576	960587	दीपशिखा	श्री वी0पी0 शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
42.	2577	960715	एकता सिंह	श्री प्रताप सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
43.	2578	960670	गीतिका	श्री ऋषि कुमार गुप्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
44.	2579	960671	कोकिल सिंघल	श्री अजीत कुमार	उत्तीर्ण	प्रथम
45.	2580	960581	कामिनी शर्मा	श्री के0के0 शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
46.	2581	960594	मन्जु खन्ना	श्री वेदप्रकाश खन्ना	उत्तीर्ण	प्रथम
47.	2582	960585	मोनिका मित्तल	श्री एम0एल0 मित्तल	उत्तीर्ण	प्रथम
48.	2583	960588	निमिषा कनौजिया	श्री आर0एस0 कनौजिया	उत्तीर्ण	प्रथम
49.	2584	960616	प्रतिभा बिष्ट	श्री भगत सिंह बिष्ट	उत्तीर्ण	प्रथम
50.	2585	960591	प्राची सिंह	श्री सत्यचन्द्र चौधरी	उत्तीर्ण	प्रथम
51.	2586	960664	रितु चतुर्वेदी	श्री दिनेश चन्द्र चतुर्वेदी	उत्तीर्ण	प्रथम
52.	2587	960580	ऋचा दीक्षित	श्री विद्याशंकर दीक्षित	उत्तीर्ण	प्रथम
53.	2588	960590	ऋतु सक्सैना	श्री सुधीर कुमार सक्सैना	उत्तीर्ण	प्रथम
54.	2589	960672	रश्मि कोहली	श्री शिव कुमार कोहली	उत्तीर्ण	प्रथम
55.	2591	960592	वन्दना निगम	श्री आर0के0 निगम	उत्तीर्ण	प्रथम
56.	2592	960706	वरूणा पालीवाल	श्री विश्वनाथ पालीवाल	उत्तीर्ण	प्रथम
57.	2590	960663	ऋतु ढींगरा	श्री सतीश कुमार ढींगरा	उत्तीर्ण	प्रथम

वर्ग : एम0सी0ए0 चतुर्थ सत्र

क्रम सं0	अनुक्रमांक	पंजी0सं0	नाम छात्र/छात्रा	पिता का नाम	परिणाम	श्रेणी
1.	2458	950403	अभिषेक सिंह	श्री कृष्ण कुमार सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
2.	2460	950300	अमित जैन	श्री रमेश चन्द जैन	उत्तीर्ण	प्रथम
3.	2461	950302	आनन्द सहगल	श्री एच0 एल0 सहगल	उत्तीर्ण	प्रथम
4.	2462	950543	अनुज वर्मा	श्री डी0 आर0 वर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
5.	2463	950301	अरविन्द राय	श्री जगन्नाथ राय	उत्तीर्ण	प्रथम
6.	2464	910172	अतुल कुमार पंकज	श्री भगवान सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
7.	2465	920356	अविनाश आनन्द	श्री नन्दगोपाल आनन्द	उत्तीर्ण	प्रथम
8.	2466	920176	दीपक अग्रवाल	श्री रतन लाल गंगल	उत्तीर्ण	प्रथम
9.	2467	950299	दीपक सेतिया	श्री एच0आर0 सेतिया	उत्तीर्ण	प्रथम
10.	2468	950298	धीरेन्द्र नेगी	श्री डी0एस0 नेगी	उत्तीर्ण	प्रथम
11.	2469	950297	दिवाकर शुक्ल	श्री के0एम0 शुक्ला	उत्तीर्ण	प्रथम
12.	2470	920296	जितेन्दर सिंह गोसाई	श्री शेखर सिंह गोसाई	उत्तीर्ण	प्रथम
13.	2471	920369	ललित किशोर	श्री एच0सी0 अरोड़ा	उत्तीर्ण	प्रथम
14.	2572	950295	मनीष अग्रवाल	श्री सत्येन्द्र कुमार अग्रवाल	उत्तीर्ण	प्रथम
15.	2573	950542	मनोज अग्रवाल	श्री एस0बी0 अग्रवाल	उत्तीर्ण	प्रथम
16.	2574	920371	मनोज कुमार वर्मा	श्री हरपाल सिंह वर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
17.	2575	950294	मनोज त्यागी	श्री ओम प्रकाश	उत्तीर्ण	प्रथम
18.	2576	950293	मुकेश धामीजा	श्री एस0एल0 हमीजा	उत्तीर्ण	प्रथम
19.	2577	960316	नवीन अहलावत	श्री शिशुपाल सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
20.	2478	920218	नवीन भाटिया	श्री इन्दरजीत भाटिया	उत्तीर्ण	प्रथग
21.	2479	950292	नीरज चौहान	श्री हरकेश सिंह चौहान	उत्तीर्ण	प्रथम

22.	2480	950291	राहुल गुप्ता	श्री विजय कुमार गुप्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
23.	2481	950290	राहुल शर्मा	श्री सुरेन्द्र पाल शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
24.	2483	950282	राजेन्द्र कुमार	श्री देवाराम	उत्तीर्ण	द्वितीय
25.	2484	950317	रविन्द्र ढाका	श्री महेन्द्र पाल ढाका	उत्तीर्ण	प्रथम
26.	2485	950508	संजय गुप्ता	श्री दिनेश गुप्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
27.	2486	950402	संजय राजपूत	श्री धार्मवीर सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
28.	2487	950288	संतोष आनन्द	श्री गणेश प्रसाद वर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
29.	2488	950287	सौरभ सक्सैना	श्री राजेश मोहन सेक्सैना	उत्तीर्ण	प्रथम
30.	2489	950286	सौरभ तिवारी	श्री कमलेश तिवारी	उत्तीर्ण	प्रथम
31.	2490	920270	शलभ कपूर	श्री आर0के0 कपूर	उत्तीर्ण	प्रथम
32.	2491	920274	सिद्धार्थ	श्री सुधीर कुमार भटनागर	उत्तीर्ण	द्वितीय
33.	2492	950285	सोनल हाँडा	श्री बी0आर0 हाँडा	उत्तीर्ण	प्रथम
34.	2493	950507	सुनील मदान	श्री ओ0पी0 मदान	उत्तीर्ण	प्रथम
35.	2494	950284	टी0 भास्कर मूर्ति	श्री टी0 कृष्ण मूर्ति	उत्तीर्ण	प्रथम
36.	2496	950283	विजय गुप्ता	श्री विमल प्रसाद गुप्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
37.	2497	950654	विकेश कुमार	श्री कृपाल सिंह	उत्तीर्ण	द्वितीय
38.	2499	950207	अर्चना त्यागी	श्री श्याम लाल त्यागी	उत्तीर्ण	प्रथम
39.	2500	950210	अनामिका शर्मा	श्री अशोक कुमार शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
40.	2502	950206	एकता चौधरी	श्री देवेन्द्र कुमार	उत्तीर्ण	द्वितीय
41.	2503	950657	इला अवस्थी	श्री ए0के0 अवस्थी	उत्तीर्ण	प्रथम
42.	2504	950203	ज्योति शर्मा	श्री हरनन्दन शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
43.	2505	950215	जूली अग्रवाल	श्री प्रकाश चन्द अग्रवाल	उत्तीर्ण	प्रथम
44.	2506	950200	कामिनी पाहूजा	श्री ओ0पी0 पाहूजा	उत्तीर्ण	प्रथम
45.	2507	950201	मंजिमा शर्मा	श्री रामकुमार पालीवाल	उत्तीर्ण	प्रथम

46.	2508	950214	मीनाक्षी यादव	श्री पृथ्वी सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
47.	2509	950216	प्रतिभा	श्री यशपाल सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
48.	2510	950687	नीलू मेहता	श्री सुधीर कुमार गुप्ता	उत्तीर्ण	प्रथम
49.	2511	950213	प्रियकां आनन्द	श्री एम०पी० आनन्द	उत्तीर्ण	प्रथम
50.	2513	950198	रीनू रानी गोयल	श्री जगमेश्वर दयाल	उत्तीर्ण	प्रथम
51.	2514	950202	रीतू अहूजा	श्री वी०पी० आहूजा	उत्तीर्ण	प्रथम
52.	2515	950690	ऋचा उपाध्याय	श्री सुबोध उपाध्याय	उत्तीर्ण	प्रथम
53.	2516	950212	रीतू जैन	श्री जितेन्द्र कुमार जैन	उत्तीर्ण	प्रथम
54.	2517	950211	रूचिरा गोयल	श्री चैतन्य प्रकाश	उत्तीर्ण	प्रथम
55.	2518	950204	सारिका	श्री महेन्द्र सिंह	उत्तीर्ण	प्रथम
56.	2519	950686	श्रीलता	श्री हरिकुमार वारियर	उत्तीर्ण	प्रथम
57.	2520	950199	शिवानी गोयल	श्री प्रमोद कुमार गोयल	उत्तीर्ण	प्रथम
58.	2521	950688	श्वेता ठुकराल	श्री बलदेव राज ठुकराल	उत्तीर्ण	प्रथम
22.	2522	950205	वन्दना शर्मा	श्री विनोद कुमार शर्मा	उत्तीर्ण	प्रथम
23.	2523	950658	विभूति विश्नोई	श्री विद्याभूषण विश्नाई	उत्तीर्ण	प्रथम